

**LOK SABHA CHUNAV 2019 : HINDI SAMACHAR PATRON
KA VISHLESHANATMAK ADHYAYAN**
लोक सभा चुनाव 2019 : हिंदी समाचार पत्रों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Thesis Submitted for the Award of the Degree of

DOCTOR OF PHILOSOPHY

in

Journalism and Mass Communication

By

Lal Singh

Registration Number: 11719245

Supervised By

Dr. Mukesh Kumar (27433)

Department of Journalism and Mass Communication (Professor)

Lovely Professional University



L OVELY
P ROFESSIONAL
U NIVERSITY

Transforming Education Transforming India

LOVELY PROFESSIONAL UNIVERSITY, PUNJAB

2025

घोषणा पत्र

मैं लाल सिंह यह घोषणा करता हूँ कि **LOK SABHA CHUNAV 2019 : HINDI SAMACHAR PATRON KA VISHLESHANATMAK ADHYAYAN** (लोक सभा चुनाव 2019 : हिंदी समाचार पत्रों का विश्लेषणात्मक अध्ययन) विषय पर प्रस्तुत यह शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों और सूचनाओं पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने प्रो. (डॉ.) मुकेश कुमार, निदेशक पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा (पंजाब) के निर्देशन व मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करता हूँ कि इस शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: एल.पी.यू.

शोधार्थी

दिनांक.....

लाल सिंह

शोध निर्देशक

डॉ. मुकेश कुमार

निदेशक, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा (पंजाब)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमान लाल सिंह ने मेरे मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में **LOK SABHA CHUNAV 2019 : HINDI SAMACHAR PATRON KA VISHLESHANATMAK ADHYAYAN** (लोक सभा चुनाव 2019 : हिंदी समाचार पत्रों का विश्लेषणात्मक अध्ययन) शोध शीर्षक से डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी पूरी की है। जहां तक मेरी जानकारी है, यह इनका मूल शोध कार्य है। इस शोध प्रबंध का कोई भी भाग, डिग्री या डिप्लोमा के लिए किसी अन्य विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्रस्तुत शोध प्रबंध डॉक्टर ऑफ फिलासफी की डिग्री प्रदान करने हेतु उपयुक्त है।

डॉ. मुकेश कुमार

निदेशक, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा (पंजाब) 144411

आभार

प्रस्तुत शोध प्रबंध लगन और मेहनत के साथ उम्मीदों का समिश्रण है तथा इसे पूर्णता प्रदान करने के लिए लोगों का प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग प्राप्त हुआ है। उन सभी के प्रति मैं हमेशा आभारी रहूँगा।

सर्वप्रथम मैं विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। जिसमें मुझे शोध कार्य करने का अवसर मिला। मैं अपने शोध निर्देशक प्रो. (डॉ.) मुकेश कुमार तथा विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह एवं विभाग के सभी प्राध्यापकों का भी आभारी रहूँगा, जिनके मार्गदर्शन से कार्य आरंभ करने से लेकर पूरा करने तक कुशल नेतृत्व मिलता रहा।

मैं अपनी माता श्रीमती राम श्री व पिता स्वर्गीय श्री छोटे लाल तथा परिवार के अन्य सदस्यों का सदैव ऋणी रहूँगा जिन्होंने मुझे शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया, साथ ही मैं अपनी धर्म पत्नी नर्मदा ठाकुर जी का भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने समय-समय पर समाकारात्मक विचारों से सदैव मेरा उत्साहवर्धन किया है।

अंत में मैं अपने विभाग के मित्रों अशोक कुमार, डॉ. शगुन शर्मा, डॉ. रितु कौर, संजीत कुमार एवं वे सभी जिन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से शोध कार्य में सहयोग किया है इन सबके प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह व डॉ. अक्षय कुमार, डॉ. सुगंध शेखर, डॉ. अजमत अली, हीरा लाल तथा अमर उजाला के संपादक वीरेंद्र प्रधान व दैनिक जागरण के संपादक संजय गुप्ता व हिन्दुस्तान के संपादक सुनील द्विवेदी तथा नव भारत टाइम्स के संपादक सुधीर मिश्रा जी के प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

डॉ. अफ़ाक अहमद सर के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मेरे शोध विषय को चयन कराने में सबसे अधिक सहयोग प्रदान किया और प्रो. डॉ. कुशल कुमार सर ने भी हमेशा मेरा मार्गदर्शन दिया है उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ।

डॉ. संदीप वर्मा सहायक प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने सदैव शोध कार्य हेतु मार्गदर्शन दिया है और मेरे उत्साह को बढ़ाया है।

सारांश

मीडिया का लोगों के व्यवहार पर सीधा प्रभाव पड़ता है। हाइपोडर्मिक निडल सिद्धांत कहता है कि मीडिया का प्रभाव सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रवृत्तियों तथा गतिविधियों को प्रभावित करता है। जब मीडिया किसी विषय पर ध्यान केंद्रित करती है या किसी विशेष दृश्य को प्रस्तुत करती है तो यह लोगों के विचारों और व्यवहार में परिवर्तन ला सकता है। इस सिद्धांत के अनुसार मीडिया एक प्रभावशाली और सकारात्मक साधन है जो विभिन्न प्रकार के सामाजिक प्रश्नों, चुनौतियों और मुद्दों को सार्वजनिक चर्चा के अंतर्गत लाता है। लोग मीडिया के माध्यम से भिन्न-भिन्न विचारों, दृष्टिकोणों और जानकारीयों को प्राप्त करते हैं और इनके आधार पर अपने स्वयं के विचार और परिणामों का निर्माण करते हैं। इसके अलावा मीडिया का उपयोग राजनीतिक और आर्थिक प्रवृत्तियों पर भी असर डाल सकता है। जब मीडिया किसी राजनीतिक दल या नीति को प्रमोट करता है तो यह लोगों के वोटिंग पैटर्न और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर प्रभाव डाल सकता है। इसी तरह विपरीत ढंग से एक नकारात्मक या अप्रशंसनीय प्रस्तुति आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों पर भी प्रभाव डाल सकती है। संक्षेप में मीडिया का व्यापक प्रभाव है और यह लोगों के विचारों, धारणाओं और व्यवहार पर सीधा प्रभाव डाल सकता है जो सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रवृत्तियों को प्रभावित करता है।

चुनाव के समय मीडिया का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है जब राजनीतिक दल और उम्मीदवारों के द्वारा मीडिया के माध्यम से अपने एजेंडे का प्रचार-प्रसार किया जाता है। सभी राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्रों का विज्ञापन निकालते हैं और दूसरों के बीच स्वयं को सर्वोत्तम विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हैं। मीडिया विभिन्न राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के रूप में चुनाव लड़ने वाले व्यक्तियों के तुलनात्मक विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है। मीडिया एक महत्वपूर्ण साधन है जो लोगों को राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के बारे में जानकारी प्रदान करता है और उन्हें चुनावी निर्णय लेने में मदद करता है। मीडिया के माध्यम से लोगों को स्वतंत्र और सही निर्णय लेने में मदद मिलती है, जो लोकतंत्र के मूल्यों को बढ़ावा देती है तथा तथ्यों को स्थापित करने और लोगों तक सच्चाई पहुंचाने में मदद करती है। साथ ही यह माना जाता है कि मीडिया का उपयोग लोकतंत्र के दायरे को व्यापक बना सकता है और समानतावादी जीवन के मानदंडों को प्रभावित करने के लिए बहुलवाद ला सकता है। इस प्रकार चुनाव के दौरान लोगों को अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करना होता है तो यह स्पष्ट रूप से अनिवार्य हो जाता है कि मीडिया उन्हें सभी आवश्यक जानकारी प्रदान करे ताकि वह सही प्रतिनिधि का चुनाव कर सकें।

भारतीय परिदृश्य में प्रारंभ से ही जनसंचार माध्यमों की भूमिका रही है। स्वतंत्रता के बाद जैसे-2 देश ने सरकार का लोकतांत्रिक रूप अपनाया जनसंचार माध्यमों की भूमिका और जिम्मेदारियां बढ़ती चली गयीं। भारतीय संदर्भ में लोकतंत्र को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए मीडिया ने चौथे स्तंभ की रचनात्मक भूमिका

बखूबी निभाई है। वैसे तो भारत में कई धर्म, जातियां और भाषाई विविधताओं के बावजूद संवैधानिक प्रावधानों के तहत सुरक्षित लोकतांत्रिक अधिकार और अजीविका की स्वतंत्रता बांकी दुनिया के लिए एक नज़ीर पेश करते हैं, क्योंकि भारत देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसलिए अन्य देशों की तुलना में जनसंचार माध्यमों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। हमारे देश ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के सफल क्रियान्वयन के साथ दुनिया के सामने एक अच्छा उदाहरण पेश किया है जो लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रयोग है। यह एक ऐसा कार्य था जिसे अमेरिका जैसे समृद्ध देश भी नहीं कर सके, क्योंकि उन्होंने अपने लोकतांत्रिक वर्षों के शुरुआती दिनों में लैटिन अमेरिकियों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया था। भारत में संसदीय और विधायिका के चुनाव में मीडिया हमेशा से ही अपनी भूमिका निभाता आया है तथा लोकतंत्र को मजबूत करने में अहम योगदान देता आया है। मीडिया की प्रसंगिकता और निहितार्थों को देखते हुए यह कहना कतई गलत नहीं होगा कि मीडिया अथवा जनसंचार माध्यमों के अभाव में राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए मतदाताओं से जुड़ना काफी मुश्किल हो जायेगा।

इस अध्ययन में शोधकर्ता ने भारतीय संदर्भ में मीडिया किस प्रकार आमजनता को चुनावी खबरों के माध्यम से प्रभावित करती है इसका अध्ययन किया है जो चुनाव के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डालता है। इस अध्ययन में “लोक सभा चुनाव 2019: हिंदी समाचार पत्रों का विश्लेषणात्मक अध्ययन” विषय पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जिसके अंतर्गत मीडिया ने लोकसभा चुनाव 2019 के दौरान चुनावी खबरों को कितना स्थान दिया था तथा खबरों के प्रकाशन में किस तरह पॉलिसी और एजेंडों का ध्यान रखा गया और किस प्रकार चुनावी खबरों ने आमजनता को लोकतंत्र के महापर्व में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया था। इन्हें निम्न प्रश्नों के माध्यम से उठाने का प्रयास किया गया है।

- मुख्यधारा के प्रिंट मीडिया ने लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान चुनावी खबरों को कितना स्थान दिया?
- 2019 में चुने गए समाचार पत्रों ने चुनावी खबरों के प्रकाशन में किस प्रकार राजनीतिक एजेंडों का इस्तेमाल किया?
- लोक सभा चुनाव 2019 में हिंदी समाचार पत्रों ने खबरों के प्रकाशन में किस प्रकार पॉलिशियों को ध्यान में रखते हुए खबरों को प्रकाशित किया?
- लोक सभा चुनाव 2019 में चुनावी मुद्दों- राम मंदिर, तीन तलाक, धारा 370, प्रत्येक नागरिक को 72 हजार रुपये, रोजगार, शिक्षा, संप्रदायवाद, आर्थिक नीतियां, आतंकवाद और विकास के मुद्दों को कितनी प्राथमिकता के साथ हिंदी समाचार पत्रों ने प्रकाशित किया?

- लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान हिंदी समाचार पत्रों के पाठकों ने समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को किस रूप में ग्रहण किया ?
- क्या चुनाव के दौरान प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए आमजनता ने मतदान किया था ?
- क्या लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान संसदीय उम्मीदवारों का प्रभाव देखने को मिला था?
- क्या लोक सभा चुनाव 2019 में राजनीतिक पार्टियों का प्रभाव मतदान व्यवहार पर प्रभाव देखने को मिला था?
- क्या लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों का प्रभाव मतदान व्यवहार पर देखने को मिला था ?
- क्या लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान आमजनता के बीच जनता के मुद्दों कृषि, लैंगिक न्याय, भ्रष्टाचार, लोकतांत्रिक विचारधारा, पार्टियों की विदेश नीतियां, अर्थव्यवस्था, आतंकवाद, संप्रदायवाद, पार्टी की साफ-सुथरी छवि, उम्मीदवार की साफ-सुथरी छवि, दबंगीय स्वभाव, नेताओं की लोकप्रियता और परंपरिक रूप से पीढ़ी दर पीढ़ी पार्टियों के लिए मतदान करने वाली बातों का प्रभाव देखने को मिला था?

शोधकर्ता के द्वारा उठाये गए उक्त प्रश्न शोध अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं कि जनसंचार माध्यमों की भूमिका केवल राजनीतिक नहीं है, बल्कि समाज के साथ-साथ लोकतंत्र के स्थायित्व और सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक है। इस शोध से उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और लोकतंत्र के संरक्षकों को एक बेहतर समझ मिलती है कि मीडिया कैसे एक सकारात्मक और उपयोगी भूमिका निभाता है और लोकतंत्र को सुरक्षित और मजबूत बनाने में मदद करता है।

इस अध्ययन में शोधकर्ता ने मुख्य रूप से गणनात्मक विषयवस्तु विश्लेषण प्रविधि का उपयोग किया है। लोक सभा चुनाव 2019 में हिंदी समाचार पत्रों ने चुनावी खबरों को कितनी प्राथमिकता दी तथा चुनावी खबरों ने आमजनता के मतदान व्यवहार को कितना प्रभावित किया, यह जानने का प्रयास किया गया है। लोक सभा चुनाव 2019 सात चरणों में संपन्न हुआ था। पहले चरण का चुनाव 11 अप्रैल 2019 को हुआ, जिसमें 91 सीटों पर चुनाव हुआ तथा दूसरे चरण का चुनाव 18 अप्रैल को हुआ, जिसमें 95 लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ। तीसरे चरण का चुनाव 23 अप्रैल 2019 को हुआ, जिसमें 117 लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ। चौथे चरण का चुनाव 29 अप्रैल 2019 को हुआ, जिसमें 71 लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ। पाँचवें चरण का चुनाव 6 मई 2019 को हुआ, जिसमें 50 सीटों पर चुनाव हुआ। छठे चरण का चुनाव 12 मई 2019 को हुआ, जिसमें 59 लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ। सातवें चरण का चुनाव 19 मई 2019 को हुआ, जिसमें 59 लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ।

शोधकर्ता ने अध्ययन में पाया है कि चुनाव के दौरान चुने गए हिंदी समाचार पत्रों- दैनिक जागरण समाचार पत्र में महासमर 2019, अमर उजाला में सत्ता-संग्राम 2019, हिन्दुस्तान में महासंग्राम लोक सभा चुनाव 2019 और नव भारत टाइम्स में सत्ता-संग्राम 2019 के नाम से चुनावी कवरेज के लिए विशेष पृष्ठों का प्रकाशन किया गया। जिसकी समयावधि 10 मार्च 2019 से 31 मई 2019 है। 10 मार्च से 31 मई 2019 की समयावधि को चुनने का प्रमुख कारण है 10 मार्च 2019 को हुए लोक सभा चुनाव की घोषणा तथा 30 मई को मोदी 2.0 सरकार की वापसी के कारण 31 मई 2019 तक की अवधि को शोध हेतु चुना गया है। शोधकर्ता ने पाया है कि हिंदी के चारों समाचार पत्रों ने जनमानस को लोकतंत्र के पर्व में सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया तथा चुनावी मुद्दों के प्रभाव को जानने के लिए प्रश्नावली तथा समाचार पत्रों के प्रधान संपादकों के साक्षात्कार के माध्यम से निष्कर्षों तक पहुंचने का प्रयास किया है। जिसमें शोधकर्ता ने पाया है कि प्रमुख चुनावी मुद्दों का मतदान व्यवहार पर प्रभाव बहुत कम मात्रा में देखने को मिला है। सबसे अधिक प्रभाव उम्मीदवारों की साफ सुथरी छवि, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की छवि और लोकप्रियता ने प्रमुख रूप से आम जनता के मतदान व्यवहार को प्रभावित किया था। दैनिक जागरण समाचार पत्र में चुनी गई समयावधि के दौरान कुल 1446 चुनावी खबरों का प्रकाशन किया गया तथा अमर उजाला में 1078 खबरें और हिन्दुस्तान समाचार पत्र में 1667 चुनावी खबरें व नव भारत टाइम्स में कुल 1161 चुनावी खबरों का प्रकाशन किया गया। इसी प्रकार प्रमुख चुनावी मुद्दों में राम मंदिर से संबंधित 6, धारा 370 से संबंधित 6, तीन तलाक से संबंधित 3, प्रत्येक नागरिक को 72 हजार से संबंधित 10, रोजगार से संबंधित 17, शिक्षा से संबंधित 5, संप्रदायवाद से संबंधित 28, अर्थव्यवस्था से संबंधित 8, आतंकवाद से संबंधित 21, विकास से संबंधित 46 खबरें प्रकाशित हुईं। इस प्रकार से देखा जाये तो कुल 150 खबरों का प्रकाशन किया गया।

चुनावी खबरों का आमजनता पर प्रभाव देखने के लिए प्राप्त सूचनाओं के आधार पर कहा जाता है कि कुल आबादी का सिर्फ एक तिहाई हिस्सा ही है जो चुनावी मुद्दों से प्रभावित होता दिखाई देता है और एक तिहाई हिस्सा ऐसा है जिनका इन मुद्दों से कोई सरोकार ही नहीं है। आधी आबादी ऐसी है जो कभी मुद्दों के साथ जाते हुए दिखाई देती है तो कभी इसके विपरीत जाते हुए दिखाई देती है। मीडिया द्वारा चुनावों के दौरान महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों- शिक्षा, रोजगार, भ्रष्टाचार, कृषि और विकास जैसे मुद्दों की खबरों के प्रकाशन में लापरवाही बरतती नजर आती है। लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों का वह प्रभाव नहीं देखने को मिला जिसकी अपेक्षा की जाती है।

प्राक्थन

यह अध्ययन प्रकाशित खबरों के माध्यम से हिंदी प्रिंट मीडिया द्वारा चुनावी अभियान के प्रचार की कवरेज और समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के प्रभाव का विश्लेषण करता है। इस अध्ययन से पता चलता है कि हिंदी प्रिंट मीडिया चुनावी खबरों को प्रमुख पृष्ठों, विशेष पृष्ठों और कॉलम/सेमी में विभाजित करके जनता की राय को आकार देता है। यहां मीडिया चुनाव से पहले, चुनाव के दौरान और उसके बाद विशेष रूप से चुनाव समाचार, विश्लेषण, समीक्षा और विचार-विमर्श प्रकाशित करके मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास करता है। इसके अलावा, चुनावी खबरों में राजनीतिक पार्टियों की योजनाओं और घोषणाओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि उन्हें जनता तक पहुंचाया जा सके। इसी तरह, मीडिया चुनावी प्रचार की कवरेज में पार्टियों की चुनावी योग्यता, प्रचार रणनीति, चुनावी खर्च, उम्मीदवारों की प्रोफ़ाइल आदि को शामिल करती है। सामाजिक बोलचाल में लिपमैन ने जनमत की अवधारणा को पेश किया है, हालांकि 1922 में प्रकाशित विचार अभी भी प्रासंगिक हैं और कालातीत साबित हुए हैं। लिपमैन ने सामाजिक बोलचाल में जनमत की अवधारणा को पेश किया है और बताया है कि इसका विकास कैसे हुआ और कैसे यह समय के साथ बदला है। उनके मतानुसार, लोग किसी भी सामाजिक समस्या पर एक राय बनाने के माध्यम से आम सहमति बनाने के लिए तैयार होंगे। हैबरमास के अनुसार, मध्यस्थता की राजनीति, सार्वजनिक और निजी हितों के बीच मध्यस्थता करती है और लोगों के विचारों को एकत्रित करके सार्वजनिक बहस को लोकप्रिय बनाती है। मीडिया इसके बारे में विचार करने वाले लोगों को अपने विचारों को आम जगहों पर प्रदर्शित करने की और समाज के बीच संवाद करने की अनुमति देती है।

2019 के लोक सभा चुनाव के दौरान, मीडिया ने विभिन्न सार्वजनिक हितों के मध्य विभिन्न मीडिया तर्कों को प्रदर्शित किया। इसमें पार्टियों की प्राथमिकताओं या विशिष्ट मुद्दों का पता लगाया गया। मीडिया ने चुनाव की प्राथमिकताओं, राजनीतिक प्रक्रिया और सार्वजनिक चिंताओं के प्रति अपने दृष्टिकोण को चिन्हित किया। इसके अतिरिक्त मीडिया के माध्यम से ऐसे संदेश प्रदर्शित होते हैं जिनका सामाजिक अर्थ अलग-अलग ताकतों के साथ जुड़ा हो सकता है, जैसे राज्य या अन्य ताकतें। यह संदेश मीडिया की स्वतंत्रता को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था में मीडिया के साथ मीडिया का वैचारिक तंत्र साथ मिलकर चलता रहता है।

दैनिक जागरण, अमर उजाला, हिन्दुस्तान और नवभारत टाइम्स चारों प्रमुख समाचार पत्र भारत में चुनावी खबरों की रिपोर्टिंग करते हैं। हालांकि, इनमें समानता और असमानता का मूल्यांकन व्यक्तिगत हो सकता है और इसमें संप्रदायिक, राजनीतिक और जातीय विभेद का प्रभाव भी हो सकता है। चुनावी खबरों की समानता और असमानता का एक अच्छा उदाहरण है उनकी कवरेज का तरीका। कुछ समाचार पत्र एक प्रतिबंधित और विनाशकारी रूप से दिखा सकते हैं जो एक ही राजनीतिक पक्ष के समर्थकों को प्रोत्साहित करते हैं और दूसरी

ओर, कुछ समाचार पत्र न्यायपूर्वक और संप्रदायिक तरीके से चुनावी खबरों की रिपोर्टिंग कर सकते हैं जो राजनीतिक विषयों पर सभी पक्षों के दृष्टिकोण को पेश करते हैं। इन समाचार पत्रों के कवरेज में असमानता का भी पता चल सकता है, जैसे किसी विशेष राजनीतिक पक्ष को अधिक दिखाया जाएगा और उसके विरोधी पक्ष को कम। इसके बजाय, सभी पक्षों को समान रूप से कवर करना चाहिए और विभिन्न दृष्टिकोणों को पेश करना चाहिए ताकि पाठकों को सटीक और व्यापक जानकारी मिल सके। इन समाचार पत्रों के लिए महत्वपूर्ण यह भी है कि वे एक सार्वजनिक राय को प्रस्तुत करते हैं और नागरिक समाज में चर्चा और विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करते हैं। मीडिया उन्हें एक मध्यस्थता की भूमिका भी देता है जो लोगों को सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर सोचने और विचार करने के लिए प्रेरित करता है। समाचार पत्रों की समानता और असमानता में अंतर दिखाने के लिए, मीडिया के दृष्टिकोण, न्यूज़ एजेंसियों से प्राप्त खबरों के आधार पर निर्धारित किया जाता है। समाचार पत्रों की न्यूज़ कवरेज में असमानता दिखने पर उसे हमेशा विश्वासघात के रूप में देखा जाना चाहिए और उनकी कवरेज के मानकों के विषय में चर्चा की जानी चाहिए।

समाचार पत्रों की संपादकीय नीति की स्वतंत्रता के अलावा, उनके प्रकाशन के तरीके भी महत्वपूर्ण होते हैं। कुछ समाचार पत्रों का प्रकाशन ऑनलाइन और प्रिंट दोनों पर होता है, जबकि कुछ सिर्फ वेबसाइटों पर उपलब्ध होते हैं। इसके साथ ही, समाचार पत्रों के प्रस्तुतीकरण के तौर-तरीके भी भिन्न हो सकते हैं। कुछ समाचार पत्र विश्लेषणात्मक और गंभीर हो सकते हैं, जबकि कुछ को रंगीन और मनोरंजक बनाने का प्रयास किया जा सकता है। समाचार पत्रों की संपादकीय नीति, संपादकों और समाचार पत्रों के मालिकों के दृष्टिकोण और इच्छानुसार भिन्न हो सकती है, जिसमें वे विशेष पक्षों की तरफ झुकाव कर सकते हैं। इसलिए, समाचार पत्रों के बीच तुलनात्मक दृष्टि डालने से पहले, हमें उनकी संपादकीय नीति, संपादकों की भूमिका और पत्रिका के मालिकों के पक्षपात का विश्लेषण करना आवश्यक होता है। अधिकांश व्यक्तिगत दृष्टिकोणों के बजाए, हमें समाचार पत्रों की खबरों की समानात्मकता और न्यायसंगतता को महत्वपूर्ण दृष्टिकोण मानना चाहिए। इसके अलावा विश्लेषण की गुणवत्ता और विवेचना के साथ ही, समाचार पत्रों को लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करने की भी जिम्मेदारी होती है। हिंदी समाचार पत्रों को उपयुक्त संदर्भ, सत्यापन की क्षमता, गहन छान-बीन और न्यायसंगत लेखन प्रदान करने की जरूरत होती है। इसके साथ ही, समाचार पत्रों को सामाजिक और राजनीतिक मामलों पर मुक्त और खुले विचार-विमर्श का भी समर्थन करना चाहिए। इस प्रकार, समाचार पत्रों के प्रकाशन के तरीके, संपादकीय नीति, संपादकों की भूमिका, खबरों की समानात्मकता, न्यायसंगतता, विश्लेषण की गुणवत्ता, विवेचना के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, राजनीतिक पक्षपात का मुख्यता से विमर्श करना आवश्यक होता है। यह हमें हिंदी समाचार पत्रों की संपादन नीति, कवरेज की गुणवत्ता और खबरों के प्रकाशन के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करने की जांच करने में मदद करेगा। यह साबित करता है कि राजनीतिक एजेंडा सेटिंग में मीडिया की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मीडिया तथ्यों को प्रभावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत करके लोगों की राय और मान्यता को प्रभावित करता है। इसके अलावा, मीडिया उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों के

बारे में सही जानकारी और विचारों की समझ प्रदान करने की जिम्मेदारी भी बनाए रखता है। मीडिया का यह प्रभाव अधिकतर लोगों को स्वतंत्र रूप से सोचने और नवीनतम सामाजिक-राजनीतिक और मानवीय मुद्दों के बारे में जागरूक होने की प्रेरणा देता है। यह उन्हें स्वतंत्र और जागरूक नागरिक बनाने में मदद करता है और सामाजिक सुधार की दिशा में उन्हें सक्रियता प्रदान करता है।

इस प्रकार, समाचार पत्रों में चुनाव अभियानों के कवरेज में जनहित के मुद्दों की उपेक्षा की जाती है, जिससे सामान्य जनता के जीवन पर सीधा प्रभाव नहीं पड़ता। यहां आम आदमी को गहरे भ्रष्टाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त रोजगार और असंगठित आरक्षण जैसे मुद्दों से संबंधित विवरणों की चिंता होती है। यह मुद्दे भारत में प्रमुख घरेलू मुद्दे हैं और इनके लिए समाचार पत्रों में अधिक चर्चा होनी चाहिए। यह विचार सामान्यतः सही है कि मीडिया राजनीतिक एजेंडा-सेटिंग की गतिशीलता में मुद्दों को भिन्न-भिन्न रूप से प्रदर्शित करता है। थॉमस पैटरसन जैसे विद्वान ने इस संदर्भ में मीडिया की भूमिका पर सवाल उठाया है और मीडिया के नैतिक मानदंडों को कमजोर करते हुए रिपोर्टिंग के लिए निष्पक्षता और विशेषाधिकार प्राप्त दायित्व को ध्यान में रखने की आवश्यकता बताई है। उन्होंने इस बात का जिक्र किया है कि मीडिया के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले तथ्यों और आंकड़ों में अतिशयोक्ति और हेरफेर के कारण वोटर्स को भ्रमित किया जा सकता है। हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरें लोगों की राजनीतिक जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये खबरें जनता को चुनावी प्रक्रिया, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की गतिविधियों के बारे में सूचित करती हैं। इसके अलावा, इन खबरों के माध्यम से लोग चुनावी मुद्दों और वाद-विवादों के बारे में भी जान सकते हैं। इन खबरों की मदद से लोग अपनी सोच को विकसित करने में सक्षम होते हैं और अपने वोट का सही इस्तेमाल कर सकते हैं। हिंदी समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित चुनावी खबरों का एक महत्वपूर्ण प्रभाव यह है कि ये जनता को नेताओं और पार्टियों की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानने का मौका देती हैं। इसके साथ ही, चुनावी वाद-विवादों और मुद्दों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के उपरांत लोग अपने मत का निर्धारण कर सकते हैं।

मीडिया का मुख्य उद्देश्य है सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दों की प्रमुखता और उनके विचारों को जनता के सामरिक ज्ञान में प्रदर्शित करना है। मीडिया की गुणवत्ता और विश्वसनीयता भी जनता को आपातकालीन और महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में सूचित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा, मीडिया को जनता को शिक्षित करने और उनकी सोच को विकसित करने का माध्यम की मान्यता प्राप्त है। हालांकि, विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि मीडिया के प्रभाव में बाजार की ताकतों का भी एक महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। व्यापारी और विज्ञापनकर्ता इसका उपयोग करके मीडिया को अपने हितों को प्रमोट करने और प्रभावित करने का प्रयास कर सकते हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि मीडिया की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनाए रखना आवश्यक है ताकि यह अपनी सामरिक जिम्मेदारी का पालन कर सके और जनता को वास्तविक और सत्य की सूचना प्रदान कर सके।

अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र	
प्रमाण पत्र	
आभार	
सारांश	i-iv
प्राक्थन	v-vii
अनुक्रमणिका	viii-xiii
तालिका सूची	xiv-xxvii
प्रथम अध्याय: मीडिया और चुनाव कवरेज	1-26
1.1 प्रस्तावना	1
1.2 जन मीडिया और लोकतंत्र	2
1.3 मास मीडिया	5
1.4 मीडिया और समाज	6
1.5 प्रिंट मीडिया: परिभाषाएं और आयाम	7
1.6 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का परिचय	8
1.7 भारतीय परिदृश्य में जन मीडिया	8
1.8 समाज और मीडिया	10
1.9 मीडिया और लोकतंत्र	10
1.10 लोकतंत्र का अर्थ एवं परिभाषा	12
1.10.1 लोकतंत्र के प्रकार	12
1.11 भारत में लोकतंत्र के प्राचीनतम प्रयोग	13
1.12 प्राचीन भारत के कुछ प्रमुख गणराज्यों का ब्योरा	15
1.13 लोकतंत्र की आवश्यकता	16

1.14 मीडिया और चुनाव का पारस्परिक संबंध	17
1.15 चुनाव और लोकतंत्र	20
1.16 लोक सभा चुनाव 2019: राजनीतिक पार्टियां	21
1.16.1 राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियां	21
1.17 लोक सभा चुनाव 2019 के चरण	23
1.18 समकालीन सैद्धांतिक दृष्टिकोण और लोकसभा चुनाव 2019	23
1.19 समकालीन सैद्धांतिक दृष्टिकोण	24
1.20 लोकसभा चुनाव 2019 में समकालीन सिद्धांतों का अनुप्रयोग	25
1.20.1 आलोचना और सीमाएँ	25
1.21 अध्ययन की आवश्यकता	26
द्वितीय अध्याय: साहित्य पुनरावलोकन एवं सैद्धांतिकी	27-79
2.1 प्रस्तावना	27
2.2 मीडिया और राजनीति	38
2.3 मध्यस्थता की राजनीति: वैचारिक ढांचा	40
2.4 मध्यस्थता और मध्यस्थतीकरण	41
2.5 मीडिया और राजनीतिक तर्क	45
2.6 मीडिया हस्तक्षेपवाद: मध्यस्थता की गतिशीलता	48
2.7 वैचारिक योगदानकर्ता	51
2.7.1 वाल्टर लिप मैन	52
2.7.2 जनता की राय	52
2.7.3 आवश्यकता, उद्भव और प्रगति	53
2.7.4 प्रेस, जनमत और लोकतंत्र	54
2.8 डेनिस मैकक्वेल	56

2.9 जुएर्गन हैबरमास	59
2.9.1 सार्वजनिक क्षेत्र, अवधारणा और परिभाषा	59
2.9.2 सार्वजनिक क्षेत्र: संरचनात्मक संरचना	60
2.9.3 सार्वजनिक क्षेत्र: उद्भव और विकास	61
2.9.4 सार्वजनिक क्षेत्र का महत्व और दायरा	62
2.9.5 मीडिया और सार्वजनिक क्षेत्र	65
2.9.6 सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिकाएँ और चुनौतियाँ	67
2.9.7 सार्वजनिक क्षेत्र की आलोचना और सीमाएँ	68
2.10 नोम चॉम्स्की	70
2.10.1 मीडिया और फिल्टर	71
2.10.2 प्रोपोगेंडा मॉडल के संरचनात्मक तत्व	74
2.10.3 प्रोपोगेंडा मॉडल का आवश्यक पहलू	75
2.11 निष्कर्ष	77
तृतीय अध्याय: शोध प्रविधि	80-95
3.1 प्रस्तावना	80
3.2 शोध डिजाइन	80
3.3 शोध उद्देश्य	82
3.4 शोध प्रश्न	82
3.5 शोध परिकल्पना	82
3.6 शोध संरचना	83
3.7 प्रविधि	83
3.8 डेटा संकलन	83
3.9 प्राथमिक डेटा	83

3.10 प्रश्नावली	83
3.11 साक्षात्कार	84
3.12 शोध क्षेत्र	84
3.13 युनिवर्स और नमूना	84
3.14 नमूना	84
3.15 विश्लेषण इकाई	85
3.16 हिंदी समाचार पत्रों का संक्षिप्त परिचय	85
3.16.1 दैनिक जागरण	85
3.16.2 अमर उजाला	86
3.16.3 हिन्दुस्तान	87
3.16.4 नव भारत टाइम्स	87
3.17 सैद्धांतिक रूपरेखा	88
3.18 चुनाव के प्रमुख मुद्दे	88
3.18.1 रोजगार	88
3.18.2 राम मंदिर	89
3.18.3 धारा 370	89
3.18.4 भ्रष्टाचार	89
3.18.5 अर्थ व्यवस्था	89
3.18.6 विदेश नीति	90
3.18.7 विकास	90
3.18.8 कृषि	90
3.18.9 लोकतांत्रिक विचारधारा	91
3.18.10 अपराध और न्याय	91

3.18.11 लैगिंग न्याय	91
3.18.12 सुरक्षा व्यवस्था	92
3.18.13 स्वास्थ्य	92
3.18.14 शिक्षा	92
3.18.15 आरक्षण	93
3.18.16 आतंकवाद	93
3.18.17 संप्रदायवाद	93
3.18.17.1 सांप्रदायिकता	94
3.18.17.2 धर्मनिर्पेक्षता	94
3.18.17.3 जातिवाद	94
3.18.17.4 क्षेत्रवाद	94
3.18.18 पर्यावरण	95
चतुर्थ अध्याय: सामग्री संकलन और विश्लेषण	96-403
4.1 प्रस्तावना	96
4.2 समाचार पत्रों के आंकड़ों का वर्गीकरण	97
4.3. साक्षात्कार विश्लेषण (प्रकाशित खबरों में प्रयुक्त पॉलिसी)	108
4.4. आवृत्ति तालिका	116
4.5 उम्र के अनुसार क्रॉस टैब और कार्ई-वर्ग परीक्षण (chi-square test)	139
4.6 शैक्षिक योग्यता के अनुसार क्रॉस टैब और कार्ई स्क्वेर (chi-square test)	216
4.7 व्यावसाय के अनुसार क्रॉस टैब और कार्ई स्क्वेर (chi-square test)	310
पंचम अध्याय: निष्कर्ष एवं सुझाव	404-408
संदर्भ ग्रंथ सूची	409-423
परिशिष्ट	424-432

शोध पत्र प्रकाशन सूची	433
सेमिनार में प्रस्तुत शोध पत्र	434
वर्कशॉप एवं एफ.डी.पी.	435

तालिका सूची

तालिका नं.	तालिका का नाम	
4.2.1.	चुनावी खबरों के पृष्ठवार डेटा का विश्लेषण।	97
4.2.2.	खबरों के प्रकार के डेटा का विश्लेषण।	98
4.2.3.	चुनावी खबरों के भौगोलिक स्रोत अर्थात् खबर के मूल स्थान के डेटा का विश्लेषण।	99
4.2.4.	खबरों के स्रोत के डेटा का विश्लेषण।	100
4.2.5.	अखबारों में पृष्ठ पर प्रकाशित कुल खबरों के डेटा का विश्लेषण।	101
4.2.6.	लोक सभा चुनाव से संबंधित खबरों को दिए गए स्पेस के डेटा का विश्लेषण।	104
4.2.7.	समाचार पत्रों में प्रमुख मुद्दों या एजेंडों से संबंधित आंकड़ों के डेटा का विश्लेषण।	106
4.4.1.	उत्तरदाताओं की आयु की आवृत्ति तालिका के डेटा का विश्लेषण।	117
4.4.2.	उत्तरदाताओं की शिक्षा की आवृत्ति तालिका के डेटा का विश्लेषण।	117
4.4.3.	उत्तरदाताओं के व्यवसाय की आवृत्ति तालिका के डेटा का विश्लेषण।	118
4.4.4.	हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि के डेटा का विश्लेषण।	118
4.4.5.	समाचार पत्रों की संख्या से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	119
4.4.6.	समाचार पत्र पढ़ने में खर्च किए जाने वाले समय के डेटा का विश्लेषण।	119
4.4.7.	हिंदी समाचार पत्र के प्लेटफॉर्म के डेटा का विश्लेषण।	120
4.4.8.	हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने के डेटा का विश्लेषण।	120
4.4.9.	चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के डेटा का विश्लेषण।	121
4.4.10.	चुनावी मुद्दों से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	121
4.4.11.	रोजगार के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	122
4.4.12.	राम मंदिर के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	122
4.4.13.	धारा 370 से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	123
4.4.14.	भ्रष्टाचार के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	123
4.4.15.	आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	124
4.4.16.	अर्थव्यवस्था के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	124
4.4.17.	पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	125
4.4.18.	विकास के वादों से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	125
4.4.19.	कृषि के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	126

4.4.20.	पार्टीयों की लोकतांत्रिक विचार धारा से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	126
4.4.21.	लैंगिक न्याय से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	126
4.4.22.	राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	127
4.4.23.	स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	128
4.4.24.	शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	128
4.4.25.	आरक्षण के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	129
4.4.26.	आतंकवाद के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	129
4.4.27.	संप्रदायवाद के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	130
4.4.28.	पर्यावरण के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	131
4.4.29.	संसदीय उम्मीदवार से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	131
4.4.30.	पार्टी विशेष के दबाव से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	132
4.4.31.	उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	132
4.4.32.	उम्मीदवार के दंबंगीय स्वभाव से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	133
4.4.33.	पार्टी विशेष के उम्मीदवार से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	133
4.4.34.	प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	134
4.4.35.	प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	134
4.4.36.	प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूर दृष्टि से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	135
4.4.37.	प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	136
4.4.38.	प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	136
4.4.39.	राजनीतिक पार्टियों की समानता से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	137
4.4.40.	पार्टी विशेष की विचारधारा से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	137
4.4.41.	पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	138
4.4.42.	पार्टी के मूल्यों और सिद्धांतों से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	138
4.4.43.	पार्टी में विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति से संबंधित डेटा का विश्लेषण।	139
4.5.1.	उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	140
4.5.2.	उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि का काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	141
4.5.3.	उम्र और समाचार पत्रों की संख्या से संबंधित क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	142
4.5.4.	उम्र और समाचार पत्रों की संख्या से संबंधित काई स्क्वेर का डेटा विश्लेषण।	143
4.5.5.	उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	143- 144
4.5.6.	उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय का काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	145

4.5.7.	उम्र और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने की जगह का क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	145
4.5.8.	उम्र और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने की जगह का कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	147
4.5.9.	उम्र और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	147
4.5.10.	उम्र और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद की कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	148
4.5.11.	उम्र और चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	149
4.5.12.	उम्र और चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ई स्क्वेर डेटा विश्लेषण।	150
4.5.13.	उम्र और चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	151
4.5.14.	उम्र और चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	152
4.5.15.	उम्र और रोजगार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	153
4.5.16.	उम्र और रोजगार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	154
4.5.17.	उम्र और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	155
4.5.18.	उम्र और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	156
4.5.19.	उम्र और धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	157
4.5.20.	उम्र और धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	158
4.5.21.	उम्र और भ्रष्टाचार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	159
4.5.22.	उम्र और भ्रष्टाचार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	160
4.5.23.	उम्र और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय के मुद्दे की क्रॉस टैब को डेटा विश्लेषण।	161

4.5.24.	उम्र और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	162
4.5.25.	उम्र और देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	163
4.5.26.	उम्र और देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	164
4.5.27.	उम्र और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	165
4.5.28.	उम्र और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	166
4.5.29.	उम्र और पार्टियों द्वारा किये जाने वाले विकास के वादों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	167
4.5.30.	उम्र और पार्टियों द्वारा किये जाने वाले विकास के वादों के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	168
4.5.31.	उम्र और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	169
4.5.32.	उम्र और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	170
4.5.33.	उम्र और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	171
4.5.34.	उम्र और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	172
4.5.35.	उम्र और लैंगिंग न्याय के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	173
4.5.36.	उम्र और लैंगिंग न्याय के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	174
4.5.37.	उम्र और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	175
4.5.38.	उम्र और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	176
4.5.39.	उम्र और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	177
4.5.40.	उम्र और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	178
4.5.41.	उम्र और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	178
4.5.42.	उम्र और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	179
4.5.43.	उम्र और आरक्षण व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	180
4.5.44.	उम्र और आरक्षण व्यवस्था के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	181
4.5.45.	उम्र और आतंकवाद के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	182
4.5.46.	उम्र और आतंकवाद के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	183

4.5.47.	उम्र और संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	184
4.5.48.	उम्र और संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	185
4.5.49.	उम्र और पर्यावरण के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	186
4.5.50.	उम्र और पर्यावरण के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	187
4.5.51.	उम्र और संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	188
4.5.52.	उम्र और संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	189
4.5.53.	उम्र और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार को मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	190
4.5.54.	उम्र और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार को मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	191
4.5.55.	उम्र और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	192
4.5.56.	उम्र और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि के कार्ड स्क्वेर का डेटा विश्लेषण।	193
4.5.57.	उम्र और उम्मीदवार की दबंगीय स्वभाव के क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	194
4.5.58.	उम्र और उम्मीदवार की दबंगीय स्वभाव के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	195
4.5.59.	उम्र और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	196
4.5.60.	उम्र और पार्टी विशेष के उम्मीदवार के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	197
4.5.61.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	198
4.5.62.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	199
4.5.63.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	200
4.5.64.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि के कार्ड स्क्वेर का डेटा विश्लेषण।	201
4.5.65.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	202

4.5.66.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	203
4.5.67.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	203
4.5.68.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	205
4.5.69.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	205
4.5.70.	उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	206
4.5.71.	उम्र और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	207
4.5.72.	उम्र और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	208
4.5.73.	उम्र और पार्टी विशेष की विचारधारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	209
4.5.74.	उम्र और पार्टी विशेष की विचारधारा के कार्ई स्क्वेर का डेटा विश्लेषण।	210
4.5.75.	उम्र और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	211
4.5.76.	उम्र और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	212
4.5.77.	उम्र और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	213
4.5.78.	उम्र और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	214
4.5.79.	उम्र और पार्टी विशेष के कदवार नेताओं की उपस्थिति की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	215
4.5.80.	उम्र और पार्टी विशेष के कदवार नेताओं की उपस्थिति के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	216
4.6.1.	शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	217
4.6.2.	शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	218
4.6.3.	शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	219
4.6.4.	शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	220

4.6.5.	शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	221
4.6.6.	शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	222
4.6.7.	शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के स्थान के स्थान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	223
4.6.8.	शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के स्थान के स्थान के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	224
4.6.9.	शैक्षिक योग्यता और चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	125
4.6.10.	शैक्षिक योग्यता और चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	126
4.6.11.	शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	227
4.6.12.	शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	228
4.6.13.	शैक्षिक योग्यता और चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	229
4.6.14.	शैक्षिक योग्यता और चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	231
4.6.15.	शैक्षिक योग्यता और रोजगार के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	232
4.6.16.	शैक्षिक योग्यता और रोजगार के मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	233
4.6.17.	शैक्षिक योग्यता और राम मंदिर के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	234
4.6.18.	शैक्षिक योग्यता और राम मंदिर के मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	236
4.6.19.	शैक्षिक योग्यता और धारा 370 हटाने वाले मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	236
4.6.20.	शैक्षिक योग्यता और धारा 370 हटाने वाले मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	238
4.6.21.	शैक्षिक योग्यता और भ्रष्टाचार के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	239
4.6.22.	शैक्षिक योग्यता और भ्रष्टाचार के मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	240
4.6.23.	शैक्षिक योग्यता और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	241
4.6.24.	शैक्षिक योग्यता और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	243

4.6.25.	शैक्षिक योग्यता और देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	244
4.6.26.	शैक्षिक योग्यता और देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	245
4.6.27.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	246
4.6.28.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	248
4.6.29.	शैक्षिक योग्यता और पार्टियों द्वारा किये जाने वाले विकास के वादों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	248- 249
4.6.30.	शैक्षिक योग्यता और पार्टियों द्वारा किये जाने वाले विकास के वादों के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	250
4.6.31.	शैक्षिक योग्यता और कृषि आधारित मुद्दों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	251
4.6.32.	शैक्षिक योग्यता और कृषि आधारित मुद्दों के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	252
4.6.33.	शैक्षिक योग्यता और पार्टियों की लोकतांत्रिक विचार धारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	253
4.6.34.	शैक्षिक योग्यता और पार्टियों की लोकतांत्रिक विचार धारा के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	255
4.6.35.	शैक्षिक योग्यता और लैंगिंग न्याय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	255- 256
4.6.36.	शैक्षिक योग्यता और लैंगिंग न्याय के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	257
4.6.37.	शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	258
4.6.38.	शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	259
4.6.39.	शैक्षिक योग्यता और स्वास्थ्य व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	260
4.6.40.	शैक्षिक योग्यता और स्वास्थ्य व्यवस्था के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	262
4.6.41.	शैक्षिक योग्यता और शिक्षा व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	262- 263
4.6.42.	शैक्षिक योग्यता और शिक्षा व्यवस्था के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	264
4.6.43.	शैक्षिक योग्यता और आरक्षण व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	265
4.6.44.	शैक्षिक योग्यता और आरक्षण व्यवस्था के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	266
4.6.45.	शैक्षिक योग्यता और आतंकवाद के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	267
4.6.46.	शैक्षिक योग्यता और आतंकवाद जैसे मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	269

4.6.47.	शैक्षिक योग्यता और संप्रदायवाद के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	269- 270
4.6.48.	शैक्षिक योग्यता और संप्रदायवाद के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	271
4.6.49.	शैक्षिक योग्यता और पर्यावरण के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	272
4.6.50.	शैक्षिक योग्यता और पर्यावरण के मुद्दे के कोई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	273
4.6.51.	शैक्षिक योग्यता और संसदीय उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	274
4.6.52.	शैक्षिक योग्यता और संसदीय उम्मीदवार के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	276
4.6.53.	शैक्षिक योग्यता और दबाब में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	276- 277
4.6.54.	शैक्षिक योग्यता और दबाब में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	278
4.6.55.	शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की क्रॉस टैब के डेटा का विश्लेषण।	279
4.6.56.	शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	280
4.6.57.	शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	281
4.6.58.	शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	283
4.6.59.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की क्रॉस टैब के डेटा का विश्लेषण।	283- 284
4.6.60.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	285
4.6.61.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की क्रॉस टैब के डेटा का विश्लेषण।	286
4.6.62.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	287
4.6.63.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	288
4.6.64.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	290
4.6.65.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	291
4.6.66.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	292

4.6.67.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	293
4.6.68.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	295
4.6.69.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	295- 296
4.6.70.	शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	297
4.6.71.	शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	298
4.6.72.	शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	299- 300
4.6.73.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विचारधारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	300
4.6.74.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विचारधारा की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	302
4.6.75.	शैक्षिक योग्यता और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	303
4.6.76.	शैक्षिक योग्यता और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	304
4.6.77.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	305
4.6.78.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	306- 307
4.6.79.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति से संबंधित क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	307
4.6.80.	शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति से संबंधित काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	309
4.7.1.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	310
4.7.2.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	311
4.7.3.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	312

4.7.4.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	313-314
4.7.5.	व्यवसाय और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय की क्रॉस टैब के डेटा का विश्लेषण।	314
4.7.6.	व्यवसाय और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	315
4.7.7.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के स्थान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	316-317
4.7.8.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के स्थान से संबंधित कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	318
4.7.9.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	319
4.7.10.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	320
4.7.11.	व्यवसाय और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	321
4.7.12.	व्यवसाय और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	322-323
4.7.13.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	323
4.7.14.	व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	325
4.7.15.	व्यवसाय और रोजगार के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	326
4.7.16.	व्यवसाय और रोजगार के मुद्दे की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	327
4.7.17.	व्यवसाय और राम मंदिर के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	328
4.7.18.	व्यवसाय और राम मंदिर के मुद्दे की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	329
4.7.19.	व्यवसाय और धारा 370 की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	330
4.7.20.	व्यवसाय और धारा 370 की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	332
4.7.21.	व्यवसाय और भ्रष्टाचार के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	332-333
4.7.22.	व्यवसाय और भ्रष्टाचार के मुद्दे की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	334

4.7.23.	व्यवसाय और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	335
4.7.24.	व्यवसाय और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	336-337
4.7.25.	व्यवसाय और अर्थव्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब के डेटा का विश्लेषण।	337
4.7.26.	व्यवसाय और अर्थव्यवस्था के मुद्दे की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	339
4.7.27.	व्यवसाय और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	340
4.7.28.	व्यवसाय और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	341
4.7.29.	व्यवसाय और पार्टियों द्वारा किये जाने वाले वादों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	342
4.7.30.	व्यवसाय और पार्टियों द्वारा किये जाने वाले वादों की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	343-344
4.7.31.	व्यवसाय और कृषि आधारित मुद्दों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	344
4.7.32.	व्यवसाय और कृषि आधारित मुद्दों की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	346
4.7.33.	व्यवसाय और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	347
4.7.34.	व्यवसाय और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	348
4.7.35.	व्यवसाय और लैंगिंग न्याय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	349
4.7.36.	व्यवसाय और लैंगिंग न्याय की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	350
4.7.37.	व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	351
4.7.38.	व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	353
4.7.39.	व्यवसाय और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	353-354
4.7.40.	व्यवसाय और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	355
4.7.41.	व्यवसाय और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	356
4.7.42.	व्यवसाय और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	357
4.7.43.	व्यवसाय और आरक्षण व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	358
4.7.44.	व्यवसाय और आरक्षण व्यवस्था की क्रॉस कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	360
4.7.45.	व्यवसाय और आतंकवाद जैसे मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	360-361

4.7.46.	व्यवसाय और आतंकवाद जैस मुद्दे की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	362
4.7.47.	व्यवसाय और संप्रदायवाद के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	363
4.7.48.	व्यवसाय और संप्रदायवाद के मुद्दे की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	364- 365
4.7.49.	व्यवसाय और पर्यावरण के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	365
4.7.50.	व्यवसाय और पर्यावरण के मुद्दे की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	367
4.7.51.	व्यवसाय और संसदीय उम्मीदवारों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	368
4.7.52.	व्यवसाय और संसदीय उम्मीदवारों की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	369
4.7.53.	व्यवसाय और दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	370
4.7.54.	व्यवसाय और दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	372
4.7.55.	व्यवसाय और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	372- 373
4.7.56.	व्यवसाय और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	374
4.7.57.	व्यवसाय और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	375
4.7.58.	व्यवसाय और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	376
4.7.59.	व्यवसाय और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	377
4.7.60.	व्यवसाय और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	379
4.7.61.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	379- 380
4.7.62.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	381
4.7.63.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	382
4.7.64.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	384
4.7.65.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	384- 385
4.7.66.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	386
4.7.67.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	387

4.7.68.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	388
4.7.69.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	389
4.7.70.	व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	391
4.7.71.	व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	392
4.7.72.	व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	393
4.7.73.	व्यवसाय और पार्टी विशेष की विचारधारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	394
4.7.74.	व्यवसाय और पार्टी विशेष की विचारधारा की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	395
4.7.75.	व्यवसाय और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	396
4.7.76.	व्यवसाय और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	398
4.7.77.	व्यवसाय और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	398-399
4.7.78.	व्यवसाय और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	400
4.7.79.	व्यवसाय और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।	401
4.7.80.	व्यवसाय और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।	402

प्रथम अध्याय

मीडिया और चुनाव कवरेज

1.1. प्रस्तावना

मीडिया अथवा जनसंचार माध्यम किसी भी समाज या देश की वास्तविक स्थिति के प्रतिबिंब होते हैं। देश के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक फलक पर क्या कुछ घटित हो रहा है, आमजन मीडिया के द्वारा ही परिचित होते हैं। जनसंचार माध्यमों के विभिन्न रूपों ने आज दुनिया के लगभग हर कोने तक अपनी पहुँच बना रखी है। मीडिया की शक्ति का आकलन उसकी व्यापक पहुँच के मद्देनजर किया जा सकता है। लेकिन इतनी शक्तियों और लगभग स्वतंत्र होने की वजह से मीडिया की देश और समाज के प्रति महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है, इसीलिए लोकतंत्र में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद मीडिया को चौथा स्तम्भ माना जाता है।

सामान्यतः लोकतंत्र की तीन विशेषताएँ होती हैं - जनता का प्रतिनिधित्व, जनता के हितों का संरक्षण तथा जनता के प्रति उत्तरदायित्व। व्यवस्थापिका जनता का प्रतिनिधित्व करती है। किंतु जनता के जागरूक न रहने पर ऐसे व्यक्तियों का चुनाव कर सकती है, जो ऊपर से जनता के हितों की बात करते हों किंतु वास्तव में अपने लाभ के लिये चुनाव लड़ रहे हों। जनता आतंकित होकर भी किसी बाहुबली या अपराधी का चुनाव करने को विवश हो सकती है। जनता को अपने हितों को समझना भी जरूरी है। जटिल आर्थिक और सामाजिक संरचना में जनता को संकीर्ण जातिगत या क्षेत्रीय हितों के विरुद्ध राष्ट्रीय अथवा संपूर्ण समाज के विशाल हितों के बीच अंतर करना होता है और उसका कोई भी गलत निर्णय जटिल समस्याएँ खड़ी कर देता है। इस प्रकार स्वस्थ लोकमत का निर्माण आवश्यक हो जाता है। लोकमत के निर्माण में मीडिया की भूमिका सर्वाधिक सशक्त और महत्वपूर्ण होती है।

मीडिया से तात्पर्य जनसंचार के माध्यमों जैसे- समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन तथा चलचित्रों से है। समाचार-पत्र विविध घटनाओं, समस्याओं एवं विचारों के संबंध में जनता को सूचना प्रदान करने का कार्य करते हैं और साधारणतः समाचार-पत्रों में प्रकाशित सामाजिक, आर्थिक-राजनीतिक और अंतर्राष्ट्रीय सूचनाओं के आधार पर ही जन-साधारण सार्वजनिक क्षेत्र से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपने विचारों का निर्माण करता है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक समाचार पत्र के संपादकीय अंश द्वारा पाठकों के विचारों को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने का कार्य किया जाता है। समाचार-पत्र जनता की बात को शासन तक और शासन संबंधी तथ्यों को जनता तक पहुँचाने का काम करते हैं। शिक्षा के प्रसार के साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र की गतिविधियों पर आमजनता नजर रखना चाहती है और समाचार-पत्र इसके लिए भरपूर सूचना सामग्री जनता तक पहुँचाते हैं। साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक पत्रिकाओं में राजनीतिक

जीवन और सामाजिक-आर्थिक विषयों का विस्तृत विवेचन होता है जिसे पढ़कर जनता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिकाधिक भागदारी प्राप्त करना चाहती है।

जहाँ तक समाचार पत्रों का सवाल है, तो इन्होंने शुरू से ही मानव के दृष्टिकोण एवं विचारों को प्रभावित किया है। दुनिया के तमाम देशों में हुई सामाजिक एवं राजनीतिक क्रांतियों के अलावा भारत के स्वाधीनता संघर्ष में समाचार-पत्रों ने अभूतपूर्व भूमिका निभाई। पुनर्जागरण के अग्रदूत और भारतीय पत्रकारिता के जनक, राजाराम मोहनराय सहित अन्य सुधारकों ने भी अपने सुधार कार्यक्रमों को विस्तार देने तथा जन-जन तक लोकतंत्र के संघर्ष को पहुंचाने के लिए समाचार-पत्रों को माध्यम बनाया। इसके अलावा लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 'मराठा' एवं 'केसरी', सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने 'बंगाली', भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने 'संवाद कौमुदी', लाला लाजपत राय ने 'न्यू इंडिया', अरविंद घोष ने 'वंदे मातरम्' तथा महात्मा गांधी ने 'यंग इंडिया' एवं 'हरिजन' के माध्यम से तथा अन्य महान नेताओं ने विभिन्न भाषाई समाचार-पत्रों के माध्यम से ब्रिटिश शासन की शोषणकारी नीतियों एवं कार्यों को उजागर किया तथा उन्हें जन-सामान्य तक पहुंचाया। इन समाचार-पत्रों से ब्रिटिश शासन की शोषणकारी प्रवृत्ति का पर्दाफाश न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में होता था। समाचार-पत्रों की इस बहुआयामी भूमिका के कारण ही ब्रिटिश शासन द्वारा प्रेस पर कठोर प्रतिबंध लगाए गए तथा कई समाचार-पत्रों एवं उनके संचालकों को अराजक तत्व घोषित कर दिया गया, लेकिन प्रेस द्वारा पैदा की गई जन-जागरूकता ने स्वतंत्रता प्राप्ति के लक्ष्य को प्राप्त करने में अमूल्य योगदान दिया।

आजादी के बाद यह जरूरी था कि सरकारी नीतियों एवं विकास कार्यक्रमों को आम आदमी तक पहुंचाया जाए और समाचार-पत्रों ने इस कार्य को बखूबी अंजाम दिया, वहीं सरकारी प्रयासों के फलस्वरूप साक्षरता तथा आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के साथ-साथ समाचार-पत्रों की संख्या और उनके प्रसार में भी तेजी के साथ विस्तार हुआ है आज तो हम संचार क्रांति के युग में जी रहे हैं, जहां न सिर्फ संचार के अनेक माध्यम हैं, बल्कि सबसे पहले सूचना प्रसारित करने की होड़ मची हुई है।

1.2. जन मीडिया, लोकतंत्र और चुनाव

लोकतांत्रिक सरकार संस्थागत व्यवस्था का वह रूप है जहाँ जनता के प्रतिनिधियों को सीधे मतदान के अधिकार का प्रयोग करके लोगों द्वारा स्वयं चुना जाता है। सरकार के लोकतांत्रिक रूप में लोग सर्वोच्च और संप्रभु होते हैं, क्योंकि वे अपनी पसंद की सरकार चुनने के लिए स्वतंत्र होते हैं। अपने पसंद की सरकार चुनना स्वतंत्र लोकतंत्र का मूल है। जनता के इस विशेषाधिकार को देखते हुये लोकतांत्रिक सरकार को जनता द्वारा, जनता की, जनता के लिए 'सरकार' कहा जाता है।¹

¹ Lijphart, A. (2012). Patterns of democracy: Government forms and performance in thirty-six countries. Yale University Press.

लोकतंत्र का व्यवस्थित संचालन निम्नलिखित शर्तों पर निभर करता है-

- बहुदलीय राजनीतिक व्यवस्था
- मुक्त परिचर्चा और समान भागीदारी का अधिकार
- सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार
- नियमति अंतराल पर चुनाव

लोकतंत्र, सरकार के शक्ति प्रयोग पर नियंत्रण और संतुलन प्रदान करते हुये नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। यह भी सुनिश्चित करता है कि लोगों के साथ जाति, धर्म, पंथ, रंग, व्यंजन, पोशाक, जातीयता या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है।² लोकतंत्र निर्देश देता है कि किसी व्यक्ति को मनमाने ढंग से गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए। न्यायपालिक सभी नागरिकों को उनके अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए अदालत में निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए कार्यपालिका और विधायिका के किसी भी हस्तक्षेप या प्रभाव से मुक्त होगी। कानूनों और प्रावधानों में उल्लेख के अतिरिक्त किसी पर भी कर्षों का आरोप नहीं लगाया जायेगा या उस पर मुकदमा चलाया जायेगा। लोकतंत्र का विचार आनुपातिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व के सिद्धांत पर टिका है, जहाँ संवैधानिक कानून सर्वोच्च है और कानून सभी के लिए समान है और कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, यहाँ तक की कानून बनाने वाले विधायक या सांसद भी नहीं। शासन के लोकतांत्रिक ढांचे के तहत अपनी विशिष्ट विशेषताओं के अलावा कानून, निष्पक्ष और लगातार लागू होता है इसलिए आदलते सरकार की अन्य शाखाओं से स्वतंत्र हैं।³

लोकतंत्र तब तक कुशलतापूर्वक कार्य नहीं कर सकता है, जब तक मीडिया स्वतंत्र संस्था के रूप में लोगों के बीच जागरूकता और संवेदीकरण, लामबंदी करने के अपने गतिशील दृष्टिकोण के माध्यम से इसका समर्थन नहीं करती है। लोकतांत्रिक समाज में मीडिया के महत्व की व्याख्या संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन के लोकप्रिय शब्दों में की जा सकती है। जेफरसन लोकतंत्र और लोगों के अधिकारों के कट्टर समर्थक थे। लोकतांत्रिक समाज में मीडिया की भूमिका के संबंध में थॉमस जेफरसन ने कहा था कि अगर उन्हें बिना अखबारों वाली सरकार या अखबारों वाली सरकार के बीच किसी एक का चयन करने के लिए कहा जाता है तो वह पहले वाले की तुलना में बाद वाले को पसंद करेंगे। इसलिए जेफरसन के लोकप्रिय अंश को जेफरसन घोषणा के रूप में भी जाना जाता है।⁴ जनसंचार माध्यम

² Gaventa, J. (2004). Towards participatory governance: assessing the transformative possibilities. *Participation: From tyranny to transformation*, 25-41.

³ Karl, T. L., & Schmitter, P. C. (1991). Modes of transition in Latin America, southern and eastern Europe. *International Social Science Journal*, 128(2), 267-282.

⁴ Coronel, S. (2003). The role of the media in deepening democracy. *NGO Media Outreach: Using the*.

लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी होते हैं जो इसे अनिवार्य समर्थन प्रदान करते हैं। मीडिया आवश्यक राजनीतिक जानकारी प्रदान करता है, जिससे मतदाताओं को सावधानी पूर्वक तैयार किये गए सचेत निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। वे हमारे समाज में वास्तविक मुद्दों और सार्वजनिक चिंताओं का पता लगाते हैं और विचार-विमर्श और आम सहमति बनाने के माध्यम के रूप में कार्य करते हैं। वे लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता का प्रयोग करने वालों द्वारा गलत कामकाज और गलत कामों को उजागर करने के लिए भी सतर्क रहते हैं।⁵ लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को उनके समाजीकरण के लिए आवश्यक ज्ञान और जानकारी तक मुफ्त पहुँच प्रदान करती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में समाज में सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक सूचनाओं के सटीक, पूर्ण और सुचारू प्रसारण के वातावरण में काम करती है। लोगों को अपने सहयोगियों और समकालीनों के साथ सार्वजनिक हित के मामलों पर चर्चा करने में सक्षम होना चाहिए, ताकि सबसे बड़े राष्ट्रीय हित में व्यवस्था द्वारा उत्पन्न की गयी कार्यवाहियों को प्रभावित किया जा सके। यह जनहित के मामलों में व्यक्तियों की सच्ची और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है जो लोकतंत्र को बढ़ावा देता है और उसे मजबूत बनाता है। इसलिए जन मीडिया लोकतंत्र का एक अभिन्न अंग है जो उन कारकों या घटकों में योगदान देता है जो कामकाजी लोकतंत्र के लिए अंतर्भूत है।⁶ लोकतंत्र नागरिकों की सामूहिक और सक्रिय भागीदारी के साथ काम करता है और मीडिया सरकार के अच्छे और बुरे कामों के खिलाफ समय-समय पर जाँच और प्रदर्शन, मूल्यांकन के माध्यम से लोगों को सूचित तथा शिक्षित करके नागरिकों को शासन के कार्यों में व्यस्त रखता है। सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक कार्य जो हम मीडिया से अक्सर करने की अपेक्षा करते हैं, गुरेविच और ब्लमलर के लेख में उल्लिखित है।⁷ दो कामों में सामाजिक-राजनीतिक विकास की निगरानी, समस्या के कारणों की पहचान तथा उन्हें उजागर करना व समय के ऐसे सार्वजनिक मुद्दों पर विचारों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए मंच प्रदान करना, व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराना, जिस तरह से वे कर्तव्य निभाते हैं और शक्ति का प्रयोग करते हैं। यदि आवश्यक हो तो नागरिकों को उपयुक्त प्रलोभनों के प्रावधानों के साथ सीखने के लिए प्रेरित करना, उन्हें उपयुक्त विकल्प चुनने देना और राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनाना और उनकी स्वतंत्रता को नष्ट करने के प्रयास में बाहरी ताकतों के प्रभावों को रोकना और कम करना।⁸ अभिव्यक्ति की जो स्वतंत्रता संविधान द्वारा देश के नागरिकों को प्रदान की गयी है, यह केवल संचार माध्यम ही हैं जिन्होंने इसे वास्तविक बना दिया है। प्रेस की स्वतंत्रता एक ऐसा पुरस्कृत सार्वजनिक विशेषाधिकार है जो लोगों को उनके राजनीतिक नेताओं के विचारों, दृष्टिकोण और ज्ञान-दृष्टि के बारे में राय जानने, प्रचार के बारे में जानने के लिए प्रभावी रूप से मदद करता है। दूसरी ओर यह राजनेताओं को जनमत की पूर्वकल्पित

⁵ Keane, J. (1998). *The media and democracy*. Polity Press.

⁶ Couldry, N. (2011). *Media and Democracy*. In *Media and social justice* (pp. 45-54). Palgrave Macmillan, New York.

⁷ Gurevitch, M., & Blumler, J. G. (1990). *Political communication systems and democratic values*. *Democracy and the mass media*, 269-289.

⁸ Turner, G. (2010). *Ordinary people and the media: The demotic turn*. Sage Publications.

धारणाओं को प्रतिबिंबित करने और टिप्पणी करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।⁹ इस तरह से मीडिया समाज में लगभग सभी को स्वतंत्र राजनीतिक बहस और चर्चा में भाग लेने में सक्षम बनाती है, जो लोकतंत्र की अवधारणा के मूल में निहित है। यह जनता को उनके सामान्य हित के मामलों के बारे में सूचित करता है और सरकार पर एक प्रहरी की भाँति नजर रखती है। जन मीडिया जिसे चौथे स्तंभ के रूप में घोषित किया गया है, सरकार की एक समान रूप से मजबूत शाखा है, जो काउंटर चेक और निरीक्षण, जिसके बिना कोई भी सरकार दक्षता के साथ काम नहीं कर सकती है।¹⁰

भारत में लोकतंत्र ने पहली बार एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया था जब 1951-52 में आम चुनाव हुए और चार महीने की अवधि में संपन्न हुए। भारत में पहला आम चुनाव दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में सबसे बड़ा प्रयोग था। चुनाव सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार के आधार पर आयोजित किये गए थे। जिसमें इक्कीस वर्ष या इससे अधिक आयु वर्ग के प्रत्येक नागरिक को मतदान करने की अनुमति थी। भारतीय समाज की प्रकृति की नाजुकता और अस्थिरता की वजह से अटकलें लग रही थीं, इसके बावजूद आमजनता ने इसमें अपना पूरा सहयोग दिया। उस समय भारतीय मतदाता 173 मिलियन से अधिक थे, उनमें से अधिकांश ग्रामीण, गरीब और निरक्षर थे। जिन्हें चुनाव प्रक्रिया का न्यूनतम ज्ञान था और उन्हें चुनाव का कोई पूर्व अनुभव भी नहीं था। इस नए सामाजिक-राजनीतिक प्रयोग के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया कैसी होगी, इस बारे में अनिश्चितता और अप्रत्याशिता की भावना प्रबल थी, जिसके बारे में उन्हें अच्छी तरह से जानकारी और प्रशिक्षण नहीं दिया गया था। बहुत से लोग मतदाताओं के बारे में सुनिश्चित नहीं थे कि क्या वे राजनीतिक रूप से अपरिपक्व समाज में एक जिम्मेदार तरीके से अपने वोट देने के अधिकार का प्रयोग कर पाएंगे। यह एक ऐसी नाजुक स्थिति थी जिसने इस धारणा को प्रेरित किया कि लोकतांत्रिक चुनाव भारत जैसे विविध संस्कृतियों वाले देश के अनुकूल नहीं थे। जिसमें जाति-आधारित, बहु-धार्मिक, अनपढ़, गरीब, ग्रामीण और पिछड़े समाज पर आधारित कई जन समुदाय, सांस्कृतिक और सामाजिक-समीकरण हैं और इस प्रकार एक उदार तानाशाही ऐसे समाज में राजनीतिक रूप से व्यावहारिक हो सकती है, लेकिन चुनाव प्रक्रिया के निष्पादन को अलग-अलग समूहों या व्यक्तियों द्वारा अलग-अलग तरीके से वर्णित किया गया था। कुछ ने इसे 'अंधेरे में छलांग' कहा तो कुछ ने इसे 'शानदार' या 'विश्वास' का कार्य कहा।¹¹

1.3. मास मीडिया

मास मीडिया वास्तव में संचार का माध्यम है जिसमें मीडिया समाज के लोगों के साथ संचार करता है और समय-समय पर उनकी प्रशंसा और सुझाव प्राप्त करता है। यह देश-दुनिया के विभिन्न भौगोलिक

⁹ McQuail, D. (1994). Mass Communication. John Wiley & Sons, Inc.

¹⁰ Street, J. (2010). Mass media, politics and democracy. Palgrave Macmillan.

¹¹ Sarkar, S. (2001). Indian democracy: the historical inheritance. The Success of India's Democracy, 23-46.

क्षेत्रों में जीवनयापन कर रहे लोगों के साथ जन माध्यमों से सूचनायें संप्रेषित करने का काम करती है, जिस माध्यम से जनसंचार होता है उसे जनसंचार कहा जाता है। मूल रूप से देखा जाये तो मास मीडिया, मीडिया प्रौद्योगिकियाँ हैं। जिनका उद्देश्य जन संचार द्वारा बड़े वर्ग तक पहुँचना है। जिन संचार तकनीकों के माध्यम से संचार होता है। वह अलग-अलग होती हैं। प्रसारण मीडिया जैसे-रेडियो, रिकॉर्डेड संगीत, फिल्म और टेलीविजन अपनी सूचनायें इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रसारित करते हैं। प्रिंट मीडिया भौतिक वस्तु के रूप में जैसे- अखबार, किताब, पैम्पलेट, कॉमिक्स आदि के रूप में कार्य करती है।

डेविड ह्यूम के अनुसार- “जनसंचार का अर्थ सूचना को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाना है। जनसंचार ही बताता है कि राजसत्ता या शासन की व्यवस्था का आधार क्या हो? सरकार का रूप कैसा हो? स्वेच्छाचारी राजा या सैनिक अधिकारियों का शासन हो या स्वतंत्र और लोकप्रिय सरकार हो- जनसंचार माध्यम से ही पता चलता है।”

जनोविटज के अनुसार- “जनसंचार में वे संस्थान और तकनीकें शामिल हैं, जिनके द्वारा समूह विशेष और व्यापक रूप में फैले हुये दर्शकों के लिए प्रतीकात्मक सामग्री को प्रसारित करने के लिए तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया जाता है। ”

मास मीडिया या जन मीडिया को मोटे तौर पर दो भागों में बाँटा जाता है, प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया। यह अध्ययन मुख्य रूप से प्रिंट मीडिया पर केंद्रित है। इसलिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का संक्षिप्त परिचय ही दिया गया है। इसके अतिरिक्त चुनाव के समय जन मीडिया वैचारिक और सैद्धांतिक विवरण व आपसी समझ के महत्व की समझ प्रदान करती हैं।

1.4. मीडिया और समाज

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में मीडिया बहुत ही महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। आज के दौर में मीडिया हमारे चारों तरफ फैला है। टीवी पर हम जो शो देखते हैं और वह संगीत जो हम रेडियो पर सुनते हैं, किताबें, पत्रिकाओं तथा समाचार पत्रों को हर रोज पढ़ते हैं। कहीं न कहीं समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए मीडिया को समाज का आईना कहा जाता है, ऐसे में मीडिया की बहुआयामी भूमिका को देखते हुए कहा जा सकता है कि मीडिया समाज की विनाशक और हितैषी दोनों भूमिकाओं का निर्वहन करती है। अब समय आ गया है कि मीडिया अपना सदुपयोग जनहित में करे और समाज का मार्गदर्शन करे। मीडिया अपनी उपस्थिति से समाज में शांति, सौहार्द, समरसता और सौजन्य की भावना विकसित करने के साथ-साथ सामाजिक तनाव, संघर्ष, मतभेद, युद्ध और दंगों के समय मीडिया को बहुत ही संयमित तरीके से काम करने की आवश्यकता है। मीडिया, समाज के लोगों में देश भक्ति और एकता की भावना को संचित कर सकती है और शहीदों के सम्मान में प्रेरणा से ओतप्रोत, उत्साहवर्धक खबरों के प्रसारण में

मीडिया को अग्रणी भूमिका अदा करती है। समाज के समुचित विकास के लिए सूचना का निरंतर प्रवाह आवश्यक है और मीडिया इसे सुगम बनाता है।

1.5. प्रिंट मीडिया: परिभाषाएं और आयाम

प्रिंट मीडिया संचार के विविध माध्यमों को संदर्भित करती है जो लिखित रूप में होता है, जिसमें शब्द, संकेत, प्रतीक और भाषा शामिल होती है। व्यापक परिप्रेक्ष्य में मीडिया “कोई भी मुद्रित सामग्री जो किसी संदेश को संप्रेषित करने के लिए कुछ अर्थ बनाती है, जैसे- समाचार-पत्र, पत्रिकायें, किताबें, जर्नल, पोस्टर, बैनर, पंपलेट, कार्ड या हैंडबिल आदि।¹² प्राथमिक रूप में समाचार पत्र सबसे महत्वपूर्ण और विश्वसनीय जन माध्यम हैं, जो लोगों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ उपयोगी समाचार और जानकारी प्रदान करते हैं। विभिन्न शोध निष्कर्षों से यह सिद्ध होता है कि संचार के किसी भी माध्यम की तुलना में समाचार पत्रों की लोगों तक व्यापक पहुँच है। इसलिए महत्वपूर्ण और अनूठी विशेषताओं के कारण समाचार पत्रों का प्रभाव अन्य जनसंचार माध्यमों की तुलना में कहीं अधिक है, समाचार-पत्रों में प्रकाशित सामग्री को अधिक विश्वसनीय और सटीक माना जाता है। एक लेख या समाचार को टेलीविजन या रेडियो की तुलना में अधिक मूल्यवान माना जाता है।¹³ सामग्री की विविधता इस माध्यम की महत्वपूर्ण विशेषता है जो पाठकों के बीच विशिष्ट लक्षित समूहों के लिए विशेष बनाता है। इसमें समाचार, फीचर, लेख, कॉलम, ग्राफिक्स, संपादकीय आदि के विविध मिश्रण वाली सामग्री, पसंद और वरीयताओं के आधार पर चुन सकते हैं। कुछ लोग खेल पृष्ठ को चुनते हैं और कुछ लोग राजनीतिक समाचार पढ़ना पसंद करते हैं और कुछ अन्य शेयर बाजार की अपडेट की तलाश करते हैं और तदनुसार सामग्री पढ़ते हैं। सामग्री की विविधता समाचार पत्रों को एक सच्चा, वास्तविक, सुरुचिपूर्ण और सुखद जन माध्यम बनाती है। रेडियो और टेलीविजन हालांकि काफी लोकप्रिय है, फिर भी इस तरह की सौहार्दपूर्ण सामग्री प्रदान नहीं कर सकते हैं। किसी भी समाज में पारंपरिक समाचार पत्र लोगों के व्यवहार पैटर्न, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था का प्रतिबिंब होते हैं। वे अपने समाचार पत्रों के प्रति सम्मान रखते हैं और उनके बारे में भावुक होकर बोलते हैं क्योंकि वे उनके जीवन के तरीके को दर्शाते हैं और उन्हें जानकारी, शिक्षा, मनोरंजन प्रदान करते हैं और सौहार्दपूर्ण सह-अस्तित्व और सुरक्षित सामाजीकरण और नए मूल्यों के बड़े वैधीकरण में मदद करते हैं।¹⁴ किसी भी लोकतांत्रिक समाज में प्रेस को “चौथा स्तंभ” माना जाता है। आम तौर पर प्रेस शब्द का अर्थ समाचार पत्रों से है। जहाँ तक प्रिंट मीडिया का संबंध है, समाचार पत्रों से मिलता-जुलता है और वे पुस्तकों, पत्रिकाओं सहित विभिन्न रूपों में पूरे मुद्रित पाठ में सबसे अधिक पढ़े जाते हैं। विज्ञापनदाताओं को समाचार पत्रों में उपयुक्त विकल्प का एक माध्यम

¹² Moore, M. G. (1989). Three types of interaction. Taylor & Francis.

¹³ Kioussis, S. (2001). Public trust or mistrust? Perceptions of media credibility in the information age. Mass Communication & Society, 4(4), 381-403.

¹⁴ Martin, S. E., & Copeland, D. A. (Eds.). (2003). The function of newspapers in society: A global perspective. Greenwood Publishing Group.

मिलता है क्योंकि यह अधिक सक्रिय लोगों को अपनी ओर अकर्षित करता है।¹⁵ प्रौद्योगिकी की प्रगति और नये मीडिया के उद्भव के बीच समाचार पत्रों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और न्यू मीडिया सहित मीडिया के विविध स्वरूपों से कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और डिजिटल मीडिया के आगमन के खिलाफ संघर्ष जारी है, हालाँकि सभी संभावित तरीकों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं क्योंकि लगभग सभी प्रमुख समाचार पत्रों की अपनी वेबसाइटें हैं, जो अपने ग्राहकों को लगातार नवीनतम सामग्री से अपडेट करती रहती हैं। समाचार पत्र मुद्रित उत्पाद है जो नियमित रूप से साप्ताहिक या दैनिक रूप से उत्पादित होते हैं और एकल या एकाधिक संस्करणों में प्रकाशित होते हैं, जिनमें मुख्य रूप से नवीनतम समाचार और समाज की घटनाओं के बारे में जानकारी होती है। नियमित समाचार पत्र केवल 18वीं शताब्दी के अंत में मूद्रण प्रौद्योगिकी के अविष्कार और नवाचार के साथ ही प्रचलन में आये।¹⁶

1.6. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का परिचय

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वह जन मीडिया है जो सूचना को त्वरित गति से संप्रेषित करता है। इसलिए आमजन पर इसका असर अन्य की तुलना में अत्यधिक पड़ता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की बात करें तो इसमें रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, साईबर मीडिया, वीडियो और ऑडियो आदि प्रमुख रूप से आते हैं। इन माध्यमों में विद्युत चुंबकीय वायु तरंगों द्वारा संदेशों को प्रसारित किया जाता है जिसे तकनीकी शब्दावली में ब्राडकॉस्टिंग कहा जाता है। वायु तरंगों की मदद से संदेशों को आमजन तक पहुँचाने की प्रक्रिया को संचार प्रक्रिया कहा जाता है।

1.7. भारतीय परिदृश्य में जन मीडिया

भारतीय परिदृश्य में मीडिया की शुरुआत 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हुई और प्रिंट मीडिया की शुरुआत 1780 में हुई थी, जब 1780 में पहला समाचार-पत्र गजट अस्तित्व में आया था। इसी प्रकार 1927 में रेडियो का आगमन हुआ जोकि आमजन के बीच काफी लाकप्रीय रहा और सिनेमा की शुरुआत जुलाई 1895 के दौरान बॉम्बे में ऑगस्टे और लुई लुमियर की चलती फिरती तस्वीरों की स्क्रीनिंग से हुयी। सिनेमा को दुनिया का सबसे पुराना और सबसे बड़ा मीडिया माना जाता है। इस माध्यम ने विशेष रूप से मनोरंजन के क्षेत्र में क्रांति ला दी। इस माध्यम के अविष्कार के परिणामस्वरूप, कलात्मक प्रस्तुति ने पात्रों को जीवन से बड़ी छवि में प्रस्तुत करने के लिए एक अनोखे तरीके से चित्रित किया, जिसने बदलते समाज में पात्रों को लोकप्रिय नायक तथा विचार बना दिया। अगर पहले अखबार की बात की जाए, तो पहला अखबार बंगाल गजट जेम्स ऑगस्टस हिककी द्वारा 1780 में शुरू किया गया था। राजपत्र या गजट जिसे हिकी गजट के नाम से भी जाना जाता है एक दो शीट वाला समाचार-पत्र कंपनी के अधिकारियों के

¹⁵ Clow, K. E. (2004). Integrated advertising, promotion, and marketing communications. Pearson Education India.

¹⁶ Kipphan, H. (Ed.). (2001). Handbook of print media: technologies and production methods. Springer Science & Business Media.

निजी जीवन से संबंधित विषयों पर लेखन के लिए जाना जाता था। जेम्स ऑगस्टस ने गर्वनर जनरल वारेन हेस्टिंग के व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन पर तीखे हमले करने का साहस किया, जिसने जल्द ही इस समाचार पत्र को विवाद में डाल दिया और कंपनी जाँच के दायरे में आ गयी और उसे रोष का सामना करना पड़ा। गर्वनर ने जेम्स को चार महीने की सजा दी और कंपनी विरोधी लेखन के लिए 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया था, फिर भी उनके लेखन कार्य से रोक नहीं पाये। लेकिन गर्वनर जनरल और मुख्य न्यायधीश के खिलाफ लेखन के बाद, हिकी को गिरफ्तार कर लिया गया था और कैद हुयी और 5000 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया, जोकि अंततः बंगाल गजट के साथ उनकी यात्रा के अंत में समाप्त हुआ और इस प्रकार कहा जाता है कि भारतीय परिदृश्य में यह प्रतिरोध का पहला चरण था तथा भारत में पत्रकारिता के ये पहले अस्थायी कदम थे। 1785 में रिचर्ड जॉनसन द्वारा सरकारी प्रिंटर के रूप में मद्रास कूरियर शुरू किया गया था जो पहला दक्षिण भारतीय समाचार पत्र था। 1878 में हिंदू की भ्रांति, कठोर और कट्टरपंथी रीति-रिवाज, परंपराओं और कदाचार से मुक्त बनाने के लिए द हिंदू समाचार पत्र की स्थापना की गयी थी। वर्तमान में इस समाचार-पत्र ने दक्षिण भारत के साथ-साथ मध्य भारत में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। पाठकों की दृष्टि से द हिंदू समाचार पत्र देश की शीर्ष पाँच मुख्यधारा के राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्रों में से एक है।

दूरदर्शन के सामाजिक और आर्थिक विकास की प्रक्रिया स्पष्ट रूप से इसके पहले के जनादेश से कमजोर पड़ गयी थी। यद्यपि दूरदर्शन टेलीविजन पर विशेष समाचार पहले से ही उपलब्ध थे किंतु चौबीस घंटे नहीं थे और चूँकि यह सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण में था इसलिए यह प्रेस की स्वतंत्रता से परे नहीं था। यही वह कारण था जिसने निजी स्वतंत्र मीडिया के उदय की आशंका जतायी, जोकि चौबीस घंटे सूचनायें प्रदान करता है। 24 घंटे समाचार प्रसारण 19वीं सदी के अंत में शुरू हुआ। निजी टेलीविजन समाचार चैनलों की शुरुआत हुई और तेजी से विस्तार ने भारतीय पत्रकारिता में गुणवत्ता से लेकर उत्पादन की मात्रा तक कई पहलुओं पर दूरगामी परिवर्तन हुये। 1990 के सरकारी नीति के निजीकरण के तहत भारतीय बाजारों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों को प्रवेश के लिए प्रेरित किया, जिसने भारत में उपग्रह टेलीविजन को एक अंतरराष्ट्रीय घटक बना दिया। अंतरराष्ट्रीय चैनल सीएनएन ने 1991 में खाड़ी युद्ध के अपने प्रसारण के माध्यम से भारत में पहला अंतरराष्ट्रीय उपग्रह टेलीविजन पेश किया। भारतीय उप-महाद्वीप में रिचर्ड ली ने 1991 में मनोरंजन मीडिया स्टार प्लस की शुरुआत की। प्रसिद्ध व्यवसायी और मीडिया सम्राट सुभाष चंद्रा का जी-टीवी अक्टूबर 1992 में प्रकाश में आया और यह पहला भारतीय स्वामित्व वाला निजी हिंदी चैनल था जो भारतीय समाज की विभिन्न मीडिया जरूरतों जैसे- खबरें, मनोरंजन, विविध प्रकार की जानकारीयों व सूचनाओं की पूर्ति करता है।

1.8. समाज और मीडिया

किसी भी समाज के लिए मीडिया की भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि सौहार्दपूर्ण सह-अस्तित्व व्यवस्था, क्योंकि मीडिया निगरानी और सतर्कता के अपने कार्यों के माध्यम से आवश्यक जाँच और संतुलन प्रदान करती है। मीडिया एक माध्यम के रूप में किसी भी समाज को एक शांतिपूर्ण प्रगतिशील और सुरक्षा की दृष्टि से सक्षम बनाता है और इसके सुधार और विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। आधुनिक समय में समाज के हर मोड़ पर मीडिया की उपस्थिति है। मीडिया के प्राइम शो, रियलटी शो, कॉमेडी शो, समाचार प्रसारण या विभिन्न प्रकार के धारावाहिकों सहित टीवी के विभिन्न कार्यक्रमों से लेकर रेडियो पर हम जो संगीत या समाचार सुनते हैं, किताबें, पत्रिकाएँ और समाचार पत्रों को हम हर रोज पढ़ते हैं। पर्याप्त मीडिया संसाधनों के अभाव में समाज के लोग न केवल शेष विश्व से कट जायेंगे बल्कि सरकारों, कानून निर्माताओं, अराजक तत्वों और आस-पास के कस्बों और शहरों से भी अलग-थलग हो जायेंगे। इसलिए सूचना का नियमित प्रवाह किसी भी समुदाय या सामाजिक समूह के विकास के लिए बुनियादी आवश्यकता है, मीडिया इसे सुगम बनाता है। जब तक सूचना का निरंतर और स्थायी प्रवाह नहीं होगा, लोगों के दृष्टिकोण सीमित होंगे और दुनिया के बारे में उनके विचार, प्रभाव, मूल्यांकन सीमित रहेंगे।¹⁷ हाई टेक मल्टीनेशनल मीडिया कॉरपोरेट जगत के इस युग में लोगों तक सूचना का प्रवाह तीव्रगति से किया जा रहा है तथा लगातार आमजन की पसंदानुसार उनकी जरूरतों का पीछा किया जा रहा है।

1.9. मीडिया और लोकतंत्र

लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। लोकतंत्र का शाब्दिक अर्थ "लोगों का शासन" होता है, जिसमें 'लोक' का मतलब 'जनता' और 'तंत्र' का मतलब 'शासन' होता है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन व्यवस्था है जो जनता और राज्य दोनों के लिए प्रयोग में लाई जाती है। यद्यपि लोकतंत्र शब्द का प्रयोग सामान्यतः राजनीतिक संदर्भ में होता है, किन्तु लोकतंत्र का सिद्धांत अन्य समूहों और संगठनों पर भी लागू होता है। मूलतः लोकतंत्र विभिन्न सिद्धांतों के मिश्रण से निर्मित होता है। इसलिए कहा जाता है कि स्वतंत्र मीडिया के बिना कोई भी लोकतंत्र असंभव है। लोकतांत्रिक समाज में मीडिया की भूमिका को अमेरिकी संस्थापक और संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन की प्रसिद्ध कहावत से समझा जा सकता है। उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें बिना अखबार वाली सरकार या अखबार वाली सरकार में से किसी एक को चुनना पड़े, तो वह अखबार वाली सरकार को चुनेंगे। थॉमस जेफरसन की इस कहावत को 'जेफरसनियन डिक्लेरेशन' के नाम से भी जाना जाता है।

¹⁷ Siune, K., & Kline, F. G. (1975). Communication, mass political behavior, and mass society. Political communication: Issues and strategies for research, 65.

जनसंचार माध्यम या मीडिया लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। मीडिया उन राजनीतिक सूचनाओं की आपूर्ति करता है जिनके आधार पर मतदाता अपने निर्णय लेते हैं, साथ ही यह हमारे समाज की समस्याओं की पहचान करने और विचार-विमर्श के रूप में कार्य करता है। जनमाध्यम प्रहरी भी हैं जिन पर हम उन लोगों द्वारा की गई त्रुटियों और गलत कार्यों को उजागर करने के लिए भरोसा करते हैं, जिनके पास शक्ति है। इसलिए लोकतंत्र में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है और मीडिया जनता को सूचित, शिक्षित और लामबंद करके नागरिकों को शासन के कार्य में संलग्न रखता है। सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक कार्य यही है जिसकी हम मीडिया से अपेक्षा कर सकते हैं।

गुरेविच और ब्लमलर¹⁸ ने इसे अपने लेख में उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक-राजनीतिक विकास की निगरानी करना, प्रासंगिक मुद्दों की पहचान करना, विभिन्न प्रकार के विचारों पर बहस के लिए मंच प्रदान करना, अधिकारियों को सत्ता दुरुपयोग के लिए जिम्मेदार ठहराना और नागरिकों को सीखने, चुनने और लोकतंत्र में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। मास मीडिया ही वह माध्यम है जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को वास्तविकता बनाता है। प्रेस की स्वतंत्रता जनता को अपने राजनीतिक नेताओं के विचारों और दृष्टिकोणों का मूल्यांकन करने और उनके बारे में राय बनाने का सबसे अच्छा साधन प्रदान करती है। यह विशेष रूप से राजनेताओं को जनता की राय के बारे में सोचने और टिप्पणी करने का अवसर देती है। इस प्रकार, यह स्वतंत्र राजनीतिक बहस में भाग लेने की क्षमता प्रदान करती है, जोकि लोकतांत्रिक समाज की अवधारणा के मूल में निहित है। मास मीडिया जनता को जनहित के मामलों के बारे में सूचित करता है और सरकार पर प्रहरी की तरह नजर रखता है। इसे हम चौथे स्तंभ के रूप में पहचानते हैं, जो सरकार की एक सह-समान शाखा है। यह नियंत्रण और संतुलन प्रदान करता है, जिसके बिना कोई भी सरकार किसी भी लोकतांत्रिक समाज या देश में प्रभावी नहीं हो सकती है।

भारत में लोकतंत्र ने 1951-52 में हुए आम चुनाव के साथ एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। ये चुनाव दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास में एक बड़ा प्रयोग था। चुनाव सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर आयोजित किए गए, जिसमें 21 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी लोगों को मताधिकार का अधिकार था। भारत में उस समय 173 मिलियन से अधिक मतदाता थे, जिनमें से अधिकांश गरीब, अनपढ़ और ग्रामीण क्षेत्र के थे और उन्हें चुनाव का कोई पूर्व अनुभव नहीं था। उस समय बड़ा सवाल यह था कि लोग इस मौके का कैसे जवाब देंगे। कई लोगों को संदेह था कि ऐसे मतदाता राजनीतिक रूप से परिपक्व और जिम्मेदार तरीके से मतदान करने के अपने अधिकार का उपयोग कर सकते हैं। कुछ ने कहा कि लोकतांत्रिक चुनाव भारत जैसे जाति-ग्रस्त, बहु-धार्मिक, अनपढ़ और पिछड़े समाज के लिए उपयुक्त नहीं हैं और ऐसे समाज में केवल उदार तानाशाही ही राजनीतिक रूप से प्रभावी हो सकती है। आगामी चुनाव

¹⁸ Gurevitch, M., & Blumler, J. G. (1990). Political communication systems and democratic values. *Democracy and the mass media*, 269-289.

को कुछ लोगों ने 'अंधेरे में छलांग' तो कुछ ने 'शानदार' और 'विश्वास का एक कार्य' के रूप में वर्णित किया है।

1.10. लोकतंत्र का अर्थ एवं परिभाषा- लोकतंत्र (शाब्दिक अर्थ "लोगों का शासन", संस्कृत में लोक, "जनता" तथा तंत्र, "शासन",) या प्रजातंत्र एक ऐसी शासन व्यवस्था जो लोक और राज्य दोनों के लिये प्रयुक्त होता है। यद्यपि लोकतंत्र शब्द का प्रयोग राजनीतिक संदर्भ में किया जाता है, किंतु लोकतंत्र का सिद्धांत दूसरे समूहों और संगठनों के लिये भी संगत है। मूलतः लोकतंत्र भिन्न-भिन्न सिद्धान्तों के मिश्रण से बनता है।

1.10.1. लोकतंत्र के प्रकार

लोकतंत्र की परिभाषा के अनुसार यह "जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता का शासन है"। लेकिन अलग-अलग देशकाल और परिस्थितियों में अलग-अलग धारणाओं के प्रयोग से इसकी अवधारणा कुछ जटिल हो गयी है। प्राचीनकाल से ही लोकतंत्र के सन्दर्भ में कई प्रस्ताव रखे गए हैं, पर इनमें से कई कभी क्रियान्वित नहीं हुए।

1. **प्रतिनिधि लोकतंत्र:** प्रतिनिधि लोकतंत्र में जनता सरकारी अधिकारियों को सीधे चुनती है। प्रतिनिधि किसी जिले या संसदीय क्षेत्र से चुने जाते हैं या कई समानुपातिक व्यवस्थाओं में सभी मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। कुछ देशों में मिश्रित व्यवस्था प्रयुक्त होती है। यद्यपि इस तरह के लोकतंत्र में प्रतिनिधि जनता द्वारा निर्वाचित होते हैं, लेकिन जनता के हित में कार्य करने की नीतियां प्रतिनिधि स्वयं तय करते हैं। यद्यपि दलगत नीतियां, मतदाताओं में छवि, पुनः चुनाव जैसे कुछ कारक प्रतिनिधियों पर असर डालते हैं, किन्तु सामान्यतः इनमें से कुछ ही बाध्यकारी अनुदेश होते हैं। इस प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि जनादेश का दबाव नीतिगत अड़चनों पर रोक का काम करता है, क्योंकि नियमित अंतरालों पर सत्ता की वैधता हेतु चुनाव अनिवार्य हैं।
2. **उदार लोकतंत्र:** एक तरह का प्रतिनिधि लोकतंत्र है, जिसमें स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव होते हैं। उदार लोकतंत्र के चरित्रगत लक्षणों में, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, शक्तियों के वितरण आदि के अलावा अभिव्यक्ति, भाषा, सभा, धर्म और संपत्ति की स्वतंत्रता प्रमुख है।
3. **प्रत्यक्ष लोकतंत्र:** प्रत्यक्ष लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक सभी महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलों पर मतदान करते हैं। इसे प्रत्यक्ष लोकतंत्र कहा जाता है क्योंकि सैद्धांतिक रूप से इसमें कोई प्रतिनिधि या मध्यस्थ नहीं होता। सभी प्रत्यक्ष लोकतंत्र छोटे समुदाय या नगर-राष्ट्रों में हैं।
उदाहरण – स्विट्जरलैंड

1.11. भारत में लोकतंत्र के प्राचीनतम प्रयोग

प्राचीन काल से ही भारत में सुदृढ़ व्यवस्था विद्यमान थी। इसके साक्ष्य हमें प्राचीन साहित्य, सिक्कों और अभिलेखों से प्राप्त होते हैं। विदेशी यात्रियों एवं विद्वानों के वर्णन में भी इस बात के प्रमाण हैं। प्राचीन गणतांत्रिक व्यवस्था में आजकल की तरह ही शासक एवं शासन के अन्य पदाधिकारियों के लिए निर्वाचन प्रणाली थी। योग्यता एवं गुणों के आधार पर इनके चुनाव की प्रक्रिया आज के दौर से थोड़ी भिन्न जरूर थी। सभी नागरिकों को वोट देने का अधिकार नहीं था। ऋग्वेद तथा कौटिल्य साहित्य ने चुनाव पद्धति की पुष्टि की है परंतु उन्होंने वोट देने के अधिकार पर रोशनी नहीं डाली है।

वर्तमान संसद की तरह ही प्राचीन समय में परिषदों का निर्माण किया गया था जो वर्तमान संसदीय प्रणाली से मिलता-जुलता था। गणराज्य या संघ की नीतियों का संचालन इन्हीं परिषदों द्वारा होता था। इसके सदस्यों की संख्या विशाल थी। उस समय के सबसे प्रसिद्ध गणराज्य लिच्छवि की केंद्रीय परिषद में 7707 सदस्य थे। वहीं यौधेय की केन्द्रीय परिषद के 5000 सदस्य थे। वर्तमान संसदीय सत्र की तरह ही परिषदों के अधिवेशन नियमित रूप से होते थे। किसी भी मुद्दे पर निर्णय होने से पूर्व सदस्यों के बीच में इस पर खुलकर चर्चा होती थी। सही-गलत के आकलन के लिए पक्ष-विपक्ष पर जोरदार बहस होती थी। उसके बाद ही सर्वसम्मति से निर्णय का प्रतिपादन किया जाता था। सबकी सहमति न होने पर बहुमत प्रक्रिया अपनायी जाती थी। कई जगह तो सर्वसम्मति होना अनिवार्य होता था। बहुमत से लिये गए निर्णय को 'भूयिसिक्किम' कहा जाता था। इसके लिए वोटिंग का सहारा लेना पड़ता था। तत्कालीन समय में वोट को 'छन्द' कहा जाता था। निर्वाचन आयुक्त की भांति इस चुनाव की देख-रेख करने वाला भी एक अधिकारी होता था जिसे 'शलाकाग्राहक' कहते थे। वोट देने के लिए तीन प्रणालियां थीं¹⁹ -

- **गूढ़क (गुप्त रूप से)** – अर्थात् अपना मत किसी पत्र पर लिखकर जिसमें वोट देने वाले व्यक्ति का नाम नहीं आता था।
- **विवृतक (प्रकट रूप से)** – इस प्रक्रिया में व्यक्ति संबंधित विषय के प्रति अपने विचार सबके सामने प्रकट करता था। अर्थात् खुले आम घोषणा।
- **संकर्णजल्पक (शलाकाग्राहक के कान में चुपके से कहना)** - सदस्य इन तीनों में से कोई भी एक प्रक्रिया अपनाने के लिए स्वतंत्र थे। शलाकाग्राहक पूरी मुस्तैदी एवं ईमानदारी से इन वोटों का हिसाब करता था। इस तरह हम पाते हैं कि प्राचीन काल से ही हमारे देश में गौरवशाली लोकतंत्रीय परंपरा थी। इसके अलावा सुव्यवस्थित शासन के संचालन हेतु अनेक मंत्रालयों का

¹⁹ तिवारी, अर्जुन (2010). *आधुनिक पत्रकारिता*, वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.

भी निर्माण किया गया था। उत्तम गुणों एवं योग्यता के आधार पर इन मंत्रालयों के अधिकारियों का चुनाव किया जाता था।²⁰

मंत्रालयों के प्रमुख विभाग थे-

- (1) औद्योगिक तथा शिल्प संबंधी विभाग
- (2) विदेश विभाग
- (3) जनगणना
- (4) क्रय-विक्रय के नियमों का निर्धारण

मंत्रिमंडल का उल्लेख हमें अर्थशास्त्र, मनुस्मृति, शुक्रनीति, महाभारत, इत्यादि में प्राप्त होता है। यजुर्वेद और ब्राह्मण ग्रंथों में इन्हें 'रत्नि' कहा गया। महाभारत के अनुसार मंत्रिमंडल में 6 सदस्य होते थे। मनु के अनुसार सदस्य संख्या 7-8 होती थी। शुक्र ने इसके लिए 10 की संख्या निर्धारित की थी। इनके कार्य इस प्रकार थे:-

i- पुरोहित- यह राजा का गुरु माना जाता था। राजनीति और धर्म दोनों में निपुण व्यक्ति को ही यह पद दिया जाता था।

ii- उपराज (राजप्रतिनिधि)- इसका कार्य राजा की अनुपस्थिति में शासन व्यवस्था का संचालन करना था।

iii- प्रधान- प्रधान अथवा प्रधानमंत्री, मंत्रिमंडल का सबसे महत्वपूर्ण सदस्य था। वह सभी विभागों की देखभाल करता था।

iv- सचिव- वर्तमान के रक्षा मंत्री की तरह ही इसका काम राज्य की सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यों को देखना था।

v- सुमन्त्र- राज्य के आय-व्यय का हिसाब रखना इसका कार्य था। चाणक्य ने इसको समर्हता कहा।

vi- अमात्य- अमात्य का कार्य संपूर्ण राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का नियमन करना था।

vii- दूत- वर्तमान काल की इंटेलीजेंसी की तरह दूत का कार्य गुप्तचर विभाग को संगठित करना था। यह राज्य का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विभाग माना जाता था। इनके अलावा भी कई विभाग थे।

²⁰ तिवारी, अर्जुन (2010). *आधुनिक पत्रकारिता*, वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.

इतना ही नहीं वर्तमान काल की तरह ही पंचायती व्यवस्था भी हमें अपने देश में देखने को मिलती है। शासन की मूल इकाई गांवों को ही माना गया था। प्रत्येक गांव में एक ग्राम-सभा होती थी। जो गांव की प्रशासन व्यवस्था, न्याय व्यवस्था से लेकर गांव के प्रत्येक कल्याणकारी काम को अंजाम देती थी। इनका कार्य गांव की प्रत्येक समस्या का निपटारा करना, आर्थिक उन्नति, रक्षा कार्य, समुन्नत शासन व्यवस्था की स्थापना कर एक आदर्श गांव तैयार करना था। ग्रामसभा के प्रमुख को ग्रामणी कहा जाता था।

सभी राज्य छोटी-छोटी शासन इकाइयों में विभक्त थे और प्रत्येक इकाई अपने में एक छोटे राज्य सी थी और स्थानिक शासन के निमित्त अपने में पूर्ण थी। समस्त राज्य की शासन सत्ता एक सभा के अधीन थी, जिसके सदस्य उन शासन-इकाइयों के प्रधान होते थे। एक निश्चित काल के लिए सबका एक मुखिया अथवा अध्यक्ष निर्वाचित होता था। यदि सभा बड़ी होती तो उसके सदस्यों में से कुछ लोगों को मिलाकर एक कार्यकारी समिति निर्वाचित होती थी। यह शासन व्यवस्था एथेन्स में क्लाइस्थेनीज के संविधान से मिलती-जुलती थी। सभा में युवा एवं वृद्ध हर उम्र के लोग होते थे। उनकी बैठक एक भवन में होती थी, जो सभागार कहलाता था।

एक प्राचीन उल्लेख के अनुसार अपराधी पहले विचारार्थ 'विनिच्चयमहामात्र' नामक अधिकारी के पास उपस्थित किया जाता था। निरपराध होने पर अभियुक्त को वह मुक्त कर सकता था पर दण्ड नहीं दे सकता था। उसे अपने से ऊंचे न्यायालय भेज देता था। इस तरह अभियुक्त को छः उच्च न्यायालयों के सम्मुख उपस्थित होना पड़ता था। केवल राजा को दण्ड देने का अधिकार था। धर्मशास्त्र और पूर्व की नजीरों के आधार पर ही दण्ड होता था। देश में कई गणराज्य विद्यमान थे। मौर्य साम्राज्य का उदय इन गणराज्यों के लिए विनाशकारी सिद्ध हुआ। परंतु मौर्य साम्राज्य के पतन के पश्चात कुछ नये लोकतांत्रिक राज्यों ने जन्म लिया। यथा यौधेय, मानव और आर्जुनीयन इत्यादि।

1.12. प्राचीन भारत के कुछ प्रमुख गणराज्यों का ब्योरा इस प्रकार है:-

- **शाक्य-** शाक्य गणराज्य वर्तमान बस्ती और गोरखपुर जिला (उत्तर प्रदेश) के क्षेत्र में स्थित था। इस गणराज्य की राजधानी कपिलवस्तु थी। यह सात दीवारों से घिरा हुआ सुन्दर और सुरक्षित नगर था। इस संघ में अस्सी हजार कुल और पांच लाख जन थे। इनकी राजसभा, शाक्य परिषद के 500 सदस्य थे। ये सभा प्रशासन और न्याय दोनों कार्य करती थी। सभाभवन को सन्यागार कहते थे। यहां विशेषज्ञ एवं विशिष्ट जन विचार-विमर्श कर कोई निर्णय देते थे। शाक्य परिषद का अध्यक्ष राजा कहलाता था। भगवान बुद्ध के पिता शुद्धोधन शाक्य क्षत्रिय राजा थे। कौषल के राजा प्रसेनजित के पुत्र विरुद्ध ने इस गणराज्य पर आक्रमण कर इसे नष्ट कर दिया था।²¹

²¹ पाल, नवीन चंद्र (2004). *पत्रकारिता के मूल सिद्धांत*, नई दिल्ली: कनिष्का पब्लिशर्स.

- **लिच्छवि-** लिच्छवि गणराज्य गंगा के उत्तर में (वर्तमान उत्तरी बिहार क्षेत्र) स्थित था। इसकी राजधानी का नाम वैशाली था। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बसाढ़ ग्राम में इसके अवशेष प्राप्त होते हैं। लिच्छवि क्षत्रिय वर्ण के थे। वर्द्धमान महावीर का जन्म इसी गणराज्य में हुआ था। इस गणराज्य का वर्णन जैन एवं बौद्ध ग्रंथों में प्रमुख रूप से मिलता है। वैशाली की राज्य परिषद में 7707 सदस्य होते थे। इसी से इसकी विशालता का अनुमान लगाया जा सकता है। शासन कार्य के लिए दो समितियां होती थीं। पहली नौ सदस्यों की समिति वैदेशिक सम्बन्धों की देखभाल करती थी। दूसरी आठ सदस्यों की समिति प्रशासन का संचालन करती थी। इसे इष्टकुल कहा जाता था। इस व्यवस्था में तीन प्रकार के विशेषज्ञ होते थे- विनिश्चय महामात्र, व्यावहारिक और सूत्राधार।

लिच्छवि गणराज्य तत्कालीन समय का बहुत शक्तिशाली राज्य था। बार-बार इस पर अनेक आक्रमण हुए। अंततः मगधराज अजातशत्रु ने इस पर आक्रमण करके इसे नष्ट कर दिया। परंतु चतुर्थ शताब्दी ई. में यह पुनः एक शक्तिशाली गणराज्य बन गया।²²

- **वज्जि-** लिच्छवि, विदेह, कुण्डग्राम के ज्ञातृक गण तथा अन्य पांच छोटे गणराज्यों ने मिलकर जो संघ बनाया उसी को वज्जि संघ कहा जाता था। मगध के शासक निरंतर इस पर आक्रमण करते रहे। अंत में यह संघ मगध के अधीन हो गया।
- **अम्बष्ठ-** पंजाब में स्थित इस गणराज्य ने सिकन्दर से युद्ध न करके संधि कर ली थी।
- **अग्रेय-** वर्तमान अग्रवाल जाति का विकास इसी गणराज्य से हुआ है। इस गणराज्य में सिकंदर की सेनाओं का डटकर मुकाबला किया। जब उन्हें लगा कि वे युद्ध में जीत हासिल नहीं कर पायेंगे तब उन्होंने स्वयं अपनी नगरी को जला दिया। इनके अलावा अरिष्ट, औटुम्बर, कठ, कुणिन्द, क्षुद्रक, पातानप्रस्थ इत्यादि गणराज्यों का उल्लेख भी प्राचीन ग्रंथों में मिलता है।

1.13. लोकतंत्र की आवश्यकता

- बहुसंख्यक जनसमुदाय, जो गैर-अभिजात वर्ग का निर्धारक होता है, अभिजात वर्ग के प्रति अधिकांशतः भावशून्य और उदासीन होते हैं, इसलिए एक ऐसा अल्पसंख्यक वर्ग का होना आवश्यक है जो अभिजात वर्ग को नेतृत्व प्रदान करे।
- अभिजन सिद्धान्त के अनुसार आज के जटिल समाज में कार्यक्षमता के लिए विशेषज्ञता आवश्यक है और विशेषज्ञों की संख्या हमेशा कम ही होती है। अतः राजनैतिक नेतृत्व ऐसे चुनिंदा सक्षम लोगों के हाथ में होना आवश्यक है।

²² पाल, नवीन चंद्र (2004). *पत्रकारिता के मूल सिद्धांत*, नई दिल्ली: कनिष्का पब्लिशर्स.

- लोकतंत्र मात्र एक ऐसी कार्यप्रणाली है जिसके द्वारा छोटे समूहों में से एक जनता के न्यूनतम अतिरिक्त समर्थन से शासन करता है अभिजनवादी सिद्धान्त यह भी मानता है कि अभिजन वर्गों- राजनीतिक दलों, नेताओं, बड़े व्यापारी घरानों के कार्यपालकों, स्वैच्छिक संगठनों के नेताओं और यहां तक कि श्रमिक संगठनों के बीच मतैक्य आवश्यक है ताकि लोकतंत्र की आधारभूत कार्यप्रणाली को गैर जिम्मेदार नेताओं से बचाया जा सके।
- सहभागिता सिद्धांत के समर्थकों के अनुसार लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ प्रत्येक व्यक्ति की समान सहभागिता है, न कि मात्र सरकार को स्थायी बनाए रखना, जैसा कि अभिजनवादी अथवा बहुलवादी सिद्धांतकार मान लेते हैं। सच्चे लोकतंत्र का निर्माण तभी हो सकता है जब नागरिक राजनीतिक दृष्टि से सक्रिय हों और सामूहिक समस्याओं में निरंतर अभिरूचि लेते रहें। सक्रिय सहभागिता इसलिए आवश्यक है ताकि समाज की प्रमुख संस्थाओं के पर्याप्त विनिमय हों और राजनीतिक दलों में अधिक खुलापन और उत्तरदायित्व के भाव हों।
- सहभागी लोकतंत्र के सिद्धांतकारों के अनुसार यदि नीतिगत निर्णय लेने का जिम्मा केवल अभिजन वर्ग तक सीमित रहता है तो उसके लोकतंत्र का वास्तविक स्वरूप बाधित होता है। इसलिए वे इसमें आम आदमी की सहभागिता की वकालत करते हैं। उनका मानना है कि यदि लोकतांत्रिक अधिकार कागज के पन्नों अथवा संविधान के अनुच्छेदों तक ही सीमित रहे तो उन अधिकारों का कोई अर्थ नहीं रह जाता, अतः सामान्य लोगों द्वारा उन अधिकारों का वास्तविक उपभोग किया जाना आवश्यक है।
- लोकतंत्र राज्य का एक स्वरूप है और वर्ग-विभाजित समाज में सरकार अधिनायकवादी और लोकतांत्रिक दोनों होती है। यह एक वर्ग के लिए लोकतंत्र है तो दूसरे के लिए अधिनायकवाद है। बुर्जुआ वर्ग चूंकि अपने हित साधन में पूंजीवादी प्रणाली को नियंत्रित और संचालित करता है, इसलिए उसे सत्ता से बेदखलकर समाजवादी लोकतंत्र को स्थापित करना आवश्यक हो जाता है।

1.14. मीडिया और चुनाव का पारस्परिक संबंध

लोकतंत्र में मतदाताओं को पूर्ण और सटीक चुनाव की जानकारी प्राप्त करने का पूरा अधिकार है। राजनीतिक दल और उम्मीदवार अपने संदेश को बड़े स्तर पर मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए जन

माध्यमों का उपयोग करते हैं²³ समय पर और पारदर्शी चुनाव के अभाव में लोकतंत्र क्रियाशील नहीं हो सकता है। चुनाव सरकार के लोकतांत्रिक स्वरूप के गठन के उद्देश्य से की जाने वाली प्रक्रिया है। लोकतांत्रिक समाज में आम तौर पर मतदाता उम्मीदवारों की अपनी पसंद के बारे में बहुत स्पष्ट नहीं होते हैं क्योंकि सभी पार्टियाँ या उम्मीदवार खुद को व्यवहारकुशल और सर्वोत्तम विकल्प के रूप में पेश करने के बाद जटिल स्थित बनी रहती है, इसलिए यह निर्धारित करना बहुत मुश्किल हो जाता है कि मतदाता अपनी पसंद के अनुसार किस खास उम्मीदवार या पार्टी को वोट दे।²⁴ वोट डालने के लिए किसी पार्टी या उम्मीदवार के बारे में निर्णय की अप्रत्याशिता और अनिश्चितता मीडिया के लिए बहुत ही आवश्यक खालीपन पैदा करती है जो इसकी भूमिका को और भी अधिक महत्वपूर्ण बना देती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में पसंद का चयन दुनिया के अन्य लोकतंत्रों की तुलना में अधिक कठिन हो जाता है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में क्षेत्रीय या स्थानीय कई प्रकार के कारक हैं, जो मतदान व्यवहार को प्रभावित करते हैं, जहाँ जातीयता, धर्म, क्षेत्र, उम्मीदवार की पृष्ठभूमि और व्यक्तित्व की विविधता, चुनावी वादे, पार्टियों के एजेंडे और विचारधारार्यों और जन मीडिया मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करता है।²⁵ थॉमस ई. पैटरसन ने कहा है कि सार्वजनिक मुद्दों के बारे में मतदाताओं का ज्ञान काफी हद तक चुनाव अभियान के प्रेस कवरेज पर निर्भर करता है।²⁶ यहाँ पर न केवल सरकार के प्रदर्शन, मूल्यांकन द्वारा बल्कि कई अन्य तरीकों से भी, जैसे कि मतदाताओं को शिक्षित करना, चुनाव अभियान की रिपोर्ट करना, लोगों और राजनीतिक दलों को जोड़ना, राजनीतिक दलों को आसान बनाना और मतदाताओं के साथ त्वरित बातचीत, पार्टियों को आम सहमति बनाने की अनुमति, बहस और चर्चा, परिणामों की रिपोर्ट करना और मतगणना की निगरानी के साथ-साथ चुनाव प्रक्रिया की जाँच और निरीक्षण करना ताकि इसकी निष्पक्षता, दक्षता और ईमानदारी से मूल्यांकन किया जा सके। आधुनिक संचार के युग में मीडिया तेजी से राजनीतिक एजेंडे को निर्धारित करता है, यहां तक कि दुनिया के तकनीकी रूप से कम विकसित हिस्सों में भी।²⁷ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत का समर्थन करने में मीडिया सबसे बड़े कारकों में से एक रहा है। स्वतंत्र, संगठित और स्वतंत्र अस्तित्व के बिना स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना असंभव था। पारदर्शी चुनाव न केवल भारत के चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है, बल्कि

²³ Joslyn, R. (1984). Mass media and elections. Addison Wesley Publishing Company.

²⁴ Lijphart, A., & Aitkin, D. (1994). Electoral systems and party systems: A study of twenty-seven democracies, 1945-1990. Oxford University Press.

²⁵ Shah, D. V., Domke, D., & Wackman, D. B. (1996). "To Thine Own Self Be True" Values, Framing, and Voter Decision-Making Strategies. *Communication Research*, 23(5), 509-560.

²⁶ Patterson, T. E. (1996). Bad news, period. *PS: Political Science & Politics*, 29(1), 17- 20.

²⁷ McQuail, D. (1997). Audience analysis. Sage.

अन्य संस्थानों को भी लोकतंत्र के लिए यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव प्रक्रिया को बेहतर शासन और सच्चे प्रतिनिधित्व के लिए अपेक्षित मानदंडों और धारणा के अनुसार पूरा किया जाये²⁸

जनता की आवाज के रूप में मीडिया को लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में चुनावों पर नजर रखनी चाहिए। भारतीय मीडिया अक्सर विविधता और बहुलता के भारतीय लोकाचार को दर्शाता है, खासकर जब देश में संसदीय या प्रांतीय चुनाव होते हैं। चुनावों में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को बदलते सामाजिक परिदृश्य और मीडिया में तकनीकी प्रगति और नवाचारों में एक महत्वपूर्ण भाग विकास है।²⁹ तथ्य की बात यह है कि दुनिया के कई हिस्सों में स्वतंत्र चुनाव अभी भी एक नई घटना है। एशिया से लेकर अफ्रीका तक कई देश जो कभी शाही विस्तार का हिस्सा थे, पारदर्शी चुनाव बीसवीं सदी के आधे के बाद का विकास है, जबकि पूर्व कम्युनिस्ट ब्लॉक के देशों के लिए लोकतांत्रिक चुनाव नयी घटनायें हैं। यहाँ तक कि पश्चिमी देशों ने भी द्वितीय विश्व युद्ध के कुछ समय पहले या बाद में महिलाओं को मताधिकार के विस्तार के साथ पूरी तरह से लोकतांत्रिक बना दिया है। यूरोप, उत्तरी अमेरिका और लैटिन अमेरिका ने मीडिया के सिद्धांत को “फोर्थ स्टेट” के रूप में विकसित किया है, जो सरकारों की गतिविधियों पर नियंत्रण प्रदान करता है।³⁰

आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के उदय से पहले, प्रिंट मीडिया और व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से राजनीतिक जानकारी दी जाती थी। उन दिनों समाचार पत्रों के पाठकों की संख्या आज की अपेक्षा अधिक थी, इसके बावजूद इसने अभी भी आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से को अपने आप से दूर कर रखा, जिसका कारण वह अखबार खरीद नहीं सकता था या जो अखबार पढ़ नहीं सकता था। इसलिए व्यक्तिगत संचार ने महत्वपूर्ण रोल निभाया। इसमें उम्मीदवारों द्वारा संबोधित सार्वजनिक बैठकों को शामिल किया जाता था, जहाँ पर विभिन्न उम्मीदवार बहस करते थे और उनसे प्रश्न पूछे जाते थे। उम्मीदवार या पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर प्रचार करने के साथ-साथ पार्टियों या उम्मीदवारों द्वारा तैयार किये गए पत्र और पोस्टर शामिल होते थे। लेकिन व्यापक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वाले औद्योगिक देशों में इन विधियों का महत्व नाटकीय रूप से कम हो गया है, हालाँकि राजनीतिक बैठकों और उम्मीदवारों के साथ व्यक्तिगत संपर्क महत्वपूर्ण है। राजनीतिक सूचनाओं को संप्रेषित करने में मीडिया की भूमिका अभी भी है। यहाँ तक कि ग्रामीण समुदायों की स्वतंत्र मीडिया तक सीधी पहुँच नहीं होती है, ऐसे में निजी मीडिया ने ग्रामीण मतदाताओं तक अपनी पहुँच बना रखी है। हालाँकि माउथ

²⁸ McMillan, A. (2012). The election commission of India and the regulation and administration of electoral politics. *Election Law Journal*, 11(2), 187-201.

²⁹ Besley, T., & Burgess, R. (2001). Political agency, government responsiveness and the role of the media. *European Economic Review*, 45(4-6), 629-640.

³⁰ Helms, L. (2008). Governing in the media age: The impact of the mass media on executive leadership in contemporary democracies. *Government and Opposition*, 43(1), 26-54.

पब्लिसिटी राजनीतिक जानकारी का प्रत्यक्ष स्रोत हो सकता है लेकिन मीडिया आमजन तक सूचना पहुँचाने में ज्यादा मदद करती है।

1.15. चुनाव और लोकतंत्र

भारतीय परिदृश्य में चुनाव और लोकतंत्र एक-दूसरे से अटूट रूप से जुड़े हुये हैं। लोकतंत्र एक राजनीतिक कार्यप्रणाली है जिसमें सत्ताधारी प्रतिनिधियों का चयन समय सीमा में जनता द्वारा किया जाता है। चुनाव इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है जहां नागरिकों को अपने प्रतिनिधि का चयन करने का अधिकार होता है। जिन देशों में लोकतंत्र हैं वहाँ चुनाव और चुनाव का प्रतिनिधित्व वाला स्वरूप लोकतंत्र को विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चुनाव व्यवस्था में मतदाताओं को न केवल अपना प्रतिनिधि चुनने की स्वतंत्रता दी जाती बल्कि उन्हें केंद्र और राज्य में सरकार बदलने का भी अवसर दिया जाता है। वर्तमान में चुनाव में भाग लेने वाले उम्मीदवारों और दलों की संख्या में इजाफा हुआ है। लोकतंत्र प्रत्येक व्यक्ति को चुनाव में सहभागिता का समान अवसर प्रदान करता है। भारत में निश्चित अंतराल पर होने वाले चुनावों को महान लोकतांत्रिक प्रयोग के रूप में ख्याति मिली है। इसलिए देश की चुनाव व्यवस्था को देश-विदेश में बड़े आदर से देखा जाता है। चुनाव प्रक्रिया को थोड़ा और दोष रहित बनाया जा सके तो हम मतदाता और लोकतंत्र के इस महापर्व का और अच्छी तरह से आनंद उठा सकेंगे और अर्थपूर्ण बना सकेंगे।

चुनाव लोकतंत्र का मूल आधार होता है जो न्यायसंगत, स्वतंत्र और सामान्य नागरिकों के हकों का समर्थन करता है। चुनाव द्वारा नागरिकों को सत्ताधारी नेताओं के बीच से अपने प्रतिनिधि का चयन करने की स्वतंत्रता मिलती है और वे अपने मत का उपयोग देश की सरकार बनाने और नीतियों के निर्माण में कर सकते हैं। इसके अलावा चुनाव लोकतंत्र का महत्वपूर्ण तत्व है जो नागरिकों को नेताओं के प्रशासनिक और नीतिगत निर्णयों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहभागी बनाने के साथ-साथ नागरिकों को सत्ताधारी नेताओं के जवाबदेही को जांचने और सत्ताधारी नेताओं को मूल्यांकन करने का माध्यम भी बनता है। चुनाव नागरिकों को सत्ताधारी नेताओं के मूल्यांकन और बदलाव की संभावना देता है जोकि देश के लिए अति महत्वपूर्ण है। चुनावी प्रक्रिया में मतदाता पंजीकरण, वोटिंग, गणना और नतीजों की घोषणा आदि कई पड़ाव होते हैं। यह जनता के जीवन का महत्वपूर्ण कार्य है जो उन्हें अपने मत का प्रयोग करने का अवसर देता है। चुनावी प्रक्रिया में न्याय, समानता और निष्पक्षता की प्राथमिकता होती है जो लोकतंत्र के सुशासन को सुनिश्चित करती है। इस प्रकार से चुनाव और लोकतंत्र एक-दूसरे के पूरक की भूमिका निभाते हैं और नागरिकों को एक सकारात्मक राजनीतिक प्रणाली में सहभागिता का अवसर प्रदान करते हैं। चुनाव लोकतंत्र की मजबूती और शक्ति का प्रतीक है तथा महत्वपूर्ण माध्यम है जो नागरिकों को सत्ताधारी नेताओं के प्रति जवाबदेही की भूमिका का निर्वहन करता है।

1.16. लोक सभा चुनाव 2019: राजनीतिक पार्टियाँ

लोक सभा चुनाव 2019 में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दोनों तरह की पार्टियों ने सहभागिता की थी। इसके साथ-साथ पंजीकृत पार्टियों ने भी लोक सभा चुनाव में भाग लिया था। 7 राष्ट्रीय पार्टियाँ, 43 राज्य स्तरीय पार्टियाँ और 621 पंजीकृत पार्टियाँ तथा बहुत से उम्मीदवार जो निर्दलीय थे, सभी ने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। जिनमें से प्रमुख राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पार्टियों को सारणी के माध्यम से दर्शाया जा रहा है-

1.16.1. राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियाँ

1	INC	Hand	Indian National Congress
2	BJP	Lotus	Bhartiya Janta Party
3	BSP	Elephant	Bahujan Samaj Party
4	CPI	Ears of Corn and Sickles	Communist Party of India
5	NCP	Clock	National Congress Party
6	AITC	Flowers and Grass	All India Trinamool Congress
7	CPIM	Hammer, Sickles and Star	Communist Party of India (Marxist)

1.16.2. राज्य स्तरीय पार्टियाँ

1	AAP	Broom	Aam Aadmi Party
2	ADMK	Two Leaves	All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam
3	AGP	Elephant	Asom Gana Parishad
4	AIFB	Lion	All India Forward Bloc
5	AIMIM	Kite	All India Majlis-E-Ittehadul Muslimeen
6	AINRC	Jug	All India N.R. Congress
7	AIUDF	Lock and Key	All India United Democratic Front
8	AJSUP	Banana	AJSU Party

9	BJD	Conch	Biju Janta Dal
10	BLSP	Celling Fan	Rashtriya Lok Samta Party
11	BOPF	Nangol	Bodoland Peoples Front
12	DMDK	Nagara	Desiya Murpokku Dravida Kazhagam
13	DMK	Rising Sun	Dravida Munnetra Kazhagam
14	INLD	Spectacles	Indian National Lok Dal
15	IPFT	Dao	Indigenous People's Front of Tripura
16	IUML	Ladder, Gas Cylinder, Auto- Riksha	Indian Union Muslim League
17	JD(S)	A lady farmer carrying paddy on her head	Janta Dal (Secular)
18	JD(U)	Arrow, Air Conditioner	Janta Dal (United)
19	JKN	Plough	Jammu & Kashmir National Congerence
20	JKNPP	Bicycle, cot	Jammu & Kashmir national Panthers Party
21	JKPDP	Ink Pot & Pen	Jammu & Kashmir Peoples Democratic Party
22	JMM	Throwing a Javelin	Jharkhand Mukti Morcha
23	JVM	Comb	Jharkhand Vikas Morch (Prajanantrik)
24	KEC(M)	Two Leaves	Kerala Congress (M)
25	LJP	Bungalow	Lok Jan Shakti Party
26	MNF	Star	Mizo National Party
27	NDPP	Globe	Nationalist Democratic Progressive Party
28	NPEP	Book	National People's Party
29	NPF	Cock	Naga Peoples Front
30	PMK	Mango	Pattali Makkal Katchi
31	PPA	Maize	Peoples's Party of Arunachal

32	RJD	Hurricane Lamp	Rashtriya Janta Dal
33	RLD	Hand Lamp	Rashtriya Lok Dal
34	RSP	Spade & Stoker	Revolutionary Socialist Party
35	SAD	Scales	Shiromani Akali Dal
36	SDF	Umbrella	Sikkim Democratic Front
37	SHS	Bow and Arrow	Shivsena
38	SKM	Table Lamp	Sikkim Krantikari Morcha
39	SP	Bicycle	Samajwadi Party
40	TDP	Bicycle	Telugu Desam
41	TRS	Car	Telangana Rashtra Samithi
42	UDP	Drum	United Democratic Party
43	YSRCP	Celling Fan	Rythu Congress Party

1.17. लोक सभा चुनाव 2019 के चरण:-

लोक सभा चुनाव 2019 सात चरणों में संपन्न हुआ था। पहले चरण का चुनाव 11 अप्रैल 2019 को हुआ, जिसमें 91 सीटों पर चुनाव हुआ तथा दूसरे चरण का चुनाव 18 अप्रैल को हुआ, जिसमें 95 लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ। तीसरे चरण का चुनाव 23 अप्रैल 2019 को हुआ, जिसमें 117 लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ। चौथे चरण का चुनाव 29 अप्रैल 2019 को हुआ, जिसमें 71 सीटों पर लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ। पाँचवें चरण का चुनाव 6 मई 2019 को हुआ, जिसमें 50 सीटों पर चुनाव हुआ। छठे चरण का चुनाव 12 मई 2019 को हुआ, जिसमें 59 लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ। सातवें चरण का चुनाव 19 मई 2019 को हुआ, जिसमें 59 लोक सभा सीटों पर चुनाव हुआ।

1.18 समकालीन सैद्धांतिक दृष्टिकोण और लोकसभा चुनाव 2019

लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया न केवल जनता की भागीदारी सुनिश्चित करती है, बल्कि यह समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को भी उजागर करती है। 2019 का लोकसभा चुनाव भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था, जिसमें राजनीतिक दलों, सामाजिक वर्गों और मीडिया के बीच विभिन्न मुद्दों पर गहन प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। यह चुनाव "नए भारत" की विचारधारा, राष्ट्रीय सुरक्षा, और आर्थिक नीतियों के इर्द-गिर्द लड़ा गया।

- **प्रमुख राजनीतिक दल और चुनावी एजेंडे :-** लोकसभा चुनाव 2019 में भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने अपनी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) और अन्य क्षेत्रीय दलों को चुनौती दी। BJP ने "मजबूत सरकार" और "राष्ट्रीय सुरक्षा" को अपना मुख्य एजेंडा बनाया, जबकि कांग्रेस ने "न्याय योजना" जैसे वादों के साथ आर्थिक समानता पर ध्यान केंद्रित किया। अन्य क्षेत्रीय दलों ने गठबंधन (महागठबंधन) के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रमुख विषय और घटनाएँ:-

1. राष्ट्रीय सुरक्षा: पुलवामा हमले और बालाकोट स्ट्राइक ने चुनाव अभियान को प्रभावित किया।
2. आर्थिक नीतियाँ: बेरोजगारी, कृषि संकट, और GST जैसे मुद्दे चर्चा में रहे।
3. सामाजिक मुद्दे: जाति, धर्म और क्षेत्रीय पहचान के आधार पर राजनीति की गई।

- **मतदाता वर्गों का विभाजन:-**

चुनाव में जाति, धर्म, और क्षेत्रीय पहचान के आधार पर मतदाताओं का विभाजन स्पष्ट रूप से देखा गया। महिला मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी और युवाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही।

1.19 समकालीन सैद्धांतिक दृष्टिकोण

- **राजनीतिक सैद्धांतिक दृष्टिकोण:-**

1. शक्ति संतुलन और लोकतंत्र³¹: लोकसभा चुनाव 2019 में शक्ति संतुलन का प्रश्न महत्वपूर्ण था, जहाँ BJP ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ मजबूत केंद्रीकरण का प्रदर्शन किया।
2. बहुसंख्यकवाद और अल्पसंख्यक अधिकार³²: चुनाव में बहुसंख्यकवाद की राजनीति और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर बहस ने लोकतंत्र की विविधता को चुनौती दी।
3. चुनावी राजनीति और विचारधारा: BJP ने "राष्ट्रवाद" को अपने अभियान का केंद्र बनाया, जबकि कांग्रेस ने "समाजवादी" दृष्टिकोण अपनाया।

- **सामाजिक सैद्धांतिक दृष्टिकोण:-**

1. पहचान की राजनीति³³: जाति, धर्म, और क्षेत्रीय पहचान ने मतदाताओं की प्राथमिकताओं को गहराई से प्रभावित किया।
2. सामाजिक विभाजन: ग्रामीण बनाम शहरी, उच्च जाति बनाम अनुसूचित जाति/जनजाति, और धार्मिक ध्रुवीकरण ने चुनावी समीकरणों को प्रभावित किया।

³¹ Dahl, R. A. (1971). *Polyarchy: Participation and Opposition*. Yale University Press.

³² Lijphart, A. (1999). *Patterns of Democracy: Government Forms and Performance in Thirty-Six Countries*. Yale University Press.

³³ Sen, A. (2006). *Identity and Violence: The Illusion of Destiny*. W. W. Norton & Company.

3. "नया भारत" की अवधारणा: "नया भारत" का विचार उन योजनाओं और नीतियों पर आधारित था जो समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का दावा करती थीं।

- **आर्थिक सैद्धांतिक दृष्टिकोण**

1. वेलफेयर स्टेट और जनकल्याणकारी नीतियाँ³⁴: कांग्रेस ने अपनी "न्याय योजना" के माध्यम से न्यूनतम आय गारंटी की घोषणा की, जबकि BJP ने "जन धन योजना" और "उज्ज्वला योजना" जैसी योजनाओं पर जोर दिया।
2. आर्थिक असमानता: ग्रामीण और शहरी मतदाताओं के बीच आर्थिक असमानता ने चुनाव परिणामों को गहराई से प्रभावित किया।
3. कर प्रणाली और व्यापार: GST और नोटबंदी जैसे फैसलों ने व्यवसायियों और आम जनता पर प्रभाव डाला।

1.20 लोकसभा चुनाव 2019 में समकालीन सिद्धांतों का अनुप्रयोग

- **राष्ट्रीय सुरक्षा और BJP का उभार:-** पुलवामा हमले और बालाकोट स्ट्राइक ने BJP को राष्ट्रवादी एजेंडे पर चुनाव लड़ने का मौका दिया। यह Anderson³⁵ के "Imagined Communities" सिद्धांत का उदाहरण है, जहाँ राष्ट्रीय एकता की धारणा को मजबूत किया गया।
- **महागठबंधन की राजनीति:-** महागठबंधन ने क्षेत्रीय दलों को एक साथ लाने का प्रयास किया। यह Lijphart³⁶ के संघीय शक्ति-साझाकरण मॉडल के अनुरूप था। हालांकि, यह गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी नहीं हो सका।
- **सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार:-** डिजिटल प्रचार ने 2019 के चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। BJP ने अपने प्रचार को माइक्रो-टार्गेटिंग और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से अत्यधिक संगठित किया, जो आधुनिक संचार सिद्धांतों से प्रेरित था³⁷।

1.20.1 आलोचना और सीमाएँ:-

- समकालीन सैद्धांतिक दृष्टिकोण सभी सामाजिक-राजनीतिक वास्तविकताओं को पूरी तरह से स्पष्ट नहीं कर पाता।

³⁴ Rawls, J. (1971). A Theory of Justice. Harvard University Press.

³⁵ Anderson, B. (1983). Imagined Communities: Reflections on the Origin and Spread of Nationalism. Verso.

³⁶ Lijphart, A. (1999). Patterns of Democracy: Government Forms and Performance in Thirty-Six Countries. Yale University Press.

³⁷ McLuhan, M. (1964). Understanding Media: The Extensions of Man. McGraw-Hill.

- क्षेत्रीय पार्टियों का उभार: क्षेत्रीय दलों की बढ़ती भूमिका ने राष्ट्रीय स्तर पर नीतियों के समेकन को चुनौती दी।
- मीडिया, धनबल और बाहुबल का प्रभाव: मीडिया का धुवीकरण, धनबल का बढ़ता उपयोग, और बाहुबल का प्रभाव चुनाव की निष्पक्षता पर प्रश्न खड़े करता है।

लोकसभा चुनाव 2019 ने समकालीन भारत की राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था की गहन समझ प्रदान की। इस चुनाव ने समकालीन सैद्धांतिक दृष्टिकोणों के अनुप्रयोग को प्रदर्शित किया और लोकतंत्र की चुनौतियों को उजागर किया। राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक नीतियों, और सामाजिक विभाजन के मुद्दों ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय लोकतंत्र में चुनावी राजनीति लगातार विकसित हो रही है। लोकतांत्रिक सैद्धांतिकता और व्यावहारिक राजनीति के बीच संतुलन बनाए रखना समय की मांग है।

1.21 अध्ययन की आवश्यकता

इस शोध अध्ययन में 2019 के चुनावों में भारत के संसदीय चुनाव अभियान के दौरान प्रिंट मीडिया के पैटर्न और प्राथमिकताओं का आकलन का प्रस्ताव है। खासकर बड़े पैमाने पर प्रसारित दैनिक हिंदी समाचार पत्रों के इस युग में। पिछले दो दशकों के दौरान न्यू मीडिया के उद्भव के मद्देनजर संसदीय चुनावों से संबंधित प्रकाशित समाचार या सामग्री और चुनाव से जुड़े मुद्दों को चित्रित किया गया है। इसमें बताया है कि कैसे सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्रांति के इस युग में समाचार पत्र भारतीय लोकतंत्र में प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। कैसे पूर्वोग्रह से समाचार पत्रों से लोकतंत्र को खतरा है, परिणाम स्वरूप मुख्यधारा का मीडिया अपने उद्देश्यों से भटक रहा है जो कभी लोगों की आवाज हुआ करता था। इसके अतिरिक्त अध्ययन में विभिन्न राजनीतिक और चुनावी मुद्दों की आवृत्तियों की मात्रा निर्धारित की है। इस प्रकार 2019 के लोक सभा चुनाव के दौरान जनमत को प्रदर्शित किया है। उपर्युक्त जानकारी के आधार पर अध्ययन के महत्व को नीचे बताया गया है-

- यह अध्ययन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में आम चुनाव के दौरान मीडिया की भूमिका को समझने में मदद करेगा।
- यह अध्ययन भारत में आम चुनाव के दौरान मीडिया के द्वारा उठाये गए चुनावी मुद्दों की जाँच करने में उपयोगी होगा।
- इस अध्ययन का उद्देश्य चुनाव रिपोर्टिंग में प्रिंट मीडिया द्वारा दिये गए कवरेज को दिखाना है।
- मीडिया और चुनावों पर आगे काम करने वाले शोधार्थियों और शिक्षाविदों के लिए उपयोगी होगा।

द्वितीय अध्याय

साहित्य पुनरावलोकन एवं सैद्धांतिक पक्ष

2.1 प्रस्तावना

संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत में 2009 तथा 2014 के आम चुनावों की मीडिया कवरेज का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। भारत में यह शोध अभी प्रारंभिक चरण में है। भारत में मीडिया की प्रकृति और कार्यों पर कई अध्ययन हुए हैं। ग्रामीण भारत पर टेलीविजन के प्रभाव और दक्षिण भारत में भारतीय टेलीविजन चैनलों की सांस्कृतिक साम्राज्यवादी प्रवृत्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, साहित्य समीक्षा से पता चलता है कि राजनीतिक भागीदारी और विशेष रूप से मतदान व्यवहार पर मीडिया के प्रभाव पर बहुत कम शोध हुए हैं। चुनावों के दौरान, विशेषकर सैटेलाइट चैनलों के आगमन के बाद, भारत में मीडिया अत्यधिक सक्रिय हो जाती है। चुनाव के समय ओपिनियन पोल कराना एक सामान्य प्रथा बन गई है और चुनाव परिणामों पर आधारित चर्चाएं मीडिया में काफी लोकप्रिय होती हैं। हालांकि, विशेष रूप से मतदाताओं के मतदान व्यवहार पर जनसंचार माध्यमों के प्रभाव का आकलन करने के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुसंधान अभी भी भारत में प्रारंभिक अवस्था में है। ऐसे में इस शोध अध्ययन का महत्व तब और बढ़ जाता है जब भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में 130 करोड़ से अधिक मतदाता हों।

अध्ययन यह दर्शाता है कि कैसे मीडिया, राजनीति के माध्यम से, भारत में चुनावी प्रक्रिया और सार्वजनिक मुद्दों की रिपोर्टिंग करती है। इसके लिए तीन घटक महत्वपूर्ण हैं: मीडिया, राजनीति और जनता। यहाँ राज्य, राजनीति का प्रतीक है, जनता मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करती है और मीडिया इन दोनों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाती है। इस ढांचे के तहत, मीडिया, राजनीति और समाज पर चर्चा करने वाली मुख्य अवधारणाओं के संदर्भ में अध्ययन किया गया है। उद्देश्य की पूर्ति के लिए मीडिया, राजनीति और समाज के ढांचे का विश्लेषण आवश्यक है। अमेरिका में चुनाव, राजनीतिक भागीदारी और मतदान व्यवहार पर मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए कई शोध किए गए हैं, लेकिन भारत में यह क्षेत्र अभी भी आरंभिक चरण में है और इस पर बहुत कम शोध हुए हैं। हालांकि, भारत में मीडिया की प्रकृति और कार्य-प्रणाली पर कई अध्ययन हुए हैं। इस अध्ययन का समर्थन करने और विचारों एवं प्रक्रियाओं को समझने के लिए शोधकर्ता ने कई संबंधित शोध कार्यों का पुनरावलोकन किया है। जिन्हें निम्नलिखित तीन प्रमुख शीर्षकों में वर्गीकृत किया है।

- मीडिया एजेंडा: लोकतंत्र और राजनीति
- मीडिया और राजनीति
- मीडिया और अंतरराष्ट्रीय राजनीति

मैककॉम्ब्स और डोनाल्ड एल. शॉ के अनुसार- एजेंडा सेटिंग की अवधारणा है कि कुछ मुद्दों पर जन मीडिया की प्रस्तुति और कवरेज का दर्शकों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए- किसी मुद्दे को जितना अधिक महत्व और कवरेज दिया जाता है, दर्शक उसे उतना ही महत्वपूर्ण मानने लगते हैं।¹

एजेंडा सेटिंग की अवधारणा के उद्भव को वाल्टर लिपमैन के जनमत पर प्रभावशाली कार्य से जोड़ा जाता है। लिपमैन ने 1922 में अपनी प्रतिष्ठित कृति "पब्लिक ओपिनियन" में मीडिया के प्रभाव की मुख्य रूपरेखा प्रस्तुत की, जो "द वर्ल्ड आउटसाइड एंड द पिक्चर्स इन अवर हेड्स" शीर्षक से प्रसिद्ध उदाहरण के साथ शुरू होती है। लिपमैन ने अपने अध्ययन में बताया है कि मीडिया आउटपुट दुनियाभर के सार्वजनिक मामलों के बारे में हमारे दिमाग में बने चित्रों का मुख्य स्रोत है। अधिकांश नागरिकों के लिए यह एक ऐसी दुनिया है जो आमतौर पर "पहुँच से बाहर, दृष्टि से बाहर" और दिमाग से बाहर होती है। इसका मतलब है कि लोगों की सांसारिक मामलों के बारे में धारणाएं मीडिया के द्वारा सूचित, शिक्षित और रिपोर्ट की गई जानकारी से निर्मित होती हैं। इस मध्यस्थता दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप, मीडिया की प्राथमिकताएं सार्वजनिक प्राथमिकताओं को निर्धारित करने में मदद करती हैं। मीडिया के एजेंडे में प्रमुखता से उपस्थित तत्व जनता के दिमाग में प्रमुख स्थान प्राप्त कर लेते हैं। लिपमैन ने यह भी जोर दिया कि जन मीडिया एक प्रभावी तंत्र है जो राजनीतिक एजेंडा स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।²

- **Anas (2016) Media Impact and Elections : A Study of Political Campaign in Contemporary India. Journal for studies in management and planning:** सरकार के लोकतांत्रिक रूप में, आम तौर पर मतदाताओं के बीच विभिन्न दलों या उम्मीदवारों के उपयुक्त होने का दावा करने के बाद वोट डालने के लिए भ्रम बना रहता है। ऐसी स्थिति में मतदाता असमंजस में पड़े रहते हैं कि कौन सा विकल्प समाज के हित में होगा। इसलिए किसी पार्टी या उम्मीदवार विशिष्ट के लिए अपने वोट का निर्णय करना उनके लिए कठिन काम हो जाता है। इसके अलावा भारत जैसे बड़े लोकतंत्र में पश्चिमी लोकतंत्रों की तुलना में मतदान का निर्णय लेना और अधिक कठिन हो जाता है। यहां पर कई घटक मतदान को प्रभावित करते हैं। जैसे- जाति, पंथ, रंग, व्यंजन, पोशाक, धर्म, क्षेत्र, लिंग, पृष्ठभूमि और उम्मीदवार का व्यक्तित्व, राजनीतिक दलों की विचारधारायें और जनसंचार माध्यम, मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करते हैं। मोहम्मद अनस ने आम चुनाव 2009 और 2014 के तुलनात्मक कवरेज पर अपने अध्ययन में कहा है कि 2014 के आम चुनावों की रिपोर्टिंग कई मायनों में अनूठी थी, जिसमें इसके व्यापक कवरेज के साथ-साथ राजनीतिक उतार-चढ़ाव के

¹ McCombs, M. E., & Shaw, D. L. (1972). The agenda-setting function of mass media. *Public opinion quarterly*, 36(2), 176-187.

² Lippmann, W. (1922). The world outside and the pictures in our heads. *Public opinion*, 4, 1-22.

माध्यम से जनता तक सनसनीखेज खबरों को पहुंचाना शामिल था। दो राष्ट्रीय दलों- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आम तौर पर कांग्रेस के रूप जाना जाता है और भारतीय जनता पार्टी चुनावों के दौरान अन्य राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दलों को दिए गए कवरेज के मामले में बहुत आगे थीं। दोनों के बीच मीडिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि भाजपा अपने निकतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस की तुलना में चुनाव अभियान चलाने में ज्यादा आक्रामक थी। कवर की गयी कुल सामग्री में भाजपा हिंदी और अंग्रेजी दैनिक में कांग्रेस से आगे थी। अमर उजाला में कांग्रेस दूसरे स्थान पर थी जबकि द हिंदू में कांग्रेस तीसरे स्थान पर थी। समाचार पत्रों ने क्षेत्रीय दलों को भी पर्याप्त कवरेज दिया था। पिछले चुनावों के विपरीत पहली बार मीडिया ने भारत के ग्रामीण हिस्सों को कवर किया और देश पर शासन करने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों के इस लोकतांत्रिक उत्सव के साथ मतदाताओं को जोड़ने के लिए शहरी भारत के समान ग्रामीण भारत में आनुपातिक मीडिया कवरेज किया गया।³

- **Basu (2016) Role of Media in Electoral Politics in India: A Study of General Elections 2014** अरानी बसु ने अपने शोध कार्य में समाज केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाया है, जहाँ सामाजिक संस्था के रूप में मीडिया का उद्देश्य लोगों की राजनीति और शासन जैसे सामाजिक संस्थानों के साथ संबंध बनाये रखते हुये अपने कई रूपों, भूमिकाओं और प्रभावों का मूल्यांकन करना है। मीडिया और समाज के इस तरह का जुड़ाव के मद्देनजर अध्ययन में राज्य और मतदाताओं की तुलना में राजनीति को प्रभावित करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया है। शोधकर्ता ने शब्दों की सहायता से समाचार बनाने वाले मीडिया का अध्ययन किया है। मध्यस्थता वाले चर्चित शब्द मीडिया घरानों द्वारा बनाये जाते हैं और मीडिया, समाचार चैनलों या समाचार पत्रों के माध्यम से बड़े पैमाने पर प्रसारित किए जाते हैं। अध्ययन में मुख्य रूप से पता लगाया गया है कि चुनाव से पहले मीडिया प्रतिष्ठानों द्वारा चर्चित शब्द निर्मित किये जाते हैं और ये चर्चित शब्द मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए समाचार तैयार करने में कैसे मदद करते हैं तथा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और दक्षिण एशियाई देश भारत में सबसे बड़े लोकतंत्र में मीडिया-राजनीति-समाज के अंतर्संबंध का पता लगाने के लिए था। इस अध्ययन में भारत देश के आम चुनाव 2014 पर प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से पहचाने गये मध्यस्थता वाले चर्चित शब्दों के माध्यम से मीडिया प्रभाव का पता लगाया है। इस अध्ययन के तीन प्राथमिक बिंदू थे- पहला भारत में 2014 के आम चुनावों के दौरान मध्यस्थता वाले शब्दों और मुद्दों की पहचान करना था, दूसरा चुनाव पूर्व की अवधि के दौरान मीडिया घरानों द्वारा मध्यस्थता वाले चर्चित शब्दों के उपयोग के तरीके का

³ Anas, M. (2016). Media Impact and Elections : A Study of Political Campaign in Contemporary India. Journal for studies in management and planning, 02(04).

विश्लेषण करना था और तीसरा समाचार का निर्माण करना था। भारत में 2014 के आम चुनावों के दौरान मतदाताओं की राजनीतिक राय को आकार देने पर इन मध्यस्थता वाले चर्चित शब्दों के प्रभावों की जांच करना था।⁴

- **Kumar (2015) Role of Indian Media Covering General Elections:** हिंदी मीडिया या क्षेत्रीय प्रेस, स्थानीय जनता के लिए हैं जो अक्सर बुनियादी साक्षरता के साथ ग्रामीण जनता को ध्यान में रखते हुये समाचारों का निर्माण करते हैं, जबकि अंग्रेजी प्रेस की अंतर्दृष्टि खोजी रिपोर्टिंग की है इसलिए विस्तृत कवरेज प्रस्तुत करते हैं। नीरज कुमार ने अपने अध्ययन में “आम चुनाव को कवर करने वाले भारतीय मीडिया” के दो मुख्यधारा के समाचार पत्रों में प्रिंट मीडिया की सामग्री का उल्लेख किया है। हिन्दुस्तान टाइम्स और इंडियन एक्सप्रेस के 30 अप्रैल से 15 जून 1991 के 47 दिनों तक के चुनाव के दौरान संकेत दिया कि मीडिया प्रतिष्ठान राजनीतिक समाचारों के लिए तरस रहे हैं। अंग्रेजी मीडिया अपनी पर्याप्त सामग्री के साथ अभिजात या शहरी लोगों की राय को प्रतिबिंबित करता है, जो इन मीडिया प्रतिष्ठानों के सामान्य ग्राहक माने जाते हैं कि चुनावी गतिविधि पर उनका एक सचित्र और दूरदर्शी दृष्टिकोण है। इसी बीच यह उस समय की सच्चाई को दर्शाता है कि अखबारों का औसत पढ़ना 10 से 15 मिनट से आगे नहीं जाता था।⁵
- **Barclay, Venkat & Pichandy (2015) Media effect: correlation between press trends and election results:** फ्रांसिस पी. बार्कले, अनुषा वेंकट और सी. पिचंडी ने 2014 के संसदीय चुनाव के दौरान शीर्ष अंग्रेजी समाचार पत्रों की गणनात्मक सामग्री विश्लेषण में पाया कि देश के चार शीर्ष-संचालित दैनिक समाचार पत्रों में से तीन समाचार पत्र- द टाइम्स ऑफ इंडिया, हिन्दुस्तान टाइम्स और द टेलीग्राफ जिस पार्टी की केंद्र में सरकार बनाने का जनादेश मिला उसी पार्टी के पक्षपाती थे। अध्ययन में 7 अप्रैल से 12 मई 2014 तक प्रकाशित शीर्ष प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय दलों के बारे में समाचार लेखों की जांच की, जो वोटों की गिनती के साथ मजबूत और सकारात्मक सह-संबंध के आधार पर समाचार पत्रों के पूर्वाग्रह को दर्शाता है और मजबूत राजनीतिक प्रभाव का समर्थन करता है। अध्ययन में यह भी स्थापित किया गया है कि शीर्ष चुनाव लड़ने वाले दलों की ओर से शीर्ष अंग्रेजी समाचार पत्रों द्वारा इसके पक्ष में की गयी रिपोर्टिंग के आधार पर चुनाव के विजेता की भविष्यवाणी करना संभव है। इसलिए पाठकों की संख्या के आधार पर कहा जा सकता है कि पूर्वाग्रह और वोटों के बीच सकारात्मक संबंधों पर मध्यम प्रभाव है। चारों समाचार पत्र असंगत तरीके से मतदान पैटर्न को प्रभावित करते हैं फिर भी उनकी राजनीतिक उदारता आंतरिक रूप से जुड़ी हुई पायी गयी है।

⁴ Basu, A. (2016). Role of Media in Electoral Politics in India: A Study of General Elections 2014.

⁵ Kumar, N. (2015). Role of Indian Media Covering General Elections.

हालाँकि अन्य अस्पष्टीकृत कारक भी हो सकते हैं जो नताओं या पार्टियों के राजनीतिक भाग्य को तय करने में लोगों की राजनीतिक पसंद और वरीयताओं को मामूली या बड़े पैमाने पर प्रभावित करते हैं। लोगों की वोटिंग वरीयता पर उनके व्यक्तिगत प्रभावों के संबंध में चयनित समाचार पत्रों में असंगति के बावजूद समग्र प्रेस का पूर्वाग्रह चुनाव परिणामों के अनुसार था जैसा कि बार्कले और अन्य के द्वारा 2014 में भविष्यवाणी की गयी थी। हालाँकि अध्ययन में शोधकर्ता मीडिया पूर्वाग्रह को प्रेरित करने वाले कारकों की पहचान करने में विफल रहा। भारत में मीडिया अध्ययन में व्यावहारिक अनुसंधान के लिए मार्ग प्रशस्त करते हुये मजबूत और सकारात्मक मीडिया प्रभाव और चुनाव परिणामों के बीच एक कारक संबंध स्थापित किया है। अन्य पहलुओं के अलावा समाचार पत्रों की पाठक संख्या जनता की मतदान वरीयता पर उनके प्रभाव को कम कर सकती है। शीर्ष अंग्रेजी समाचार पत्रों के चुनावी कवरेज में प्रदर्शित किये गये इच्छित या अनपेक्षित पूर्वाग्रह का विश्लेषण करते हुये अंत में लोकप्रिय प्रेस में राजनीतिक पूर्वाग्रह का विश्लेषण करके संभावित वोट शेयर की भविष्यवाणी करने के लिए 90.2 प्रतिशत की सटीकता के साथ एक मॉडल बनाया गया है, साथ ही यह भी देखा गया है कि समाचार पत्रों का मतदान व्यवहार पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है।⁶

- **ACE (2014) First Reporting on media coverage of contestants during the election campaign period:** एसीई इलेक्टोरल नॉलेज नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन चुनावी नेटवर्कों में से एक है। इस नेटवर्क का मानना है कि चुनाव पूर्व रिपोर्टिंग अक्सर सतही होती है, जिसमें मतदाताओं से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों और अंतर्दृष्टियों की कमी होती है। इसके अलावा, इसने अफसोस जताया कि कुछ मीडिया संस्थान खुले तौर पर विशेष राजनीतिक दलों का पक्ष लेते हैं। नेटवर्क का सुझाव है कि चुनाव पूर्व रिपोर्टिंग के दौरान मीडिया को जाँचपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जिससे मतदाता संभावित चुनावी प्रतियोगियों का सही आकलन कर सकें। इसके लिए, वस्तुनिष्ठ और रचनात्मक चुनाव संबंधी रिपोर्टिंग के लिए उन्नत और परिष्कृत तकनीकों का उपयोग किया जाना चाहिए ताकि सार्वजनिक बहसों, चर्चाओं, विचारों के आदान-प्रदान और विशेषज्ञ टिप्पणियों के माध्यम से मतदाताओं को सटीक जानकारी मिल सके और वे बेहतर विकल्पों में से बेहतरीन विकल्प को चुनने में सक्षम हो सकें।⁷
- **Van Aelst, Thesen, Walgrave & Vliegenthart (2013 June) Mediatization and the media's political agenda-setting influence:** इस अध्ययन में संचार विज्ञान में एजेंडा सेटिंग को एक महत्वपूर्ण सिद्धांत के रूप में देखा गया है, जो विभिन्न

⁶ Barclay, F. P., Venkat, A., & Pichandy, C. (2015). Media effect: correlation between press trends and election results. Media Asia, 42(3-4), 192-208.

⁷ ACE (2014). First Reporting on media coverage of contestants during the election campaign period. retrieved from <http://aceproject.org/ace-en/topics/me/one>.

सामाजिक-राजनीतिक ढांचों में जनता पर मीडिया के प्रभाव को दर्शाता है। यह सिद्धांत बताता है कि मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए गए मुद्दे जनता की प्राथमिकताओं को आकार देते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से उनके मतदान के निर्णयों को प्रभावित करते हैं। 1972 में मैककॉम्ब्स और शॉ ने यह स्पष्ट किया है कि राजनीति पर मीडिया के एजेंडे का प्रभाव पड़ता है। वास्तव में, कुछ मामलों में, मीडिया का एजेंडा लोकतंत्र के कामकाज में राजनीतिक कारकों के निर्धारक के रूप में कार्य करता है।⁸

- **Curran (2011) Media and democracy:** अधिकांश लोकतांत्रिक समाजों में, राज्य नियंत्रण से मुक्त मीडिया को मुख्य रूप से विभिन्न मीडिया आउटलेट्स में प्रतिस्पर्धी संस्थाओं द्वारा पहचाना जाता है। ये संस्थाएं अधिकतम दर्शकों को आकर्षित करने और समाचार प्रदान करने में सबसे पहले बनने का प्रयास करती हैं। इस सिद्धांत के आधार पर, मीडिया की कार्यवाही सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण समाचार रिपोर्टिंग खबरों की नवीनता पर आधारित होती है, ताकि नवीनतम और सबसे महत्वपूर्ण समाचार प्रस्तुत किए जा सकें। चुनाव पूर्व या चुनाव के बाद के परिदृश्य को स्पष्ट रूप से कम आंकना या समय से पहले की धारणाओं पर ध्यान देना महत्वपूर्ण हो सकता है। मीडिया का लोकतांत्रिक समाजों में इतना प्रभाव है कि वे यह सुनिश्चित करने की स्थिति में होते हैं कि कौन सी पार्टी सरकार बनाएगी या कौन सी पार्टी नहीं। उनकी भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है कि यह माना जाता है कि कोई भी पार्टी तब तक दौड़ में शामिल नहीं हो सकती जब तक उसे मीडिया द्वारा कवरेज नहीं मिलता। कुछ मीडिया आउटलेट्स या स्वतंत्र पत्रकार स्वतः सक्रियता का चयन करते हैं और एक कार्यकर्ता की भूमिका निभाते हैं, चाहे वह उचित हो या नहीं, यह एक अलग बहस का मुद्दा है।⁹
- **Niyazi (2011) Politics after Vernacularisation: Hindi Media and Indian Democracy. Economic and Political Weekly:** इस अध्ययन में तबरेज़ अहमद नेयाज़ी ने समकालीन राजनीति पर अपने शोध कार्य में भारतीय लोकतंत्र में हिंदी मीडिया के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया है। भारतीय समाचार मीडिया पर पूर्व संबंधित साहित्य के अध्ययन से संकेत मिलता है कि अंग्रेजी मीडिया, जिसने स्वतंत्रता से लेकर 1990 के दशक के अंत तक राष्ट्रीय मीडिया के परिदृश्य पर वर्चस्व कायम रखा था, अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही है। अब, स्थानीय भाषा का मीडिया, विशेष रूप से हिंदी मीडिया, सार्वजनिक क्षेत्र में अंग्रेजी प्रेस के प्रभुत्व और अधिकार को चुनौती देने के लिए तैयार है।

नेयाज़ी ने अपने शोध में कुछ प्रासंगिक प्रश्न उठाये हैं जो इस प्रकार हैं:-

⁸ Van Aelst, P., Thesen, G., Walgrave, S., & Vliegenthart, R. (2013, June). Mediatization and the media's political agenda-setting influence. In Comparative Agendas Project conference, Antwerp, June (pp. 27-29).

⁹ Curran, J. (2011). Media and democracy. Taylor & Francis.

- अखबरोँ का बड़े पैमाने पर विकास और इसके प्रमुख निहितार्थों के कारण क्या हैं ?
- यह हाशिये के समाज के वर्गों के सशक्तिकरण में सहायक रहा है या इसने सार्वजनिक क्षेत्र में गुटों का निर्माण किया है?
- क्या फलते-फूलते भारतीय लोकतंत्र और हिंदी मीडिया के बीच कोई संबंध है?

अपने अध्ययन के माध्यम से नेयाज़ी ने स्थापित किया है कि 1967 के आम चुनावों के बाद कांग्रेस अपनी पहली वाली स्थिति से गिरनी शुरू हो गयी थी। कांग्रेस के पतन के साथ-साथ क्षेत्रीय जागृति में स्थानीय क्षेत्रीय प्रेस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इतिहास को देखते हुए स्थानीय भाषा के प्रेस की संभावित शक्ति को नजरअंदाज करना मुश्किल है क्योंकि उनके इतिहास को देखते हुए उन्होंने राष्ट्रवादी ताकतों के साथ गठबंधन किया, जिनका भारत में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने का इतिहास रहा है। स्थानीय क्षेत्र, भाषा और इसकी गतिविधियों ने बाद में राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक ताने-बाने के विकास को नया आयाम दिया। दक्षिण भारत में क्षेत्रीय प्रेस पहले से ही चेतना पैदा करने और साथ ही क्षेत्रीय राजनीतिक समूहों के साथ जुड़ने में बहुत सक्रिय थी, जिसके परिणामस्वरूप 1960 और 1970 के दशक में राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के चुनौतीपूर्ण आधिपत्य का कारण बना। राष्ट्रवादी हिंदी समाचार पत्रों द्वारा समर्थित कई प्रमुख गैर-कांग्रेसी नेताओं ने 1980 के दशक में उत्तर भारत में नाम और प्रसिद्धि प्राप्त की। हिंदी मीडिया ने उनके लिए छवि बनाने और पंथ निर्माण करने और उत्तर भारत के उभरते राजनीतिक दिग्गजों के लिए एक मंच के रूप में जनता के बीच अपनी आवाज उठाने के प्रयास में काम किया। नेयाज़ी ने निष्कर्ष निकाला कि बढ़ी हुयी, स्थानीय भाषा में प्रेस के प्रसार और सार्वजनिक क्षेत्र में हिंदी समाचार पत्रों के विस्तार ने स्थानीय स्तर पर राजनीतिक ढाँचे और सामाजिक मूल्यों को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है। दक्षिण भारत में एक प्रवृत्ति रही है, वहीं उत्तर भारत में बढ़ते समाचार पत्रों के प्रसार को परित्यक्त समूहों द्वारा लामबंद किया गया। प्रभावी राजनीतिक भागीदारी के लिए जागरूक नागरिकों की आवश्यकता होती है। भारत में चुनावी लोकतंत्र का अस्तित्व पुनरुद्धार और परिवर्तन इस वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करता है कि भारत एक लोकप्रिय लोकतंत्र है। मीडिया द्वारा राजनीतिक प्रक्रिया के उचित कामकाज का सामान्य पालन और नियमित गहन मूल्यांकन और समेकित लोकतांत्रिक संरचना व राजनीतिक व्यवस्था में नियंत्रण और संतुलन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। स्थानीय भाषा के प्रेस के तेजी के साथ उछाल और डिजी-टेक ने सीमांत समूहों को समाज की मुख्यधारा में ला दिया है, जो अब

राजनीतिक अभिजात वर्ग के लिए खतरा साबित हुआ है, जिन्हें अब क्षेत्रीय सार्वजनिक क्षेत्र से निकलने वाली कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।¹⁰

- **Ninan (2007) Headlines from the heartland: Reinventing the Hindi public sphere:** इस अध्ययन में, हिंदी समाचार पत्रों में रिपोर्टिंग के रुझानों पर काम करने वाली सेवन्ती निनान ने प्रिंट मीडिया के अध्ययन में पाया कि स्थानीय जरूरतों की जानकारी प्रदान करना एक विशिष्ट प्रकार के दर्शकों का निर्माण करता है और हिंदी भाषी शहरों और जिलों में “अद्वितीय प्रकार का सार्वजनिक क्षेत्र” बनाता है। निनान ने अपनी पुस्तक “हेडलाइंस फ्रॉम द हार्टलैंड: रीइन्वेन्टिंग द हिंदी पब्लिक स्फीयर” में बताया कि 1990 के दशक में “अखबारों का बसंत” पूरे उत्तर और मध्य भारत में फैलने लगा। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते मीडिया के इस युग में, पत्रकारिता की गुणवत्ता उस स्तर तक पहुँच जाती है जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए, और टेलीविजन ने इसे और अधिक बढ़ावा दिया है।¹¹
- **Walgrave & Van Aelst (2006) The contingency of the mass media's political agenda setting power: Toward a preliminary theory:** राजनीतिक एजेंडा-सेटिंग सिद्धांत का सामान्य दृष्टिकोण यह है कि अधिकांश अध्ययन अमेरिकी चुनावों और राजनीति पर केंद्रित हैं। इस कारण, संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर राजनीतिक एजेंडा-सेटिंग के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है, क्योंकि अन्य देशों पर ध्यान केंद्रित करने वाले अध्ययन बहुत कम हुए हैं। चूंकि राजनीतिक एजेंडा-सेटिंग को राष्ट्रीय संस्थागत व्यवस्था के रूप में देखा जा सकता है और इस तरह की व्यवस्थाएँ विभिन्न देशों में काफी भिन्न होती हैं, इसलिए यह मानना उचित है कि एजेंडा-सेटिंग की गतिशीलता और मीडिया की भूमिका अलग-अलग देशों में अलग-अलग हो सकती है। वालग्रेव और वैन एल्स्ट ने अपने अध्ययन में पाया कि मीडिया एजेंडा पर किए गए अठारह में से पंद्रह अध्ययन अमेरिकी राजनीति पर आधारित थे। इसके अलावा यू.एस. के संदर्भ में ही शोधकर्ता व्यापक रूप से विविध निष्कर्षों पर पहुँचे हैं।¹²
- **पीटर वान एल्स्ट, गुन्तार थेसेन, स्टीफन वालग्रेव और रेंस वेलिंग्थर्ट (2006) The contingency of the mass media's political agenda setting power: Toward a preliminary theory:** इस अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने “मेडिएशन एंड मीडिया’ज पॉलिटिकल एजेंडा-सेटिंग इनफ्लुएंस” में मीडिया की प्रवृत्तियों और राजनीतिक

¹⁰ Niyazi, T. A. (2011). Politics after Vernacularisation: Hindi Media and Indian Democracy. *Economic and Political Weekly*.

¹¹ Ninan, S. (2007). *Headlines from the heartland: Reinventing the Hindi public sphere*. Sage.

¹² Walgrave, S., & Van Aelst, P. (2006). The contingency of the mass media's political agenda setting power: Toward a preliminary theory. *Journal of communication*, 56(1), 88-109.

आयामों पर चर्चा की है। उन्होंने बताया कि एजेंडा-सेटिंग का सिद्धांत इस बात का समर्थन करता है कि राजनीति और मीडिया पारस्परिक रूप से शक्ति का संबंध साझा करते हैं। यह सिद्धांत यह भी बताता है कि राजनीतिक अभिजात वर्ग का दृष्टिकोण मीडिया से प्रभावित होता है, लेकिन इसके विपरीत, राजनेता हमेशा एक शक्तिशाली मीडिया तर्क के अनुकूल नहीं हो सकते, जो उनकी शक्ति और स्वायत्तता के लिए खतरा हो सकता है। जबकि राजनीतिक एजेंडा-सेटिंग में अनुभवजन्य शोध इस धारणा के विपरीत दावा करता है, जिसमें पारस्परिक डिज़ाइन शामिल हैं। यह सुझाव देता है कि राजनीतिक राजनेताओं की शक्ति के सामान्य हास के बजाय, मध्यस्थता संभवतः राजनीतिक शक्ति और प्रभाव के पुनर्वितरण की सुविधा प्रदान करती है, जहाँ कुछ राजनेताओं को लाभ होता है जबकि अन्य को नुकसान होता है। दूसरे शब्दों में, राजनीतिक एजेंडा-सेटिंग की प्रक्रिया में पार्टी स्पर्धा का गहन अवलोकन, मीडिया और पार्टी के बीच के अंतर को उजागर करता है, जो मध्यस्थता साहित्य का प्रमुख तत्व है। मध्यस्थता चुनावी परिप्रेक्ष्य में मीडिया तर्क को अपनाने के संबंध में बात करता है, जहाँ विपक्षी दल अक्सर संघर्ष और नकारात्मकता जैसी नकारात्मक खबरों पर प्रतिक्रिया करते हैं। हालाँकि, इस तरह का राजनीतिक व्यवहार पार्टी की रणनीतियों और चुनावी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, यह परिप्रेक्ष्य मीडिया और राजनीति के बीच एजेंडा-सेटिंग के मजबूत प्रभाव को प्रदर्शित करता है, जो एक तर्क के दूसरे पर हावी होने के बजाय अतिव्यापी तर्कों के कारण होता है। राजनीतिक एजेंडा-सेटिंग में समय या अवधि का अस्थायी पहलू केंद्रीय होता है, जो वास्तव में इसका परीक्षण करने का अवसर प्रदान करता है। एजेंडा-सेटिंग अध्ययनों का यह ईमानदार विश्लेषण बनाए रखता है कि केवल कुछ अध्ययनों ने अनुदैर्ध्य परिप्रेक्ष्य पर विचार किया है। इस तरह के तर्क 'प्रतीकात्मक' और 'संतोषजनक' एजेंडे के बीच राजनीतिक एजेंडा-सेटिंग में एक सीमा रेखा खींचते हैं। इसलिए, लेखक इस परिप्रेक्ष्य में अधिक शोध पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर देते हैं, क्योंकि यह मध्यस्थता शोध प्रबंध की बारीकियों के साथ-साथ राजनीतिक एजेंडा-सेटिंग में सामान्य सामान्यीकरण के लिए अधिक गुंजाइश प्रदान करता है। इस प्रकार, लेखकों ने विभिन्न लोकतांत्रिक देशों में जनमत को आकार देने वाले मीडिया अधिनियम पर प्रकाश डाला है।

- लेखकों ने एजेंडा सेटिंग और मध्यस्थता के दृष्टिकोण के बीच विरोधाभासों को काफी सरल तरीके से आगे बढ़ाया है-

राजनीतिक एजेंडा सेटिंग	राजनीतिक मध्यस्थता
मिडिल रेंज थ्योरी	सामान्य सिद्धांत
मुख्य रूप से अनुभवजन्य केंद्रित	मुख्य रूप से सिद्धांत केंद्रित

राजनीतिक सामग्री पर क्रेडिट मुद्दे	राजनीति के सभी पहलू
मीडिया का प्रभाव आकस्मिक और मामूली होता है।	मीडिया के प्रभाव अक्सर बढ़ा और बढ़ रहा होता है।
मीडिया के प्रभाव को मापा जा सकता है।	राजनीति की मध्यस्थता आंशिक रूप से मीडिया के प्रभाव से परे हैं और इसे मापना मुश्किल है।

- **Fox (1998) Media and politics in Latin America; the struggle for democracy:**

इस अध्ययन में एलिजाबेथ फॉक्स ने मीडिया के व्यावसायीकरण और निजीकरण के साथ-साथ समकालीन सामाजिक-राजनीतिक स्थिति में मीडिया की नीतियों और रणनीतियों का विस्तृत विवरण दिया है। नौ देशों में अपने शोध कार्य के माध्यम से, उन्होंने लैटिन अमेरिकी मीडिया में सामाजिक गुणात्मक आनुपातिक भागीदारी के लोकतांत्रिक लक्ष्यों को पूरा करने की संभावनाओं का सुझाव दिया है। उन्होंने अध्ययन में यह बताया गया है कि लैटिन अमेरिकी देशों में तानाशाही से लोकतंत्र में संक्रमण के दौरान मीडिया कैसे अधीन रहा, क्योंकि प्रभावशाली अभिजात वर्ग का प्रभाव या नियंत्रण किसी न किसी रूप में जारी रहा, चाहे वह प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष। हालाँकि, समाज में उपलब्ध राय की विविधता के प्रति उदासीन और राजनीति में निष्पक्ष नहीं होने के बावजूद, मीडिया को समाज में प्रमुख दबाव डालने वाले समूहों के लिए अधिक खुला पाया गया। उदाहरण के लिए, प्रमुख प्रसारकों का स्वामित्व उन्हीं कंपनियों के नियंत्रण में रहा, जिन्हें तानाशाही के तहत यह अधिकार प्राप्त हुआ था, और कुछ नए प्रवेशक ही मीडिया परिदृश्य में आए। वाणिज्यिक समाचार पत्र, मेक्सिको और ब्राजील के धार्मिक टेलीविजन ज्यादातर PAN (नेशनल एक्शन पार्टी) से जुड़े रहे। ये नए उद्यम भी अभिजात्य वर्ग के संदेशों को फिल्टर करने में जुट गए। इसके अतिरिक्त विपक्षी मीडिया वैकल्पिक मीडिया और मैक्सिको में अन्य मीडिया कार्यकर्ता लोकतंत्र की स्थापना के बाद समाप्त हो गये। एलिजाबेथ ने अपने अध्ययन में कहा कि लोकतांत्रिक संक्रमण काल के बावजूद राजनीतिक स्पेक्ट्रम पर अभिजात्य वर्ग का वर्चस्व कैसे जारी है, उन्होंने पाया कि आर्थिक शक्ति राजनीतिक शक्ति का विरोध नहीं करती है और बहुलवाद मूल रूप से अंतर-अभिजात वर्ग बहुलवाद है।¹³

- **McQuail, D. (1997). Audience analysis :** अध्ययन में स्पष्ट हुआ है कि मीडिया के प्रभाव के विषय में जिस व्यापक सामग्री से अब तक समझ प्राप्त हुई है, वह या तो विभिन्न अनुसंधानों से आवश्यक सिद्ध हुई है या पूर्वानुमानों पर आधारित है। यह अध्ययन कल्पनात्मक स्थितियों के बारे में बताता है, जिसमें राजनीति और समाज शामिल है। चुनाव, आर्थिक और

¹³ Fox, E. (1998). Media and politics in Latin America; the struggle for democracy. sage.

सार्वजनिक सूचना प्रणाली, विज्ञापन केंद्र और एजेंसियों या चैनलों का सहारा लेते हुए, जन जागरूकता और सूचना के लिए विभिन्न केंद्र, विशिष्ट शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए विशेष शिक्षा केंद्र, निश्चित मात्रात्मक उद्देश्यों को प्राप्त करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है।¹⁴

- **Schiller (1996) Theorizing communication: A history :** प्रथम विश्व युद्ध में, प्रचार की शक्ति और सरकारी प्रबंधन ने जनसंचार माध्यमों के महत्व को पहली बार महसूस किया गया। जनसंचार के हाइपोडर्मिक सुई सिद्धांत और प्रचार की स्पष्ट सफलता ने सामाजिक वैज्ञानिकों के बीच व्यापक चर्चा को उत्पन्न किया, जिसने बाद में विश्वसनीयता, ध्यान, जोखिम और धारणा के अधीन संचार के बुलेट थ्योरी के प्रभाव को स्थापित किया। संचार के हाइपोडर्मिक सुई सिद्धांत की युद्ध, अकाल, प्राकृतिक आपदा और चुनाव के समय में इसके त्वरित प्रचार के प्रभाव के कारण अधिक प्रासंगिकता थी। इस सिद्धांत के आधार पर प्रत्येक व्यक्ति को मीडिया संदेश से बराबर रूप से अवगत कराया गया था और संदेशों की एक ही रूप में व्याख्या की गई थी, इसलिए इसका प्रभाव सभी व्यक्तियों पर एक समान पड़ता है। इस प्रकार, व्यक्तियों ने चतुराई से डिजाइन और डिकोड किए गए संदेशों की सजातीय रूप से प्रतिक्रिया दी। यद्यपि यह सिद्धांत अनुभवजन्य शोध का परिणाम नहीं था, तथापि इसने उन दिनों सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के मूल सिद्धांतों को चित्रित किया। इस सिद्धांत ने यह भी दावा किया कि एक आधुनिक उद्योगी समाज में प्रोपेगैंडा मीडिया और सामाजिक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है।¹⁵

राजनीति और आर्थिक कारकों के प्रभाव से, राष्ट्रीय और सार्वजनिक हित के मामलों में मीडिया की भूमिका पर विवाद और बहस लगातार चल रही है। इस धारणा ने सुझाव दिया है कि चुनावी अभियानों के दौरान मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका किसी विशिष्ट राजनीतिक समूह या व्यक्ति के पक्ष में हो सकती है और इस प्रकार की धारणा ने मीडिया को गहरी जांच या संदेह के क्षेत्र में लाया है। प्रसिद्ध राजनीतिक वैज्ञानिक थॉमस पैटरसन ने अपने सिद्धांत में पत्रकारिता की भूमिका पर सवाल उठाया है कि रोमांचक सनसनीखेज कहानियों के जोर के लिए प्रेस की बेचैनी नैतिक मानदंड और मीडिया के विशेषाधिकार प्राप्त दायित्व को निष्पक्षता और सटीकता के साथ रिपोर्ट करने के लिए कमजोर करती है। तथ्यों और आँकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना और हेरफेर करना जोकि मतदाताओं को इन चुनावी अभियानों की विश्वसनीय तस्वीर के साथ भ्रमित करते हैं। पैटरसन प्रेस के बारे में कहते हैं कि यह समाचार उत्पाद के व्यवसाय से निपटने वाली कॉर्पोरेट इकाई की तरह काम करती है जो राजनीति के व्यवसाय से अलग है और इसलिए इसे चुनावी गठबंधनों और बहसपूर्ण संगठनों के मानदंडों और अनिवार्यताओं के साथ

¹⁴ McQuail, D. (1997). Audience analysis. Sage.

¹⁵ Schiller, D. (1996). Theorizing communication: A history. Oxford University Press.

रिपोर्टिंग की आवश्यकता नहीं है। उनका मानना है कि पत्रकारिता के मूल्य और राजनीति के मूल्य एक दूसरे के प्रति उदासीन हैं। मीडिया के पास अद्वितीय शक्तियाँ हैं लेकिन यह दुनिया आंशिक रूप में न देखने के बजाय समग्रता में देखने की आवश्यकता है।¹⁶

लोकतंत्र में चुनाव कवरेज जनता की चिंताओं, राजनीतिक झुकावों और दृष्टिकोणों को उजागर करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मीडिया, जनता और राजनीतिक दलों के बीच एक बिचौलिये के रूप में कार्य करता है, जो संचार और लामबंदी के माध्यम से जनता और राजनीतिक व्यवस्था के बीच की खाई को पाटता है। यह चुनाव अभियानों के दौरान महत्वपूर्ण सार्वजनिक मुद्दों को उजागर करने में मदद करता है। हालांकि, राजनीतिक प्रभाव के कारण स्वतंत्र मीडिया और प्रायोजित मीडिया में अंतर हो सकता है। सी. एडविन बेकर ने लोगों को दो श्रेणियों में विभाजित किया है - उपभोक्ता और नागरिक। उनके अनुसार, जन मीडिया और स्वतंत्र प्रेस दोनों श्रेणियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार सेवा प्रदान करते हैं। नागरिक पत्रकारिता "जटिल लोकतंत्र" के सिद्धांत का अनुसरण करते हुए अच्छी पत्रकारिता प्रथाओं, अच्छी मीडिया नीतियों और उचित संवैधानिक सिद्धांतों के माध्यम से लोगों की सेवा करती है। जन मीडिया पाठकों या दर्शकों को ग्राहकों के रूप में देखते हुए उन्हें अनुकूल पेशेवर तरीके से सेवा प्रदान करती है, जो उनकी पसंद और सदस्यता के अनुसार होता है। लेखक ने मीडिया उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय मुक्त व्यापार में विवादास्पद आधिपत्य पर भी प्रकाश डाला है। उन्होंने अमेरिकी दृष्टिकोण के विपरीत, आर्थिक और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के तहत मुक्त व्यापार की ओर इशारा किया है।¹⁷

2.2 मीडिया और राजनीति

जन कल्याण और लोगों की समस्याएं मीडिया का मुख्य केंद्र बिंदु हैं। मीडिया सूचना, शिक्षा और अनुनय के अपने कार्यों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को उजागर करता है और जहाँ आवश्यक हो, हितधारकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए खुद को एक बेहतर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करता है। सामान्य मुद्दों के बीच, मीडिया बड़े सामाजिक मुद्दों को उठाकर, चुनावों की दिशा और कई लोगों की नियति को निर्धारित करता है। वाल्टर लिपमैन इस सदी के शुरुआती वर्षों में सूचना तंत्र के रूप में जन मीडिया की विश्वसनीयता और उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया। मीडिया, विशेष रूप से समाचार पत्रों पर अपने शैक्षिक कार्यों में उन्होंने कहा कि पत्रकार केवल जानकारी प्रदान करते हैं। वे दुनिया के संपूर्ण दृश्य को प्रस्तुत नहीं कर सकते हैं बल्कि एक फ्लैशलाइट की तरह केवल कुछ हिस्सों पर ही प्रकाश डाल सकते हैं। इस प्रकार दर्शकों और पाठकों को दुनिया का आंशिक और चयनात्मक चित्रण मिलता है। लिपमैन ने उन सीमाओं का वर्णन किया है जो लोकतंत्र के लिए आवश्यक जन जागरूकता को बढ़ाने में मीडिया के सामने आती हैं। उन्होंने इस धारणा पर जोर दिया कि मीडिया के लोग निष्पक्षता बनाये रखते हुए भी पूरी

¹⁶ Patterson, T. (1993). Out of order. New York: Alfred A Knopf.

¹⁷ Baker, C. E. (2004). Media Market and Democracy. UK: Cambridge University Press.

सटीकता के साथ सच नहीं बता सकते हैं क्योंकि सच्चाई व्यक्तिपरक होती है और स्रोत से नई सामग्री के तेजी से निर्माण की सुविधा के लिए गहन जाँच और विश्लेषण की आवश्यकता होती है।¹⁸

हारवुड आई. चाइल्ड्स ने जनमत पर किये अपने शोध में पाया कि जनता हेरफेर करने वाले कारकों के प्रति संवेदनशील होती है। इसलिए उन्होंने जनता की राय की रक्षा करने की पुरजोर वकालत की, ताकि बिना किसी दबाव के अपनी भूमिका निभा सकें। चाइल्ड्स के अनुसार, इन हेरफेर करने वाले कारकों में शामिल हैं: कार्यकारी शक्ति का अनियंत्रित और असीमित विस्तार, संस्थागत संरचनाओं की व्यापक और जटिल वृद्धि, सामाजिक परिवर्तन की तीव्र गति, कई दबाव समूहों का उदय, राजनीतिक दलों, जन मीडिया और अन्य विविध संगठनों और हाशिये के समूहों का उच्च स्तर का हस्तक्षेप।¹⁹

मैककॉम्ब ने जोर देकर कहा है कि मीडिया चुनाव पूर्व रिपोर्टिंग या चुनाव रिपोर्टिंग के दौरान महत्वपूर्ण मुद्दों या संभावित उम्मीदवारों और पार्टियों की विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करके एजेंडा निर्धारित करता है। मीडिया सीधे तौर पर प्रासंगिक मुद्दों को सामने रखता है और इस प्रकार समाचार मीडिया चुनाव अभियान के लिए एजेंडा निर्धारित करता है। इस तरह के मीडिया ने सामग्री को एकत्रित और संगठित करके इसे दुनिया भर के लोगों तक पहुंचाया है।²⁰ राजनीतिक संचार में अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों ने मुख्य रूप से मीडिया प्रचार और मतदान व्यवहार के बीच संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया है, जैसा कि संचार अध्ययनों और विभिन्न मॉडलों और सिद्धांतों के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। थॉमस हैरोप द्वारा प्रस्तुत मॉडल व्यापक स्वीकार्यता और अनुप्रयोगों के साथ इस संबंध में विशेष ध्यान दिया है। हैरोप के काम के अनुरूप उक्त मॉडल मीडिया का प्रभाव निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिक हो सकता है।

- ऐसे मामलों में जब पार्टी समर्थक या कार्यकर्ता सक्षम नहीं होते हैं। इसका मतलब है कि जब पार्टी की वफादारी कमजोर होती है।
- ऐसे मामलों में जब नए विषय प्रस्तुत किये जाते हैं जो दर्शकों की एक बड़ी संख्या को आकर्षित करते हैं।
- मीडिया रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता भी चुनावी जानकारी प्राप्त करने के लिए अनिर्णयात्मक मतदाताओं को प्रभावित करती है।
- गैर-राजनीतिक लोगों के लिए इस प्रकार उत्पन्न की गयी सामग्री राय बनाने में मदद कर सकती है।

¹⁸ Lippmann, W. (1922). Public opinion. New York: Free Press.

¹⁹ Childs, H. L. (1965). Public Opinion Nature Formation and Role. Princeton: D. Van Nostrand Company.

²⁰ Shaw, D. L., & McCombs, M. E. (1977) The Emergence of American Political Issues: The Agenda-Setting Function of the Press. St. Paul: West Publishing Company.

टेलीविजन की दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति ने, उनकी धारणा के अनुसार, मीडिया की विश्वसनीयता और क्षमता को मजबूत किया है और राजनीतिक संचार को एक प्रमुख चैनल के रूप में प्रस्थापित किया है।²¹

पी.वी. शारदा ने रेडियो और टेलीविजन के प्रभाव पर अपने अध्ययन में राजनेताओं के दृष्टिकोण से मीडिया की दो शक्तिशाली प्रभावशीलताओं का पता लगाया है। उन्होंने राज्य के विधानसभा या संसद में चुनाव जीतने वाले राजनीतिक दलों के एक समूह के सौ राजनेताओं के गहन साक्षात्कार के लिए गुणात्मक शोध पद्धति का उपयोग किया। जिन लोगों का साक्षात्कार लिया गया उनमें से 75 प्रतिशत इस धारणा से सहमत नहीं थे कि मीडिया ने उनकी पार्टी के दृष्टिकोण या एजेंडे को फैलाने के लिए उनके संपर्क को सीमित कर दिया है। जबकि 74 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि चुनाव के समय में उन्हें एक बार मीडिया की पहुँच मिली थी, 17 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि उन्हें सप्ताह में दो बार एक्सेस किया गया था। प्राप्त सुझावों के बीच कुछ निर्वाचित प्रतिनिधियों से एक रोचक प्रस्ताव पेश किया कि इस घटना को चुनाव के समय तक ही सीमित रखा जाए। इस अनुसंधान में अधिकांश राजनेताओं द्वारा रेडियो या टेलीविजन के ऊपर प्रिंट मीडिया को प्राथमिकता नहीं दी गयी।²²

2.3 मध्यस्थता की राजनीति: वैचारिक ढाँचा

संचार मानव जीवन के लिए सीमेंट की तरह है, जो समाज को एक साथ जोड़ता है और लोगों को उनकी भावनाओं, आदतों और शौक को साझा करने का माध्यम प्रदान करता है। जन मीडिया समकालीन समाज में सबसे महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक है, जो लोगों की समाचार की आवश्यकताओं की पूरा करता है। यह लोकतंत्र का लचीला स्तंभ है जो इसे लोगों की आशाओं और इच्छाओं को बनाये रखने के लिए कार्य करने में सक्षम बनाता है।²³

राजनीतिक व्यवस्था के अंतर्गत लोकतंत्र सुचारू रूप से संचालित हो सकता है, जहाँ राजनीतिक दल या प्रतिनिधि सरकार बनाने और चलाने के लिए ढाँच लगाते हैं। लोकतंत्र तब सक्रिय होता है जब स्वतंत्र और मजबूत मीडिया द्वारा समर्थित होता है, जो बहुलवादी मूल्यों को प्रोत्साहित करता है और लोगों की समानता और भलाई सुनिश्चित करता है। मीडिया राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाता है और लोकतंत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करता है।

²¹ Harrop, M., & Miller, W. L. (1987). The Responsive Voter: Short-term Influences on Voting Behaviour. In *Elections and Voters* (pp. 217-243). Palgrave, London.

²² Sharda, P. V. (1989). Impact of Television on Rural Areas. *Communicator*, 25, 2-4.

²³ Negrine, R. M. (1996). *The communication of politics*. Sage.

सरकार के लोकतांत्रिक रूप में स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया की अनुपस्थिति में चुनावों को प्राकृतिक निर्णय के उल्लंघन के समानांतर रखा जाता है।²⁴

लुई एल्थुसर ने मीडिया और राजनीतिक दलों को 'वैचारिक राज तंत्र' के रूप में पहचाना है, जो मार्क्सवादी सिद्धांत के अनुसार राजतंत्र से अलग होता है। उन्होंने इन्हें 'दमनकारी राज तंत्र' के रूप में वर्णित किया है, जिसमें बल, हिंसा और अन्य दमनकारी प्रशासनिक उपायों का उपयोग किया जाता है। यहाँ यह स्पष्ट है कि सभी राज तंत्र (दमनकारी) सार्वजनिक डोमेन के अंदर आते हैं, जबकि वैचारिक राज तंत्र 'संरचनात्मक मार्क्सवाद' के रूप में जनता के निजी डोमेन के अंतर्गत आते हैं। उदाहरण के लिए- चर्च, पार्टियाँ, ट्रेड यूनियन, परिवार, कुछ स्कूल, अधिकांश समाचार पत्र, सांस्कृतिक उद्यम निजी स्वदेशी संस्थायें आदि। दमनकारी राज तंत्र कानूनी रूप से हिंसा से बंधे होते हैं जबकि वैचारिक राज तंत्र विचारधारा पर आधारित होते हैं, लेकिन एक लोकप्रिय धारणा के अनुसार कोई भी सामाजिक-राजनीतिक वर्ग लंबे समय तक किसी वैचारिक सिद्धांतों पर अपना आधिपत्य नहीं रखता है।²⁵

मीडिया और राजनीतिक दल अपने विचाराधारित संघ के साथ अलग-अलग दबाव समूह बनाते हैं और इसलिए वे सामाजिक संरचना से सत्ता को बाहर निकालने के लिए उपयुक्त हैं। लोग, पार्टियों और राजनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल होते हैं और सत्ता संरचना में दोनों प्रमुख खिलाड़ी और संतुलन निर्माता होते हैं। अपनी पसंद से लोग राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए अपनी पसंद की पार्टियों में शामिल होते हैं। मीडिया लोकतंत्र या चुनाव व्यापक विषय हैं जो परस्पर जुड़े हुए हैं और अन्योन्याश्रित हैं। मीडिया लोकतंत्र और शासन से संबंधित जटिल अवधारणाओं की समझ जैसे- कि निम्नलिखित अनुभागों में बताया गया है, चुनाव में मीडिया के महत्व को स्पष्ट करती है। मीडिया, लोकतंत्र और शासन तीनों एक साथ मजबूत और अंतर्निहित रूप से जुड़े हुए हैं। यहाँ मीडिया न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का महत्वपूर्ण अंग होता है, बल्कि यह शासनी निर्णयों की समझ, जनता के साथ संवाद और सरकारी नीतियों के प्रभाव को भी प्रकट करता है।

2.4 मध्यस्थता और मध्यस्थीकरण

मध्यस्थता और मध्यस्थीकरण शब्द पिछले कुछ दशकों के दौरान सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों में महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के रूप में प्रमुखता प्राप्त कर चुके हैं।²⁶ मध्यस्थता सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक संबद्धता के विभिन्न तरीकों की जाँच से संबंधित है, जिनमें धीरे-

²⁴ McCombs, M., Shaw, D. L., & Weaver, D. (1997). *Communication and democracy. Exploring the Intellectual Frontiers in Agenda Setting Theory*. New Jersey: Lawrence.

²⁵ Althusser, L. (2006). *Ideology and ideological state apparatuses (notes towards an investigation)*. *The anthropology of the state: A reader*, 9(1), 86-98.

²⁶ Jensen, K. B. (2013). *Definitive and sensitizing conceptualizations of mediatization*. *Communication Theory*, 23(3), 203-222.

धीरे मध्यस्थता की जाती है।²⁷ हालाँकि, मध्यस्थीकरण इस प्रकार की वार्ता की नियमितता को पकड़ने और मूल्यांकन करने से संबंधित है।²⁸ इस प्रकार की वार्ता को समान रूप से मान्यता दी जाती है और इसे संभावित कार्यों के रूप में भी प्रकट किया जाता है।²⁹ इन अंतः क्रियाओं से घिरे मीडिया को सबसे महत्वपूर्ण स्वतंत्र संस्थानों में से एक के रूप में पहचाना जाता है जो अपने नियम बनाते हैं और स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की शक्ति रखते हैं। इस तरह की वार्ता मीडिया को कई संस्थाओं और प्रमुख गैर-मीडिया कर्मियों के साथ साझा अनुभव प्रदान करने की अनुमति देती है।³⁰ पत्रकारिता में समान प्रक्रियाओं और घटनाओं को दर्शाने वाले मध्यस्थता और मध्यस्थीकरण शब्द क्रमोद्देश्य एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किये जाते हैं।³¹ एल्थीड और रॉबर्ट ने अपने सिद्धांत में इस पैटर्न की स्थापना की है कि संचार प्रक्रिया के आसपास सामाजिक जीवन कैसे बनाया जाता है। उन्होंने समकालीन समाज में सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक व्यवस्था को निर्धारित करने और समझने में मीडिया के योगदान को महत्वाकांक्षी के रूप में पहचाना है।³² प्रसिद्ध राजनीतिक वैज्ञानिक निम्मो और कॉम्ब्स ने मीडिया संचार को आकार देने और समाज और उसकी समझ को फिर से आकार देने में सहायता करने वाली गतिशील प्रक्रिया को निरूपित करने के लिए मध्यस्थता शब्द पर जोर दिया न कि मध्यस्थीकरण पर।³³

एस. रोजर ने “मीडिया पॉलिस” के उदय पर अपने काम में इस धारणा को बढ़ाया है।³⁴ निक कैनरी, स्टिंग हार्वाई और स्ट्रोमबैक के अनुसार मध्यस्थता और मध्यस्थीकरण की अवधारणायें परस्पर संबंधित होने के साथ-साथ अन्योन्याश्रित हैं। तर्क यह है कि मध्यस्थता शब्द मीडिया के माध्यम से संदेश प्रसारित करने के तटस्थ कार्य को इंगित करता है या “समकालीन समाज में बने जन मीडिया संस्थानों के समग्र प्रभाव को दर्शाता है, जिसे सामाजिक दुनिया में अपनी उपस्थिति के लिए मीडिया को श्रेय दिया जाता है।”³⁵

मध्यस्थता के विचार को ‘संदेश प्रसारित करने के तटस्थ कार्य’ के बजाय ‘सदा-वर्तमान और व्यापक प्रभाव’ के रूप के रूप में बताया गया है, इसलिए यहाँ पर अवधारणा के महत्व को कम करने की गुंजाइश कम हो जाती है।

²⁷ Hjarvard, S. P. (2013). *The mediatization of culture and society*. Routledge.

²⁸ Couldry, N., & Hepp, A. (2013). Conceptualizing mediatization: Contexts, traditions, arguments. *Communication Theory*, 23(3), 191-202.

²⁹ Hjarvard, S. (2008). *The mediatization of society*. Nordicom Review, 29(2), 102-131.

³⁰ Hjarvard, S. (2014). From mediation to mediatization: The institutionalization of new media. In *Mediatized Worlds* (pp. 123-139). Palgrave Macmillan, London.

³¹ Hepp, A., Hjarvard, S., & Lundby, K. (2015). Mediatization: theorizing the interplay between media, culture and society. *Media, culture & society*, 37(2), 314-324.

³² Altheide, D. L., & Robert, P. (1979). *Snow, Media Logic*. Beverly Hills, CA: Sage, 9, 59-72.

³³ Nimmo, D., & Combs, J. (1984). *A Man for All Seasons—The Mediated World of Election Campaigns*. Graber, D.(ur.).

³⁴ CLARK, L. S. (2008). *Roger Silverstone, Media and Morality: On the Rise of the Mediapolis*. Cambridge: Polity Press, 2007. Vii+ 215 pp. ISBN 0-7456-3504-0, \$25.95 (pbk). *New Media & Society*, 10, 3.

³⁵ Couldry, N. (2008). Media and the problem of voice. *Participation and media production: Critical reflections on content creation*, 15-26.

राजनीति में मध्यस्थता संचार की प्रकृति को अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न मीडिया प्रतिष्ठानों के माध्यम से राजनीतिक समझ को संदर्भित करती है।³⁶ आम लोग राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने के लिए मीडिया पर निर्भर रहते हैं क्योंकि राजनीति में बड़े पैमाने पर मध्यस्थता की जाती है। मीडिया राजनीतिक संगठनों को जन-जन तक पहुँचाने के साथ-साथ व्यवहार्य मंच भी प्रदान करता है। इस प्रकार मीडिया मध्यस्थता की राजनीति के माध्यम से लोगों के साथ-साथ अन्य हितधारकों जैसे-दबाव समूहों, राजनेताओं, राजनीतिक दलों, चुनावी संस्थानों और सरकारों को जोड़ता है।³⁷

मीडिया सूचनाओं के माध्यम से आम सहमति बनाकर जनता और संस्थानों के बीच मध्यस्थ के साथ-साथ एक सूत्रधार के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा मीडिया एक राजनीतिक संचार प्रणाली में विभिन्न राजनेताओं और संगठनों के बीच मध्यस्थता करके विभिन्न स्थानों पर रखे गये लोगों की अधिकतम भागीदारी का आश्वासन देता है। राजनीतिक संचार में लोगों द्वारा निभायी जाने वाली सक्रिय भूमिका मीडिया द्वारा निर्धारित की जाती है, क्योंकि यह विभिन्न हितधारकों तक सूचना और ज्ञान का प्रसार करता है।³⁸ चूँकि विज्ञापन मीडिया राजनीति में व्यावहारिक भूमिका निभाता है और इसलिए मध्यस्थता की राजनीति काफी हद तक सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत वास्तविकता है। अतः वर्णनात्मक दृष्टि से यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि मीडिया और राजनीति के बीच राजनीतिक संचार प्रक्रियाओं और अंतर्संबंध को गहराई से समझा जाए। जिस तीव्रता से मीडिया राजनीति को प्रभावित करता है, राजनीति संचार प्रक्रियाओं की शक्तिशाली गतिशीलता का अध्ययन करना आवश्यक हो जाता है।

मजोलेनी के अनुसार- मध्यस्थतीकरण एक स्वभाविक प्रक्रियान्मुख अवधारणा है, जो विभिन्न पहलुओं में मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करती है। इसलिए, यह सामान्य सिद्धांत होने के कारण मध्यस्थतीकरण केवल राजनीति पर केंद्रित नहीं है। इसके बजाय, मध्यस्थीकरण को आधुनिकीकरण, वैयक्तिकरण और वैश्वीकरण जैसे- अन्य प्रमुख सामाजिक परिवर्तनों की प्रक्रियाओं के रूप में देखा जाता है।³⁹ इस प्रकार, मध्यस्थता विभिन्न समाजों के भीतर या विभिन्न स्तरों पर सभी सामाजिक पहलुओं को प्रभावित करती है। संक्षेप में मजोलेनी ने कहा है कि एक धारणा के रूप में 'समाज का मध्यस्थीकरण' एक अलग सामाजिक क्षेत्र में मीडिया के प्रभाव का विस्तार दर्शाता है। इसलिए, यह देखना महत्वपूर्ण हो जाता है कि मीडिया प्रणाली से प्रभावित होने वाले डोमेन कौन से हैं, साथ ही यह सुनिश्चित करें कि मीडिया सांस्कृतिक, प्रौद्योगिकी और आर्थिक संगठन दोनों के साथ संगर्ष करता है।⁴⁰ एक व्यापक

³⁶ Bennett, W. L., & Entman, R. M. (2000). *Mediated politics*. Cambridge: Cambridge University Press.

³⁷ Entman, R. M., & Bennett, W. L. (2001). *Communication in the future of democracy: A conclusion*. *Mediated politics: Communication in the future of democracy*, 468-480.

³⁸ Strömbäck, J. (2008). Four phases of mediatization: An analysis of the mediatization of politics. *The international journal of press/politics*, 13(3), 228-246.

³⁹ Krotz, F. (2007). The meta-process of mediatization as a conceptual frame. *Global media and communication*, 3(3), 256-260.

⁴⁰ Mazzoleni, G. (2008). Media logic. *The international encyclopedia of communication*.

परिप्रेक्ष्य में सभी प्रमुख सामाजिक क्षेत्र मीडिया और समाज के बीच संबंधों से प्रभावित होते हैं। उदाहरण के लिए लिंग और पीढ़ीगत संबंध, पर्यावरण और शहरी जीवन, स्थानीयकरण और वैश्वीकरण आदि। राजनीति के मध्यस्थीकरण प्रक्रिया के रूप में, इसे समकालीन समाजों में आत्मसात किया गया है, जिसमें अत्यधिक विकसित, उत्तर-औद्योगिक और लोकतांत्रिक समाज शामिल हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि मध्यस्थीकरण की धारणा समाज और राजनीति के कई पहलुओं को प्रभावित करती है।⁴¹

मीडिया को मानव संचार की आवश्यकता का प्रतिनिधित्व करता है, जो सामाजिक और सांस्कृतिक तंत्र के रूप में हमेशा उपलब्ध रहता है।⁴² इस प्रकार मीडिया को समाज में नैतिक मूल्यों को बदलने वाली संस्था के रूप में माना जाना चाहिए।⁴³ विभिन्न प्रकार के मीडिया उपकरण, प्रतिष्ठान, प्रारूप और सामग्री निर्माणकर्ता मिलकर सामाजिक-सांस्कृतिक प्रणाली के महत्वपूर्ण खंड का निर्माण करते हैं। मीडिया पर लागू होने वाले कानूनों और विनियमों के विभिन्न सेट मीडिया के लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। मीडिया प्रतिष्ठानों, प्रारूपों और सामग्री निर्माता के बीच भिन्नता को दिखाते हैं⁴⁴ साथ ही यह अभिजात वर्ग और गैर-अभिजात वर्ग को समाचार सेवा या वाणिज्यिक टी.वी. में महत्वपूर्ण अंतर को इंगित करता है लेकिन मध्यस्थता के अनुसार समानतायें मतभेदों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। मीडिया द्वारा परस्पर जुड़ी अन्योन्याश्रित सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह 'वास्तविकता की सामाजिक परिभाषाओं' का अनिवार्य हिस्सा है। इसलिए मीडिया ने इसे एक सर्वव्यापी प्रतीकात्मक वातावरण बनाया है।⁴⁵ शुल्ज का विचार था कि सबसे पहले मीडिया समय और स्थान पर संचार के लिए मानव पहुँच को बढ़ाता है। दूसरा, मीडिया "सामाजिक गतिविधियों और सामाजिक संस्थानों को पूरी तरह या आंशिक रूप से वैकल्पिकता प्रदान करता है, इसलिए उनके मूल डिजाइन को संशोधित करता है।" उदाहरण के लिए बातचीत या संचार क्रियाएं जो पहले भौतिक उपस्थिति में आमने-सामने की जाती थीं। वह अब मीडिया के माध्यम से संभव या अनुभव की जा सकती हैं। तीसरे गैर-मीडिया क्रियाओं या प्रक्रियाओं के साथ विलय या मिलन के माध्यम से मीडिया क्रियाएं एक अभिन्न अंग बन गयी हैं और इस प्रकार इन गैर-मीडिया गतिविधियों और प्रक्रियाओं को मीडिया से अलग करना असंभव बना दिया है। इसी तरह मीडिया के विलय और मिलन से प्राप्त जानकारी पारस्परिक संचार या अनुभवों के माध्यम से प्राप्त जानकारी के साथ आत्मसात हो जाती है। ऐसी घटनाओं के साथ "मीडिया द्वारा परिभाषित वास्तविकता सामाजिक रूप में परिभाषित वास्तविकता के साथ मिल जाती है।" चौथे मीडिया के बढ़ते मूल्य के साथ विभिन्न सामाजिक राजनेताओं को मीडिया तर्क और समाचार मापदंडों के अनुरूप अपने

⁴¹ Krotz, F. (2009). Mediatization: A concept with which to grasp media and societal change. *Mediatization: Concept, changes, consequences*, 21-40.

⁴² Hartley, J. (2012). *Communication, cultural and media studies: The key concepts*. Routledge.

⁴³ Cook, T. E. (2006). The news media as a political institution: Looking backward and looking forward. *Political Communication*, 23(2), 159-171.

⁴⁴ Nimmo, D., & Combs, J. (1983). *Political Communication*. Nova Iorque: Longman.

⁴⁵ Schulz, W. (2004). Reconstructing mediatization as an analytical concept. *European journal of communication*, 19(1), 87-101.

व्यवहार को समायोजित करने और बदलने की आवश्यकता है।⁴⁶ इसके अलावा जैसा कि स्ट्रॉम्बैक और वैन एल्स्ट ने कहा है कि विभिन्न ‘राजनीतिक राजनेता राजनीतिक तर्क के बजाय समाचार मीडिया तर्क के लिए अपनी अवधारणाओं और व्यवहार को समायोजित करते हैं। यह न केवल उनके संचार प्रयासों को प्रभावित कर सकता है बल्कि वास्तविक राजनीतिक उत्पादन और राजनीतिक राजनेताओं के संगठित होने के तरीके को भी प्रभावित कर सकता है।’⁴⁷

2.5 मीडिया और राजनीतिक तर्क

मध्यस्थता की अवधारणा को समझने के लिए मीडिया तर्क एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। डेविड एल. एल्थीड और रॉबर्ट पी. स्नो ने 1979 में अपने कार्यों में इसे ‘एक विशेष माध्यम के भीरत संदेशों के निर्माण के लिए मान्यताओं और प्रक्रियाओं’ के रूप में परिभाषित किया है।⁴⁸ उन्होंने कहा है कि मीडिया तर्क में संचार प्रक्रिया का निर्दिष्ट रूप होता है, जिसके माध्यम से मीडिया सूचना प्रस्तुत करती है और प्रसारित करती है। इस तत्व में विभिन्न प्रकार के मीडिया के साथ-साथ मीडिया द्वारा उपयोग किये जाने वाले विभिन्न प्रारूप भी शामिल हैं। प्रारूप में यह भी शामिल होता है कि सामग्री कैसे व्यवस्थित होती है तथा जिस शैली में इसे प्रस्तुत किया जाता है। व्यवहार की विशेष विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करता है और यही मीडिया संचार का व्याकरण होता है। प्रारूप एक मॉडल या परिप्रेक्ष्य बन जाता है जो एक घटना को प्रस्तुत करने के साथ-साथ व्याख्या करने के लिए सेट होता है।⁴⁹ मीडिया तर्क को ऐसी धारणा से सहमत किया जा सकता है जो आमतौर पर सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक घटनाओं को देखने, कवर करने और व्याख्या करने के निर्दिष्ट तरीके को संदर्भित करता है। जैसा कि सिद्धांत में कहा गया है कि विभिन्न मीडिया प्रारूप विभिन्न उत्पादन प्रक्रियाएं, सामान्य दिनचर्या और मीडिया का खुद का ध्यान आकर्षित करने और नाटकीय कहानियों के लिए मीडिया के सामाजिक मामलों को देखने, कवर करने, व्याख्या करने और विश्लेषण करने के तरीके को दर्शाता है।⁵⁰ दूसरे शब्दों में मीडिया के पास निश्चित प्रारूप व प्रक्रियायें और दिनचर्यायें होती हैं, जिन्हें लोगों का ध्यानाकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धी प्रकृति की आवश्यकता होती है। मीडिया को यह निर्धारित करने में मदद करता है कि क्या कवर किया जाये? और कैसे कवर किया जाये? उदाहरण के लिए- दृश्य माध्यम टी.वी. को अच्छे और आकर्षक दृश्यों की आवश्यकता होती है। इसलिए टी.वी. समाचार अच्छी और मजबूत दृश्यों वाली कहानियों का समर्थन

⁴⁶ Strömbäck, J. (2008). Four phases of mediatization: An analysis of the mediatization of politics. *The international journal of press/politics*, 13(3), 228-246.

⁴⁷ Strömbäck, J., & Van Aelst, P. (2013). Why political parties adapt to the media: Exploring the fourth dimension of mediatization. *International Communication Gazette*, 75(4), 341-358.

⁴⁸ Altheide, D. L., & Robert, P. (1979). *Snow, Media Logic*. Beverly Hills, CA: Sage, 9, 59-72.

⁴⁹ Altheide, D. L., & Robert, P. (1979). *Snow, Media Logic*. Beverly Hills, CA: Sage, 9, 59-72.

⁵⁰ Altheide, D. L., & Snow, R. P. (1985). *Media logic*. Sage Publications.

करता है जो ध्यानाकर्षित करने में सक्षम हों।⁵¹ मीडिया संघर्ष वाली कहानियों को मुख्य तत्व के रूप में पसंद करता है, क्योंकि संघर्ष खुद को अधिक नाटकीय कहानी कहने के लिए खुद को उधार देता है।⁵² नाटकीय और ध्यान आकर्षित करने वाली कहानियों के लिए मीडिया अभियानों और घोटालों पर ध्यान केंद्रित करने की उनकी प्रवृत्ति की व्याख्या की जा सकती है।⁵³ राजनीति को घुड़दौड़ या अन्य सामरिक खेल के रूप में पेश करने के बजाय मुद्दों को पेश किया जाना चाहिए।⁵⁴ विषयगत और अमूर्त को नियोजित करने के स्थान पर एपिसोडिक और कंक्रीट प्रेम को नियोजित करना।⁵⁵ सूचना समाज के तकनीकी संचालित तेजी से विकास ने सूचना की अपर्याप्तता को सूचना बहुतायात में बदल दिया है। कहानी कहने के तरीके सरलीकरण, ध्रुवीकरण, गहनता, वैयक्तिकरण, विजुअलाइजेशन, स्टीरियोटाइपिंग और समाचार तैयार करने की विशिष्ट शैली के माध्यम से इसे नियंत्रित करने के लिए उपयोग किये जाते हैं।⁵⁶ अक्सर मीडिया सामग्री 'प्रारूप तर्क द्वारा आधार दिया जाता है'। जबकि मीडिया तर्क धारणा अपने आप में अनिवार्य बनी हुई है। यहाँ उल्लेखनीय है कि मीडिया स्वयं मीडिया तर्क द्वारा निर्देशित होती है।

राजनीति के संदर्भ में मध्यस्थतीकरण अधिक महत्वपूर्ण है लेकिन मीडिया तर्क को राजनीतिक तर्क के विपरीत देखा जाता है।⁵⁷ हालांकि राजनीति तर्क मीडिया तर्क की तुलना में अपने प्रारंभिक चरण में है। यह मध्यस्थतीकरण की अवधारणा को राजनीतिक आकार देने के लिए महत्वपूर्ण है। राजनीतिक तर्क की अवधारणा इस तथ्य पर टिकी हुई है कि राजनीति की प्रकृति साझा, आधिकारिक और राजनीतिक निर्णय लेके के साथ-साथ इन निर्णयों को लागू करने के इर्द-गिर्द घूमती है। इसके तहत राजनीतिक विचार-विमर्श, सौदेबाजी और निर्णय लेने सहित राजनीतिक शक्ति वितरण की प्रक्रियाएँ हो सकती हैं और "कौन, क्या, कब और कैसे प्राप्त करता है?" से संबंधित शक्ति का प्रश्न हो सकता है।⁵⁸ राजनीतिक तर्क का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को समझना और विश्लेषण करना होता है। इसमें यह देखा जाता है कि किस प्रकार राजनीतिक संस्थाएँ और नेता निर्णय लेते हैं, किस प्रकार की सौदेबाजी और बातचीत होती है और कैसे निर्णय लागू किए जाते हैं। यह प्रक्रिया साझा हितों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए की जाती है और इसमें विभिन्न पक्षों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया जाता है।

⁵¹ Bucy, E. P., & Grabe, M. E. (2007). Taking television seriously: A sound and image bite analysis of presidential campaign coverage, 1992–2004. *Journal of Communication*, 57(4), 652–675.

⁵² McManus, J. H. (1994). *Market-driven journalism: Let the citizen beware?*. Sage Publications.

⁵³ Sabato, L., Lichter, R. S., Stencel, M., & Lichter, S. R. (2000). *Peepshow: Media and politics in an age of scandal*. Rowman & Littlefield.

⁵⁴ Cappella, J. N., & Jamieson, K. H. (1997). *Spiral of cynicism: The press and the public good*. Oxford University Press on Demand.

⁵⁵ Iyengar, S., & Simon, A. (1993). News coverage of the Gulf crisis and public opinion: A study of agenda-setting, priming, and framing. *Communication Research*, 20(3), 365–383.

⁵⁶ Patterson, T. E. (1993). *Out of order: How the decline of the political parties and the growing power of the news media undermine the American way of electing presidents*. New York: Alfred Knopf.

⁵⁷ Mazzoleni, G. (1987). Media logic and party logic in campaign coverage: The Italian general election of 1983. *European journal of communication*, 2(1), 81–103.

⁵⁸ Lasswell, H. D. (2018). *Politics: Who gets what, when, how*. Pickle Partners Publishing.

सत्ता राजनीति में अंतर्निहित है और इसमें नीतियां तथा कार्यक्रम शामिल हैं, जिनका उद्देश्य राजनीतिक निर्णय लेने के भीतर आने वाले बड़े सामाजिक मुद्दों को हल करना और मौजूदा मूल्य प्रणाली या विचारधाराओं के अनुसार समाज का निर्माण करना है।⁵⁹ इस प्रकार राजनीतिक प्रक्रियायें समस्याओं की श्रेणी को उजागर करती हैं और इन मुद्दों को कैसे संबोधित और हल किया जाना चाहिए, इस बारे में सिफारिशें करती हैं। राजनीतिक प्रक्रियाओं से संभवता: यह तर्क दिया जा सकता है कि सत्ता राजनीति का अंतिम लक्ष्य है और ये विषय या सरोकार वांछित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सिर्फ विकल्प है।⁶⁰ इस धारणा के विपरीत यह वह शक्ति है जिसे अंतिम उद्देश्य के रूप में विचारधाराओं और मूल्य प्रणालियों के अनुरूप इन नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करना चाहिए।⁶¹ यद्यपि दो परस्पर विरोधी विचार अधिक समय तक साथ चलने की संभावना नहीं है, लेकिन दोनों राजनीति के समानांतर को कभी भी एक आयाम तक सीमित नहीं किया जा सकता है, यह सत्ता और राजनीति के इर्द-गिर्द घूमेगा। आगे की राजनीति संचार पर अधिक से अधिक निर्भर होती जा रही है जिसका अर्थ है कि मीडिया संदेश किसी भी राजनीति के सुचारू संचालन के लिए मौलिक आवश्यकता है। व्यापक क्षेत्र में स्थित विभिन्न राजनीतिक संस्थाओं को अनिवार्य रूप से मीडिया उपयोगिता की भूमिका को पहचानना होगा, क्योंकि एक स्वतंत्र संस्था के रूप में मीडिया सार्वजनिक सेवा या अधिक से अधिक सार्वजनिक हित में विभिन्न आयामों सहित सभी प्रक्रियाओं की जांच या पूछताछ करके हस्तक्षेप कर सकता है।⁶² अत्यधिक मध्यस्थता वाले समाज में मीडिया की प्रमुखता द्वारा बनायी गयी राजनीतिक संचार और शासन प्रक्रिया में मीडिया और राजनीतिक तर्क के बीच वास्तविक समस्या और संघर्ष का सामना करना पड़ता है।⁶³ दूसरे शब्दों में कहा जाये तो राजनीति और राजनीतिक संचार या तो मीडिया तर्क या किसी समाज में राजनीतिक तर्क पर हावी हो सकते हैं।⁶⁴ मीडिया तर्क के मामले में मीडिया संसाधन पैदा करने वाला एक प्रमुख कारक बन जाता है जिसके द्वारा विभिन्न राजनेता राजनीतिक संचार में भूमिका निभाते हैं और मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए जाते हैं और लोगों द्वारा माने जाते हैं। बाद के मामलों में राजनीतिक व्यवस्था और राजनीतिक संस्थानों की आवश्यकतायें केंद्रिय बन जाती हैं और राजनीतिक संचार के संबंध में भूमिका, आकार और समझ को आकार देती हैं। पहले मामले में लोगों को क्या दिलचस्प लगता है और मीडिया कंपनियों के लिए व्यवसायिक रूप में व्यवहार्य क्या है? इसे प्राथमिकता दी जाती है। बाद के मामलों में लोगों के लिए क्या जानना महत्वपूर्ण है? जैसा कि मुख्य रूप से राजनीतिक राजनेताओं और संस्थानों द्वारा व्याख्या की जाती

⁵⁹ Huntington, S. P. (2006). Political order in changing societies. Yale University Press.

⁶⁰ Dawns, A. (1957). A Democratic Theory of Democracy.

⁶¹ Sjöblom, G. (1968). Party strategies in a multiparty system. Lund political studies, 7.

⁶² Brants, K., & Van Praag, P. (2006). Signs of media logic half a century of political communication in the Netherlands. Javnost-the public, 13(1), 25-40.

⁶³ Strömbäck, J. (2008). Four phases of mediatization: An analysis of the mediatization of politics. The international journal of press/politics, 13(3), 228-246.

⁶⁴ Meyen, M., Thieroff, M., & Strenger, S. (2014). Mass media logic and the mediatization of politics: A theoretical framework. Journalism Studies, 15(3), 271-288.

है उसे प्राथमिकता दी जाती है। पहले मामले में मीडिया को अनिवार्य रूप से वाणिज्यिक उद्यमों के रूप में माना जाता है जिसमें उनके दर्शकों की जरूरतों को पूरा करने के अलावा कोई विशेष दायित्व नहीं होता है। बाद के मामलों में मीडिया राजनीतिक या लोकतांत्रिक संस्थानों के रूप में माना जाता है। जिसमें किसी प्रकार का नैतिक कानून भले न हो लेकिन लोकतंत्र को काम करने में सहायता करने का दायित्व होता है।⁶⁵ वास्तव में जाहिर है कि मीडिया तर्क या राजनीतिक तर्क द्वारा प्रशासित राजनीति और राजनीतिक संचार के बीच कई गलत परिभाषित क्षेत्र हैं। विश्लेषणात्मक विवरण के प्रयोजन के लिए द्विभाजन केवल इसलिए सहायक नहीं है क्योंकि यह उस डिग्री पर अनुभवजन्य जांच की अनुमति दे सकता है जिस पर समय-समय पर देशों और राजनीतिक संस्थानों में मध्यस्थता होती है।

2.6 मीडिया हस्तक्षेपवाद: मध्यस्थता की गतिशीलता

मीडिया हस्तक्षेपवाद को एक धारणा के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसमें मीडिया प्रभुत्व वाले राजनीतिक समाचार कवरेज के पैटर्न के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जहाँ पत्रकार और मीडियाकर्मी कहानियां बनाते हैं और मुख्य समाचार निर्माताओं के रूप में राजनेताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। दूसरे शब्दों में इसे पत्रकारिता के पेशेवर रूप में प्रेरित व्यवहार के रूप में व्यक्त किया जा सकता है जो उनके प्रभाव, शक्ति और प्रतिष्ठा को बढ़ाता है और फलस्वरूप समाचार सामग्री पर उनका नियंत्रण होता है।⁶⁶ इस अवधारणा के सैद्धांतिक आधार को डेविस द्वारा प्रतिपादित “मीडिया घुसपैठ” कहा जाता है।⁶⁷ इसे ब्लमलर और गुरेविच द्वारा प्रतिपादित “मीडिया की विवेकाधीन शक्ति” या “पत्रकारिता हस्तक्षेत्र” भी कहा जाता है।⁶⁸ मीडिया हस्तक्षेप का उदाहरण देने के लिए चुनाव अभियानों में मीडिया हस्तक्षेपवाद का निरीक्षण किया जा सकता है, जब यह आनुपातिक रूप से उच्च होता है, क्योंकि प्रेस व्यक्तिगत राजनीति पर अपने तरीकों से चुनिंदा शब्दों, अभिव्यक्तियों, परिदृश्यों और गणनाओं सहित रिपोर्ट करती है, उदाहरण के लिए वे राजनेताओं को अवसर प्रदान करते हैं कि वह समाचारों में अपनी आवाज के साथ खुद को आगे बढ़ाएं। मीडिया हस्तक्षेप मोटे तौर पर मध्यस्थतीकरण की प्रक्रिया में तीसरे आयाम को संदर्भित करता है और इस प्रकार चौथे आयाम पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डलता है। तीसरा आयाम मुख्य रूप से राजनीतिक तर्क या मीडिया तर्क द्वारा मीडिया सामग्री संचालन पर सवाल उठाता है। इस प्रकार तीसरा आयाम एक प्रतीकात्मक रायवादी के दृष्टिकोण से मध्यस्थतीकरण की व्याख्या करता है। यह जाँच करता है कि समाचार मीडिया द्वारा राजनीतिक वास्तविकता को कैसे समझाया और स्थापित

⁶⁵ Croteau, D., & Hoynes, W. (2001). The business of media. Corporate Media and the Public Interest. A Pine Forge Press Publication.

⁶⁶ Lundby, K. (Ed.). (2009). Mediatization: concept, changes, consequences. Peter Lang.

⁶⁷ Baran, J. S., & Davis, K. D. (2006). Mass communication theory: Foundation and future.

⁶⁸ Blumler, J. G., & Gurevitch, M. (1995). The crisis of public communication. Psychology Press.

किया जाता है तथा बढ़ती मध्यस्थता के बाद यह माना जाता है कि समाचार प्रसंस्करण मीडिया-विशिष्ट फ्रेम और प्रारूपों द्वारा निर्देशित होता है जो पाठकों के राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रभावित करता है।⁶⁹

मीडिया के संरचनात्मक और सांस्कृतिक संदर्भ निकट भविष्य की भविष्यवाणी के लिए महत्वपूर्ण हैं कि समाचार प्रतिष्ठान किस हद तक सक्रिय रूप से प्रारूपित होंगे और स्वतंत्र मीडिया तर्क के अनुरूप राजनीतिक वास्तविकता को फ्रेम करेंगे।⁷⁰ जन-मीडिया शब्द को बड़े पैमाने पर सूचना उत्पादन और वितरण मशीनरी के रूप में पहचाना जाता है। यह कुछ मानकीकृत पैटर्न स्थापित करते हुए विभिन्न स्वरों को हानिरहित स्थलाकृति पर स्थानांतरित करता है। आम तौर पर यह न तो जनता के कल्याण और न ही विभिन्न संचार तकनीकों के बड़े पैमाने पर सवाल उठाता है, बल्कि इसके स्वामी की आवाज से प्रेरित होता है। प्रचलित धारणाओं के अनुसार संस्कृति उद्योग जनता का शोषण करते हैं। नामित प्रतिनिधि अपनी राय के माध्यम से घातक प्रचार को समाप्त करने के लिए चिंता का विषय हैं। इस तरह संस्कृति उद्योग अपने स्वभाव को पुष्ट करता है जिसे वह प्राकृतिक और स्थिर मानता है। यह इस मानसिकता को बदलने की संभावित तरीकों को पूरी तरह से खारिज कर देता है। यहाँ जनता गणना नहीं बल्कि इस संस्कृति उद्योग की एक विचारधारा का उल्लेख करती है। इस तथ्य के बावजूद कि संस्कृति उद्योग भी जनता के अनुरूप नहीं रह सकता है।⁷¹ ब्लमर और गुरेविच ने अपने महत्वपूर्ण कार्य में पत्रकारिता के हस्तक्षेप को बढ़ावा देने वाले संरचनात्मक वातावरण के दो कारकों का संकेत दिया है और इस प्रकार तीसरे आयाम के साथ मध्यस्थतीकरण में वृद्धि होती है। सबसे पहले एक राजनीतिक व्यवस्था जिसमें एक कमजोर पार्टी संगठन होता है जिसमें अस्थायी मतदाता और कम वैचारिक समर्थन होता है। दूसरा मीडिय सिस्टम है जो या तो स्व-विनियमित है या कम और लचीले राज्य विनियमन के साथ नियंत्रित है, जिसमें प्रसारकों को सार्वजनिक सेवा दायित्वों से कम से कम प्रेरित किया जाता है बल्कि उनकी व्यावसायिक संभावनाओं, लाभप्रदता और बाजार सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाता है।⁷² इन दो कारकों के अलावा ब्लमर और गुरेविच ने दो अतिरिक्त महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कारकों को रेखांकित किया है। सबसे पहले उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक संस्कृति के हस्तक्षेपवाद की ओर प्रेस की प्रवृत्ति बढ़ती है जहाँ जनता की राय तुलनात्मक रूप से अधिक निराशावादी और राजनीतिक संस्थानों की आलोचना करती है। यह मुख्य रूप से ऐसे महौल के कारण है जो निंदक पत्रकारिता को सामाजिक रूप से अधिक स्वीकार्य बनाता है। दूसरे सिद्धांतकार ने कहा है कि यह उन समाचार प्रथाओं में वृद्धि की संभावना हो जो राजनेताओं के बयानों को आंतरिक रूप से अविश्वसनीय मानते हैं और इस बात पर जोर देते हैं कि राजनीतिक विषयों को अपने समाचार मूल्यों और प्रामाणिकता के आधार पर समाचार

⁶⁹ Strömbäck, J., & Esser, F. (2009). Shaping politics: Mediatization and media interventionism.

⁷⁰ Altheide, D.L. (2004). Media logic and political communication. *Political Communication*, 21(3), 293-296.

⁷¹ Horkheimer, M., & Adorno, T. W. (2006). The culture industry: Enlightenment as mass deception. *Media and cultural studies: Keywords*, 41-72. Blumler, J. G., & Gurevitch, M. (1995). The crisis of public communication. Psychology Press.

⁷² Blumler, J. G., & Gurevitch, M. (1995). The crisis of public communication. Psychology Press.

कार्यक्रमों में अपने दम पर मुकाबला करना चाहिए। संरचनात्मक और सांस्कृतिक प्रभावों के अलावा ब्लमलर और गुरेविच ने भी प्रासांगिक पेशेवर निर्धारकों को सुझाव दिया है।⁷³ पत्रकारिता हस्तक्षेप अभियान उद्योग पर अत्यधिक निर्भर है जो मीडिया हेरफेर और समाचार योजनाओं और नीतियों के माध्यम से अपनी रणनीति में उच्च पेशेवर मानक का खुलासा करता है।

मीडिया की व्यावसायिकता भी एक महत्वपूर्ण कारक है। व्यावसायिक स्वतंत्रता के साथ पत्रकारिता समुदायों में हस्तक्षेपवाद की तुलनात्मक रूप से बढ़ने की संभावना है और जो बाहरी दबावों के बावजूद इसे स्वतंत्र बनाये रखने के इच्छुक हैं और जो अपनी विभिन्न भूमिकाओं जैसे दुभाषिया, आलोचक, प्रहरी या मनोरंजनकर्ता के माध्यम से सत्ता संरचना में अपनी जगह बनाए रखने का प्रयास करते हैं।⁷⁴ हॉलिन और मैनसिनी ने राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के संदर्भ में मीडिया सिस्टम टाइपोलॉजी की वकालत की है जो राष्ट्रीय समाचार संस्कृति को वर्गीकृत करता है। यह बड़े स्तर पर पत्रकारिता के हस्तक्षेप के पक्ष में प्रासंगिक सेटिंग की पहचान करता है।⁷⁵ एक छोर पर जहाँ पत्रकारिता का हस्तक्षेप तुच्छ या कम से कम है, फ्रांस मीडिया राजनीति के बीच संबंध के ध्रुवीकृत बहुलवादी मॉडल का एक प्रोटोटाइप है। फ्रांस में प्रसारण के ऐतिहासिक सरकारी विनियमन ने एक शक्तिशाली और स्वायत्त पत्रकारिता संस्कृति के विकास और विस्तार में बाधा डाली है और जिससे आज भी पत्रकारों और राजनेताओं के बीच पारस्परिक और मैत्रीपूर्ण जुड़ाव उत्पन्न होता है।⁷⁶ संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और इंग्लैंड में हाल की राजनीतिक रिपोर्टिंग शैलियों के सामग्री विश्लेषण ने ऐसे प्रचलित अनुमानों के परीक्षण में मदद की है। यह वास्तव में वे शोध थे जिन्होंने यू.एस. में अधिक हस्तक्षेपवादी दृष्टिकोण और फ्रांस के गैर-हस्तक्षेपवादी दृष्टिकोण के अस्तित्व को स्थापित किया है।⁷⁷ हस्तक्षेप की उपलब्धि पत्रकारों के साथ टी.वी. समाचार कार्यक्रमों में राजनेताओं को अपनी आवाज और शब्दों में खुद को व्यक्त करने के अवसर प्रदान करने के अनुरूप थी। दो चुनाव चक्रों में अध्ययनों के माध्यम से यह स्थापित किया गया है कि चुनाव अभियानों के दौरान यूरोप की तुलना में संयुक्त राज्य अमेरिका में कई समाचारों में उम्मीदवारों की आवाज को काटने की घटनाएं कम थीं। सिद्धांतकारों के अनुसार पाया गया कि अमेरिकी पत्रकारों के पास भारी संघनित उम्मीदवार की खबर प्रसारित की गयी थी। यह माना जाता है कि अमेरिकी उम्मीदवार ने अब तक के सबसे कठिन पूर्व नियोजित अभियानों में चुनाव लड़ा था। इस संबंध से पता चलता है कि जितना अधिक राजनेता समाचार रिपोर्टिंग को प्रबंधित करने का जितना प्रयास

⁷³ Blumler, J. G., & Gurevitch, M. (2000). Rethinking the study of political communication. *Mass media and society*, 3.

⁷⁴ Bardeol, J. (1996). Beyond journalism: A profession between information society and civil society. *European journal of communication*, 11(3), 283-302.

⁷⁵ Blumler, J. G., & Gurevitch, M. (2001). The new media and our political communication discontents: Democratizing cyberspace. *Information, Communication & Society*, 4(1), 1-13.

⁷⁶ Chalaby, J. K. (2005). French political communication in a comparative perspective: The media and the issue of freedom. *Modern & Contemporary France*, 13(3), 273-290.

⁷⁷ Esser, F. (2008). Dimensions of political news cultures: Soundbite and image bite

करते हैं, उतना ही अधिक पत्रकार अपनी इच्छा और पसंद के अनुसार उन्हें रिपोर्ट करने से रोकते हैं। कभी-कभी इसके बजाय असामान्य रूप से रिपोर्ट करते हैं, जो प्रेस टोन को अलग अभिव्यक्ति देता है। अध्ययनों में पाया गया कि सशक्त समाचार प्रबंधन शैली और निश्चित पत्रकारिता प्रतिक्रिया के बीच संबंध को पत्रकारिता हस्तक्षेप के रूप में जाना जाता है। यह राजनीति समाचार संस्कृतियों के महत्वपूर्ण आयाम का गठन करने के लिए तैयार है। फ्रांस में समाचार संस्कृति कम से कम तर्क स्वतंत्रता के साथ अत्यधिक सीमित लग रही थी। फ्रांस की चुनावी कहानियों को आकार देने में बड़े पैमाने पर निष्क्रिय प्रदर्शित करने वाली कवरेज का तरीका अपनाया गया था, यहाँ राजनीतिक तर्क (उम्मीदवार की राजनीतिक सामग्री) और हस्तक्षेपवादी मीडिया तर्क (जो भविष्य में उन संदेशों की पुनर्चक्रण की संभावना नहीं है) का प्रभुत्व है।⁷⁸ यह सुझाव देता है कि मीडिया हस्तक्षेप सिद्धांत की उच्च उपयोगिता के साथ-साथ गंभीर रूप से महत्वपूर्ण है कि कैसे और किन कारकों से मीडिया, मीडिया तर्क के अनुसार समाचार विषयों को निर्धारित करने में मदद करता है और इसके परिणामस्वरूप राजनीतिक नेताओं के अनुपालन के लिए शक्तिशाली प्रोत्साहन का निर्माण होता है या मीडिया तर्क और मीडिया मानकों की समाचार योग्यता को अपनाता है। दूसरे शब्दों में यह पुष्टि करना महत्वपूर्ण है कि विभिन्न आयामों के माध्यमों से मीडिया का हस्तक्षेप राजनीतिक तर्क का हिस्सा बनने के लिए कैसे कार्य करता है। यह भी स्पष्ट करता है कि मध्यस्थता और मीडिया हस्तक्षेप अवधारणात्मक रूप से परस्पर या सह-संबंधित है। ये विचार इस बात के इर्द-गिर्द घूमते हैं कि मीडिया किस तरह से चुनावी राजनीति और शासन को प्रभावित और मध्यस्थता वाले संदेशों को डिजाइन करता है। इस दृष्टिकोण से तीन महत्वपूर्ण तत्व हैं मीडिया, राजनीति और समाज। ये तीनों किसी भी राष्ट्र में सामाजिक-आर्थिक जीवन को निर्धारित करने में मदद करते हैं। इन तीनों कारकों में से राज्य राजनीति के लिए खड़ा है, जबकि समाज का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से मतदाओं, नागरिकों और शासन के अन्य हितधारकों द्वारा किया जाता है। इस डिजाइन के भीतर यह अध्याय ऊपर वर्णित प्रमुख घटकों के बीच संबंध स्थापित करने वाले विचारकों के विभिन्न दृष्टिकोणों के संदर्भ में शोध कार्य को संदर्भित करने का प्रयास करता है। उस दृष्टिकोण से संबंधित साहित्य का पता लगाना महत्वपूर्ण हो जाता है जो उस ढाँचे का समर्थन करता है जिसमें भीतर प्रमुख खिलाड़ी यानी मीडिया-राजनीति-समाज परस्पर जुड़े हुये हैं।⁷⁹

2.7 वैचारिक योगदानकर्ता

इस संदर्भ में प्रमुख योगदानकर्ताओं में वाल्टर लिपमैन, डेनिस मैकक्वेल, जुएर्गन हैबरमास और नोम चॉम्स्की शामिल हो सकते हैं। लिपमैन और मैकक्वेल मीडिया, राजनीति और समाज के बीच त्रिकोणीय सह-संबंध पर आगे की चर्चा के लिए एक मंच की सुविधा के लिए प्राथमिक संरचना प्रदान करते हैं। किये

⁷⁸ Esser, F. (2013). Mediatization as a challenge: Media logic versus political logic. In *Democracy in the Age of Globalization and Mediatization* (pp. 155-176). Palgrave Macmillan, London

⁷⁹ Nesbitt-Larking, P. W. (2007). *Politics, society, and the media*. University of Toronto Press.

गये अध्ययन में लिपमैन के जनमत के विचार, मैकक्वेल के मीडिया सिद्धांत के विचार को संदर्भित किया गया है और आगे दो प्रसिद्ध विचारकों द्वारा किये महत्वपूर्ण योगदान की पड़ताल की गई है। जिन्हें अध्ययन के उद्देश्यों के लिए सबसे अधिक प्रासांगिक माना जाता है अर्थात् जुर्गन और नोम चॉम्स्की। सिद्धांतकारों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान अस्थायी सामान्यीकरण की पुष्टि करने के उद्देश्य में अध्ययन का समर्थन करते हैं, जबकि मैकक्वेल का सिद्धांत इनपुट प्रदान करता है कि मीडिया अध्ययन का आधार बनाता है। हैबरमास और चॉम्स्की संक्षेप में मीडिया-राजनीति-समाज को परस्पर जोड़ने वाले आवश्यक विचार प्रदान करते हैं, यह समझने में मदद करता है कि ये सिद्धांत अध्ययन के लिए कैसे उपयोगी हैं।

2.7.1 वाल्टर लिपमैन

वाल्टर लिपमैन बीसवीं सदी के सबसे प्रभावशाली और प्रतिष्ठित राजनीतिक पत्रकारों में से एक थे। 1920 से 1974 तक उनका लेखन एक अंतहीन धारा में प्रभावी रहा, जो राष्ट्रीय और विश्वक सामाजिक तथा राजनीतिक घटनाओं को गहराई से छूता है। उनका बौद्धिक विश्लेषण ग्रीक महाकाव्यों और ज्ञान से प्रेरित था। उनके संपादकीय लेख 'न्यू रिपब्लिक' और 'द वर्ल्ड' में विभिन्न रूपों में प्रकाशित होकर सैकड़ों लेखों और बीस से अधिक पुस्तकों के रूप में उपस्थित रहे। उनके महत्वपूर्ण योगदान, शांत तर्क और भावुक व्यक्तित्व ने राजनीतिक अभिजात वर्ग के साथ-साथ जागरूक नागरिकों को प्रभावित किया है। उनकी सबसे लोकप्रिय रचना "पब्लिक ओपिनियन" को उनकी राजनीतिक विशेषता के कारण वैश्विक स्तर पर स्वीकारा गया।⁸⁰

2.7.2 जनता की राय

राय या मध्यस्थता वाली राजनीति के विचार का महत्वपूर्ण कार्य लिपमैन से प्राप्त हुआ जब उन्होंने "पब्लिक ओपिनियन" के आधार को प्रतिपादित किया।⁸¹ इस धारणा के तहत उन्होंने समकालीन राजनीति में राय निर्माण के महत्व को स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि आम सहमति के आधार पर तैयार की गई राय लोकतांत्रिक प्रवचन में एक मजबूत निर्धारक कैसे बन सकती है।⁸² नीचे दिए गए विस्तृत विवरण के अनुसार यह अवधारणा और इसके महत्व के बारे में हमारी समझ को आधुनिक लोकतंत्र में व्यापक बनाने में मदद करता है।

⁸⁰ Steel, R. (1980). Walter Lippmann and the American Century. [Mit Porter.] (2. Print.). Transaction Publishers.

⁸¹ Lippmann, W. (1922). Stereotypes. Public Opinion and the Press. Nueva York: Mcmillan Publishing Co.

⁸² Noelle-Neumann, E. (1993). The spiral of silence: Public opinion, our social skin. University of Chicago Press.

2.7.3 आवश्यकता, उद्भव और प्रगति

जनमत का विचार 18वीं शताब्दी में मुद्रण प्रौद्योगिकी के अविष्कार के साथ अस्तित्व में आया, जिससे साक्षरता दर में वृद्धि हुई। यह प्रक्रिया 1962 में जर्गन हैबरमास द्वारा बताये गये सार्वजनिक क्षेत्र या सामान्य संचार समय के लिए आधार बनी।⁸³ सामाजिक भाषा में, लिपमैन ने जनमत की अवधारणा पेश की और आगे विस्तार से बताया कि इसे कैसे विकसित, निर्मित और हेरफेर किया गया। हालाँकि 1922 में प्रकाशित उनके विचार आज भी प्रासांगिक और कालातीत साबित हुए हैं। लिपमैन को यकीन नहीं था कि एक पूर्ण लोकतंत्र संभव है, जहाँ लोग वास्तव में स्व-शासन करना चाहते हैं या खुद पर शासन करते हैं। उन्होंने अटकलें लगाई कि क्या लोग 'सामाजिक सरोकारों के किसी भी रूप' पर एक राय बनाने के लिए समय देने के लिए तैयार होंगे।⁸⁴ लिपमैन का मानना था कि यह संगठन का रूप हो या समाजवादी लोकतंत्र हो या तत्काल या दबाव वाली समस्याओं से निपटने के लिए कुछ पदानुक्रम की आवश्यकता होगी। उनके अनुसार, जिनके पास सार्वजनिक बहस, चर्चा या विचार-विमर्श के लिए समय नहीं था या सामान्य मानवीय प्रवृत्ति के कारण लोग निर्णय लेने की शक्ति रखने वाले करिश्माई व्यक्तियों के आसपास रहना पसंद करते हैं, ऐसे लोगों के आसपास एक छिपा हुआ चक्र अनिवार्य रूप से दिखायी देगा।⁸⁵

“जनमत” का प्रमुख बिंदु लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों के अपने मूल भ्रम को उजागर करता है, “क्योंकि लोगों के दिमाग में बनी तस्वीरें बाहर की वास्तविक दुनिया से मेल नहीं खाती हैं।” लिपमैन ने इस समस्या का उपाय सुझाया, जिसमें सार्वजनिक मामलों की खुफिया जानकारी और “अनदेखे तथ्यों का प्रतिनिधित्व” शामिल है। वाल्टर लिपमैन इस चर्चा के माध्यम से अपने तर्क की पुष्टि करते हैं कि कैसे लोगों के दिमाग में बनी तस्वीरों से जनता की राय बनती है और ये तस्वीरें “अक्सर लोगों को बाहर की दुनिया को समझने में गुमराह करती हैं”। उन्होंने कहा कि लोग अपने आस-पास की चीजों को ठीक से नहीं समझते हैं। इसके बजाय वे संकेतों, प्रतीकों और अन्य छद्म वास्तविकताओं के माध्यम से जुड़ते हैं और यह कि वे स्वयं छद्म वास्तविकताओं का अनुभव करते हैं। इस प्रकार, एक मध्यस्थ के लिए जगह बनती है जो यह तय कि लोग छद्म वास्तविकता का उपभोग करेंगे। लिपमैन ने खुलासा किया कि कैसे रुढ़िवादीता व्यक्तिगत राय को आकार देती है और कैसे इन व्यक्तिगत विचारों को ‘सार्वजनिक राय’ के रूप में विकसित किया जाता है।⁸⁶ इस प्रकार सार्वजनिक राय लोकप्रिय धारणाएं बन जाती हैं और परिणामस्वरूप पुरुषों के दिमाग के अंदर स्वयं की, दूसरों की, उनकी जरूरतों के उद्देश्यों और संबंधों की तस्वीरें विकसित होती हैं। जनमत उन तस्वीरों से बनता है जिन पर सामूहिक रूप से कार्यवाही की जाती है। मानव व्यवहार एक छद्म वातावरण के प्रति उसकी प्रतिक्रियाओं को दर्शाता है, जो टिप्पणियों के

⁸³ Habermas, J. (1989). The structural transformation of the public sphere (T. Burger & F. Lawrence, Trans.). Cambridge: Polity. (Original work published 1962).

⁸⁴ Lippmann, W. (1922). The world outside and the pictures in our heads. Public opinion, 4, 1-22.

⁸⁵ Lippmann, W. (1965). Public opinion. 1922.

⁸⁶ Lippmann, W. (1922). Stereotypes. Public Opinion and the Press. Nueva York: Mcmillan Publishing Co.

प्रत्यक्ष अनुभवों का एक प्रकार का धुंधला मिश्रण है। हम अपने आस-पास के वातावरण से देखते हैं और सीखते हैं, लेकिन हमारी समझ अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकती है। मध्यस्थता के अनुभव, जो हमें बड़े पैमाने पर मीडिया से प्राप्त होते हैं, पहले से ज्ञात हो सकते हैं, फिर भी वे अविश्वसनीय हो जाते हैं⁸⁷ लोकतंत्र के उदारवादी सिद्धांतों की लिपमैन की आलोचना इसी धारणा पर आधारित है कि नागरिक दुनिया की मध्यस्थता का ज्ञान रखते हैं, जो अंततः जनमत को तैयार करने में मदद करता है और आत्मनिर्णय का आधार बनने की बहुत अधिक संभावना है। संचार के माध्य से सहमति प्राप्त करने के लिए संपर्क की स्वतंत्रता आवश्यक है। उभरते हुए आधुनिक विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों को विश्लेषण और अन्वेषण के कार्य सौंपे जाने चाहिए जो बदले में नीति निर्माताओं, पत्रकारों और अततः जनता को समुदाय और राष्ट्र हित में उपयुक्त राजनीतिक कार्यवाही के लिए आपेक्षित ज्ञान प्रदान करेंगे।⁸⁸ लोग उन घटनाओं की आभासी छवियों को धारण करते हैं जिन्हें उन्होंने अनुभव नहीं किया है और इन भावनाओं को अपने नियोजित दृश्य से जोड़ देते हैं। धारणायें, कथाएं और प्रतीक, दुनिया भर की जटिल और अनदेखी घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते वाले मानव संचार का एकीकृत संश्लेषण बन गए हैं। रचनात्मक कल्पनाओं के साथ-साथ अनौपचारिक विवरण दिमाग और विश्वास से उत्पन्न होते हैं, जिन पर वह काम करता है। इन कल्पनाओं का मतलब झूठ नहीं बल्कि सीमित क्षमताओं वाले पुरुषों द्वारा बनाये गये वातावरण का चित्रण है। जनमत के विश्लेषण में कार्यवाही के दृश्य, उस दृश्य के मानवीय चित्र और चित्र के प्रति मानवीय प्रतिक्रिया के बीच त्रिकोणी संबंध को समझना चाहिए, क्योंकि अक्सर जनता की राय अप्रत्यक्ष रूप से काल्पनिक, प्रतीकात्मक और तथ्यों की रुढ़िवादी तस्वीरों से बनती है।⁸⁹

2.7.4 प्रेस, जनमत और लोकतंत्र

लिपमैन ने लोगों की तथ्यों तक मुफ्त पहुंच को प्रतिबंधित करने वाले कई कारकों की पहचान की और इस प्रकार उनके दिमाग बनने वाली तस्वीरों की सटीकता पर प्रश्नचिह्न लगाया। उन्होंने मीडिया से जुड़ी चौथी संपत्ति की धारणा को चुनौती दी जो यह दावा करती है कि मीडिया राजनीतिक प्रतिष्ठानों के प्रहरी के रूप में कार्य करता है और जनता की सच्चाई प्रदान करने का साधन है। लिपमैन ने तर्क दिया है कि मीडिया सक्रिय रूप से उन कार्यों को अनुकूल बनाता है जिन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनमत के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।⁹⁰ पब्लिक ओपिनियन में लिपमैन का यह सबसे प्रभावशाली योगदान था, जहाँ प्रेस के अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र पर उनके विचार अपने समय से उल्लेखनीय रूप से आगे थे। लिपमैन के अनुसार प्रेस से उम्मीद की जाती है कि वह दुनिया की एक सच्ची तस्वीर पेश करे जिसमें लोग रुचि

⁸⁷ Adler, R. B., Rodman, G. R., & Cropley, C. (2006). *Understanding human communication* (Vol. 10). New York NY: Oxford University Press.

⁸⁸ Habermas, J. (1990). *Citizenship and national identity* (pp. 491-515).

⁸⁹ Lippmann, W. (1922). *The world outside and the pictures in our heads*. Public opinion, 4, 1-22.

⁹⁰ Arendt, H., Benhabib, S., Bohman, J., Dewey, J., Elster, J., Fraser, N., ... & Lippmann, W. (2010). *The idea of the public sphere: A reader*. Lexington Books.

रखते हैं, लेकिन सेंसरशिप और गोपनीयता के कारण सच्चाई को उसके स्रोत पर रोक दिया जाता है, जिससे जनता और घटनाओं के बाच बाधा उत्पन्न होती है। ये प्रतिबंध भौतिक और सामाजिक बाधाएं, एकाधिकार, कम आय और विचारों के प्रसार को सीमित करने में रुचि कमी आदि हो सकते हैं।⁹¹ भाषा भी एक अवरोधक कारक बन जाती है, क्योंकि शब्द अलग-अलग मानसिक छवियों को ग्रहण करते हैं और अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग अर्थ रखते हैं। भाषायी बाधाओं के अलावा समय की कमी, थकान, भावनात्मक संघर्ष और शहरी जीवन के विकर्षण भी तथ्यों तक पहुंच को सीमित करते हैं। तथ्यों की अस्पष्टता और जटिलता इन सीमाओं के अलावा व्यावहारिक विचारों के लिए भ्रामक कल्पनाओं को प्रतिस्थित करती है, जिससे स्पष्टता और धारणा का न्याय विफल होता है।⁹² लिपमैन ने जनमत के लोकतांत्रिक सिद्धांत को उसके पारंपरिक और संशोधित रूपों में चित्रित किया है। उन्होंने बताया है कि आत्मचिंतन, समुदाय, दुनिया की स्थिर तस्वीरों और समझदार सरकार के अभाव में एक अहंकारी राय को एक सामाजिक निर्णय में बदलने की खामी के कारण लोकतंत्र को नुकसान होता है। लिपमैन बताते हैं कि निर्भरता और आशा के बावजूद प्रेस प्रतिनिधि सरकार में व्यक्ति के लिए आवश्यक सत्य और संप्रभु क्षमता का सहज ज्ञान प्रदान नहीं करेगा। लिपमैन ने आधुनिक समाज में और अधिक परेशान करने वाला पाया कि नीति के खिलाफ सार्वजनिक आक्रोश को नियंत्रित करने के लिए प्रेस को सरकारी व्यावसायिक हितों द्वारा तेरी से बदला जा रहा है। आर्थिक ताकतों द्वारा प्रदर्शित संरचनात्मक सीमाओं के अलावा, मीडिया सामग्री का उत्पादन काफी हद तक उपभोक्ता बाजार पर निर्भर करता है, जहां विज्ञापनदाता जो पूरक या कुछ मामलों में पाठकों द्वारा प्रदान किए गए वित्तीय लाभ को प्रतिस्थापित करते हैं। विज्ञापनदाताओं के पास कुछ मामलों में सामग्री पर वीटो शक्ति होती है, यदि यह सामग्री उस बाजार को खतरे में डालती है जिसे विज्ञापनदाता बेच रहे हैं। इसके विपरीत सरकारें प्रतीकों में हेरफेर करके मीडिया के माध्यम से सहमति का निर्माण करती हैं, जो क्रमिक रूप से हमारी भावनाओं और वफादारी से बदलाव देती हैं।⁹³ यहाँ लिपमैन की एक अपरिष्कृत व्यवहारवादी अवधारणा पर निर्भर करता है, जिसमें मानवीय वैज्ञानिक अनुशासन के तहत भावनाओं को जगाया जाता है और फिर वैकल्पिक लक्ष्यों पर स्थानांतरित किया जाता है। इस प्रकार आतंकवादी अत्याचारों की छवियों को दिखाने की प्रवृत्ति हो सकती है और फिर चिंता और आक्रोश की भावनाओं को सुरक्षा और निगरानी के विचारों पर स्थानांतरित किया जा सकता है, जो क्रमिक रूप से प्रतिबंधात्मक कानून पारित करने या रुढ़िवादी चुनाव जीतने के लिए उपयोग किया जा सकता है। प्रतिनिधि सरकार, व्यापार और प्रेस की समस्याओं का स्रोत समान रूप में ज्ञान की एक मशीनरी का आविष्कार, निर्माण और आयोजन करके, अपने आकस्मिक अनुभवों और पूर्वग्रहों को पार करने में संप्रभु व्यक्तियों की विफलता है। लिपमैन प्रेस की सीमाओं के लिए एक उपाय के रूप में खुफिया की एक अलग प्रणाली का प्रस्ताव करते हैं जो एक विश्लेषण और

⁹¹ Lippmann, W. (2017). Public opinion. Routledge.

⁹² Carey, J. (1995). The press, public opinion, and public discourse. Public opinion and the communication of consent, 373-402.

⁹³ Lippmann, W. (1991). The method of freedom. Transaction Publishers.

रिकॉर्ड प्रणाली पर आधारित एक सामाजिक संगठन है। लिपमैन का प्रस्ताव है कि विशेषज्ञ रिपोर्टिंग और ज्ञान संगठन की पुनः शिक्षा, समर्थित उद्देश्य रणनीतियों के साथ, हमारे सार्वजनिक विचारों को वातावरण के साथ सामंजस्य में लाने की सुविधा प्रदान करेगी⁹⁴

2.8 डेनिस मैकक्वेल

मैकक्वेल अग्रणी लेखक और प्रभावशाली संचार सिद्धांतकारों में से एक थे जिन्होंने संचार सैद्धांत की चर्चा के लिए महत्वपूर्ण सैद्धांतिक आधार प्रदान किया है। उनके द्वारा प्रतिपादित मीडिया सिद्धांत विभिन्न धारणाओं या मान्यताओं पर आधारित है, जिसमें उदारवादियों और रूढ़िवादियों के बीच स्पष्ट अंतर शामिल है।⁹⁵ मीडिया सिद्धांत आमतौर पर उदारवादियों के मीडिया के बारे में वामपंथी दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं, जो वैश्विक पूंजीवादी ताकतों और राज्य निगमों की आलोचना करते हैं, जो मीडिया को अपने वांछित लाभ के लिए प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर रूढ़िवादी इसे 'उदारवादी पूर्वाग्रह' या 'वामपंथी पूर्वाग्रह' के रूप में दावार करते हैं।⁹⁶ मीडिया पारंपरिक रूप से समाचार मूल्यों को नुकसान पहुंचा रहा है। वैकल्पिक रूप से कहें तो मीडिया पर वामपंथी सिद्धांत राज्य या निजी स्वामित्व के खिलाफ मीडिया स्वायत्तता के संरक्षण की वकालत करते हैं, जिसका रूढ़िवादियों द्वारा खंडन किया जाता है।⁹⁷ पॉल लाजर्सफिल्ड ने आलोचनात्मक और प्रशासनिक दृष्टिकोण के बीच एक और विरोधाभासी संदर्भ का अवलोकन किया है।⁹⁸ यहां अंतर के बिंदु में मीडिया का राजनीतिक संदर्भ शामिल नहीं है, बल्कि उन दो तुलनात्मक दृष्टिकोणों को उजागर करना है जिनके साथ मीडिया के वास्तविक अभ्यास का आकलन किया जाता है। इस प्रकार आलोचनात्मक सिद्धांत अंततः मीडिया के कार्यकलापों के भीतर परिचालनगत कमियों का पता लगाने या उन्हें उजागर करने में मदद करता है और उन्हें बड़ी सामाजिक समस्याओं से अलग करता है। दूसरी ओर प्रशासनिक या अनुप्रयुक्त सिद्धांतों का उद्देश्य जनसंचार की वास्तविक प्रक्रिया की समझ विकसित करना है, इसके अलावा अवधारणा को और विकसित किए बिना मीडिया की समस्याओं को स्वयं खोजना और हल करना है, जिसका एकमात्र उद्देश्य जन संचार की उपयोगिता का प्रयोग करना है।⁹⁹ इसके अलावा मीडिया सिद्धांत में विवाद के दो अतिरिक्त बिंदु भी हैं, जैसा कि प्रतिपादित किया गया है पहला मीडिया-केंद्रित और समाज-केंद्रित दृष्टिकोण के बीच का अंतर और दूसरा भौतिकतावादी और सांस्कृतिक दृष्टिकोण। मीडिया-केंद्रित दृष्टिकोण के अनुसार जैसा कि नाम से ही संकेत मिलता है, मीडिया की स्वतंत्रता के अलावा मीडिया के अंदर ही

⁹⁴ Lippmann, W. (1965). Public opinion. 1922. URL: https://monoskop.org/images/b/bf/Lippman_Walter_Public_Opinion.pdf

⁹⁵ Laughey, D. (2007). Key themes in media theory. McGraw-Hill Education (UK).

⁹⁶ Entman, R. M. (2007). Framing bias: Media in the distribution of power. *Journal of communication*, 57(1), 163-173.

⁹⁷ Bennett, W. L. (1990). Toward a theory of press-state relations in the United States. *Journal of communication*, 40(2), 103-127.

⁹⁸ Lazarsfeld, P. F. (1941). Remarks on administrative and critical communications research. *Zeitschrift für Sozialforschung*, 9(1), 2-16.

⁹⁹ Signitzer, B., & Prexl, A. (2007). Corporate sustainability communications: Aspects of theory and professionalization. *Journal of Public Relations Research*, 20(1), 1-19.

मीडिया की गतिविधि पर जोर दिया जाता है। यह जनसंचार माध्यमों को तकनीकी प्रगति द्वारा संचालित सामाजिक परिवर्तन के प्राथमिक एजेंट के रूप में प्रस्तुत करता है। दूसरी ओर समाज केंद्रित-दृष्टिकोण मीडिया को एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता और सामाजिक संरचना के प्रमुख घटक के रूप में दर्शाता है, जो सीधे राजनीतिक और आर्थिक कारकों से प्रभावित होता है। इसलिए मीडिया सिद्धांत समाज-केंद्रित दृष्टिकोण से उभरते हैं, मुख्य रूप से सामाजिक प्रासांगिकता के साथ उन्मुख सिद्धांत।¹⁰⁰ मैकक्वेल ने भौतिकवादी दृष्टिकोण और सांस्कृतिक दृष्टिकोण के बीच अंतर को बढ़ावा दिया, उन्होंने कहा है कि भौतिकवादी दृष्टिकोण मुख्य रूप से भौतिक कारकों और ताकतों पर जोर देता है, जबकि सांस्कृतिक दृष्टिकोण सांस्कृतिक क्षेत्र और विचारों को मीडिया के साथ तालमेल और प्रभावित करने पर केंद्रित है। विभाजन को कुछ अन्य दृष्टिकोणों के साथ भी पहचाना जाता है। उदाहरण के लिए मानवतावादी बनाम वैज्ञानिक, गुणात्मक बनाम गणनात्मक और व्यक्तिपरक बनाम उद्देश्यपरक। मीडिया, समाज-केंद्रित और भौतिकवादी-सांस्कृतिकवादी दृष्टिकोण की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वे परस्पर स्वतंत्र नहीं हैं, क्योंकि मीडिया सिद्धांतों पर चार अलग-अलग कोण यहाँ देखे जा सकते हैं।¹⁰¹ उपरोक्त चर्चा को ध्यान में रखते हुये यह उल्लेखनीय है कि दृष्टिकोण की श्रेणीयां परस्पर अलग नहीं हैं इसे अलग-अलग शब्दों में कहें तो लगभग सभी सिद्धांत मीडिया-समाज-राजनीति से संबंधित एक से अधिक श्रेणी में आते हैं। उदाहरण के लिए- मीडिया के सांस्कृतिक दृष्टिकोण में दर्शकों के दृष्टिकोण से मीडिया का ध्यान शामिल होता है, जो विविध मीडिया संस्कृतियों से प्रभावित हो सकता है या नहीं भी हो सकता है और उस दर्शक के विषय-विशिष्ट अनुभव का पता लगाता है जो मीडिया को उन्मुख करता है। उदाहरण के लिए- कार्यक्रम देखने के बाद एक वास्तविकता की दर्शकों की धारणा, जबकि मीडिया भौतिकवादी परिप्रेक्ष्य के मामले में यह उपभोग और उत्पादन के बड़े सामाजिक संबंधों के अलावा मीडिया प्रकृति और माध्यम के सामग्री उत्पादन पर इसके प्रभाव के संदर्भ में तकनीकी प्रगति की खोज करने के बारे में है।

तीसरा, सामाजिक सांस्कृतिक दृष्टिकोण मूल रूप से मीडिया को सामाजिक दृष्टिकोण से अनिवार्य रूप से जोड़ता है। सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण पारस्परिक संपर्क और प्रभावों के संदर्भ में समाज और व्यक्ति के लिए मीडिया की प्रासांगिकता पर जोर देता है। इस दृष्टिकोण के अनुसार सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों से सीधे जुड़ा हुआ माना जाता है। अंत में सामाजिक-भौतिकवादी परिप्रेक्ष्य में जहाँ मीडिया सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण के मुकाबले आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों से अधिक सीधे से जुड़ा हुआ है।¹⁰² यह स्वामित्व और नियंत्रण से संबंधित मुद्दे के संदर्भ में मीडिया को शामिल करता है और यह मानता है कि मीडिया वाहनों द्वारा प्रसारित समाज में प्रमुख वैचारिक आख्यान विकसित करने में ये प्रमुख निर्धारक हैं। व्यापक मीडिया अवधारणा में वामपंथी बनाम रूढ़िवादी

¹⁰⁰ Golding, P., & Murdock, G. (1978). Theories of communication and theories of society. *Communication Research*, 5(3), 339-356.

¹⁰¹ McQuail, D. (2010). *McQuail's mass communication theory*. Sage publications.

¹⁰² Gurevitch, M., Bennett, T., Curran, J., & Woollacott, J. (Eds.). (1982). *Culture, society and the media* (Vol. 759). London: Methuen.

दृष्टिकोण भी शामिल है, गंभीर बनाम प्रशासनिक या व्यावहारिक दृष्टिकोण, मीडिया-केंद्रित बनाम समाज-केंद्रित दृष्टिकोण और भौतिकतावादी बनाम सांस्कृतिक दृष्टिकोण। मीडिया की समझ वामपंथी, आलोचनात्मक, समाज-केंद्रित, सांस्कृतिक दृष्टिकोण के संदर्भ में या इसके उन्मुखीकरण को रेखांकित करती है। इसलिए विशेष चरणों में मीडिया क्षेत्र मीडिया से संबंधित सिद्धांतों के प्रति सामाजिक-सांस्कृतिक और सामाजिक-भौतिकवादी दृष्टिकोण का वर्णन करता है। वैकल्पिक शब्दों में यह उन मीडिया सिद्धांतों को ध्यान में रखता है जो सामाजिक घटनाओं को शामिल करते हैं।¹⁰³ आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य से तात्पर्य किसी चीज की तर्कसंगतता पर सवाल उठाना है। इसी तरह इस अध्ययन का उद्देश्य यह उजागर करना है कि मीडिया घरानों में समाचार कैसे निर्मित होते हैं, जो मतदाताओं पर प्रभाव डालते हैं। फ्रैंकफर्ट स्कूल ऑफ थॉट के प्रमुख विचारक हैबरमास पहले व्यक्ति थे जिन्होंने पूंजीवादी समाज की आलोचना करने के उद्देश्य से समाजशास्त्र में आलोचनात्मक सिद्धांतों को पेश किया है। मैकक्वेल मीडिया में निजीकरण की हानिकारक भूमिका और समाचार उत्पादन और प्रसार पर इसके परिणामी प्रभाव पर अफसोस जताते हैं।¹⁰⁴ वह मीडिया को एक सामाजिक संस्था के रूप में देखते हैं, न कि केवल बाजार के एक हिस्से के रूप में। दूसरे शब्दों में मीडिया जैसे अन्य सामाजिक संस्थान (जैसे-परिवार और लिंग) की समाज में भूमिकाएं और कार्य होते हैं और यह बाजार की मांग और आपूर्ति तंत्र का जवाब नहीं देता है। उनके लिए मीडिया केवल एक तकनीकी इकाई नहीं है बल्कि एक महत्वपूर्ण संस्था है जो सामाजिक परिवर्तन में प्रमुख भूमिका निभाती है।¹⁰⁵ सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण पारस्परिक बातचीत और सामग्री के संदर्भ में समाज या व्यक्ति के साथ मीडिया के संबंधों का अध्ययन करने का प्रयास करती है।¹⁰⁶ यद्यपि बाद में केवल सामाजिक-भौतिकवादी परिप्रेक्ष्य (मीडिया स्वामित्व और नियंत्रण से संबंधित विषय) का अध्ययन किया गया था। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य चुनावी राजनीति में मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करना था। मीडिया के चुनाव-केंद्रित दृष्टिकोण को संप्रेषित करने और प्रभावित करने की मीडिया रणनीति और यह सामाजिक-सांस्कृतिक और सामाजिक-भौतिकवादी दृष्टिकोण से कैसे संबंधित है, इसका अध्ययन किया गया।¹⁰⁷

¹⁰³ Gurevitch, M., Bennett, T., Curran, J., & Woollacott, J. (Eds.). (1982). *Culture, society and the media* (Vol. 759). London: Methuen.

¹⁰⁴ Geuss, R. (1981). *The idea of a critical theory: Habermas and the Frankfurt School*. Cambridge University Press.

¹⁰⁵ Splichal, S. (1999). Ownership regulation and socialisation: Rethinking the principles of democratic media. *Javnost-The Public*, 6(2), 5-24.

¹⁰⁶ Kellner, D. (2003). *Media culture: Cultural studies, identity and politics between the modern and the post-modern*. Routledge.

¹⁰⁷ Kellner, D. (1997). *CULTURE AND MEDIA. Sociology After Postmodernism*, 138.

2.9 जुर्गन हैबरमास

प्रसिद्ध विचारक जुर्गन हैबरमास ने मीडिया राज्य, समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संबंधों को समझने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के सिद्धांत को प्रतिपादित किया है।¹⁰⁸ सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र में उनके सार्वजनिक क्षेत्र पर किए गए कार्य को उनका सबसे बड़ा योगदान माना जाता है।

2.9.1 सार्वजनिक क्षेत्र, अवधारणा और परिभाषा

उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र को 'हमारे सामाजिक जीवन का एक क्षेत्र' के रूप में परिभाषित किया है, जिसमें जनता की राय के अनुरूप कुछ बनाया जा सकता है।¹⁰⁹ इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि सार्वजनिक क्षेत्र सामाजिक अस्तित्व का अभिन्न अंग है जो जनमत को आकार देने में योगदान देता है।¹¹⁰ 1962 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'सार्वजनिक क्षेत्र के संरचनात्मक परिवर्तन' में हैबरमास सार्वजनिक क्षेत्र के उन तत्वों पर विचार करते हैं जो इसमें शामिल नहीं होते हैं और इस प्रक्रिया में वे उन कारकों को समझने की कोशिश करते हैं जो सार्वजनिक क्षेत्र की परिभाषा और कार्यप्रणाली में शामिल नहीं होते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र का अर्थ व्यक्तियों के किसी समूह के रूप में सार्वजनिक नहीं है, यह सिर्फ भीड़ नहीं है।¹¹¹ इसके बजाय यह एक ऐसी संस्था के आगमन को संदर्भित करता है जो केवल लोगों की भागीदारी के माध्यम से कार्य करती है। यहाँ भागीदारी शब्द महत्वपूर्ण है क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र में लोगों के जुड़ाव का एक रचनात्मक और पुनरुत्पादन कार्य शामिल है, न कि केवल व्यक्तियों का एक संयोजन। "निजी व्यक्तियों" की बैठक "एक सार्वजनिक निकाय का गठन करने के लिए"¹¹² की भागीदारी का महत्व "सभी नागरिकों के लिए समान रूप से मुफ्त पहुँच" वाक्य द्वारा उदाहरण दिया गया है।¹¹³ इस प्रकार सार्वजनिक क्षेत्र के निर्माण के लिए पूर्वापेक्षा के रूप में पूर्ण पहुँच और लोगों की भागीदारी की आवश्यकता होती है। सार्वजनिक क्षेत्र वह जगह है जहाँ निजी व्यक्ति एक सार्वजनिक निकाय बनाने के लिए एकत्रित होते हैं और उनके द्वारा बातचीत से सार्वजनिक क्षेत्र का निर्माण होता है। ऐसी सभा में वे न तो व्यवसाय करने वाले या निजी मामलों को करने वाले पेशेवर व्यक्तियों की तरह व्यवहार करते हैं और न ही किसी राज्य की नौकरशाही के कानूनी दायित्वों के अधीन संवैधानिक आदेश को निष्पादित करने वाले सदस्यों की तरह।¹¹⁴ नागरिकों का व्यवहार पेशेवर प्रोटोकॉल द्वारा अधिक अनौपचारिक और अप्रतिबंधित लगता है, जब वे सार्वजनिक निकाय का हिस्सा होते हैं। यह स्वतंत्रता की गारंटी के तहत संभव है, जिसमें

¹⁰⁸ Geuss, R. (1981). *The idea of a critical theory: Habermas and the Frankfurt School*. Cambridge University Press.

¹⁰⁹ Habermas, J. (1974). On social identity. *Telos*, 1974(19), 91-103.

¹¹⁰ Kellner, D. (2014). Habermas, the public sphere, and democracy. In *Re-imagining public space* (pp. 19-43). Palgrave Macmillan, New York. Ibid

¹¹¹ Fraser, N. (1990). Rethinking the public sphere: A contribution to the critique of actually existing democracy. *Social Text*, (25/26), 56-80.

¹¹² Durham, M. G., & Kellner, D. M. (2006). *Media and Cultural Studies*. Revised Edition. UK: Blackwell Publishing.

¹¹³ Calhoun, C. J. (Ed.). (1992). *Habermas and the public sphere*. MIT press.

¹¹⁴ Kumar, K. (1997). *Public and private in thought and practice: Perspectives on a grand dichotomy*. University of Chicago Press.

विधानसभा और संघ के लिए स्वतंत्रता होती है और मानव रुचि के मामलों के संबंध में राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है।¹¹⁵ हैबरमास ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक अवधारणा महत्वपूर्ण वैचारिक तत्वों द्वारा गठित की गयी है, जो प्रमुख लोकतांत्रिक सामाजिक कल्याणकारी राज्य में वास्तविकताओं में परिवर्तित हो सकती है या नहीं भी हो सकती है।

2.9.2 सार्वजनिक क्षेत्र: संरचनात्मक संरचना

सार्वजनिक क्षेत्र की इमारत केंद्र और परिधि के तर्क के आधार पर बनती है। यहां केंद्र में राज्य का जिक्र करते हुए राजनीतिक व्यवस्था टिकी हुई है, जिसमें संसद, सरकारी अदालतें और प्रशासनिक एजेंसियां आदि जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं शामिल हैं। यहां पर संस्था का “विचार-विमर्श का क्षेत्र” होता है।¹¹⁶ इन विभिन्न प्रकार के संस्थागत विचार-विमर्शों द्वारा कानून से लेकर नीति निर्माण और संकल्पों से लेकर प्रशासनिक निर्णय लेने तक की अपनी क्षमता में अपने कार्यों का प्रदर्शन करते हैं। परिधि पर संदेशों का प्रवाह होता है, जिसमें मीडिया रिपोर्ट और शैक्षिक, मनोरंजन या विवादास्पद सामग्री से संबंधित छवियों के साथ समाचार शामिल हैं। राजनीतिक व्यवस्था की शुरुआत में सार्वजनिक क्षेत्र सूचना प्रवाह के अनियंत्रित ज्वार के लिए नेटवर्क में अंतर्निहित हैं, जिसमें समाचार रिपोर्ट, वार्ता, टिप्पणियों के दृश्य और चित्र और शो और फिल्में सूचनात्मक, विवादात्मक शैक्षिक या मनोरंजक सामग्री के साथ शामिल हैं।¹¹⁷ इस संदर्भ में हैबरमास ने राजनेताओं की दो श्रेणियों की पहचान की है अर्थात् मीडिया पेशेवर, विशेषकर पत्रकार जो समाचार रिपोर्टों और टिप्पणियों को संपादित करते हैं और राजनेता, जिनके बिना कोई भी राजनीतिक सार्वजनिक क्षेत्र काम नहीं कर सकता है। दोनों राजनीतिक व्यवस्था में केंद्रीय स्थान पर रहने वाले जनमत के सह-लेखक और पते दोनों हैं।¹¹⁸ परिधि पर मीडिया में पत्रकारों के अलावा पांच अन्य राजनेता हैं जो राज्य के मूल प्रतीक हैं, जो सार्वजनिक क्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, वे विभिन्न क्षेत्रों के नैतिक उद्यमियों और बुद्धिजीवियों के पैरवी करने वाले वकील हैं। पैरवी करने वाले “विशेष रुचि समूहों के रूप में कार्य करते हुये” या तो सामान्य हित समूहों के रूप में कार्य करते हैं या परित्यक्त या हाशिये पर पड़े समूहों के लिए प्रॉक्सी खिलाड़ी के रूप में कार्य करते हैं, जो विशेषज्ञ पेशेवर या वैज्ञानिक क्षेत्रों से संबंधित हैं। नैतिक उद्यमी ज्यादा उपेक्षित हैं, लेकिन महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए जनजागरुकता अभियानों में संलग्न हैं। ऐसे बुद्धिजीवी जो समान रूप से अधिवक्ताओं या नैतिक उद्यमियों के रूप में कार्य करते हैं वे कुछ क्षेत्र (जैसे- विचारकों, लेखकों या शिक्षाविदों के रूप में) में व्यक्तिगत मान्यता प्राप्त नहीं करते हैं और जो सामान्य कारणों का समर्थन करने के स्पष्ट इरादे से जानबूझकर सार्वजनिक भाषणों में

¹¹⁵ Habermas, J. (1974). On social identity. *Telos*, 1974(19), 91-103.

¹¹⁶ Habermas, J. (1994). Three normative models of democracy. *Constellations*, 1(1), 1-10.

¹¹⁷ Habermas, J. (1996). Civil society and the political public sphere. *Between facts and norms*, 329-387.

¹¹⁸ Habermas, J. (2006). Political communication in media society: Does democracy still enjoy an epistemic dimension? The impact of normative theory on empirical research. *Communication theory*, 16(4), 411-426.

विशेषज्ञों और पैरवीकारों से अलग हैं।¹¹⁹ हालांकि राज्य और सार्वजनिक क्षेत्र को एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जाता है। हैबरमास ने इस क्षेत्र को सार्वजनिक के रूप में रेखांकित किया है जिसे गैर-सरकारी भागीदारी के साथ राय बनाने के क्षेत्र में निजी रूप से मान्यता प्राप्त है।¹²⁰

2.9.3 सार्वजनिक क्षेत्र: उद्भव और विकास

हैबरमास का सार्वजनिक क्षेत्र का सिद्धांत 18वीं शताब्दी के यूरोपीय पूंजीवादी समाज में निहित है। इतिहास के उस दौर में सार्वजनिक क्षेत्र “राजनेताओं की गुप्त तानाशाही नीतियों” की प्रक्रिया में विकसित हुआ है।¹²¹ फ्रैंकफर्ट स्कूल की दूसरी पीढ़ी के सदस्य हैबरमास ने 1950 के दशक में फ्रैंकफर्ट ने जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में होर्खाइमर और एडोर्नो के साथ अध्ययन करने के बाद यह जांच की, कि कैसे एक नया सार्वजनिक क्षेत्र ज्ञानोदय के समय और अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांतियों के दौरान फांसीवाद के खिलाफ धर्मयुद्ध के रूप में उभरा और कैसे इसने पुनर्जागरण के हिस्से के रूप में राजनीतिक चर्चा और बहस की संस्कृति विकसित की। हैबरमास की सार्वजनिक क्षेत्र की अवधारणा और कार्यस्थल (निजी हितों की सेवा करता है) और राज्य के निजी और सार्वजनिक डोमेन के बीच मध्यस्थता करता है। यह मध्यस्थता अक्सर सत्ता और वर्चस्व के माध्यम से मनमानी नियंत्रण तंत्र के समानांतर होती है। हैबरमास के अनुसार, संपत्तिजीवी सार्वजनिक क्षेत्र का गठन सार्वजनिक सभा के साथ किया गया था, ये सभाएं कॉफी हाउस, पब, साहित्यिक सैलून और इसी तरह की स्वैच्छिक लोगों की बैठकें होती थीं, जहाँ नागरिक अपने सामान्य मुद्दों या सार्वजनिक मामलों पर चर्चा करने के लिए एकत्रित होते थे और सामाजिक तथा दमनकारी रूपों का जवाब देने की कोशिश करते थे। सार्वजनिक क्षेत्र का विकास इन सामाजिक सभाओं में हुआ, जब अखबारों, पत्रिकाओं, पैम्पलेट या किताबों को पब और कॉफी हाउस जैसे आम स्थानों पर पढ़ा और चर्चा की जाती थी। जनमत “पब्लिक ओपिनियन”¹²² के रूप में सार्वजनिक क्षेत्र से उभरा, जो सामान्य “राय” की तरह नहीं है। यह राय मूल्यों, नियामक दृष्टिकोण और सामूहिक प्रथाओं में निजी सार्वजनिक क्षेत्र के विकास से पहली भी अस्तित्व में थी। हालांकि, इस धारणा के कारण सार्वजनिक तर्क ने राय बनाई, जो सामान्य अर्थों में राय के विपरीत है। राजनीतिक शक्ति के अभ्यास से संबंधित सार्वजनिक इरादे और संस्थागत रूप में गारंटीकृत संक्रमणकालीन दोनों हैं। इस तरह की चर्चाएँ, प्रगतिशील पूंजीपति समाज के विशिष्ट चरण में चलती है और धीरे-धीरे हितों के एक विशेष समूह के परिणामस्वरूप पूंजीपति संवैधानिक राज्य का रूप लेती हैं।¹²³ हालांकि हैबरमास ने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र की अवधारणा महत्वपूर्ण वैचारिक तत्वों द्वारा गठित की गई है जो प्रमुख लोकतांत्रिक

¹¹⁹ Habermas, J. (2006). Political communication in media society: Does democracy still enjoy an epistemic dimension? The impact of normative theory on empirical research. *Communication theory*, 16(4), 411-426.

¹²⁰ Durham, M. G., & Kellner, D. M. (2006). *Media and Cultural Studies*. Revised Edition. UK: Blackwell Publishing.

¹²¹ Habermas, J. (1974). On social identity. *Telos*, 1974(19), 91-103.

¹²² Durham, M. G., & Kellner, D. M. (2006). *Media and Cultural Studies*. Revised Edition. UK: Blackwell Publishing.

¹²³ Habermas, J. (1974). On social identity. *Telos*, 1974(19), 91-103.

सामाजिक कल्याणकारी राज्य में वास्तविकताओं में परिवर्तित हो सकती है या नहीं भी हो सकती है। हैबरमास द्वारा दिया गया सार्वजनिक क्षेत्र का मॉडल उदार धारणा के इर्द-गिर्द घूमता है कि तर्क और तर्क शक्ति वाले निजी व्यक्ति संयुक्त रूप से एक सार्वजनिक राय बनाने के लिए प्रकाशित और मतदान के आधार पर राजनीतिक संवाद और बहस में संलग्न होते हैं। वास्तविक परिस्थितियों में ये आवश्यकतायें संभव नहीं हैं क्योंकि जनता के पास संसाधनों तक मुफ्त पहुंच नहीं है और न ही वे सूचना के पूर्ण प्रकटीकरण के आधार पर समग्र तर्क रखने का प्रबंधन कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सामाजिक कल्याणकारी राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्भव में निजी और सार्वजनिक के बीच का दायरा फैला हुआ है। परिणामस्वरूप, राजनीतिक प्राधिकरण कमोडिटी एक्सचेंज को नियुक्त करते हैं। आर्थिक प्रभुत्व, जो राज्य को सशक्त बनाने वाली सामाजिक शक्तियों से संबंधित नहीं है, राजनीतिक गतिविधियां शुरू करता है।¹²⁴ इस प्रकार रिक्त स्थान का ऐसा प्रसार राज्य मशीनरी में निहित आर्थिक तत्वों की शुरुआत करता है और इसके विपरीत ये स्थितियां नागरिकों को सूचना तक पूर्ण पहुंच से समृद्ध लाभांश प्राप्त करने रोकती हैं क्योंकि राज्य की पूर्ण शक्ति निश्चित रूप से इससे समझौता करेगी। हैबरमास के अनुसार सार्वजनिक और निजी स्थान के मिश्रण से न केवल राजनीतिक अभिनेता, अर्थव्यवस्था और सामाजिक श्रम के क्षेत्र में कुछ कार्यों पर काम करते हैं, बल्कि सामाजिक ताकतें भी जब राजनीतिक गतिविधियों को अपनाती हैं।¹²⁵ इस धारणा से जानना महत्वपूर्ण है कि हैबरमास की “कार्यवाहियों को सार्वजनिक करने” (पब्लिजिटेट) और सार्वजनिक क्षेत्र (ओफेंटलिचकिट) की अवधारणा के बीच अंतर करना है। “पब्लिजिटेट शब्द सार्वजनिक अधिनियम से सार्वजनिक प्रभाव की तीव्रता के लिए खड़ा है। इस तरह एक स्थिति सामने आ सकती है जहां एक जनमत बनाने वाले मॉडल को बनाये रखा जाता है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के अवयवों को लंबे समय से नीचा दिखाया गया है।”¹²⁶

2.9.4 सार्वजनिक क्षेत्र का महत्व और दायरा

सार्वजनिक क्षेत्र अपने कार्यात्मक पहलू में राज्य से स्वतंत्र हैं। यह राजनीतिक संदर्भ में राज्य के हस्तक्षेप के बिना संचालित होता है। हालांकि, जनता जो राजनीतिक सार्वजनिक क्षेत्र का घटक है, सुरक्षा और अन्य संसाधनों तक पहुंच के लिए राज्य की जवाबदेही के अधीन है। इस प्रकार राज्य सार्वजनिक क्षेत्र का हिस्सा न होते हुए भी अपना अस्तित्व बनाए रखता है। नतीजन राज्य को जनता की देखभाल करने के लिए सार्वजनिक प्राधिकरण कहा जाता है न कि इसका हिस्सा होने के लिए।¹²⁷ हैबरमास का कहना था कि “यद्यपि राज्य सत्ता को राजनीतिक सार्वजनिक क्षेत्र के निष्पादन के रूप में देखा जाना चाहिए, लेकिन यह इसका हिस्सा नहीं है।” यह सुनिश्चित करने के लिए कि राज्य प्राधिकरण को आमतौर पर

¹²⁴ Habermas, J. (1994). Three normative models of democracy. *Constellations*, 1(1), 1- 10.

¹²⁵ Goode, L. (2005). Jürgen Habermas: Democracy and the public sphere. Pluto Pr.

¹²⁶ Habermas, J. (1974). On social identity. *Telos*, 1974(19), 91-103.

¹²⁷ Habermas, J. (1974). On social identity. *Telos*, 1974(19), 91-103.

“सार्वजनिक” प्राधिकरण माना जाता है, यह मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के इस पहलू से सभी नागरिकों की भालाई की देखभाल करने के अपने कार्य को प्राप्त करता है।¹²⁸

सार्वजनिक क्षेत्र खुले तौर पर विचार-विमर्श के एक तंत्र के रूप में काम करता है। लोकतंत्र के लिए प्रदर्शन और विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं और हैबरमास की धारणा है कि विचार-विमर्श प्रमुख तीन व्याख्याओं का गठन करता है। पहले उन्होंने जरूरी मुद्दों और सूचनाओं की भर्ती और स्पष्ट व्याख्या के लिए विचार-विमर्श का उल्लेख किया है। दूसरे, उन्होंने पक्ष और विपक्ष में तर्क-वितर्क के माध्यम से व्याख्याओं की जांच की है। अंत में विचार-विमर्श को तर्कसंगत रूप में निर्मित उत्तरों की पुष्टि या खंडन से संबंधित बताया है, जो सार्वजनिक क्षेत्र के तर्कों के संभावित परिणामों को निर्धारित करता है। हैबरमास के अनुसार यह स्थापित किया गया है कि राज्य के भीतर राजनीतिक प्रक्रिया में निर्णय लेने के लिए चर्चा और विचार-विमर्श के लिए जनता को जुटाना सार्वजनिक क्षेत्र का अंतिम कार्य है। सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा सुगमता से संचालित यह पूरी विचार-विमर्श प्रक्रिया राजनीतिक संगठन के कार्यों को तय करने के लिए मंच प्रदान करती है।¹²⁹ इसलिए राजनीतिक सार्वजनिक क्षेत्र का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कार्य जनता की लामबंदी और मुद्दों की विशिष्ट व्याख्या है।

सार्वजनिक क्षेत्र में प्रतिभागियों की शक्ति संरचना विभिन्न प्रोफाइलों के लिए संसाधनों तक पहुंच के विभिन्न स्तरों को निर्धारित करती है। सार्वजनिक क्षेत्र में प्रतिभागी समाज में उनकी संसाधनों तक उनकी पहुंच के अनुसार शक्ति धारण करते हैं। इसलिए सबसे पहले विभिन्न वर्गों के प्रतिभागी सार्वजनिक क्षेत्र की विशेषता बताते हैं फिर वे समाज में अपनी शक्ति के समान भाग लेते हैं। इसके अलावा प्रतिभागियों की संभावित शक्ति भिन्नताएं सार्वजनिक क्षेत्र के भीतर उत्पन्न जनमत की बहुलता को भी निर्धारित करती हैं। फिर भी शक्ति प्रतिभागियों की रिप्लेक्सिविटी (आत्म-निरीक्षण) की मात्रा के सीधे अनुपात में है।¹³⁰ शक्ति संरचना रिप्लेक्सिविटी को तब तक निर्धारित करती है जब तक कि अधिक शक्ति या संसाधनों तक अधिक पहुंच का आनंद लेने वाले प्रतिभागियों के पास एक राय की समीक्षा करने के लिए रिप्लेक्सिविटी की अधिक संभावना होगी। हैबरमास ने यह भी कहा कि प्रतिभागियों के पास उनके मौजूदा साधनों में अंतर के बावजूद जनमत को समान रूप से प्रभावित करने की क्षमता होती है। इस्टब और मैकलावर्टी कहते हैं कि प्रतिभागियों की प्रेरणा के विभिन्न स्तर सार्वजनिक क्षेत्र के विचारशील कार्य की सफलता में आवश्यक रूप में निर्णायक नहीं हैं। इसके अतिरिक्त थॉम्पसन का यह भी तर्क है कि संसाधनों तक असमान पहुंच के कारण प्रतिभागियों के प्रेरणा स्तर में भिन्नता सार्वजनिक क्षेत्र में महत्वहीन है, यदि कोई भी प्रतिभागी किसी अन्य की भागीदारी के उद्देश्य या कार्य के साथ पहचान कर

¹²⁸ Habermas, J. (1974). On social identity. *Telos*, 1974(19), 91-103.

¹²⁹ Kellner, D. (2014). Habermas, the public sphere, and democracy. In *Re-imagining public space* (pp. 19-43). Palgrave Macmillan, New York.

¹³⁰ Castells, M. (2008). The new public sphere: Global civil society, communication networks, and global governance. *The Annals of the American academy of Political and Social Science*, 616(1), 78-93.

सकता है और इसमें शामिल हो सकता है तो किसी भी प्रतिभागी का कोई अन्य तर्क शून्य रहता है। हालांकि, हैबरमास की धारणा है कि जनमत निर्माण प्रतिभागियों के साधनों की शक्ति की असमानता और रिफ्लेक्सिविटी से प्रभावित नहीं होगा, क्योंकि दोनों शक्तिशाली प्रतिभागियों या तुलनात्मक रूप से कम शक्ति वाले प्रतिभागियों में समान रूप से मीडिया और नागरिक समाज की सक्रियता शामिल होगी, जिसमें पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित होगी। इस्टब और मैकलावर्टी जोर देकर कहते हैं कि अलग-अलग सामाजिक मानकों, संभावित रूप से मजबूत लोगों को उनके धन, जातीयता या लिंग के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के विचार-विमर्श कार्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि वे पहले से ही राज्य में एक गैर-विचारशील राजनीतिक व्यवस्था के लाभों का आनंद ले रहे हैं।¹³¹

सार्वजनिक क्षेत्र के आभासी मंच से संबंधित हितधारकों का वर्गीकरण उनकी शक्ति और पूंजी के आधार पर किया गया है। मध्यस्थता संचार के हिस्से के रूप में संचालित चैनलों के माध्यम से सत्ता को सार्वजनिक प्रभाव में बदलने के अवसरों से स्तरीकरण से एक शक्ति संरचना का निर्माण होता है।¹³² हालांकि ऐसी शक्ति सार्वजनिक क्षेत्र की विशिष्टता और अजीबोगरीब रिफ्लेक्सिविटी को दी गई है जो प्रतिभागियों की समीक्षा करने की अनुमति देती है कि वे जनता की राय के रूप में क्या देख सकते हैं। जनमत के सामान्य तत्व प्रतिभागियों को निश्चित रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के प्रवचन में रणनीतिक रूप से हस्तक्षेप करने के लिए तैयार रहते हैं। इन हस्तक्षेपों के लिए साधनों के वितरण में असमानता अनिवार्य रूप से जानबूझकर जनमत के गठन को नहीं बदलती है। सार्वजनिक क्षेत्र में रणनीतिक हस्तक्षेप को मानदंडों और धारणा का पालन करना चाहिए, जब तक कि वे अक्षमता का जोखिम पैदा न करें और एक बार जब लागू नियम अंततः सही खेल का फैसला कर लेते हैं जो वांछित जनमत के गठन का वादा करता है तो शक्तिशाली अभिनेता भी संबंधित तथ्यों, मुद्दों और तर्कों को जुटाने में योगदान करने के लिए बाध्य हो जाते हैं।¹³³ नियम दो चीजों के साथ मौजूद हो सकते हैं, पहला स्वतंत्र मीडिया प्रणाली जो अपने वातावरण के भीतर से नियंत्रित होती है जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में राजनीतिक संचार को नागरिक समाज और राजनीतिक केंद्र दोनों को साथ जोड़ती है। दूसरा यह समावेशी नागरिक समाज पर अनिवार्य है कि वह नागरिकों को इसमें भाग लेने और सक्रिय रूप से संलग्न होने और सार्वजनिक भाषण का जवाब देने के लिए सशक्त बनाना चाहिए जो मूल्यों को एक ध्रुवीय प्रकार के औपनिवेशिक संचार में न करे।¹³⁴ हालांकि इन पूर्वापेक्षाओं को पूरा करना इतना आसान नहीं हो सकता है क्योंकि नागरिक समाज द्वारा जनता की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। सार्वजनिक अज्ञानता प्रवचन की चिंताओं

¹³¹ Cohen, J., & Rogers, J. (1994). Solidarity, democracy, association. In Staat und Verbände (pp. 136-159). VS Verlag für Sozialwissenschaften, Wiesbaden.

¹³² Dahlgren, P. (2001). The public sphere and the net: Structure, space, and communication. Mediated politics: Communication in the future of democracy, 33-55.

¹³³ https://www.scirp.org/pdf/OJPS20120100003_72526218.pdf

¹³⁴ Habermas, J. (2006). Political communication in media society: Does democracy still enjoy an epistemic dimension? The impact of normative theory on empirical research. Communication theory, 16(4), 411-426.

के बाद आमतौर पर अधिकांश नागरिक बड़े पैमाने पर बेखबर बने रहते हैं तथा इस प्रकार उदासीन और गैर-प्रतिभागी होते हैं।¹³⁵ नई सूचना प्रौद्योगिकी के आगमन के साथ सूचना का तेज प्रवाह राजनीतिक चेतना के निर्माण और एकत्रीकरण की सुविधा प्रदान करता है, जो पहले कभी संभव नहीं था। सूचना प्रौद्योगिकी संचालित त्वरित प्रवाह राजनीतिक समझ के साथ सार्वजनिक क्षेत्र में संभावित प्रतिभागियों के रूप में औसत नागरिकों द्वारा मीडिया के माध्यम से प्रसारित राजनीतिक समाचारों को पढ़ना, देखना, सुनना सुनिश्चित करता है।¹³⁶ यह सामाजिक भागीदारी के एक अलग स्तर पर नागरिकों के जानबूझकर और साथ ही अचेतन ठिकाने के साथ होता है। इस तरह मीडिया एक्सपोजर के माध्यम से आकस्मिक स्तर पर प्राप्त ग्रंथों, दृश्यों और संदेशों द्वारा समर्थित है कि “लोग अपने बारे में जानकारी हो सकते हैं राजनीति के बारे में व्यापक ज्ञान के बिना अपने राजनीतिक विकल्पों के बारे में तर्क नहीं कर सकते हैं।”¹³⁷

2.9.5 मीडिया और सार्वजनिक क्षेत्र

राज्य के किसी भी हस्तक्षेप के बिना सार्वजनिक क्षेत्र के उत्थान में मीडिया का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। आदर्शवादी धारणा के अनुसार, शुरू में ही मुक्त मीडिया सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण संरचनाओं में से एक है, लेकिन सामाजिक कल्याण में राज्य मीडिया उतना स्वतंत्र नहीं है, जितना हैबरमास इसे मानते हैं। इस बीच तमाम अटकलों के बावजूद यह सच है कि राज्य का मीडिया थोड़ा समझौता करने के बाद भी जनमत का सबसे बड़ा उत्प्रेरक बना हुआ है। जैसे कि पहले ही कहा जा चुका है प्रकाशित और जनमत संयुक्त रूप से केवल मीडिया के हस्तक्षेप के साथ ही जनमत का गठन करते हैं।¹³⁸ इसके अलावा मीडिया राज्य में राजनीतिक गतिविधियों से संबंधित नागरिकों की जागरूकता में बड़ी भूमिका निभा रहा है। जैसा कि हैबरमास ने रेखांकित किया है कि सार्वजनिक निकाय में इस तरह के सहभागितापूर्ण संचार शामिल होते हैं जो सूचना के प्रसार और प्राप्तकर्ताओं को किसी प्रकार के प्रभाव छोड़ने के लिए कुछ तरीकों और साधनों के माध्यम से चलते हैं। आज प्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और पुस्तकों या रेडियो, टी.वी. में संचार के विभिन्न साधन सार्वजनिक क्षेत्र के मीडिया हैं। अक्सर राजनीतिक सार्वजनिक क्षेत्र की तुलना साहित्यिक मंच से की जाती है, जहां लोग राज्य के राजनीतिक मामलों और उद्देश्यों से संबंधित सार्वजनिक चर्चा में खुद को संलग्न करते हैं।¹³⁹

¹³⁵ Friedman, B. (2003). Mediated popular constitutionalism. *Michigan Law Review*, 101(8), 2596-2636.

¹³⁶ Dalton, R. J. (2013). *Citizen politics: Public opinion and political parties in advanced industrial democracies*. Cq Press.

¹³⁷ Dalton, R. J. (2006). *Citizenship norms and political participation in America: The good news is... the bad news is wrong*. The Center for Democracy phone, 202, 687-0593.

¹³⁸ Garnham, N. (1992). *The media and the public sphere* (pp. 359-376). The MIT Press, London.

¹³⁹ Habermas, J., Lennox, S., & Lennox, F. (1974). *The public sphere: An encyclopedia article* (1964). *New German Critique*, (3), 49-55.

राजनीतिक सार्वजनिक क्षेत्र में मतदाताओं की राय बनाना मीडिया का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। मीडिया द्वारा प्रदान की गयी जानकारी सबसे बड़ा आधार है जो सार्वजनिक क्षेत्र में जनमत के गठन की सुविधा प्रदान करती है। इस प्रकार अस्तित्व में आने वाले सार्वजनिक क्षेत्र चुनाव से पहले राजनीतिक राय बनाने के केंद्र बन जाते हैं। कभी-कभी आम आवाज भ्रमित हो जाती है और जनता की राय को आकार देने वाले मध्यस्थ संदर्भ संचार के कारण फैल जाते हैं। फिर भी चुनाव पूर्व की अवधि में कोई भी स्थिति क्यों न हो, विभिन्न मीडिया सुर और लहजे मतदाताओं की राजनीतिक राय को चैनलाइज करते हैं।¹⁴⁰ मतदाताओं हेतु राजनीतिक समाचार लिखने के लिए मीडिया कर्मियों द्वारा भाषण बनाया जाता है। तीन प्रमुख अभिनेता इसमें शामिल होते हैं- पहला, केंद्रीय राजनीतिक व्यवस्था से प्रवेश करने वाले राजनेता हैं, दूसरा नियोजित और हित समूह है और तीसरा समूह बुद्धिजीवियों, धार्मिक केंद्रों और नागरिक समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले नैतिक उद्यमियों से संबंधित है जो अंततः इन भाषण में सामने आते हैं।¹⁴¹ पत्रकारों की मदद से राजनीतिक अभिनेता मतदाताओं में जनमत बनाने के लिए प्रदर्शन करते हैं। मीडिया की प्राथमिका भूमिका सार्वजनिक क्षेत्र में जनता के बीच सकारात्मक और नकारात्मक प्रतिक्रियायें उत्पन्न करना है।

हालांकि सार्वजनिक राय संयुक्त रूप से मीडिया और जनता सहित पांच अभिनेताओं (जैसी ऊपर कहा गया है) की भागीदारी के साथ प्रकाशित और मतदान राय संयुक्त रूप से बनाई गयी है। दूसरे शब्दों में कहें तो कथित प्रकाशित राय और सांख्यिकीय रूप से दर्ज की गई मतदान की जानकारी के बीच अंतर कठिन बना हुआ है। जनतम राजनीति शक्ति के अभ्यास में सीधे भूमिका नहीं निभाता है, बल्कि यह लोगों के दिमाग को प्रभावित करके मतदान के पैटर्न को आकार देने में मदद करता है।¹⁴² जनता की राय सरकार पर विपरीत प्रतिबिंब डालती है जो उत्सुकता से देखती है और साथ ही यह भी देखती है कि इसे कहां से उत्पन्न किया गया है।¹⁴³ सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिबिंबित चरित्र से तात्पर्य है कि जनता के साथ-साथ राज्य से भी नीचे और ऊपर के स्तर से निर्णयों की समीक्षा की जा सकती है। यह अपने गतिशील चरित्र के बनाए रखते हुये सार्वजनिक क्षेत्र के भीतर एक फिल्टर तंत्र के रूप में कार्य करता है। इसका गतिशील चरित्र और स्थान पूरी तरह से राज्य द्वारा कवर नहीं किया जाता है। सार्वजनिक क्षेत्र में चर्चा की गई कि विरोधाभासी राय की प्रशंसनीय व्याख्या जनता की राय के प्रतीक हैं। इस प्रकार बहुसंख्यकवादी दृष्टिकोण स्वयं को जनमत के रूप में प्रस्तुत कर सकता है और सार्वजनिक क्षेत्र में जनमत बनता है एवं इसी प्रकार विधायकों और जनता के बीच मध्यस्थता बनती है। जनमत राज्य में वैध और उचित निर्णय के

¹⁴⁰ Durham, M. G., & Kellner, D. M. (2006). Media and Cultural Studies. Revised Edition. UK: Blackwell Publishing.

¹⁴¹ Habermas, J. (2006). Political communication in media society: Does democracy still enjoy an epistemic dimension? The impact of normative theory on empirical research. Communication theory, 16(4), 411-426.

¹⁴² Burnett, G., & Jaeger, P. T. (2008). Small Worlds, Lifeworlds, and Information: The Ramifications of the Information Behaviour of Social Groups in Public Policy and the Public Sphere. Information Research: An International Electronic Journal, 13(2).

¹⁴³ Habermas, J. (2006). Political communication in media society: Does democracy still enjoy an epistemic dimension? The impact of normative theory on empirical research. Communication theory, 16(4), 411-426.

बारे में जनता की स्वीकृति का पता लगाता है जिससे यह राज्य मशीनरी और विधायकों को निर्णय लेने में सहायता करता है, जिसका अर्थ है कि राज्य कानून बनाने और निष्पादन के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र में आने वाली जनता की राय का उल्लेख कर सकता है। मतदाता जो समाचार पत्रों के नियमित पाठक हैं वे न केवल सूचना के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता हैं, बल्कि सार्वजनिक क्षेत्र में सक्रिय योगदानकर्ता भी हैं जो मीडिया द्वारा संचालित जनमत को सार्वजनिक मुद्दों पर प्रशंसनीय विकल्प प्रदान करते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में औपचारिक मतदान प्रणाली में मीडिया के महत्व का प्रतीक है जो राज्य और राजनीतिक व्यवस्था द्वारा विचार-विमर्श करने की प्रक्रिया से संबंधित जनता की राय का प्रतीक है।¹⁴⁴ एम.एम. फेरी, डब्ल्यू. ए. गैमसन, डी. रुच्ट और गेरहार्ड्स ने जनता के लिए जनमत के सार की धारणा को धारण किया और प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र में मतदान की संस्था द्वारा अंतिम उदाहरण में निर्णय लेने वालों की रक्षा की जाती है।¹⁴⁵

2.9.6 सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिकाएँ और चुनौतियाँ

जैसा कि पहले ही कहा गया है कि मीडिया की स्वतंत्रता द्वारा गारंटीकृत जनता के लिए अभिव्यक्ति और राय की स्वतंत्रता के तहत सार्वजनिक क्षेत्र कुशलता से काम कर सकते हैं। लेकिन हैबरमास के अनुसार यह ध्यान रखना आवश्यक है कि सार्वजनिक क्षेत्र के तत्व काफी हद तक आदर्श होते हैं। वास्तविकता या व्यावहारिक स्थिति में, मीडिया और जनता अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता का प्रयोग नहीं कर सकते हैं जो मीडिया की स्वतंत्रता की समझौते वाली स्थिति को इंगित करता है।¹⁴⁶ राजनीतिक व्यवस्था के साथ मीडिया घरानों की संबद्धता को देखते हुए निजी मीडिया घरानों द्वारा संपादकीय स्वतंत्रता से समझौता किया जाता है, जो राजनीतिक व्यवस्था का हिस्सा बन जाते हैं और राजनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपनी शक्ति संरचना का उपयोग करते हैं।¹⁴⁷ यह स्थिति प्रिंट के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी व्याप्त है क्योंकि उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। बड़े कॉर्पोरेट्स और समाचार पत्रों और समाचार चैनलों के मालिक अपनी राजनीतिक-आर्थिक संबंधों का उपयोग करके मीडिया राजनीतिक दलों के मुखपत्र में बदल सकते हैं। इसलिए मीडिया मालिकों की राजनीतिक रूप से उन्मुख महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जनता की राय में हेरफेर किया जा सकता है। यह आर्थिक और मीडिया अभिजात वर्ग के बीच मौजूदा संबंधों और सार्वजनिक क्षेत्र में उनके परिणामों को दर्शाता है। स्वायत्त मीडिया प्रणाली और सक्रिय नागरिक समाज के बीच प्रतिक्रिया के संबंध में, राजनीतिक सार्वजनिक क्षेत्र को उन नागरिकों से इनपुट की आवश्यकता होती है जो समाज की समस्याओं को आवाज देते हैं और जो विशिष्ट भाषणों में व्यक्त मुद्दों का जवाब देते हैं। इस तरह के फीडबैक लूप की व्यवस्थित कमी के दो

¹⁴⁴ Garnham, N. (1992). The media and the public sphere (pp. 359-376). The MIT Press, London.

¹⁴⁵ <http://links.jstor.org/sici?sici=0304-2421%28200206%2931%3A3%3C289%3AFMOTPS%3E2.0.CO%3B2-N>

¹⁴⁶ Garnham, N. (1992). The media and the public sphere (pp. 359-376). The MIT Press, London.

¹⁴⁷ Dahlgren, P. (2001). The public sphere and the net: Structure, space, and communication. Mediated politics: Communication in the future of democracy, 33-55.

प्रमुख कारण हैं। नागरिकों का सामाजिक अभाव और सांस्कृतिक बहिष्कार। मध्यस्थता संचार में चयनात्मक पहुंच और असमान, भागीदारी की व्याख्या करता है। जबकि बाजार की अनिवार्यता से सार्वजनिक क्षेत्र का उपनिवेशीकरण, समाज को एक अजीबोगरीब विरोधाभास की ओर ले जाता है।¹⁴⁸

वैकल्पिक शब्दों में सार्वजनिक क्षेत्र में समान रूप से भाग लेने वाले सभी लोगों के पास संसाधनों तक समान पहुंच नहीं होती है। इसके अतिरिक्त मध्यस्थता संचार में पहुंच और भागीदारी के संबंध में यह देखा गया है कि सार्वजनिक मामलों और राजनीतिक मीडिया के उपयोग में रुचि का सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और सामाजिक स्थिति के साथ संबंध है।¹⁴⁹ डाल्टन ने कहा है कि पिछले कुछ दशकों में 'इश्यू वोटिंग' की ओर बदलाव नया पैटर्न है जहां मीडिया के प्रकटीकरण के बढ़ते प्रभाव के कारण निर्मित "पब्लिक इश्यू" ने मतदान पर पारंपरिक सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव को कम कर दिया है।¹⁵⁰ सार्वजनिक क्षेत्र में लोगों की भागीदारी संसाधनों, सांस्कृतिक अभिविन्यास और सामाजिक स्थिति पर निर्भर करती है। दूसरे शब्दों में मानव आवास, हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र के विचार-विमर्श में बड़े पैमाने पर भागीदारी और पर्याप्त योगदान निर्धारित करते हैं, सूचना क्रांति के कारण लोग पहली की तुलना में अधिक जागरूक हो गये हैं।

2.9.7 सार्वजनिक क्षेत्र की आलोचना और सीमायें

नैन्सी फ्रेजर और हैबरमास, दो प्रमुख आलोचकों ने आपसी सहमति से यह तर्क दिया है कि "सार्वजनिक क्षेत्र एक अवधारणा के रूप में आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में पक्ष में महत्वपूर्ण सामाजिक सिद्धांत और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवहार के लिए अपरिहार्य है।" हैबरमास के मॉडल से आगे बढ़ते हुए और सार्वजनिक क्षेत्र के पूंजीवादी मॉडल के बाद के सुझाव देते हैं। नैन्सी फ्रेजर, पूंजीवादी सार्वजनिक क्षेत्र के चार कमजोर अनुमानों को पहचानती है, जिसे वह समस्याग्रस्त होने का कारण मानती हैं:

1. उन्होंने महिलाओं और पुरुषों की उपस्थिति की लापरवाही के आधार पर हैबरमास मॉडल को खारिज कर दिया है। उनके मताबिक, इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र में खुली पहुँच स्वीकार्य नहीं हो सकती है।
2. उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र में विविधता और बहुलता का दावा करने वाले समाज की स्तरीकृत प्रकृति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने हैबरमास के इस दावे की आलोचना की है कि "सार्वजनिक जीवन का व्यापक सार्वजनिक क्षेत्र में संस्थागत बंधन एक सकारात्मक और वांछनीय स्थिति है"

¹⁴⁸ Habermas, J. (2006). Political communication in media society: Does democracy still enjoy an epistemic dimension? The impact of normative theory on empirical research. *Communication theory*, 16(4), 411-426.

¹⁴⁹ Carpini, M. X. D. (2004). Mediating democratic engagement: The impact of communications on citizens' involvement in political and civic life.

¹⁵⁰ Dalton, R. J. (2006). Citizenship norms and political participation in America: The good news is... the bad news is wrong. *The Center for Democracy phone*, 202, 687-0593.

और “जनता की बहुलता का प्रसार लोकतंत्र की ओर बढ़ने के बजाय प्रस्थान का प्रतिनिधित्व करता है।”¹⁵¹

3. उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र में जनता की समान पहुंच पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा कि एक स्तरीकृत समाज के प्रमुख जनता में मातहत के विचारों पर किस हद तक जोर दिया जा सकता है? उन्होंने यह भी बताया है कि असमान भागीदारी के साथ, जनता की राय लोगों के प्रमुख समूह के निजी हितों की सेवा करने वाले आंतरिक सर्कल में जल्दी से बदलने की क्षमता रखती है।
4. उन्होंने इस धारणा की आलोचना की है कि एक कार्यात्मक लोकतांत्रित संरचना में राज्य और नागरिक को अलग करने की आवश्यकता होती है। फ्रेजर ने इस बात का समर्थन किया है कि नागरिक समाज की परिभाषा के आधार पर इस तरह के अलगाव को अपनाया जाना चाहिए या इसकी निंदा की जानी चाहिए। उनके अनुसार यदि नागरिक समाज को निजी तौर पर व्यवस्थित, पूंजावीदी अर्थव्यवस्था के रूप में परिभाषित किया जाता है तो राज्य से अलग होने पर जोर देना शास्त्रीय उदारवाद की रक्षा करना है, हालांकि जब नागरिक समाज का अर्थ गैर-सरकारी या अद्वितीयक गठजोड़ है। ऐसे संघ जो न तो आर्थिक और न ही प्रशासनिक हैं ऐसी स्थिति में दोनों को एक दूसरे से अलग करना सबसे अच्छा माना जाता है।¹⁵²

फ्रेजर ने निष्कर्ष निकाला कि एक ओर सार्वजनिक क्षेत्र की व्यापक धारणा को न केवल सामाजिक असमानता पर अंकुश लगाना चाहिये अपितु सामाजिक असमानता भी दूर करना चाहिए। दूसरी बात समसामयिक स्तरीकृत समाजों में जनता की बहुलता द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र को वैकल्पिक किया जाना चाहिए। तीसरे उन्होंने तर्क दिया कि सार्वजनिक क्षेत्र की प्रशंसनीय धारण का बहिष्कार की अनुमति नहीं देगी, बल्कि हितों और मुद्दों को शामिल करने की अनुमति देगी।

अंततः एक समावेशी सार्वजनिक क्षेत्र में निम्नवर्गीय आवाजों को विकसित करना चाहिए। फ्रेजर के अलावा हैबरमास की हाल की आलोचनाओं ने उन्हें मीडिया पारिस्थितिकीविद् कहा है। मीडिया पारिस्थितिकी “मीडिया वातावरण के अध्ययन को आत्मसात करती है और मीडिया और प्रौद्योगिकी के सामाजिक, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव पर जोर देती है।”¹⁵³ हेरोल्ड इनिस, मार्शल मैकलुहान, वाल्टर ओंग और नील पोस्टमैन के काम ने यह भी निष्कर्ष निकाला है कि मीडिया पारिस्थितिकी का विषय सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक सेटअप सहित व्यक्तियों और समाज पर मीडिया के रूपों का

¹⁵¹ Fraser, N. (1990). Rethinking the public sphere: A contribution to the critique of actually existing democracy. *Social Text*, (25/26), 56-80.

¹⁵² Fraser, N. (1990). Rethinking the public sphere: A contribution to the critique of actually existing democracy. *Social Text*, (25/26), 56-80.

¹⁵³ Barnes, S., & Strate, L. (1996). The educational implications of the computer: A media ecology critique. *Atlantic Journal of Communication*, 4(2), 180-208.

प्रभाव डालता है। मीडिया पारिस्थितिकी की विविधता, चौड़ाई और गहराई में संचार की पारिस्थितिकी के हिस्से के रूप में मीडिया द्वारा समर्थित सामाजिक और सांस्कृतिक ताना-बाना शामिल है क्योंकि इसमें इतिहास, दर्शन, नृविज्ञान, समाजशास्त्र और मनोविज्ञान शामिल है।¹⁵⁴ मीडिया पारिस्थितिकी की अवधारणा के रूप में मीडिया का वातावरण और सार्वजनिक क्षेत्रों की हैबरमास की अवधारणा कुछ महत्वपूर्ण अनिवार्यताओं को साझा करती हैं।¹⁵⁵ सार्वजनिक क्षेत्र पर हैबरमास की पुस्तक, पूंजीवादी सार्वजनिक क्षेत्र की प्रिंट संस्कृति के साथ मीडिया पारिस्थितिकी की अवधारणा के साथ जोड़ती है।¹⁵⁶ हैबरमास का पूंजीवाद सार्वजनिक क्षेत्र के मुख्य रूप से “निजी लोग जनता के रूप में एक साथ आते हैं” जिन्होंने दावा किया कि वे “खुद सार्वजनिक अधिकारियों के खिलाफ ऊपर से विनियमित हैं।”¹⁵⁷ निजी क्षेत्र को सार्वजनिक प्राधिकरण से जोड़ते हुये अठारवीं शताब्दी में सार्वजनिक क्षेत्र का गठन करने वाले तीन तत्वों ने सार्वजनिक क्षेत्र को क्लबों और प्रेस से बने ‘पत्रों की दुनिया’ के समानांतर रखा है, जिसके माध्यम से जनमत के वाहन (सार्वजनिक क्षेत्र) ने राज्य को समाज की जरूरतों के संपर्क में रखा।¹⁵⁸ अधिकांश मीडिया पारिस्थितिकीविदों ने माना है कि साक्षर और प्रिंट संस्कृति रैखिक, अलग, अमूर्त, तर्कसंगत और व्यक्तिगत राय की पुष्टि करती है जबकि प्रिंट संस्कृति व्यक्तिवाद, राष्ट्रवाद और लोकतंत्र को बढ़ावा देती है। ये सभी विशेषतायें हैबरमास के पूंजीवादी सार्वजनिक क्षेत्र को घेरती है जो मुख्य रूप से प्रेस द्वारा नागरिक समाज के नये मीडिया-निर्मित मंच के भीतर आलोचनात्मक-सहज बहस का विस्तार करते हुये बनाई गई हैं।¹⁵⁹

2.10 नोम चॉम्स्की

चॉम्स्की ‘प्रोपगेंडा’ के संबंध में समाज, राज्य और जनता के संबंध में मीडिया द्वारा निभाई गयी भूमिका को स्थापित करते हैं। उन्होंने अपने सिद्धांत को इस धारणा पर आधारित किया है कि न तो मीडिया और न ही जनता स्वतंत्र है, जबकि हैबरमास सार्वजनिक संदर्भ में मीडिया की कल्पना करते हैं। इसलिए मीडिया और जनता दोनों को एजेंसी का एक निश्चित अनुपात प्रदान करते हैं जो महत्वपूर्ण समय में समझौता किया जाता है।¹⁶⁰ चॉम्स्की का मानना है कि राजनीतिक अभिजात वर्ग के निहित स्वार्थों के लिए उपयुक्त बाजार स्थितियों के आधार पर पैतरेबाजी के कारण निर्भर हैं। राजनीतिक और आर्थिक अभिजात वर्ग के बीच मौजूदा अंतर-संबंधों के कारण, मीडिया राज्य के रूप में राजनीतिक अभिजात वर्ग

¹⁵⁴ Grosswiler, P. (2001). Jürgen Habermas: Media ecologist. In *Proceedings of the Media Ecology Association* (Vol. 2, pp. 22-31).

¹⁵⁵ Grosswiler, P. (2001). Jürgen Habermas: Media ecologist. In *Proceedings of the Media Ecology Association* (Vol. 2, pp. 22-31).

¹⁵⁶ Stevenson, N. (2004). Media, cultural citizenship and the global public sphere. *The Idea of Global Civil Society: Ethics and Politics in a Globalizing Era*, 67.

¹⁵⁷ Susen, S. (2011). Critical notes on Habermas's theory of the public sphere.

¹⁵⁸ Habermas, J. (1989). *The structural transformation of the public sphere* (T. Burger & F. Lawrence, Trans.). Cambridge: Polity. (Original work published 1962)

¹⁵⁹ Kluge, A., & Negt, O. (2016). *Public sphere and experience: Analysis of the bourgeois and proletarian public sphere*. Verso Books.

¹⁶⁰ Herman, E. S., & Chomsky, N. (2010). *Manufacturing consent: The political economy of the mass media*. Random House.

द्वारा नियंत्रित किया जाता है। हालांकि, चॉम्स्की इस धारणा के प्रति आगाह करते हैं कि मॉडल राज्य में सभी स्तरों पर जनता की समग्र भागीदारी की निंदा नहीं की जाती है। यह कहते हुए कि स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर अभिजात वर्ग के खिलाफ सार्वजनिक वर्चस्व की संभावना बनी हुई है।¹⁶¹ चॉम्स्की की समकालीन राजनीति में मीडिया की निष्पक्षता पर संदेह है और इसे हमारे समाज की प्रकृति और लोकतंत्र से जोड़कर दो तरह से लोकतंत्र की अवधारणा प्रस्तुत करते हैं। एक प्रकार जिसमें खुली और मुक्त सूचना के माध्यम से लोगों के अनुकूल दृष्टिकोण का निर्माण होता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से ऐसा सामाजिक ढांचा शायद ही कभी स्पष्ट होता है। इसलिए उन्होंने वैकल्पिक लोकतंत्र का उल्लेख किया है जहां मीडिया के साधन बंदी है, सूचना नियंत्रित और संकुचित होती है तथा लोग अपने मामलों से निपटने के लिए स्वतंत्र नहीं है। वैकल्पिक लोकतांत्रिक मॉडल और मीडिया समारोह दुनिया भर में प्रचलित है। चॉम्स्की द्वारा दिया गया लोकतंत्र और मीडिया का यह मॉडल हैबरमास के सार्वजनिक क्षेत्र के विचार के विपरीत है।¹⁶²

2.10.1 मीडिया और फिल्टर

चॉम्स्की और एडवर्ड एस. हरमन ने अपनी पुस्तक “मैन्यूफैक्चरिंग कंसेंट: द पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ द मॉम मीडिया” में ने सबसे पहले जनसंचार माध्यमों में समाचार कवरेज पर लागू पांच संपादकीय फिल्टरों का वर्णन करते हुये प्रचार मॉडल की सिफारिश की है, जिसके माध्यम से पैसा और शक्ति फिल्टर किये गये समाचारों का निर्माण करने में सक्षम हैं। यह मॉडल हाशिए पर पड़े असंतोष को छापने के लिए उपयुक्त है और सरकार तथा निजी लोगों को उनके हितों की सेवा के लिए अपने संदेश जनता तक पहुंचाने की अनुमति देता है।¹⁶³

ये फिल्टर मीडिया, राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के बीच अंतर्संबंधों का प्रतीक हैं। पहला फिल्टर स्वामित्व और लाभ सृजन के संबंध में है। प्रमुख जन मीडिया प्रतिष्ठान व्यावसायिक संस्थानों के रूप में काम करते हैं, यानी कि बड़ी फर्मों जो लाभ के उद्देश्य से चलायी जाती हैं। इसलिए वे अपने मालिकों-अक्सर व्यावसायिक घरानों या समाचार उद्योग से निपटने वाले विभिन्न नियंत्रक निवेशकों के आर्थिक हितों की सेवा करते हैं। फर्मों का आकार अनिवार्य रूप से प्रौद्योगिकी अधिग्रहण व दर्शकों तक पहुंच का समर्थन करने के लिए शामिल पूंजी का परिणाम है। “यह फिल्टर मुख्य रूप से समाचार व्यवसाय में लगे मीडिया घरानों के निजीकरण को इंगित करता है”। दूसरा फिल्टर मीडिया के आर्थिक और राजनीतिक अभिजात वर्ग के लिए प्रचार कार्य से संबंधित विज्ञापन व्यवसाय के लाइसेंस के इर्द-गिर्द घूमता है। अधिकांश प्रमुख मीडिया प्रतिष्ठानों का राजस्व विज्ञापनों से आता है, न कि बिक्री या सदस्यता से। जहां

¹⁶¹ Herman, E. S., & Chomsky, N. (2010). *Manufacturing consent: The political economy of the mass media*. Random House.

¹⁶² McChesney, R. W., & McChesney, R. W. (1997). *Corporate media and the threat to democracy* (Vol. 1). Seven Stories Press.

¹⁶³ Edward S. Herman, & Chomsky, N. (1988). *Manufacturing consent: The political economy of the mass media*. London: Vintage.

से विज्ञापनदाता ने 'वास्तविक लाइसेंस प्राधिकरण' प्राप्त किया है।¹⁶⁴ मीडिया प्रतिष्ठानों की व्यावसायिक अनुकूलता विज्ञापनदाताओं से प्राप्त सर्म्थन पर निर्भर करती है। इस प्रकार समाचार मीडिया अपने विज्ञापनदाताओं के राजनीतिक पूर्वाग्रहों और आर्थिक हितों पर निर्भरता रखता है। इसके परिणाम स्वरूप मजदूर वर्ग की प्रेस कमजोर हुई है, जिसके कारण समाचार पत्रों की संख्या घट रही है।¹⁶⁵ तीसरा फिल्टर जन मीडिया न्यूज सोर्सिंग से निकला है। समाचार सामग्री में वस्तुनिष्ठता के मुद्दे से संबंधित संज्ञान व समाचार के लिए सूचना का स्रोत महत्वपूर्ण है। हरमन और चॉम्स्की का तर्क है कि "बड़ी नौकरशाही में शक्तिशाली व्यक्ति जन मीडिया को सब्सिडी देते हैं और समाचार प्राप्त करने तथा उत्पादन करने की मीडिया की लागत को कम करने में उनके योगदान से विशेष पहुंच प्राप्त करते हैं"।¹⁶⁶ चौथे फिल्टर में फ्लैक और एनफोर्सर्स शामिल हैं। फ्लैक मीडिया स्टेटमेंट या प्रोग्राम (जैसे-पत्र, शिकायतें, मुकदमें या विधायी कार्यवाही) के नाकारात्मक प्रचार के लिए नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को संदर्भित करता है। फ्लैक मीडिया के लिए महंगा हो सकता है या विज्ञापन राजस्व में होने वाले नुकसान के कारण या कानूनी बचाव के खर्च या सार्वजनिक छवि की रक्षा के कारण। फ्लैक को संभावित निजी दबाव समूहों (जैसे- थिंक-टैंक या बुद्धिजीवियों या राय बनाने वालों) द्वारा व्यवस्थित किया जा सकता है और आलोचना का दायरा कुछ प्रकार के तथ्यात्मक बयानों या सार्वजनिक रुख की रिपोर्टिंग को राक सकता है।¹⁶⁷ अंतिम फिल्टर को साम्यवाद विरोधी के रूप में वर्णित किया गया है। चॉम्स्की इसे "मैन्यूफैक्चरिंग कॉसेंट" पुस्तक के मूल संस्करण 1988 में शामिल किया था, लेकिन चॉम्स्की का तर्क है कि शीत युद्ध (1945-91) के अंत 'वॉर ऑफ टेरर' ने मुख्य सामाजिक नियंत्रण प्रणाली के रूप में साम्यवाद विरोधी को बदल दिया।¹⁶⁸

चॉम्स्की ने अपने अन्य विश्व प्रसिद्ध काम 'मीडिया कंट्रोल' में अमेरिकी सरकार के प्रचार कार्यों पर ध्यान केंद्रित किया है और यह बताया है कि कैसे राष्ट्रपति वुड्रो विल्सन ने प्रथम विश्व युद्ध के ठीक मध्य में राष्ट्र की विदेश नीति के बारे में नागरिकों की राय को ढाला था। यहां सबसे स्पष्ट सवाल जो दिमाग में आता है, वह यह है कि कैसे और क्यों अचानक वह अमेरिका के शांतिप्रिय लोगों को एक उन्मत्त, युद्ध-आबादी में बदल गए जो दुनिया की रक्षा के उद्देश्य से युद्ध के माध्यम से जर्मनी को नष्ट करना चाहता था। जैसा कि उन्होंने उल्लेख किया कि "विल्सन के युद्ध के विचारों को साझा करने वाले प्रगतिशील विद्वानों की लीग से थे, जिन्होंने समुदाय के अधिक बुद्धिमान सदस्यों के रूप में जाने का गर्व करते हुये युद्ध का

¹⁶⁴ Chomsky, N. (1991). Some notes on economy of derivation and representation. *Anuario del Seminario de Filología Vasca* "Julio de Urquijo", 53-82.

¹⁶⁵ Chomsky, N. (1991). Some notes on economy of derivation and representation. *Anuario del Seminario de Filología Vasca* "Julio de Urquijo", 53-82.

¹⁶⁶ Chomsky, N. (1991). Some notes on economy of derivation and representation. *Anuario del Seminario de Filología Vasca* "Julio de Urquijo", 53-82.

¹⁶⁷ Chomsky, N. (1991). Some notes on economy of derivation and representation. *Anuario del Seminario de Filología Vasca* "Julio de Urquijo", 53-82.

¹⁶⁸ Klaehn, J. (2005). *Filtering the news: Essays on Herman and Chomsky's propaganda model*. Montréal: Black Rose.

जोरदार समर्थन किया और उन्होंने एक सुनियोजित प्रचार के तहत एक अनिच्छुक आबादी को युद्ध के लिए राजी कर लिया।¹⁶⁹ यह अच्छी तरह से प्रदर्शित करता है चाहे तथ्य कुछ भी हो, राज्य प्रचार यदि बुद्धिमान, शिक्षित वर्गों द्वारा समर्थित है तो इसका बड़ा प्रभाव हो सकता है। दूसरे शब्दों में चॉम्स्की और हरमन दावा करते हैं कि मीडिया का उपयोग राज्य द्वारा जनता के लिए अनुकूल राजनीतिक प्रचार फैलाने के लिए किया जाता है। चॉम्स्की बुद्धिमान जन के घटकों के सवाल के जवाब में जवाब देते हैं कि निर्णय निर्माताओं, लेखकों, बुद्धिजीवियों और मीडिया ने इसका गठन किया है।¹⁷⁰ इसके अलावा एक अधिनायकवादी राज्य के लिए बोझ है, वह लोकतंत्र के लिए प्रचार हो, जैसा कि चॉम्स्की ने कहा था। अधिनायकवादी या सैन्य राज्य में नेता नागरिकों के सिर पर हथौड़ा रखता है और यदि वे लाइन से हटने की कोशिश करते हैं तो वह उनके सिर पर जोर से मारता है। लेकिन जैसे-जैसे समाज तेजी से स्वतंत्र होता गया 'लोकतांत्रिक' सत्तावादी शासन ने नियंत्रण खो दिया है जिसने लोगों पर कसकर पकड़ बना ली। इसलिए जन-नियंत्रण तंत्र में प्रचार पर निर्भरता ही आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका है। यहां राज्य और उसके तत्काल पदाधिकारियों का प्रतिनिधित्व करने वाला बल जन मीडिया का उपयोग अपने तर्क को स्पष्ट रूप से नागरिकों तक पहुंचाने के लिए करता है। इस तरह से, यह जनता है जो खुद को डिजाइन किये गये लोकतांत्रिक हठधर्मिता के लिए प्रस्तुत करती है क्योंकि वे उन्हें खोजने में असमर्थ रहते हैं।¹⁷¹

प्रचार मॉडल को बड़े पैमाने पर नियमितता के अनुसार देखा गया है जिसके साथ मीडिया राज्य-प्रायोजित वैचारिक क्षेत्रों पर काम करता है जो कुलीन सूचना स्रोतों पर बहुत अधिक और बिना सोचे-समझे निर्भर करता है और अभिजात वर्ग के हितों को बढ़ावा देने वाले प्रचार अभियानों में शामिल होता है। यह बताते हुये कि मीडिया ऐसा काम क्यों करता है, उन्होंने व्यवहार और प्रदर्शन के व्यवस्थित पैटर्न के अंतिम संभावित कारणों में से बुनियादी संरचनात्मक कारकों की ओर इशारा किया।¹⁷² प्रसिद्ध राजनीतिक वैज्ञानिक थॉमस फर्ग्यूसन ने यह कहते हुए जोर दिया है कि अधिकांश मीडिया “आम तौर पर बड़े लाभ-अधिकतम व्यावसायिक फर्मों द्वारा नियंत्रित होते हैं, जो जरूरी नहीं कि समाचार प्रसार को बढ़ाव दें और विश्लेषण करें जो लोकप्रिय आक्रोश को जन्म दे सकते हैं और शायद सरकार की कार्यवाही शत्रुतापूर्ण हो सकती है। सभी बड़े निवेशकों के हित में जिनमें वह स्वयं शामिल हैं”।¹⁷³ राजनीतिक वैज्ञानिक बेन पेज कहते हैं कि “सार्वजनिक चिंता की समस्या अत्यधिक गंभीर है जब दोनों पक्षों (सत्तारूढ़ और विपक्ष) और मुख्यधारा के अधिकांश मीडिया अभिनेता या कर्मी जनता की भलाई के खिलाफ समान रुख

¹⁶⁹ Chomsky, N. (2002). Media control: The spectacular achievements of propaganda (Vol. 7). Seven Stories Press.

¹⁷⁰ Chomsky, N. (1995). Necessary Illusions: Thought control in democratic societies. House of Anansi.

¹⁷¹ Mullen, A., & Klahn, J. (2010). The Herman–Chomsky Propaganda Model: A Critical Approach to Analysing Mass Media Behaviour. *Sociology Compass*, 4(4), 215-229.

¹⁷² Ernst, F. E., & Herman, G. C. (2000). Tomography of dispersive media. *The Journal of the Acoustical Society of America*, 108(1), 105-116.

¹⁷³ Ferguson, A. (1995). *Ferguson: An Essay on the History of Civil Society*. Cambridge University Press.

अपनाते हैं”।¹⁷⁴ प्रचार मॉडल बड़े पैमाने पर कुलीन जन अंतराल को प्रदर्शित करता है और साथ ही अभिजाद वर्ग और मुख्यधारा के मीडिया विश्लेषण के इस तरीके प्रति उदासीन हैं।¹⁷⁵

2.10.2 प्रोपोगेंडा मॉडल के संरचनात्मक तत्व

चॉम्स्की और हरमन मुक्त बाजार प्रणाली और मीडिया, राजनीति तथा अर्थव्यवस्था के बीच अंतर्संबंधों पर आधारित संरचनात्मक कारकों का वर्णन करते हैं। संरचनात्मक कारक की बहुत नीवें हैं जिन पर मीडिया मौजूद है और फ्रेम को आकार देता है, जिसमें मीडिया वास्तव में काम करता है। प्रचार या प्रोपोगेंडा मॉडल के महत्वपूर्ण संरचनात्मक कारक इस तथ्य से उत्पन्न होते हैं कि प्रमुख मीडिया मुख्य रूप से समाचार उत्पादन को प्रभावित करने वाली मांग और आपूर्ति की ताकतों के साथ बाजार प्रणाली में निहित है। वे लाभ कमाने वाली व्यावसायिक संस्थाएँ हैं, जिनका स्वामित्व बहुत से अमीर लोगों (अन्य प्रमुख व्यावसायिक इकाइयाँ और कंपनियाँ) के पास है और जिन्हें विज्ञापनदाताओं द्वारा भारी मात्रा में वित्त पोषित किया जाता है। ये विज्ञापनदाता अपने उत्पाद के लिए सकारात्मक छवि टाइपकास्टिंग के माध्यम से बड़े मुनाफे पर नजर रखते हैं। मीडिया भी सूचना स्रोतों और दक्षता तथा राजनीतिक विचारों दोनों रूप में सरकार और प्रमुख व्यावसायिक इकाइयों पर बहुत अधिक निर्भर करता है और अक्सर अतिव्यापी हितों के कारण, सरकारी प्रमुख मीडिया और अन्य व्यावसायिक संस्थाओं के बीच एक निश्चित हद तक एकजुटता होती है। सरकारी और बड़ी गैर-मीडिया व्यावसायिक फर्म भी अच्छी स्थिति (पर्याप्त रूप से समृद्ध) में होती हैं, जो विज्ञापन या टी.वी. लाइसेंस, मानहानि के मुकदमे और हमले के अन्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीकों के साथ मीडिया पर दबाव बनाने में समक्ष होती हैं।¹⁷⁶

ये कारक सरकार और शक्तिशाली व्यावसायिक संस्थाओं और समूहों को सूचना के प्रवाह पर शक्ति संचालित करने की बहु-स्तरीय क्षमता प्रदान करते हैं। जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है कि पांच कारक स्वामित्व, विज्ञापन, सोर्सिंग, कार्य और कम्युनिस्ट विरोधी विचारधारा है, फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं, जिसके माध्यम से जानकारी पास होनी चाहिए और यह व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से मीडिया की पसंद को बहुत प्रभावित करते हैं। प्रचार अभियान तभी होता है जब इस तरह के अभियान उन लोगों के हितों से जुड़े होते हैं, जिनके नियंत्रण में फिल्टर की कमान और प्रबंधन होता है।¹⁷⁷ प्रोपोगेंडा मॉडल कभी भी पूरी घटना का वर्णन करने या सभी शक्तिशाली मीडिया का पता लगाने और लोगों के बीच आम सहमति बनाने में पूर्ण प्रभावशीलता का वादा नहीं करता है, बल्कि यह व्यवहार और प्रदर्शन में

¹⁷⁴ Page, B. I. (1996). The mass media as political actors. PS: political science & politics, 29(1), 20-24.

¹⁷⁵ Herman, E. S. (2000). The propaganda model: A retrospective. Journalism Studies, 1(1), 101-112.

¹⁷⁶ Herman, E. S. (2000). The propaganda model: A retrospective. Journalism Studies, 1(1), 101-112.

¹⁷⁷ Buşu, O. V., Teodorescu, M., & Gifu, D. (2014). Communicational positive propaganda in democracy. International Letters of Social and Humanistic Sciences (ILSHS), 27, 82-93.

बदलाव के संकेत देता है, न कि मीडिया प्रभावों को।¹⁷⁸ यह स्पष्ट रूप से मुख्यधारा के मीडिया के अलावा अन्य मीडिया विकल्पों की उपलब्धता, जमीनी जानकारी के साधनों के स्तर और मीडिया की ईमानदारी के बारे में सार्वजनिक निंदकता को प्रचार सेवा में मीडिया की प्रभावशीलता पर महत्वपूर्ण सीमा के रूप में दर्शाता है और इन उपलब्ध विकल्पों के समर्थन और उग्र आवेदन के लिए आग्रह करता है। चॉम्स्की ने मीडिया और राज्य की नैतिकता की बात करने वाले अभिजात्य वर्ग लोगों के साथ आने के लिए सार्वजनिक इनकार का उल्लेख किया है। इसके अलावा स्वयं अभिजात वर्ग के बीच मतभेद से इंकार नहीं किया है जो आगे की चर्चा के लिए जगह बनाते हैं और लक्ष्यों को प्राप्त करने के सामरिक तरीकों से दुर्लभ हमलों का इरादा रखते हैं।¹⁷⁹

2.10.3 प्रोपोगेंडा मॉडल का आवश्यक पहलू

कई उदारवादियों के तथा शिक्षाविदों, साथी ही कुछ वामपंथी मीडिया विश्लेषकों ने इसके समाजवाद-विरोधी और मानव-विरोधी स्वभाव के प्रोपोगेंडा मॉडल को नापसंद किया है और इसकी आलोचना की है, उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए एक खतरे के रूप में देखा है, जबकि कई आलोचकों ने अपनी पीड़ा को खुले तौर पर व्यक्त नहीं किया है, उनमें से अधिकांश ने प्रोपोगेंडा मॉडल पर कुछ नकली प्रतिबंधों के साथ विचार किया है, जैसे कि इसे षडयंत्रकारी, सरलीकृत कहना। हालांकि वामपंथियों द्वारा प्रोपोगेंडा मॉडल की सराहना की गई, इसे निंदक और निराशा के रूप में भी देखा गया है। मॉडल की प्रयोज्यता से संबंधित एक दोष स्थानीय संघर्षों से संबंधित है। आमतौर पर स्थानीय स्तर पर संभावित विरोध की आवृत्ति राष्ट्रीय मुद्दों के साथ अधिक होती है, लेकिन प्रोपोगेंडा मॉडल स्थानीय और बड़े क्षेत्र की जीत को भी असंभव कार्यों के रूप में खारिज नहीं करता है, विशेष रूप से उन मामलों में जहां अभिजात वर्ग को अलग-थलग कर दिया जाता है या किसी मुद्दे में थोड़ी चिंता के साथ मनः स्थिति को बंदी बना लिया जाता है।¹⁸⁰ अंत में मॉडल यह घोषणा करता है कि प्रमुख मीडिया प्रतिष्ठान एक जैसे काम करते हुए अभिजात वर्ग के संस्थानों में अक्सर समाचार तैयार करते हैं और कुलीन दृष्टिकोण की सीमा के आसपास बहस की अनुमति देते हैं। मीडिया बिना किसी समझौते के अभिजात वर्ग के हितों की सेवा करना जारी रखेगा, जब अभिजात वर्ग वास्तव में एकजुट और प्रासांगिक हैं और जब आम नागरिक उक्त संसाधनों में अपने स्वयं के हिस्से के बारे में अबोध हैं या शक्तिशाली प्रचार द्वारा छेड़छाड़ की जाती है।¹⁸¹ हरमन ने कहा है कि प्रमुख आलोचकों का सबसे बड़ा दवा यह है कि चॉम्स्की और हरमन मीडिया घरानों और पत्रकारों की निष्पक्षता की संभावना पर विचार नहीं करते हैं। इस तरह के दावों ने इस तथ्य को स्वीकार किए बिना गति प्राप्त की है, कि विनिर्माण सहमति ने मीडिया की निष्पक्षता पर जोर दिया क्योंकि

¹⁷⁸ Herman, E. S. (2000). The propaganda model: A retrospective. *Journalism Studies*, 1(1), 101-112.

¹⁷⁹ Herman, E. S. (2000). The propaganda model: A retrospective. *Journalism Studies*, 1(1), 101-112.

¹⁸⁰ Herman, E. S. (2000). The propaganda model: A retrospective. *Journalism Studies*, 1(1), 101-112.

¹⁸¹ Klachn, J. (2009). The Propaganda Model: Theoretical and Methodological Considerations. *Westminster Papers in Communication & Culture*, 6(2).

प्रस्तावना के कई पृष्ठ साजिश के स्पष्ट इनकार के लिए स्पष्ट हैं। यह प्रकट करने के प्रयास के साथ कि प्रोपोगेंडा मॉडल 'बाजार संचालित प्रणाली' के रूप में सबसे अच्छा उच्चारण किया जाता है। हरमन ने आगे कहा है कि "उन्होंने यह स्थापित करने के लिए कठिन और दर्दनाक प्रयास किया है कि उनका मॉडल इस तर्क के आधार पर एक मुक्त बाजार मॉडल के करीब है कि मीडिया आम बाजार की ताकतों के आधार पर काम करने वाली कई अलग-अलग संस्थाओं का गठन करता है"।¹⁸² जैसा कि चॉम्स्की ने जोर देकर कहा है कि "प्रोपोगेंडा मॉडल मीडिया के व्यवहार और प्रदर्शन का संरचनात्मक शब्दों और इरादे में अथाह रेड हेरिंग के साथ वर्णन करता है।" यह एक वास्तविकता है कि मीडिया और पत्रकार अक्सर भाषण के समय में गुमराह करते हैं, कुछ प्रचार लाइन को वास्तविकता के रूप में बताते हैं, जबकि अन्य कुछ नहीं, लेकिन कारण अनजान और महत्वहीन रह जाते हैं।¹⁸³

संचार प्रोफेसर डैनियल हॉलिन का तर्क है कि चॉम्स्की और हरमन पत्रकारिता व्यावसायिकता के स्थायी, यानी पत्रकारों के तटस्थ दृष्टिकोण को ध्यान में रखने में विफल रहे हैं जो उनके अनुसार मीडिया के कामकाज को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। हॉलिन ने इस बात पर भी जोर दिया कि सार्वजनिक क्षेत्र को स्वीकार करने और उसकी रक्षा करने में व्यावसायिकता उत्तर की कुंजी है।¹⁸⁴ हालांकि हरमन के अनुसार व्यावसायिकता और निष्पक्षता के नियम कठोर और अपरिवर्तनीय अवधारणाएं नहीं हैं और वे सत्ता तथा नियंत्रण संबंधों के दावों और मांगों पर चलने की संभावना नहीं हैं।¹⁸⁵ पत्रकारिता में व्यावसायिकता का उदय उन वर्षों में हुआ जब समाचार पत्र व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा कम थी और विज्ञापन पर निर्भरता अधिक थी। व्यावसायिकता कार्यकर्ताओं द्वारा मीडिया घरानों के खिलाफ एक शत्रुतापूर्ण आंदोलन नहीं था बल्कि इसे सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया गया था। इसने उत्साह बढ़ाया और पत्रकारिता को वैधता का बिल्ला दिया। जिसने बदले में पाठकों को आश्चस्त किया कि समाचार मालिकों, विज्ञापनदाताओं या स्वयं पत्रकारों के आंतरिक दबाव और पूर्वाग्रह से मुक्त होगा। कुछ मामलों में, इसने कुछ हद तक स्वायत्ता प्रदान की है। इसके बावजूद व्यावसायिकता के चरम पर प्रचलित मूल्यों को ध्यान में रखते हुए सस्ते आधिकारिक स्रोतों या अधिकांश विश्वसनीय समाचार स्रोतों पर निर्भरता को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता है।¹⁸⁶ जैसा कि बेन बगदिकियन ने देखा है कि व्यावसायिकता के परिणामस्वरूप पत्रकारों में लगातार हो रहे अधिकार के साथ समझौता करने के प्रति अचेतना बढ़ रही है।¹⁸⁷ हॉलिन ने स्वयं स्वीकार किया है कि पेशेवर पत्रकारिता स्रोतों के अधीनता के माध्यम से पूर्ण आधिकारिक नियंत्रण

^{182/182} Herman, E. S. (1996). The propaganda model revisited. *Monthly Review*, 48(3), 115.

¹⁸³ Chomsky, N. (2002). *Media control: The spectacular achievements of propaganda* (Vol. 7). Seven Stories Press.

¹⁸⁴ Hallin, D. (1994). We keep America on top of the world. *Television journalism and the public*.

¹⁸⁵ Aldridge, M., & Evetts, J. (2003). Rethinking the concept of professionalism: the case of journalism. *The British journal of sociology*, 54(4), 547-564.

¹⁸⁶ Anderson, C., & Schudson, M. (2009). Objectivity, professionalism, and truth-seeking in journalism. *The handbook of journalism studies* (pp. 108-121). Routledge.

¹⁸⁷ Bagdikian, B. (1987). The media brokers: Concentration and ownership of the press. *Multinational Monitor*, 8, 7-12.

की निकटता की अनुमति दे सकती है।¹⁸⁸ फिलिप स्लेसिंगर, जेम्स कुरेन, पीटर गोल्डिंग, ग्राहम मर्डक और जॉन एल्लिज या डैनियल हॉलिन जैसे गंभीर वामपंथी मीडिया विश्लेषकों की नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के आधार प्रोपोगेंडा मॉडल की आलोचना का एक और सेट है। इन सभी का मानना था कि प्रोपोगेंडा मॉडल काफी यांत्रिक रूप से काम कर रहा है और यह कभी भी प्रतियोगिता और बातचीत को परेशान नहीं करता है। स्लेसिंगर ने प्रोपोगेंडा मॉडल के तत्वों का मूल्यांकन किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि मामले के अध्ययन से संकेत मिलते हैं लेकिन अंत में उन्होंने दावा किया कि उन्होंने अपने उचित वजन के मुकाबले हमारे पांच फिल्टर का कम मूल्यांकन किया। उन्होंने बाहरी प्रोत्साहन के लिए सहमति की अनुमति नहीं दी, न ही उन्होंने “प्रेस प्रस्तुतियों की सीमा और प्रकार दोनों को सुविधाजनक बनाने के लिए आर्थिक गतिशील संचालन के संभावित तरीकों का गहन विश्लेषण” दिया।¹⁸⁹ गोल्डिंग और मर्डक ने “रणनीतिक रुकावटों” पर अत्यधिक जोर देने के लिए मॉडल के साथ अपनी असहमति व्यक्त की। उनके अनुसार इसने कथित तौर पर हमें “सिस्टम में टकराव की अनदेखी करने के लिए बनाया है। राजनीतिक कर्मी, मालिक और विज्ञापनदाता हमेशा अपनी मर्जी से काम करने के लिए स्वतंत्र नहीं होते हैं”। “ऐसी सीमाओं की प्रकृति और स्रोतों” की जांच करना राजनीतिक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण कार्य है।¹⁹⁰ चॉम्स्की और हरमन ने इस आलोचना के जवाब में जोर देकर कहा कि रणनीतिक रुकावटें निश्चित रूप से सामने आती हैं लेकिन एक नगण्य सार है। यह एक सच्चाई है कि प्रोपोगेंडा मॉडल मीडिया घरानों और अधिकारियों पर दबाव डालता है। इसने विभिन्न स्थितियों को समझाने के साथ-साथ बनाये रखा। जिसके तहत मीडिया अपेक्षाकृत अधिक स्वतंत्र होगा। जब कुलीन असहमति हो या जब समाज के अन्य हितधारक रुचि साझा करते हैं, तो उन्हें सूचित किया जाता है और विभिन्न मुद्दों पर लड़ने और संगठित करने के लिए प्रेरित किया जाता है।¹⁹¹

2.11 निष्कर्ष

मध्यस्थीकरण और मीडिया हस्तक्षेपवाद के संदर्भ में ये ठोस प्रयास संचार और राजनीति के गहरे अंतर्संबंधों को समझाने में मदद करते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि ‘राजनीतिक वास्तविकता’ कैसे बड़े पैमाने पर विविध जनता के लिए आकार लेती है। इसके अलावा ये दो अवधारणायें गतिशील और प्रक्रियात्मक हैं, जो समय और स्थान में व्यापक तुलना के लिए उनकी उपयोगिता को सक्षम बनाती हैं। शोधों से पता चलता है कि पहले समाचार निर्माण में राजनीतिक तर्क (जहां यह पूरी तरह से राजनीतिक खिलाड़ियों, पार्टियों या लोकतंत्र की जरूरतों और इच्छाओं की पूर्ति करता था) के साथ अत्यधिक जुड़ा हुआ था, जबकि आजकल मीडिया तर्क ने समाचार उत्पादन में राजनीतिक तर्क पर कब्जा कर लिया है और यह

¹⁸⁸ Hallin, D. (1994). We keep America on top of the world. Television journalism and the public.

¹⁸⁹ Schlesinger, P. (1989). From production to propaganda?. Media, Culture & Society, 11(3), 283-306.

¹⁹⁰ Golding, P., & Murdock, G. (1991). Culture, communications and political economy. Mass media and society, 2, 15-32. Golding, P., & Murdock, G. (1991). Culture, communications and political economy. Mass media and society, 2, 15-32.

¹⁹¹ Mosco, V. (1996). The political economy of communication: Rethinking and renewal (Vol. 13). Sage.

सूचना विभिन्न मीडिया प्रारूपों, ढांचे और व्याकरण, उच्च पेशेवर मानदंडों और धारणाओं के साथ-साथ बाजार की ताकतों और वाणिज्यिक उद्देश्यों से प्रेरित है। यह दर्शाता है कि बढ़ते मीडिया हस्तक्षेप या बढ़ते मध्यस्थीकरण की अवधारणाएं निकट से जुड़ी हुई हैं और अक्सर सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सकती हैं और यह भी वर्णन कर सकते हैं कि मीडिया हस्तक्षेपवाद राजनीतिक मध्यस्थीकरण को सशक्त बनाने वाले इंजन के रूप में कैसे कार्य करता है।

विशेष रूप से मीडिया, मीडिया व्यावसायिकता और राजनीतिक जनसंपर्क के संबंध में अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संबंधों की गहरी समझ को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उदाहरण के लिए एक व्यावसायिक मकसद के साथ मीडिया रिपोर्टिंग शैली जहां राजनीतिक तर्क के बजाय मीडिया तर्क हावी है, आकर्षक और मनोरम कहानियों को आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धी दबावों के सिद्धांत में जोड़ा गया है। इसी तरह पेशेवर उद्देश्यों के लिए मीडिया रिपोर्टिंग एक संस्था के रूप में मीडिया प्रतिष्ठानों की बढ़ती स्वायत्तता और कार्यरत पत्रकार समूह के रूप में पत्रकारों की बढ़ती स्वायत्तता से प्राप्त होती है। इस तरह की मीडिया स्वायत्तता ने मीडिया संगठनों को अधिक राजनीतिक रूप से जुनूनी और मुखर बना दिया है। जो बदले में राजनीतिक अभिनेताओं और पेशेवर जनसंपर्क तंत्र के माध्यम से अपने सार्वजनिक और राजनीतिक संबद्धता और सूचना प्रबंधन को प्रभावी ढंग से पेशेवर बनाने के लिए प्रेरित करता है। इसने मीडिया सामग्री के साथ-साथ राजनीतिक खिलाड़ियों और पार्टियों के संदर्भ में लगातार या मजबूत मीडिया हस्तक्षेप और मध्यस्थता के लिए प्रोत्साहन विकसित किया है। इसलिए प्रदर्शन पेशेवर राजनीतिक जनसंपर्क के बीच पारस्परिक रूप से निर्भर संबंधों के साथ परस्पर जुड़ा हुआ है जिसे पत्रकारिता की मुखरता के प्रति प्रतिक्रियात्मक प्रतिक्रिया के रूप में जाना जाता है और मीडिया हस्तक्षेप जो पेशेवर राजनीतिक जनसंपर्क के लिए प्रतिक्रियात्मक प्रतिक्रिया है। दोनों कारक राजनीति के मध्यस्थता के अविभाज्य हिस्से हैं जो इस विचार को और भी सही ठहराते हैं कि मध्यस्थता अनुसंधान को पारंपरिक मीडिया प्रभाव साहित्य से परे ले जाना चाहिए क्योंकि मध्यस्थता स्वतंत्र और आश्रित चर के तर्क में योगदान करने वाली धारणा से परे है।

यह कहा जा सकता है कि मीडिया और राजनीति के बीच संबंधों की पहचान गतिशील अंतःक्रिया और समग्र अन्योन्याश्रित भाषण के साथ-साथ कई स्तरों और आयामों के साथ की जाती है। चूंकि मीडिया सूचना प्रसार का सबसे प्रमुख और प्राथमिक स्रोत बन गया है और इसने राजनीति और अन्य बाहरी सामाजिक ताकतों से स्वतंत्रता प्राप्त कर ली है। मीडिया हस्तक्षेप अधिक मुखर और रुचिकर हो गया और इस तरह मीडिया सामग्री तेजी से राजनीतिक तर्क के बजाय मीडिया तर्क द्वारा निर्देशित हो रही है। पूरी प्रक्रिया राजनीतिक अभिनेताओं और संस्थानों को मीडिया सामग्री के संदर्भ में मीडिया तर्क की सर्वोच्चता से निपटने के लिए प्रोत्साहित करती है, तो राजनीतिक जनसंपर्क और समाचार प्रबंधन पर कौशल बढ़ाने के लिए प्रयासों के माध्यम से या मीडिया तर्क को अपने तरीके से सोचने और व्यवहार

करने के लिए प्रोत्साहित करती है। व्यापक बोलचाल में मीडिया का तर्क राजनीतिक तर्क को रौंद देता है। मीडिया द्वारा वास्तविकता के निर्माण या चित्रण में बड़ा पैमाने पर और मीडिया तर्क द्वारा आकार किसी भी वास्तविक वास्तविकता की तुलना में अधिक प्रासांगिकता रखते हैं क्योंकि इस तरह की वास्तविकता को मीडिया चैनलों के माध्यम से लोगों द्वारा पूरी तरह से सुलभ माना जाता है इसलिए इसे वास्तविक माना जाता है। दूसरे शब्दों में यह कुछ ऐसा है जो राजनीति के बढ़ते मध्यस्थीकरण को सही ठहराता है। यह अंततः निर्धारित करता है कि मध्यस्थीकरण और मीडिया हस्तक्षेप की डिग्री एक अनुभवजन्य प्रश्न बनी हुई है। जो स्पष्ट रूप से इंगित करती है कि इस प्रकार के और अधिक शोध की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए राजनीतिक संचार और पत्रकारिता में मध्यस्थीकरण और अन्य सिद्धांतों के संबंध पृष्ठभूमि संकेतक और मीडिया हस्तक्षेप के परिणाम और समय तथा स्थान में मध्यस्थता, भिन्नताएं इन विविधताओं के कारण क्या हैं और अंत में कैसे और मीडिया किस सीमा तक आकार लेता है और राजनीति को फिर से आकार देता है और प्रभावित करता है।

तृतीय अध्याय

शोध प्रविधि

3.1. प्रस्तावना

चुनाव के दौरान मीडिया द्वारा प्रदत्त जानकारी की गुणवत्ता और मात्रा का मतदाताओं पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है, जोकि उनके मतदान व्यवहार को प्रभावित करता है। इसलिए चुनाव प्रक्रिया के दौरान मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए शोध पद्धति के रूप में अपनायी जाने वाली सामग्री विश्लेषण सबसे स्पष्ट विकल्प है। सटीकता की दृष्टि से देखा जाए तो सामग्री विश्लेषण मीडिया के विविध पक्षों को वर्गीकृत करने और उनकी जाँच करने का सबसे विश्वसनीय और प्रमाणित तरीका है। सामग्री विश्लेषण घटना की आवृत्ति को ध्यान में रखता है और यह स्पष्ट करता है कि अधिक आवृत्ति का अर्थ अधिक महत्व है। इसलिए संचार शोधार्थियों द्वारा मीडिया संबंधी विश्लेषण करने के लिए इस पद्धति को व्यापक रूप से अपनाया जाता है। सामग्री विश्लेषण के बारे में एम.एच.वालिज़र और पी.एल. वीनर कहते हैं कि “यह दर्ज की गई जानकारी की सामग्री की जाँच के लिए तैयार की गई एक व्यवस्थित व्यवस्था है।” इसी प्रकार क्रिपेनडॉर्फ कहते हैं कि “यह मुद्रित, प्रकाशित या प्रसारित डेटा से उनके परिप्रेक्ष्य में प्रतिकृति और वैध संदर्भ बनाने के लिए एक शोध तकनीक के रूप में है।” करलिंगर के अनुसार “सामग्री विश्लेषण चर को मापने के उद्देश्य से व्यवस्थित और गणनात्मक तरीके से संचार का अध्ययन और विश्लेषण करने की एक विधि है।” बी. बेरेलसन के अनुसार “जब भी कोई व्यक्ति संचार सामग्री के एक निकाय को पढ़ता है और फिर संक्षेप में बताता है कि वहां क्या है? सामग्री विश्लेषण कहलाता है।” बेरेलसन ने आगे सामग्री विश्लेषण की एक श्रेणी और जोड़ दी है, “क्या कहा जाता है?” और “कैसे कहा जाता है?”¹

3.2. शोध डिजाइन

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने विषयवस्तु यह सामग्री विश्लेषण पद्धति को अपनाया है और बेरेलसन द्वारा उठाए गए उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास किया है। प्रश्न “क्या कहा जाता है?” का पता दल की राजनीति और संभावनाओं, चुनाव सूचनाओं, चुनावी वादों और देश के चार मुख्यधारा के दैनिक हिंदी समाचार पत्रों द्वारा कवर किये गए मुद्दों के संदर्भ में चुनाव अभियान के कवरेज का वर्गीकरण और मात्रा के आधार पर लगाया गया है। अध्ययन के लिए देश के बहुसंख्यक जनता के मध्य अपनी पहुँच रखने वाले हिंदी भाषा के चार समाचार पत्रों- दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान, अमर उजाला और नव भारत टाइम्स का चयन उनकी स्वीकार्यता, विस्तार

¹ Berelson, Bernard (1952). “Content-Analysis in Communication Research.” New York: Stratford Press, Inc.

और जनता के बीच पहुँच के आधार पर किया गया है। हिंदी सबसे बड़े भौगोलिक क्षेत्र में व्यापक रूप से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली और मुद्रित भाषा है और राज्य के संरक्षण का आनंद लेती है और देश के राजनीतिक भाग्य को तय करने में एक प्रमुख भूमिका निभाती है। इसलिए व्यापक प्रसार और व्यापक पाठक संख्या को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता ने उक्त समाचार पत्रों को शोध अध्ययन के लिए चयनित किया है। इसके अतिरिक्त “मुख्यधारा के समाचार पत्र” का प्रयोग अखिल भारतीय पहुँच और देश की आबादी या जनसमूह पर लक्षित दैनिक समाचार पत्रों के प्रसार को स्थानीय या क्षेत्रीय समाचार पत्रों के रूप में करने के लिए किया जाता है। शोधकर्ता ने देश के मुख्यधारा के हिंदी समाचार पत्रों को लिया है क्योंकि भारतीय राजनीति में इनकी प्रमुख भूमिका रही है।² संविधान की 8वीं अनुसूची में 22 मुख्य भाषाओं की सूचीबद्ध किया गया है। हालाँकि भारत के प्रेस रजिस्टर द्वारा वर्ष 2005-06 के लिए प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार बोलियों को भी शामिल करने पर यह आँकड़ा बढ़कर 123 हो जाता है। दैनिक जागरण, देश के सबसे अधिक पढ़े और प्रसारित हिंदी दैनिक समाचार पत्रों में से एक है, 2019 के अंत तक इसकी औसत पाठक संख्या 16 मिलियन से अधिक थी। यह वर्ष 2017 की तुलना में अचानक गिरावट थी, जब पूरे भारत में पाठकों की संख्या औसतन 20 मिलियन से अधिक थी। जिसे कोरोना महामारी के प्रभाव के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।³ मीडिया रिसर्च यूजर्स काउंसिल (एमआरयूसी) द्वारा जारी प्रिंट मीडिया इंडस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक ‘अमर उजाला’ देश का तीसरा सबसे ज्यादा पढ़ा जाने वाला समाचार पत्र है। इंडियन रीडरशिप सर्वे (आईआरएस) की 2019 के पहले क्वार्टर की अभी तक प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार ‘अमर उजाला’ के पाठकों की कुल संख्या चार करोड़, 76 लाख, 45 हजार है।⁴ हिंदुस्तान, जिसे हिंदुस्तान दैनिक के नाम से भी जाना जाता है, 2019 की अंतिम तिमाही के दौरान पूरे भारत में इसकी औसत पाठक संख्या 13 मिलियन से कुछ अधिक थी। यह 2017 में औसत पाठक संख्या की तुलना में कम थी। हिन्दुस्तान दैनिक समाचार पत्र चौथा सबसे बड़ा प्रसारक समाचार पत्र है।⁵ नवभारत टाइम्स, हिंदी दैनिक समाचार पत्र की 2017 तक औसत पाठक संख्या दो मिलियन से अधिक थी, हालाँकि 2014 की तुलना में पाठकों की संख्या में गिरावट आई थी, फिर भी यह अखबार देश के शीर्ष दस हिंदी दैनिक समाचार पत्रों में से एक के रूप में स्थान दिया गया था।⁶ शोधकर्ता ने चुने गए चारों समाचार पत्रों के लखनऊ

² Pande, Mrinal (2009). “Indian Press: The Vernacular and the Mainstream Babel, in Ather Farouqui (ed.): Muslims and Media Images.” New Delhi: Oxford University Press.

³ <https://www.statista.com/statistics/1052578/india-dainik-jagran-average-issue-readership/>

⁴ <https://www.amarujala.com/india-news/amar-ujala-country-third-largest-newspaper-with-around-5-crores-of-readers>

⁵ <https://www.statista.com/statistics/1052636/india-hindustan-average-issue-readership/>

⁶ <https://www.statista.com/statistics/1052894/india-navbharat-times-average-issue-readership/>

संस्करणों को चुना है जो देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्तर प्रदेश की राजधानी है।

3.3. शोध उद्देश्य

1. दैनिक जागरण, अमर उजाला, हिन्दुस्तान व एनबीटी समाचार पत्रों के लोक सभा चुनाव 2019 से संबंधित खबरों के कवरेज का अध्ययन करना।
2. लोक सभा चुनाव 2019 से संबंधित खबरों के प्रकाशन में प्रयुक्त एजेंडों का अध्ययन करना।
3. समाचार पत्रों में लोक सभा चुनाव 2019 से संबंधित खबरों के प्रकाशन में प्रयुक्त पॉलिसी का अध्ययन करना।
4. समाचार पत्रों में लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान प्रकाशित खबरों का आमजन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

3.4. शोध प्रश्न

1. चुने गये समाचार पत्रों में लोक सभा चुनाव 2019 से संबंधित चुनाव अभियान को कितना कवरेज दिया गया?
2. चुनावी अभियानों में कौन-कौन से मुद्दों को एजेंडे के रूप में इस्तेमाल किया गया था?
3. चुनावी खबरों के प्रकाशन में किस तरह की पॉलिसीयों को ध्यान में रखा गया था?
4. समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों ने आम जनता के मतदान व्यवहार को किस प्रकार से प्रभावित किया था?

3.5. शोध परिकल्पना

1. हिंदी समाचार पत्र में खबरों के प्रकाशन में समानता और असमानता तथा दिए गए स्थान की स्थिति का पता लगाना है।
2. लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान उपयोग किए गए एजेंडों की स्थिति का पता लगाना।
3. समाचार पत्रों में खबरों के प्रकाशन में विभिन्न तरह से उपयोग पॉलिसीज की स्थिति से अवगत होना।
4. चुनावी खबरों का आम जनता पर प्रभाव किन-किन रूपों में देखने को मिला जिसने मतदान व्यवहार को प्रभावित किया है।

3.6. शोध संरचना

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने विषयवस्तु विश्लेषण पद्धति को अपनाया है और बरेलसन द्वारा उठाये गये प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास किया है। प्रश्न “क्या कहा जाता है?” का पता दल की राजनीति और संभावनाओं, चुनाव सूचना, चुनावी वादों और भारत देश के चार मुख्यधारा के दैनिक हिंदी समाचार पत्रों द्वारा कवर किये गये सार्वजनिक मुद्दों के संदर्भ में चुनाव अभियान के कवरेज का वर्गीकरण और मात्रा के आधार पर लगाया गया है। 2019 के आम चुनाव के लिए प्रासंगिक आवृत्ति की प्रस्तुति और व्याख्या के आधार पर “यह कैसे कहा जाता है?” का पता लगाया गया है। शोधार्थी ने अध्ययन के लिए हिंदी के चार प्रमुख समाचार पत्रों- दैनिक जागरण, अमर उजाला, हिन्दुस्तान और नव भारत टाइम्स का चयन किया है।

3.7. प्रविधि

शोध प्रविधि के रूप में शोधकर्ता ने गणनात्मक शोध प्रविधि का उपयोग किया है। जिसके अंतर्गत चुनाव की समयावधि के दौरान प्रकाशित हिंदी समाचार पत्रों के कवरेज की सेंमी. स्केलिंग और शोध प्रश्नावली के लिए फीक्वेन्सी टेबल और क्रॉस टैब और काई स्क्वेर तथा पॉलिसी के अध्ययन हेतु साक्षात्कर लिया गया है।

3.8. डेटा संकलन

अध्ययन की दृष्टि से शोधार्थी ने अपने शोध क्षेत्र लखनऊ (उत्तर प्रदेश) जाकर, लोक सभा चुनाव 2019 की घोषणा की दिनांक 10 मार्च 2019 से लेकर प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण के दूसरे दिन अर्थात् दिनांक 31 मई 2019 तक के समाचार पत्रों के सभी प्रमुख पृष्ठों और चुनाव विशेष पृष्ठों पर चुनावी मुद्दों के कवरेज को अपने शोध में शामिल किया है।

3.9. प्राथमिक डेटा

प्राथमिक डेटा के रूप में शोधार्थी ने चुने गये हिंदी समाचार पत्रों की सेंमी. स्केलिंग की है तथा हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों का आमजनता पर क्या प्रभाव पड़ा है, इसे देखने के लिए प्रश्नावली के माध्यम से सूचनायें एकत्रित की है। जिसके अंतर्गत कुछ प्रमुख-प्रमुख मुद्दों और चुनावी वादों तथा पार्टी की विचारधारा और लोकप्रिय नेताओं से संबंधित प्रश्नों को पूछा गया है।

3.10. प्रश्नावली

शोधार्थी ने अध्ययन के लिए बंद प्रश्नावली का उपयोग किया है। जिसमें शोधार्थी ने 40 प्रश्नों को शामिल किया है तथा प्रश्न 1 से लेकर 5 तक श्री स्केल और प्रश्न 6 से लेकर 40 तक फोर स्केल का उपयोग किया है।

3.11. साक्षात्कार

शोध साक्षात्कार का मुख्य उद्देश्य नये ज्ञान का सृजन करना, समस्याओं का समाधान खोजना, नये दृष्टिकोण और सिद्धांतों की खोज करना, विचारों और मतों का प्रतिस्थापन करना और ज्ञान के क्षेत्र में सामरिकता लाना होता है। इसे वैज्ञानिक, सामाजिक, आर्थिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए किया जाता है। शोध साक्षात्कार समाजिक विज्ञान पर आधारित वैज्ञानिक अध्ययन प्रक्रिया है जिसमें सवाल पूछने, तथ्यों और पूर्व शोध की जानकारी को संग्रह करने, विचारों को अद्यतन करने, नये ज्ञान को संग्रह करने के लिए एक नियमित प्रक्रिया को शामिल करता है। इसलिए शोधार्थी ने शोध के लिए बंद साक्षात्कार प्रश्नावली का प्रयोग किया है, जिसमें शोधकर्ता ने अपने शोध उद्देश्य को ध्यान रखते हुये 9 प्रश्न बनाये हैं, जोकि शोधकर्ता के उद्देश्य के प्रतिपूर्ति करते हैं।

3.12. शोध क्षेत्र

शोध क्षेत्र के रूप में शोधकर्ता ने देश के जनसंख्या के मामले में सबसे बड़ राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को चुना है। शोधार्थी द्वारा चुने गये हिंदी समाचार पत्रों के लखनऊ संस्कार और संस्करण के प्रधान संपादकों का साक्षात्कार और प्रश्नावली और गुगल फॉर्म के माध्यम से चुनावी खबरों का आम जनता पर क्या प्रभाव पड़ा, इसे देखने के लिए प्रश्नावली के माध्यम से सूचनायें एकत्रित की गयी हैं

3.13. युनिवर्स और नमूना

इस अध्ययन में प्रिंट मीडिया के चार प्रमुख हिंदी समाचार पत्रों दैनिक जागरण, अमर उजाला, हिन्दुस्तान और नव भारत टाइम्स को शामिल किया गया है। इसके लिए लोक सभा चुनाव 2019 के घोषणा की दिनांक 10 मार्च 2019 से लेकर प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण के दूसरे दिन दिनांक 31 मई 2019 तक की समयावधि में प्रकाशित चुनावी कवरेज का सामग्री विश्लेषण किया गया है।

3.14. नमूना

1. सौभौमिकता परिभाषित हो जाने के बाद अगला कदम नमूने का चयन करना है।⁷ वर्तमान अध्ययन के लिए मुख्यधारा के चार हिंदी दैनिक समाचार पत्रों दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान, अमर उजाला, नव भारत टाइम्स को शोधकर्ता के द्वारा चुना गया है। चुनाव अभियान के दौरान सभी चार चयनित दैनिक समाचार पत्रों के लिए 83 दिनों के समाचार पत्रों के डेटा को नमूने के रूप में लिया गया है।

⁷ Wimmer, Roger D. and Joseph R. Dominick (1983). "Mass Media Research: An Introduction." California: Wadsworth Publishing Company Belmont.

2. चुने गये समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों का आमजनता के मतदान व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव को बंद प्रश्नावली के माध्यम से 423 लोगों को नमूने के रूप में लिया गया है।

3.15. विश्लेषण इकाई

चयनित समाचार पत्रों में प्रकाशित लोक सभा चुनाव से संबंधित खबरों को प्रत्येक पेज पर कितना कवरेज दिया गया है। जिसके अंतर्गत पेज को अलग-अलग नाम दिये गये हैं। जैसे- फ्रंट पेज/ मेन पेज, विशेष पेज, संपादकीय, स्थानीय, राष्ट्रीय पेज और अन्य पेज में वर्गीकृत किया गया है। इसी तरह से खबरों को दिये जाने वाले स्थान को भी वर्गीकृत किया गया है। जिसमें पेज लीड न्यूज, सेकेंड लीड न्यूज, थर्ड लीड न्यूज, फोर्थ लीड न्यूज, सामान्य न्यूज और फुल पेज न्यूज में विभाजित किया गया है और खबरों के ओरिजन के रूप में स्थानीय/सिटी, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्य के रूप में परिभाषित किया है तथा स्रोत के रूप में प्रकाशित खबर किसके द्वारा आई है इसके लिए रिपोर्टर, क्रेस्पोंडेंट, न्यूज एजेंसी और अन्य के रूप में दर्शाया गया है। इसी प्रकार से लोक सभा चुनाव के दौरान उठाये गये प्रमुख मुद्दे राम मंदिर, आईपीसी धारा 370, तीन तलाक, 72 हजार सालाना प्रत्येक नागरिक को, रोजगार, शिक्षा, संप्रदायवाद और विकास आदि में बांटा गया है और संभावित परिणामों तक पहुँचने का प्रयास किया गया है।

3.16. हिंदी समाचार पत्रों का संक्षिप्त परिचय

शोधार्थी द्वारा शोध अध्ययन के लिए चुने गये हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र- दैनिक जागरण, अमर उजाला, हिन्दुस्तान, नव भारत टाइम्स देश के हिंदी भाषी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और देश दुनिया में घटित हो रही घटनाओं को आम जनता तक पहुँचाते हैं।

3.16.1. दैनिक जागरण

दैनिक जागरण उत्तर भारत में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला हिंदी समाचार पत्र है जोकि देश की हिंदी भाषी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है। इस समाचार पत्र के प्रथम संस्करण की शुरुआत 1942 में उत्तर प्रदेश के झाँसी शहर में हुई थी तथा 1947 में इस समाचार पत्र के मुख्यालय को कानपुर स्थानांतरित कर दिया गया और इस प्रकार इसका दूसरा संस्करण जारी किया गया। भारतीय स्वतंत्रता में इस समाचार पत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1942 में जब अंग्रेजी दासता से मुक्त होने का संघर्ष अपने चर्म पर था, ऐसे निर्णायक समय में दैनिक जागरण के संस्थापक स्वर्गीय पूरनचन्द्र गुप्ता द्वारा इस समाचार पत्र को प्रकाशित किया गया। वर्तमान में इस समाचार पत्र का प्रकाशन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, उत्तराखण्ड, पंजाब, हरियाणा, बिहार, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल एवं जम्मू और कश्मीर आदि राज्यों में होता है तथा मार्च 2019 में इसके पाठक वर्ग की संख्या 7.37 करोड़ थी (IRS के अनुसार, Business Today अप्रैल 2019)।

दैनिक जागरण ने उत्तर प्रदेश में अपना नेतृत्व कायम रखा है। हालांकि भारत के सबसे बड़े राज्य में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले हिंदी दैनिक की कुल पाठक संख्या पहली तिमाही से दूसरी तिमाही में मामूली गिरावट दर्ज की गयी है। दैनिक जागरण IRS 2019 दूसरी तिमाही में 10336000 का AIR दर्ज किया गया, जो पिछली तिमाही के 12077000 से 14.42 प्रतिशत कम है। दैनिक जागरण की कुल पाठक संख्या पहली तिमाही में 40919000 से 1.5 प्रतिशत कम होकर 40290000 हो गयी है।⁸

3.16.2. अमर उजाला

अमर उजाला हिंदी भाषी क्षेत्र का बहुत ही लोकप्रिय समाचार पत्र है और यह अर्धशहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पहुँच रखता है। इसका प्रकाशन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आगरा में 18 अप्रैल 1948 को शुरू हुआ था। वर्तमान में इस समाचार पत्र का मुख्यालय नोएडा में स्थित है। इस पत्र को शुरू करने का श्रेय डोरीलाल अग्रवाल तथा मुरारीलाल महेश्वरी को जाता है। आगरा के प्रकाशन के बाद 1967 में इस पत्र का बरेली संस्करण भी शुरू हुआ तथा बाद में 11 दिसंबर 1968 से अमर उजाला समाचार पत्र का मेरठ से भी प्रकाशन होने लगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अमर उजाला समाचार पत्र बहुत लोकप्रिय है। इस समाचार पत्र की वेबसाइट Amarujala.com का शुभारंभ 1999 में किया गया था। वर्तमान में इस समाचार पत्र का प्रकाशन उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त उत्तराखंड, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर आदि राज्यों में होता है। यह पत्रकारिता, राजनीति, साहित्य, संगठनों की गतिविधियों, मनोरंजन और खेल से संबंधित समाचारों को प्रकाशन करता है। अमर उजाला देश भर में अपने संस्करणों के माध्यम से विशेष रूप से पठनीय है और इसका मोबाइल ऐप भी उपलब्ध है। यह पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रमुख, उद्धटनाओं, राजनीतिक घटनाओं, खेल प्रतियोगिताओं, मनोरंजन जगत की घटनाओं और अन्य विषयों पर खबरें प्रकाशित करता है। यह भारतीय समाचार पत्रों में मान्यता प्राप्त नामों में से एक है और विभिन्न विषयों पर विशेषाधिकार रखता है।

अमर उजाला उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाला दैनिक अखबार है और इसकी AIR संख्या काफी मजबूत है। अमर उजाला ने दूसरी तिमाही में 80730000 AIR दर्ज किया जोकि पहली तिमाही से 8088000 से 0.2 प्रतिशत कम है। कुल पाठक संख्या के मामले में 37815000 के टोटल रीडर के साथ नंबर दो पर है जो पहली तिमाही के 38372000 से 1.45 प्रतिशत कम है।⁹

⁸ <https://bestmediainfo.com/2019/08/irs-2019-q2-dainik-jagran-holds-top-position-in-uttar-pradesh>

⁹ <https://bestmediainfo.com/2019/08/irs-2019-q2-dainik-jagran-holds-top-position-in-uttar-pradesh>

हिन्दुस्तान

हिन्दुस्तान समाचार पत्र हिंदी के प्रमुख समाचार पत्रों में से एक है। हिंदुस्तान समाचार पत्र राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय तथा स्थानीय राजनीति व व्यापार, मनोरंजन, खेल और सामान्य हितों से संबंधित खबरों के प्रकाशन के लिए समाचार जगत में प्रसिद्ध है। इस पत्र का पहला संस्करण 12 अप्रैल 1936 को दिल्ली से प्रकाशित हुआ था। वर्तमान में इस समाचार पत्र का प्रकाशन उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, चंडीगढ़, दिल्ली आदि राज्यों में होता है। इस समाचार पत्र का मुख्यालय कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली 110001 है।

हिन्दुस्तान समाचार पत्र AIR की दूसरी तिमाही में उत्तर प्रदेश में नंबर दो स्थान पर है। हिन्दुस्तान समाचार पत्र पहली तिमाही के 9991000 से 17.33 प्रतिशत कम 8260000 होने के बावजूद दूसरे स्थान पर काबिज है। हालांकि पूरे देश के ARI 2019 की दूसरी तिमाही में 28141000 पाठकों के साथ हिन्दुस्तान तीसरे नंबर पर था, जो पहली तिमाही के 28614000 कुल पाठकों से 1.65 प्रतिशत कम है।¹⁰

3.16.3. नव भारत टाइम्स

नव भारत टाइम्स (एनबीटी) समाचार पत्र हिंदी के सर्वाधिक पढ़े जाने वाले समाचार पत्रों में अपना विशेष स्थान रखता है। नव भारत टाइम्स के पहले अंक का प्रकाशन 3 अप्रैल 1947 को भारत की स्वतंत्रता से ठीक पहले हुआ था। इस समाचार पत्र का स्वामित्व पहले प्रसिद्ध औद्योगिक परिवार डालमिया के पास था जिसे बाद में उत्तर प्रदेश के बिजनौर के साहू जैन समूह ने अपने नियंत्रण में ले लिया था। वर्तमान में इसकी प्रकाशक कंपनी बेनेट और कोलमैन एंड कंपनी है। जो द टाइम्स ऑफ इंडिया, द इकनॉमिक्स टाइम्स, महाराष्ट्र टाइम्स जैसे दैनिक अखबारों एवं फिल्मफेयर व फेमिना जैसी पत्रिकाओं का भी प्रकाशन करता है। यह समाचार पत्र विभिन्न विषयों पर आधारित खबरों का प्रकाशन करता है। जिसके अंतर्गत विचार, विश्लेषण, मनोरंजन, खेल, साहित्य, विज्ञान आदि को शामिल किया जा सकता है। नव भारत टाइम्स भारतीय राजनीति, समाजिक मुद्दों, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मनोरंजन और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर खबरों का प्रकाशन करता है। यह समाचार पत्र अपनी सत्यप्रिय रिपोर्टिंग के लिए जाना जाता है और विभिन्न शहरों में अपने संपादकीय कार्यालय भी रखता है। इसकी वेबसाइट और मोबाइल ऐप दोनों उपलब्ध हैं, जहां आप नवीनतम समाचार, लेख और फाचर्स पढ़ सकते हैं।

¹⁰ <https://bestmediainfo.com/2019/08/irs-2019-q2-dainik-jagran-holds-top-position-in-uttar-pradesh>

3.17. सैद्धांतिक रूपरेखा

मीडिया प्रभाव के अध्ययनों का एक लंबा इतिहास रहा है, विशेषकर जब प्रभाव चुनाव और व्यक्तिगत मतदाव व्यवहार पर होता है तो यह शोधकर्ताओं और लोकतांत्रिक समार्यों के लिए और भी दिलचस्प और आकर्षक हो जाता है। इसलिए मीडिया शोधकर्ताओं और राजनीतिक वैज्ञानिकों द्वारा बहुत सारे काम किये गये हैं और दोनों का इस संबंध में महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संबंध मानते हैं। साहित्य समीक्षा के आधार पर यह अध्ययन निम्नलिखित सिद्धांतों पर प्रकाश डालता है।

- सामाजिक संबंध सिद्धांत (The Social Relationship Theory)
- संचार का दो-चरणीय प्रवाह (The Two-Step Flow of Communication)

3.18. चुनाव के प्रमुख मुद्दे

चुनाव के दौरान सार्वजनिक मुद्दे या सार्वजनिक समस्याओं के मुद्दों में विभिन्न सार्वजनिक प्राथमिकतायें और एजेंडे शामिल हैं जो चुनावी अभियान की रिपोर्टिंग के मूल में निहित होते हैं तथा जनता का मूड सेट करते हैं और मतदान व्यवहार को तय करने में मदद करते हैं और किसी तरह चुनाव के परिणाम को प्रभावित करते हैं। जनता को ध्यान रखते हुए पार्टियां और राजनेताओं की प्राथमिकताओं के आधार पर चुनाव के दौरान सार्वजनिक मुद्दे मतदान व्यवहार के संभावित निर्धारक होते हैं। इसे बेहतर ढंग से समझने के लिए इन सार्वजनिक मुद्दों को निम्नलिखित क्रम में उल्लिखित किया गया है:

3.18.1. रोजगार

युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन के साथ रोजगार का मुद्दा भी किसी भी सरकार की प्राथमिकता होती है। असंतुष्ट बेरोजगार युवा चुनाव में किसी भी पार्टी की संभावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए सरकार की क्षमता या रोजगार सृजन के संदर्भ में पार्टी की प्राथमिकताएं चुनाव प्रचार में एक महत्वपूर्ण कारक बनी रहती हैं। इसलिए इस श्रेणी के तहत किसी भी संबंधित कहानी पर विचार किया गया था। शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं ने लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान रोजगार के मुद्दे को प्राथमिकता दी है जिसका खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) ने किया था तथा इसलिए इस मुद्दे ने मतदान व्यवहार पर अपना प्रभाव डाला था। एडीआर के अनुसार मध्य प्रदेश के 61.91 फीसदी मतदाता इसे सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा मानते हैं तथा राष्ट्रीय स्तर के 46.80 फीसदी आकड़ों से 15.6 फीसदी अधिक है।

3.18.2. राम मंदिर

यह एक धार्मिक राजनीतिक मुद्दा है, वैसे तो राम मंदिर लंबे वक्त से ही चुनावी मुद्दा बना हुआ है, लेकिन 2019 के लोक सभा चुनाव में यह भा.जा.पा और अन्य सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए प्रमुख चुनावी मुद्दा बना हुआ है। भा.ज.पा जहां इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस को घेरती है वहीं कांग्रेस भा.ज.पा पर राम मंदिर मुद्दे का चुनावी लाभ लेने का आरोप लगाती आई है तथा अन्य राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरह से इस्तेमाल करती आयी हैं।

3.18.3. धारा 370

कश्मीर में धारा 370 स्वतंत्रता काल से ही लगी हुई थी। धारा 370 हटाने का मुद्दा भा.ज.पा के प्रमुख राजनीतिक मुद्दों में से एक था, जिसे पार्टी ने हटाकर जन मानस के मन में देशभक्ति की भावना की जागृत कर जनमत हासिल करने का प्रयास किया, जिसमें वह सफल भी हुई, जिसके परिणाम स्वरूप देश के प्रत्येक व्यक्ति के अंदर देश प्रेम जाग उठा और वह पार्टी विशेष की विचारधारा में बहता चला गया।

3.18.4. भ्रष्टाचार

लोक कल्याण के संबंध में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है जो उन्हें उनके दैनिक जीवन में सीधे प्रभावित करता है। राजनीतिक या नौकरशाही भ्रष्टाचार का खतरा राष्ट्रीय प्रगति में सबसे बड़ी बाधा रहा है। भ्रष्टाचार आम आदमी के जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है और उनका शोषण करने वाले गठजोड़ की दया पर निर्भर करता है। शोषण की तीव्रता और स्तर पूरी तरह से भ्रष्टाचार को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बनाते हैं जिसे मीडिया को सबसे बड़े जनहित में चुनाव रिपोर्टिंग के दौरान उजागर करना चाहिए। इसलिए शोधार्थी ने इस मुद्दे को शोध प्रश्नावली में शामिल किया है।

3.18.5. अर्थ व्यवस्था

यह चुनावी मुद्दा व्यापार और वाणिज्य, निवेश, औद्योगिक मामलों, बैंकिंग, बाजार और कीमतों आदि से संबंधित है। अर्थव्यवस्था की अवधारणा विशेषज्ञता के उपरोक्त चर्चा वाले क्षेत्रों की तुलना में व्यापक है, यह सभी मौद्रिक और साथ ही वित्तीय गतिविधियों तक फैली हुई है जो घर से औद्योगिक केंद्रों तक होती है। इस प्रकार यह श्रेणी चुनाव अभियान के सबसे प्रमुख घटकों में से एक है।

3.18.6. विदेश-नीति

भारत में विदेश-नीति को एक प्रमुख मुद्दा माना जा सकता है क्योंकि यह विदित है लेकिन इसके बहुत ठोस परिणाम हैं (उदाहरण- सीमा पर मरने वाले भारतीय सैनिक) और यह उन नाटकीय घटनाओं में से एक है जो सरकार के अंतरराष्ट्रीय मामलों या विदेशी संबंध और किसी देश की अंतरराष्ट्रीय सद्भावना, वैश्विक प्रतिष्ठा और मान्यता के लिए बनायी गयी किसी भी रणनीति का मूल है। दुनिया को उनकी उपस्थिति का एहसास कराने के साथ-साथ उन्हें व्यापार और रक्षा में एक मजबूत विश्व नेता के रूप में पेश करने के लिए मान्यता प्रदान करना है। यह दो तरह से मदद करता है। पहला रक्षा के क्षेत्र में जबकि दूसरा व्यापार के क्षेत्र में। किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा बाहरी दुनिया के साथ उसके संबंधों पर निर्भर करती है। विदेशी ताकतें और राष्ट्रीय हितों का टकराव संभावित रूप से किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए किसी भी देश में चुनाव के दौरान रिपोर्टिंग के नजरिए से इसे इस श्रेणी में रखा जा सकता है।

3.18.7. विकास

इस श्रेणी के अंतर्गत समाचार कवरेज में जीवन स्तर, जीवन शैली, प्रति व्यक्ति आय, सामाजिक सुधार, सड़क, परिवहन, संचार के माध्यम से सुधार और परिवर्तन, सुरक्षा और स्वच्छता आदि के वितरण में सरकार के प्रदर्शन के लिए समर्पित सामग्री को इंगित करता है। यह सामाजिक क्षेत्र में प्रगति और विकास को शामिल करने वाला प्रमुख चुनावी मुद्दा है। उदाहरण- बिजली, ऊर्जा, परिवहन, संचार आदि।

3.18.8. कृषि

भारत एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाला देश है। कृषि भारत का सबसे बड़ा और निजी उपक्रम है जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक आबादी शामिल है। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में लोगों को रोजगार देता है जो जीवन निर्वाह के लिए कृषि उत्पादकता पर निर्भर हैं तथा अधिकांश लोग व्यापार और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान कृषि उत्पादों द्वारा समर्थित हैं। इस प्रकार देश में कृषि विकास के संबंध में चुनावी फोकस और मीडिया की चिंता को दर्शाने के लिए इस श्रेणी का गठन किया गया है। मीडिया खेतों तथा किसानों के साथ कई समस्याओं को प्रकाश में लाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। कृषि ऋण, बीज, सिंचाई, उर्वरक, कृषि उपज के लिए बाजार, पर्याप्त बाजार मूल्य या न्यूनतम समर्थित मूल्य और प्राकृतिक आपदा के कारण नुकसान आदि के लिए बीमा से संबंधित समस्याएँ आदि भी एक चुनावी मुद्दा है।

3.18.9. लोकतांत्रिक विचारधारा

इस पहलू के प्रति लोकतांत्रिक ताकतों और मीडिया की प्रभावशीलता के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए शोध में सम्मिलित किया गया है। शीर्ष में पार्टी की राजनीति, आनुपातिक प्रतिनिधित्व, गठबंधन, दलबदल और लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर राजनीति और चुनावों के कई अन्य प्रासंगिक पक्ष और विपक्ष जैसे कारक शामिल हैं। बहु-सांस्कृतिक पहचान वाले राष्ट्र में स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्था लोकतांत्रिक संरचना के मूल को कमजोर करने वाली विभिन्न पहचानों के आधार पर बहुसंख्यक राजनीति और ध्रुवीकरण के खतरे के बाद एक जबरदस्त कार्य है जो प्रत्येक वोट के समान मूल्य की गारंटी देता है। इसलिए चुनाव में मीडिया कवरेज के दौरान इस मुद्दे को महत्वपूर्ण माना जाता है। चुनावों में मीडिया की निगरानी की मदद से लोकतंत्र के मूल सिद्धांत की रक्षा की जाती है और एक कार्यात्मक लोकतंत्र को सुनिश्चित करने के लिए बढ़ावा दिया जाता है। प्रभावी और स्वतंत्र मीडिया के अभाव में वास्तविक लोकतंत्र का कार्य करना असंभव है। इस प्रकार से मीडिया की निगरानी के बिना चुनाव शून्य और शून्य या केवल औपचारिकता होगी। इसलिए इस मुद्दे को शोध में शामिल किया गया है।

3.18.10. अपराध और न्याय

जनता की भलाई के लिए कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। मानव जीवन को सुरक्षित रखने के लिए सुचारू सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए कानून और उपनियम अपराधों के खिलाफ निवारक हैं। इस मुद्दे में पूर्वोत्तर, तटीय या सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधानों सहित देश भर में सामाजिक व्यवस्था से संबंधित आवश्यक कई कानूनी पहलुओं को भी शामिल किया गया है। अदालतें जीवन के विभिन्न पहलुओं में लोगों के अधिकारों की अंतिम संरक्षक हैं, वे आंतरिक या बाहरी सभी बाधाओं के खिलाफ कानूनी सबल प्रदान करती हैं जो मानवहित को चोट पहुंचा सकती हैं। चूंकि न्यायिक कामकाज या त्वरित न्याय वितरण प्रणाली लोगों के लिए गंभीर रूप से महत्वपूर्ण है इसलिए यह अध्ययन का महत्वपूर्ण पहलू बन जाता है, जिस पर अभियान के दौरान राजीतिक ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

3.18.11. लैंगिक न्याय

महिलाओं के बीच बड़े पैमाने पर वोट की अपील के कारण यह मुद्दा महत्वपूर्ण हो जाता है जो वोट बैंक के एक बड़े हिस्से का निर्माण करता है। महिला-विशिष्ट चुनाव घोषणापत्र, जो मतदाताओं के इस समूह से अपील कर सकते हैं। किसी भी राजनीतिक समूह द्वारा कम से कम संबंधित घोषणा पत्र के खिलाफ लाभ में रहते हैं। महिलाओं के मुद्दों में लैंगिक न्याय, घरेलू हिंसा, समान वेतन और भागीदारी, सुरक्षा, अधिकतम संभव गिनती में महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए चुनावी घोषणा पत्र हावी रहता है। इसके अलावा भारत जैसे बड़े देश

में लिंग अपराध सबसे आम अपराध है। यह अपराध कानूनी उपायों, खराब क्रियान्वयन के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था के कारण महिलाओं के खिलाफ इन अपराधों की पर्याप्त गुंजाइश छोड़ रहा है। भारत पितृसत्तात्मक समाज के तहत महिलाओं की अधीनता और हाशिए पर जाने का इतिहास रहा है। इसलिए चुनाव के दौरान इस मुद्दे पर आम जनता की राय जानने के लिए शोध में शामिल किया गया है।

3.18.12. सुरक्षा व्यवस्था

किसी भी राष्ट्र की स्थिरता और प्रगति देश की रक्षा शक्ति पर निर्भर करती है जो मुद्दों के बीच सबसे अधिक प्रासंगिक है, इसलिए चुनाव के दौरान रक्षा के लिए मीडिया कवरेज अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत अपनी सीमा को बाहरी आक्रमणों से सुरक्षित रखने और आंतरिक शांति बनाए रखने के लिए रेलवे के बाद रक्षा के लिए दूसरा सबसे बड़ा बजट आवंटित करता है। यह आंतरिक सशस्त्र विद्रोह के प्रति भी सतर्क रहता है जो इसके स्थिर विकास तथा विकास के लिए संभावित रूप से हानिकारक हो सकता है, इसलिए इसका मतदान व्यवहार पर असर देखने के लिए शोध में शामिल किया गया है।

3.18.13. स्वास्थ्य

सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवायें सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रीमियम सेवाओं में से एक है, इसलिए इससे फर्क पड़ता है कि किस पार्टी ने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है और इसे शीर्ष एजेंडे में रखा है जो निश्चित रूप से मतदान व्यवहार को प्रभावित करेगा। स्वास्थ्य के मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने वाली किसी भी पार्टी की रिपोर्टिंग वोटों को अपने पक्ष में ले जा सकती है। चुनावों में स्वास्थ्य के मुद्दे ने मतदान को प्रभावित किया है इसे जानने के लिए इसे शामिल किया गया है।

3.18.14. शिक्षा

शिक्षा सबसे अधिक महत्वपूर्ण सार्वजनिक मुद्दा है जो लोगों की जीवन शैली या जीवन स्तर को निर्धारित करने में मदद करता है। लोगों की प्राथमिक शिक्षा से, उच्च से उच्च तकनीकी या व्यावसायिक शिक्षा में उन्नति एक राष्ट्र को प्रगतिशील राज्य की श्रेणी में रखती है। ये किसी भी राज्य की बौद्धिक समृद्धि और क्षमता को मापने के मापदंड हैं। शिक्षा अनुसंधान और ज्ञान वृद्धि के साधन हैं जो एक राष्ट्र को तकनीकी, ऊर्जा और यांत्रिक उन्नति की मुद्रा के साथ सशक्त बनाता है। एक अशिक्षित समाज को पिछड़े समाज के समानांतर रखा जाता है, जिसमें कोई प्राथमिक जानकारी नहीं होती है कि वैश्विक तकनीकी प्रगति से उत्पन्न होने वाले आधुनिक कारकों से कैसे निपटा जाये। इस प्रकार यह मुद्दा महत्वपूर्ण है जो राष्ट्रीय प्रगति और सामाजिक परिवर्तनों को दर्शाता है और इसलिए चुनाव में इस मुद्दे के महत्व को नकारा नहीं जा सकता है।

3.18.15. आरक्षण

आरक्षण का मुद्दा अत्यधिक सार्वजनिक महत्व का है जो किसी भी पार्टी या राजनेता के प्रति समूह विशिष्ट में चुनावी झुकाव को तय करने में आवश्यक कारक हो सकता है। लंबे समय से देश में रहने वाली नस्लीय और धार्मिक समूहों के बीच आर्थिक असमानता के बाद भारत की राजनीति में आरक्षण एक केंद्रीय मुद्दा रहा है। जाति और भाषायी पहचान की राजनीति का आधार है जो विभिन्न प्रांतों में हावी है। सबसे बड़े से लेकर सबसे छोटे प्रांतीय क्षेत्र तक पहचान की राजनीति भारत पर राज करती है। जहां जाति, पंथ, व्यंजन, पोशाक, समुदाय, संचार और सांस्कृतिक पहचान आधारित सामाजिक समूह राजनीतिक सशक्तिकरण के माध्यम से अपना उचित हिस्सा लेने का प्रयास करते हैं। इसलिए राजनीतिक भाग्य में उतार-चढ़ाव के बीच आर्थिक बहिष्कार के खिलाफ सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण प्रभावी उपकरण बन जाता है। इसलिए चुनाव के दौरान आरक्षण का महत्व समझने के लिए इस मुद्दे का चुनाव किया गया है।

3.18.16. आतंकवाद

चुनाव के दौरान यह मुद्दा भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इसमें कट्टरपंथी ताकतों से बाहरी या आंतरिक गड़बड़ी के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा शामिल होता है। उसी के लिए सरकार की रणनीति नीति-निर्माण का एक अभिन्न अंग है और इस प्रकार मीडिया के लिए भी यह उतना ही महत्वपूर्ण है कि वह प्रभावी मुकाबला प्रणाली के साथ आतंकवाद का मुकाबला करने वाली पार्टी की नीतियों और पिछले प्रदर्शन को उजागर करे। इस प्रकार संसदीय चुनावों के दौरान मीडिया द्वारा कवर किए गए सार्वजनिक मुद्दों का चयन करते समय शोधार्थी द्वारा इस मुद्दे को भी चुना गया है।

3.18.17. संप्रदायवाद

इस श्रेणी में जाति, क्षेत्र और धर्म के आधार पर पहचान का मिश्रण है जिसका प्रयोग राजनेताओं द्वारा मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए किया जाता है। भारत के संदर्भ में चुनाव के दौरान यह श्रेणी महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां जाति, पंथ, क्षेत्र, जातीयता तथा भाषा आदि सहित कई पहचानों के आधार पर जनसंख्या में विविधता है। इस प्रकार चुनाव के लिए इस श्रेणी के मतदान व्यवहार के प्रभाव को जानना आवश्यक हो जाता है। इसे निम्न उप-भागों में विभक्त किया गया है:

3.18.17.1 सांप्रदायिकता

यह पहलू धार्मिक कट्टरता पर चर्चा करने वाली रिपोर्टिंग या अन्य समाचार सुविधाओं से संबंधित है, जो भड़काऊ बयानों के माध्यम से मानवीय भावनाओं को उत्तेजित करता है। अंतर-समुदाय या सांप्रदायिक दंगों के कारण समाज और मानवता को संभावित नुकसान पहुंचाता है, जिसे मीडिया ने चुनाव के दौरान रिपोर्ट किया है। सामाजिक सद्भाव और संवैधानिक गारंटी के लिए खतरे के रूप में इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए सामग्री की श्रेणियों को इस संबंध में विशेष रूप से देखा गया है। इस मुद्दे में विशेष राजनेताओं या मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले समाचार शामिल हैं। संग्रहित की गयी सामग्री इस खतरनाक स्थिति के प्रति मीडिया अलर्ट और उनके निहित स्वार्थ को आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक गठजोड़ को दर्शाती है। इसलिए इस मुद्दे को शोध प्रश्नावली में शामिल किया गया है।

3.18.17.2 धर्मनिरपेक्षता

चुनाव के दौरान सांप्रदायिकता के खिलाफ एक और मुद्दा जो इसे मीडिया सामग्री के रूप में उभार कर सामने लाता है, वह है धर्म निरपेक्षता, क्योंकि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। जैसा कि संविधान द्वारा गारंटी दी गयी है, इसे विभाजनकारी प्रवृत्तियों से बचाने और इसे बढ़ावा देने के लिए मीडिया का कर्तव्य बन जाता है। राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को सुरक्षित करें। इस मुद्दे में धार्मिक भावनाओं से संबंधित समाचार पत्रों के कवरेज, अंतर-धार्मिक, आवास, सामाजिक सद्भाव, बहु-धार्मिकता, बहु-जातीयता और बहु-संस्कृति समाज का एकीकरण शामिल है। इस मुद्दे को राज्य के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को कवर करने वाले कई समाचारों को चिह्नित करने के लिए शामिल किया गया है। जिसका अर्थ है कि राज्य का कोई धर्म नहीं है। इस मुद्दे को भारतीय धर्मनिरपेक्षता के लिए विशेष रूप से चुनावी कवरेज के दौरान मीडिया के प्रभाव के लिए चुना गया है।

3.18.17.3 जातिवाद

जाति की पहचान भारतीय चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाती है, क्योंकि भारत में जाति व्यवस्था लंबे समय से समाज पर हावी रही है। भिन्न-भिन्न जाति के विभिन्न प्रतिनिधियों के लिए सार्वजनिक संसाधनों में अपना हिस्सा बनाने का आधार बन जाता है जो बदले में जाति के आधार पर मतदाताओं को जाति विशिष्ट मतदाता बनाने के लिए प्रेरित करता है और इसलिए जाति पहचान की राजनीति के लिए आधार प्रदान करती है।

3.18.17.4 क्षेत्रवाद

जब एक क्षेत्र विशिष्ट पहचान की राजनीति का आधार होता है और जब मतदाता मूल या निवास क्षेत्र से प्रभावित होते हैं, तो यह उन क्षेत्रों के आधार पर पहचान की राजनीति बनाता है। मतदाताओं को जोड़ने के लिए

बयानबाजी और उत्साह पैदा करने के लिए राजनेताओं द्वारा संबंधित क्षेत्र का शोषण किया जाता है। इस तरह यह भारत की संप्रदाय आधारित राजनीति की उपश्रेणी बनता है।

3.18.18. पर्यावरण

यह एक और महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा है जिसे चुनाव के दौरान मीडिया की चिंता और जन जागरूकता का आकलन करने के उद्देश्य से चुना गया है। नियमित जीवन शैली में पर्यावरण सीधे आम आदमी को प्रभावित करता है। यह मुद्दा सीधे तौर पर गरीबों, सीमांत और पिछड़े लोगों की आजीविका को प्रभावित करता है जो मौसमी फसलों और उत्पादों पर निर्भर हैं। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन पर कहानियां, फसलों पर मानसून का प्रभाव और उसके बाद के नतीजे तथा अन्य पर्यावरणीय कहानियां सामने आ रही हैं। इसलिए शोधार्थी द्वारा चुनाव के दौरान मतदाता ने इस मुद्दे को किस रूप में लिया है यह जानने लिए इसका चुनाव किया गया है।

चतुर्थ अध्याय

डाटा संकलन और विश्लेषण

4.1. प्रस्तावना

पत्रकार थियोडोर एच. व्हाइट ने कहा है कि समाचार मीडिया में 'मौलिक शक्ति' है, ध्यानाकर्षित करने की शक्ति।¹ एक अन्य राजनीतिक वैज्ञानिक बर्नार्ड कोहेन ने इसे आगे रखा है, क्योंकि "हो सकता है कि लोगों को यह बताने में ज्यादा समय न लगे कि क्या सोचना है, लेकिन उन्हें यह बताने में आश्चर्यजनक रूप से सफल हैं कि किस बारे में सोचना है"।² प्रसिद्ध विचारक जर्गन हैबरमास ने अपने लोकप्रिय कार्य 'द स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ द पब्लिक स्पीयर' में विचारों का प्रतिपादित किया था। होर्खाइमर और एडोर्नो द्वारा प्रदान की गयी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से समर्थित जिसे उन्होंने संस्कृति उद्योग के रूप में वर्णित किया।³ हैबरमास ने दर्शाया है कि कैसे एक सार्वजनिक क्षेत्र के उदय से पूंजीवादी समाज को प्रमुखता मिली जो नागरिक समाज और राज्य के बीच उभरा है और जो सार्वजनिक तथा निजी हितों के बीच मध्यस्थता करता है। यह वह मंच था जिसने इतिहास में पहली बार राजनीतिक व्यवहार को प्रभावित करते हुए अपनी आवश्यकताओं और हितों को सीधे ऊपर उठाते हुए जनमत का निर्माण किया। बाद में आधुनिक मीडिया तंत्र के आगमन के साथ वर्तमान अवधि में मध्यस्थता वाले सार्वजनिक क्षेत्र के माध्यम से राय बनाने को और बढ़ावा मिला, जिसे "welfare state capitalism and mass democracy" कहा गया।⁴ इस प्रकार जनमत का आकार मीडिया की शक्ति को और बढ़ाता है। इसलिए चुनाव के दौरान मीडिया द्वारा निभायी गई भूमिका लोकतंत्र के सुचारु संचालन के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है।

चुने गए समाचार पत्रों को दिनांक, पृष्ठ संख्या, पृष्ठ का प्रकार, पृष्ठ पर कुल समाचार संख्या, लोक सभा चुनाव से संबंधित खबरें, प्लेसमेंट/ट्रीटमेंट, कॉलम, सेंमी., कॉलम/सेमी. ओरिजन, स्रोत, राम मंदिर, धारा 370, तीन तलाक, प्रत्येक नागरिक को 72 हजार, रोजगार, शिक्षा, संप्रदायवाद, अर्थ व्यवस्था, आतंकवाद, विकास आदि में वर्गीकृत किया गया है और चारों समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों के डेटा को सारणी तथा उसकी व्याख्या द्वारा प्रदर्शित किया गया है। इसी प्रकार शोध प्रश्नावली के माध्यम से आम जनता से एकत्रित डेटा को

¹ White, T. H., (1972). The Making of the President. Bantam, New York. p. 327.

² Cohen, B. C. (1963), The Press and Foreign Policy. Princeton University Press, Princeton, N.J., 13.

³ Horkheimer, Max and Adorno, T. W. (1972) Dialectic of Enlightenment. New York: Herder and Herder.

⁴ Habermas, J. (1989) The Structural Transformation of the Public Sphere, trans. Thomas Burger. Cambridge, MA: MIT Press.

आवृत्ति तालिका, क्रॉस टैब और कार्ड वर्ग परीक्षण के माध्यम से दर्शाया गया है तथा साक्षात्कार के माध्यम से समाचारों की पॉलिसी का व्याख्यात्मक वर्णन किया गया है।

4.2. समाचार पत्रों के आकड़ों का वर्गीकरण

चुने गए चारों समाचार पत्रों को उनके पृष्ठों तथा खबरों के स्रोत और मूल के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

4.2.1. चुनावी खबरों के पृष्ठवार डेटा का विश्लेषण।

		समाचार पत्र							
		अमर उजाला		दैनिक जागरण		हिन्दुस्तान		नव भारत टाइम्स	
		गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत
पेज का प्रकार	फ्रंट पृष्ठ/मुख्य पृष्ठ	78	7.2%	78	5.4%	98	5.9%	84	7.2%
	स्पेशल पृष्ठ	941	87.3%	1143	79.0%	1443	86.6%	999	86.0%
	संपादकीय पृष्ठ	35	3.2%	51	3.5%	36	2.2%	53	4.6%
	स्थानीय पृष्ठ	22	2.0%	88	6.1%	60	3.6%	17	1.5%
	राष्ट्रीय पृष्ठ	0	0.0%	54	3.7%	16	1.0%	3	0.3%
	अन्य पृष्ठ	2	0.2%	32	2.2%	14	0.8%	5	0.4%
	कुल	1078	100.0%	1446	100.0%	1667	100.0%	1161	100.0%

उक्त तालिका में चुने गए समाचार पत्रों- अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान व नव भारत टाइम्स में चुनाव से संबंधित, प्रकाशित खबरों के आकड़ों को पृष्ठवार प्रदर्शित किया गया है। जिसमें अमर उजाला समाचार पत्र में कुल 1078 (100 प्रतिशत) प्रकाशित चुनावी खबरों में से 7.2 प्रतिशत खबरें फ्रंट पेज/मेन पेज पर, 87.3 प्रतिशत खबरें विशेष पृष्ठ पर, 3.2 प्रतिशत खबरें संपादकीय पृष्ठ पर, 2.0 प्रतिशत खबरें स्थानीय पृष्ठ पर, 0 प्रतिशत खबरें राष्ट्रीय पृष्ठ पर, 0.2 प्रतिशत खबरें अन्य पृष्ठों पर प्रकाशित हुईं। इसी प्रकार दैनिक जागरण समाचार पत्र में कुल 1446 (100 प्रतिशत) प्रकाशित चुनावी खबरों में से 5.4 प्रतिशत खबरें मुख्य पृष्ठ पर, 79

प्रतिशत खबरें स्पेशल पृष्ठ पर, 3.5 प्रतिशत खबरें संपादकीय पृष्ठ पर, 6.1 प्रतिशत खबरें स्थानीय पृष्ठ पर, 3.7 प्रतिशत खबरें राष्ट्रीय पृष्ठ पर, 2.2 प्रतिशत खबरें अन्य पृष्ठों पर प्रकाशित हुयीं तथा हिन्दुस्तान समाचार पत्र में कुल 1667 (100 प्रतिशत) प्रकाशित चुनावी खबरों में से 5.9 प्रतिशत खबरें मुख्य पृष्ठ पर, 86.6 प्रतिशत खबरें स्पेशल पृष्ठ पर, 2.2 प्रतिशत खबरें संपादकीय पृष्ठ पर, 3.6 प्रतिशत खबरें स्थानीय पृष्ठ पर, 1.0 प्रतिशत खबरें राष्ट्रीय पृष्ठ पर, 0.8 प्रतिशत खबरें अन्य पृष्ठों पर एवं नव भारत टाइम्स में कुल 1161 (100 प्रतिशत) खबरों में से 7.2 प्रतिशत खबरें मुख्य पृष्ठ पर, 86 प्रतिशत खबरें स्पेशल पृष्ठ पर, 4.6 प्रतिशत खबरें संपादकीय पृष्ठ पर, 1.5 प्रतिशत खबरें स्थानीय पृष्ठ पर, 0.3 प्रतिशत खबरें राष्ट्रीय पृष्ठ पर और 0.4 प्रतिशत खबरों का प्रकाशन अन्य पृष्ठों पर किया गया था। इस प्रकार कहा जा सकता है कि चारों समाचार पत्रों में से सर्वाधिक चुनावी खबरों में प्रथम स्थान पर हिन्दुस्तान, द्वितीय स्थान पर दैनिक जागरण, तृतीय स्थान पर नव भारत टाइम्स और चतुर्थ स्थान पर अमर उजाला समाचार पत्र रहा।

4.2.2. खबरों के प्रकार के डेटा का विश्लेषण।

		समाचार पत्र							
		अमर उजाला		दैनिक जागरण		हिन्दुस्तान		नव भारत टाइम्स	
		गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत
न्यूज प्लेसमेंट /ट्रीटमेंट	पेज लीड न्यूज	197	18.3%	258	17.8%	278	16.7%	183	15.8%
	सेकेंड लीड न्यूज	148	13.7%	160	11.1%	165	9.9%	140	12.1%
	थर्ड लीड न्यूज	49	4.5%	60	4.1%	21	1.3%	87	7.5%
	फोर्थ लीड न्यूज	9	0.8%	17	1.2%	0	0.0%	7	0.6%
	सामान्य खबर	664	61.6%	939	64.9%	1194	71.6%	740	63.7%

	फुल पेज न्यूज	11	1.0%	12	0.8%	9	0.5%	4	0.3%
	कुल	1078	100.0%	1446	100.0%	1667	100.0%	1161	100.0%

उक्त तालिका में चुने गए समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों के प्लेटमेंट/ट्रीटमेंट को दर्शाया गया है। जिसके अंतर्गत अमर उजाला में कुल 1078 खबरों में से 18.3 प्रतिशत खबरें पेज लीड के रूप में, 13.7 प्रतिशत खबरें सेकेंड लीड के रूप में, 4.5 प्रतिशत खबरें थर्ड लीड के रूप में, 0.8 प्रतिशत खबरें फोर्थ लीड के रूप में, 61.6 प्रतिशत खबरें सामान्य न्यूज के रूप में, 1 प्रतिशत खबरें फुल पृष्ठ न्यूज के रूप में तथा दैनिक जागरण में कुल 1446 खबरों में से 17.8 प्रतिशत खबरें पेज लीड के रूप में, 11.1 प्रतिशत खबरें सेकेंड लीड न्यूज के रूप में, 4.1 प्रतिशत खबरें थर्ड लीड न्यूज के रूप में, 1.2 प्रतिशत खबरें फोर्थ लीड न्यूज के रूप में, 64.9 प्रतिशत खबरें सामान्य खबरों के रूप में व 0.8 प्रतिशत खबरें फुल पृष्ठ पर प्रकाशित हुयीं एवं हिन्दुस्तान समाचार पत्र में कुल 1667 खबरों में से 16.7 प्रतिशत खबरें पेज लीड न्यूज के रूप में, 9.9 प्रतिशत खबरें सेकेंड लीड न्यूज के रूप में, 1.3 प्रतिशत खबरें थर्ड लीड न्यूज के रूप में, 0 प्रतिशत खबरें फोर्थ लीड न्यूज के रूप में, 71.6 प्रतिशत खबरें सामान्य खबरों के रूप में, 0.5 प्रतिशत खबरें फुल पेज न्यूज के रूप में प्रकाशित हुयीं और नव भारत टाइम्स समाचार पत्र में कुल 1161 खबरों में से 15.8 प्रतिशत खबरें पेज लीड न्यूज के रूप में, 12.1 प्रतिशत खबरें सेकेंड लीड न्यूज की रूप में, 7.5 प्रतिशत खबरें थर्ड लीड न्यूज के रूप में, 0.6 प्रतिशत खबरें फोर्थ लीड न्यूज के रूप में, 63.7 प्रतिशत खबरें सामान्य खबरों के रूप में व 0.3 प्रतिशत खबरें फुल पृष्ठ पर प्रकाशित की गयीं।

4.2.3. चुनावी खबरों के भौगोलिक स्रोत अर्थात खबर के मूल स्थान के डेटा का विश्लेषण।

		समाचार पत्र							
		अमर उजाला		दैनिक जागरण		हिन्दुस्तान		नव भारत टाइम्स	
		गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत
मूल	स्थानीय/शहर	344	31.9%	885	61.2%	800	48.0%	415	35.7%
	क्षेत्रीय (राज्य की खबरें)	210	19.5%	193	13.3%	578	34.7%	246	21.2%

राष्ट्रीय (अन्य राज्यों की खबरें)	394	36.6%	344	23.8%	284	17.0%	276	23.8%
अन्य/ब्यूरो	129	12.0%	24	1.7%	5	0.3%	224	19.3%
कुल	1077	100.0%	1446	100.0%	1667	100.0%	1161	100.0%

उक्त तालिका में चुने गए समाचार पत्रों- अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान व नव भारत टाइम्स अखबारों में प्रकाशित चुनावी खबरों के मूल के अकड़ों को प्रदर्शित किया गया है जिसमें अमर उजाला समाचार पत्र में कुल 1077 खबरों में से 31.9 प्रतिशत खबरें स्थानीय/शहर की थीं, 19.5 प्रतिशत खबरें क्षेत्रीय थीं, 36.6 प्रतिशत खबरें राष्ट्रीय थीं और 12 प्रतिशत खबरें अन्य/ब्यूरो की थी तथा दैनिक जागरण समाचार पत्र में कुल 1446 में से 61.2 प्रतिशत खबरें स्थानीय थीं, 13.3 प्रतिशत खबरें क्षेत्रीय थीं, 23.8 प्रतिशत खबरें राष्ट्रीय थीं व 1.7 प्रतिशत खबरें अन्य/ब्यूरो की थीं एवं हिन्दुस्तान समाचार पत्र में कुल 1667 खबरों में से 48 प्रतिशत खबरें स्थानीय थीं, 34.7 प्रतिशत खबरें क्षेत्रीय थीं, 17 प्रतिशत खबरें राष्ट्रीय थीं व 0.3 प्रतिशत खबरें अन्य/ब्यूरो की थीं और नव भारत टाइम्स समाचार पत्र में से कुल 1161 खबरों में से 35.7 प्रतिशत खबरें स्थानीय, 21.2 प्रतिशत खबरें क्षेत्रीय, 23.8 प्रतिशत खबरें राष्ट्रीय व 19.3 प्रतिशत खबरें अन्य/ब्यूरो की थीं।

4.2.4. खबरों के स्रोत के डेटा का विश्लेषण।

		समाचार पत्र							
		अमर उजाला		दैनिक जागरण		हिन्दुस्तान		नव भारत टाइम्स	
		गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत
स्रोत	रिपोर्टर	180	16.7%	752	52.0%	1116	66.9%	423	36.4%
	कॉरेस्पोंडेंट	36	3.3%	48	3.3%	54	3.2%	63	5.4%
	न्यूज एजेंसी	76	7.1%	74	5.1%	238	14.3%	92	7.9%
	अन्य	786	72.9%	572	39.6%	259	15.5%	583	50.2%

	कुल	1078	100.0%	1446	100.0%	1667	100.0%	1161	100.0%

उक्त तालिका में अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान व नव भारत टाइम्स समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों के स्रोतों को दर्शाया गया है। जिसमें अमर उजाला समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों में से 16.7 प्रतिशत खबरें रिपोर्टर के माध्यम से, 3.3 प्रतिशत खबरें करेसपोंडेंट के माध्यम से, 7.1 प्रतिशत खबरें न्यूज एजेंसी के माध्यम से, 72.9 प्रतिशत खबरों का स्रोत अन्य था। इसी प्रकार दैनिक जागरण समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों में से 52 प्रतिशत खबरें रिपोर्टर के माध्यम से, 3.3 प्रतिशत खबरें करेसपोंडेंट के माध्यम से, 5.1 प्रतिशत खबरें न्यूज एजेंसी के माध्यम से, 39.6 प्रतिशत खबरें अन्य स्रोत के माध्यम से प्रकाशित हुई थी तथा हिन्दुस्तान समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों में से 66.9 प्रतिशत खबरों का स्रोत रिपोर्टर, 3.2 प्रतिशत खबरों का स्रोत करेसपोंडेंट, 14.3 प्रतिशत खबरों का स्रोत न्यूज एजेंसीयां, 15.5 प्रतिशत खबरों का स्रोत अन्य था और नव भारत टाइम्स समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों में से 36.4 प्रतिशत खबरों का स्रोत रिपोर्टर, 5.4 प्रतिशत खबरों का स्रोत करेसपोंडेंट, 7.9 प्रतिशत खबरों का स्रोत न्यूज एजेंसीयां, 50.2 प्रतिशत खबरों का स्रोत अन्य था।

4.2.5. अखबारों में पृष्ठ पर प्रकाशित कुल चुनावी खबरों के डेटा का विश्लेषण।

		समाचार पत्र							
		अमर उजाला		दैनिक जागरण		हिन्दुस्तान		नव भारत टाइम्स	
		गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत
पृष्ठ पर कुल खबरें	1	12	1.1%	16	1.1%	25	1.5%	6	0.5%
	2	47	4.4%	61	4.2%	36	2.2%	7	0.6%
	3	40	3.7%	32	2.2%	25	1.5%	63	5.4%
	4	78	7.2%	62	4.3%	49	2.9%	35	3.0%
	5	151	14.0%	136	9.4%	78	4.7%	32	2.8%
	6	101	9.4%	106	7.3%	121	7.3%	100	8.6%
	7	112	10.4%	157	10.9%	210	12.6%	113	9.7%

8	123	11.4%	183	12.7%	241	14.5%	134	11.5%
9	96	8.9%	202	14.0%	208	12.5%	147	12.7%
10	96	8.9%	187	12.9%	120	7.2%	142	12.2%
11	53	4.9%	25	1.7%	172	10.3%	143	12.3%
12	68	6.3%	108	7.5%	146	8.8%	110	9.5%
13	80	7.4%	30	2.1%	119	7.1%	40	3.4%
14	0	0.0%	36	2.5%	36	2.2%	9	0.8%
15	1	0.1%	42	2.9%	28	1.7%	29	2.5%
16	20	1.9%	26	1.8%	17	1.0%	31	2.7%
17	0	0.0%	13	0.9%	35	2.1%	14	1.2%
18	0	0.0%	7	0.5%	0	0.0%	0	0.0%
19	0	0.0%	7	0.5%	1	0.1%	0	0.0%
21	0	0.0%	3	0.2%	0	0.0%	1	0.1%
24	0	0.0%	5	0.3%	0	0.0%	3	0.3%
25	0	0.0%	2	0.1%	0	0.0%	0	0.0%
26	0	0.0%	0	0.0%	0	0.0%	2	0.2%
Total	1078	100.0%	1446	100.0%	1667	100.0%	1161	100.0%

उक्त तालिका में चुने गए समाचार पत्रों में पृष्ठ पर कुल चुनावी खबरों के आकड़ों को दर्शाया गया है। जिसमें अमर उजाला समाचार पत्र में पृष्ठ एक पर 1.1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दो पर 4.4 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ तीन पर 3.7 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ चार पर 7.2 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ पांच पर 14 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ छः पर 9.4 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ सात पर 10.4 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ आठ पर 11.4 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ नौ पर 8.9 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दस

[illegible]

4.2.6. लोक सभा चुनाव से संबंधित खबरों को दिए गए स्पेस के डेटा का विश्लेषण।

		समाचार पत्र							
		अमर उजाला		दैनिक जागरण		हिन्दुस्तान		नव भारत टाइम्स	
		गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत	गणना	प्रतिशत
लोक सभा चुनाव से संबंधित खबरों को दिया गया स्पेस	1	46	4.3%	76	5.3%	72	4.3%	39	3.4%
	2	60	5.6%	94	6.5%	54	3.2%	57	4.9%
	3	51	4.7%	60	4.1%	63	3.8%	68	5.9%
	4	85	7.9%	91	6.3%	76	4.6%	54	4.7%
	5	170	15.8%	164	11.3%	102	6.1%	40	3.4%
	6	98	9.1%	126	8.7%	192	11.5%	114	9.8%
	7	98	9.1%	175	12.1%	252	15.1%	112	9.6%
	8	112	10.4%	168	11.6%	232	13.9%	120	10.3%
	9	90	8.3%	180	12.4%	188	11.3%	180	15.5%
	10	139	12.9%	190	13.1%	170	10.2%	170	14.6%
	11	55	5.1%	44	3.0%	131	7.9%	77	6.6%
	12	36	3.3%	36	2.5%	96	5.8%	73	6.3%
	13	38	3.5%	13	0.9%	39	2.3%	26	2.2%
	14	0	0.0%	14	1.0%	0	0.0%	0	0.0%
	15	0	0.0%	15	1.0%	0	0.0%	15	1.3%
	16	0	0.0%	0	0.0%	0	0.0%	16	1.4%

	कुल	1078	100.0%	1446	100.0%	1667	100.0%	1161	100.0%

उक्त तालिका में चुने गए समाचार पत्रों में लोक सभा चुनाव 2019 से संबंधित खबरों को पृष्ठवार दिए गए स्पेस को दर्शाया गया है। जिसमें अमर उजाला समाचार पत्र में पृष्ठ एक पर 4.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दो पर 5.6 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ तीन पर 4.7 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ चार पर 7.9 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ पांच पर 15.8 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ छः पर 9.7 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ सात पर 9.1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ आठ पर 10.4 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ नौ पर 8.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दस पर 12.9 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ ग्यारह पर 5.1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ बारह पर 3.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ तेरह पर 3.5 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ चौदह पर 0 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ पंद्रह पर 0 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ सोलह पर 0 प्रतिशत चुनावी खबरों का प्रकाशन किया गया था। इसी प्रकार से दैनिक जागरण समाचार पत्र में पृष्ठ एक पर 5.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दो पर 6.5 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ तीन पर 4.1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ चार पर 6.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ पांच पर 11.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ छः पर 8.7 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ सात पर 12.1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ आठ पर 11.6 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ नौ पर 12.4 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दस पर 13.1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ ग्यारह पर 3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ बारह पर 2.5 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ तेरह पर 0.9 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ चौदह पर 1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ पंद्रह पर 1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ सोलह पर 0 प्रतिशत चुनावी खबरों का प्रकाशन किया गया था तथा हिन्दुस्तान समाचार पत्र में पृष्ठ एक पर 4.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दो पर 3.2 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ तीन पर 3.8 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ चार पर 4.6 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ पांच पर 6.1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ छः पर 11.5 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ सात पर 15.1 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ आठ पर 13.9 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ नौ पर 11.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दस पर 10.2 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ ग्यारह पर 7.9 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ बारह पर 5.8 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ तेरह पर 2.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ चौदह पर 0 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ पंद्रह पर 0 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ सोलह पर 0 प्रतिशत चुनावी खबरों का प्रकाशन किया गया था और नव भारत टाइम्स समाचार पत्र में पृष्ठ एक पर 3.4 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दो पर 4.9 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ तीन पर 5.9 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ चार पर 4.7 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ पांच पर 3.4 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ छः पर 9.8 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ सात पर 9.6 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ आठ पर 10.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ नौ पर 15.5 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ दस पर 14.6 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ ग्यारह पर 6.6 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ बारह पर 6.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ तेरह पर 2.2 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ चौदह पर 0 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ पंद्रह पर 1.3 प्रतिशत खबरें, पृष्ठ सोलह पर 1.4 प्रतिशत चुनावी खबरों का प्रकाशन किया गया था।

4.2.7. समाचार पत्रों में प्रमुख मुद्दों या एजेंडों से संबंधित आंकड़ों के डेटा का विश्लेषण।

		समाचार पत्र				Total
		अमर उजाला	दैनिक जागरण	हिन्दुस्तान	नव भारत टाइम्स	
Ram mandir	गणना	4	1	0	1	6
	प्रतिशत	14.8%	3.1%	0.0%	6.7%	
IPC 370	गणना	2	2	2	0	6
	प्रतिशत	7.4%	6.3%	2.6%	0.0%	
Teen Talak	गणना	0	1	2	0	3
	प्रतिशत	0.0%	3.1%	2.6%	0.0%	
72 thousand of each citizen	गणना	3	3	1	3	10
	प्रतिशत	11.1%	9.4%	1.3%	20.0%	
Employment	गणना	1	4	12	0	17
	प्रतिशत	3.7%	12.5%	15.8%	0.0%	
Education	गणना	2	0	3	0	5
	प्रतिशत	7.4%	0.0%	3.9%	0.0%	
Sectarianism	गणना	5	2	17	4	28
	प्रतिशत	18.5%	6.3%	22.4%	26.7%	
Economy	गणना	0	3	4	1	8
	प्रतिशत	0.0%	9.4%	5.3%	6.7%	

Terrorism	गणना	3	6	10	2	21
	प्रतिशत	11.1%	18.8%	13.2%	13.3%	
Development	गणना	7	10	25	4	46
	प्रतिशत	25.9%	31.3%	32.9%	26.7%	
Total	गणना	27	32	76	15	150
	प्रतिशत	100%	100%	100%	100%	
प्रतिशतs and totals are based on respondents.						
a. Dichotomy group tabulated at value 1.						
only 1 गणना and प्रतिशत						

उक्त तालिका में चुने गए समाचार पत्रों- अमर उजाला में विभिन्न मुद्दों या एजेंडों से संबंधित कुल 27 खबरों में से 14.8 प्रतिशत राम मंदिर को, 7.4 प्रतिशत धारा 370 को, 0 प्रतिशत तीन तलाक को, 11.1 प्रतिशत प्रत्येक नागरिक को 72 हजार, 3.7 प्रतिशत रोजगार को, 7.4 प्रतिशत शिक्षा को, 18.5 प्रतिशत संप्रदायवाद को, 0 प्रतिशत अर्थशास्त्र को, 11.1 प्रतिशत आतंकवाद को, 25.9 प्रतिशत स्थान विकास के मुद्दे को दिया गया। दैनिक जागरण में चुनावी मुद्दों से संबंधित कुल 32 खबरों में से 3.1 प्रतिशत राम मंदिर को, 6.3 प्रतिशत धारा 370 को, 3.1 प्रतिशत तीन तलाक को, 9.4 प्रतिशत प्रत्येक नागरिक को 72 हजार, 12.5 प्रतिशत रोजगार को, 0 प्रतिशत शिक्षा को, 6.3 प्रतिशत संप्रदायवाद को, 9.4 प्रतिशत अर्थशास्त्र को, 18.8 प्रतिशत आतंकवाद को, 31.3 प्रतिशत विकास के मुद्दे को स्थान दिया गया। हिन्दुस्तान समाचार पत्र में चुनावी मुद्दों से संबंधित कुल 76 खबरों में से 0 प्रतिशत राम मंदिर को, 2.6 प्रतिशत धारा 370 को, 2.6 प्रतिशत तीन तलाक को, 1.3 प्रतिशत प्रत्येक नागरिक को 72 हजार, 15.8 प्रतिशत रोजगार को, 3.9 प्रतिशत शिक्षा को, 22.4 प्रतिशत संप्रदायवाद को, 5.3 प्रतिशत अर्थशास्त्र को, 13.2 प्रतिशत आतंकवाद को, 32.9 प्रतिशत विकास के मुद्दे को स्थान दिया गया। नव भारत टाइम्स समाचार पत्र में चुनावी मुद्दों से संबंधित कुल 15 खबरों में से 6.7 प्रतिशत राम मंदिर को, 0 प्रतिशत धारा 370 को, 0 प्रतिशत जगह तलाक को, 20 प्रतिशत प्रत्येक नागरिक को 72 हजार, 0 प्रतिशत रोजगार को, 0 प्रतिशत शिक्षा को, 26.7 प्रतिशत संप्रदायवाद को, 6.7 प्रतिशत अर्थशास्त्र को, 13.3 प्रतिशत आतंकवाद को, 26.7 प्रतिशत विकास के मुद्दे को स्थान दिया गया।

4.3. साक्षात्कार विश्लेषण (प्रकाशित खबरों में प्रयुक्त पॉलिसी)

प्रश्न1- आपकी नजर से लोक सभा चुनाव 2019 के चुनाव में हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों ने समाचार पत्रों के पाठकों को मतदान के लिए प्रेरित किया था यदि हाँ तो किस प्रकार?

उत्तर- चुनावी खबरें आमतौर पर पाठकों को मतदान के लिए प्रेरित करती हैं, क्योंकि हिंदी समाचार पत्रों प्रकाशित चुनावी खबरें उम्मीदवारों, दलों, राजनीतिक मुद्दों और चुनाव संबंधी घटनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं। ये खबरें पाठकों को उनके निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती हैं और अपने मताधिकार का उपयोग करना सिखाती हैं। इसके अलावा, चुनावी खबरें मतदान के महत्व को भी उजागर करती हैं और लोगों में मतदान के प्रति उत्साह जगाती हैं। यह तरीका हिंदी समाचार पत्रों के द्वारा निरंतर अपनाया जाता है ताकि लोग सक्रिय नागरिक बनें और चुनावी प्रक्रिया में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें। लोकतंत्र में हर एक मत का महत्व है, यदि आप सही सोच विचार कर अपने प्रत्याशी चुनाव करते हैं, तो यह स्थानीय विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास में भी अपनी भूमिका निभाते हैं। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारा प्रत्याशी कैसा है, उसकी छवि कैसी है, वह कितना पढ़ा लिखा है और वह आम जनता की जरूरतों को कितना जानता है। अक्सर यह देखा जाता है कि जो लोग मीडिया माध्यमों का कम उपयोग करते हैं, वह अक्सर दूसरे के कहने पर आ जाते हैं और अपना अमूल्य मत किसी भी प्रत्याशी को दे देते हैं। जिससे उनका व्यक्तिगत नुकसान होता ही है साथ ही स्थानीय या राष्ट्रीय नुकसान के भी जिम्मेदार बन जाता है। (अमर उजाला संपादक) इस प्रश्न पर अपनी सहमति जताते हुए कहते हैं कि हिंदी समाचार पत्र जन-जन तक देश में घटित हो रही घटनाओं की सूचना पहुँचाते हैं। फिर चाहें वह सूचनाएं चुनाव से ही संबंधित ही क्यों न हों। समाचार पत्र का पाठक चुनावी खबरों को किस रूप में लेते हैं यह उनके स्वविवेक पर निर्भर करता है। ठीक इसी प्रकार (दैनिक जागरण संपादक) इस प्रश्न पर सहमति जताते हुए कहते हैं कि भारतीय परिदृश्य में हिंदी समाचार पत्र लाखों लोगों के लिए सूचना और ज्ञान का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इसलिए जनता की राय निर्धारित करने में और देश और दुनिया में नवीनतम घटनाओं के बारे में नागरिकों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए लोक सभा चुनाव के दौरान हिंदी समाचार पत्रों ने लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़चढ़ कर अपना सहयोग प्रदान किया है तथा लोगों को इसकी महत्ता से अवगत कराने के साथ-साथ मतदान करने के लिए भी प्रेरित किया है। (हिन्दुस्तान, संपादक) इस प्रश्न में अपनी सहमति जताते हुए नजर आते हैं और कहते हैं कि जन सामान्य तक देश में घटित हो रही घटनाओं की सूचना पहुँचाना हमारा प्रमुख ध्येय है। लोक सभा चुनाव 2019 के विषय में भी मैं यही कहूँगा कि पाठकों को विभिन्न दलों और उम्मीदवारों से संबंधित अनेक प्रकार की जानकारी और संसदीय क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों को समाचार पत्रों में प्रमुखता से उठाते आए हैं इसलिए मैं कह सकता हूँ कि समाचार पत्र पाठकों को मतदान के लिए प्रेरित करते हैं। इसी तरह (नव भारत टाइम्स संपादक) उक्त प्रश्न से

सहमत होते हुए कहते हैं कि चुनावी खबरें पढ़ने की प्रत्येक पाठक की अपनी अभिरुचि होती है तथा उसी के अनुसार वह समाचार पत्रों में खबरों को पढ़ता, सीखता एवं ज्ञानार्जन करता है। चूंकि चुनावी खबरें पाठकों को उनके क्षेत्र के उम्मीदवारों की सभी तरह की जानकारी, उनकी रणनीतियां तथा क्षेत्र के विकास के लिए किए गए वादों से अवगत कराते हैं, इसलिए हिंदी समाचार पत्र आमजन को मतदान के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रश्न2- लोक सभा चुनाव 2019 से संबंधित खबरों को प्रकाशित करने के लिए किस प्रकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाता था?

उत्तर- लोक सभा चुनाव 2019 में खबरों के प्रकाशन में प्राथमिकतायें, उम्मीदवारों द्वारा विशेष मुद्दों जैसे- रोजगार, विकास, राम मंदिर, आतंकवाद आदि का जिक्र करने और प्रमुख-प्रमुख प्रतिनिधियों जोकि आम जनता के मध्य लोकप्रिय हैं, इनसे संबंधित खबरों का प्रकाशन अनिवार्य रूप से किया जाता था क्योंकि जनता का सारा ध्यान ऐसी ही प्रमुख सीटों पर रहता था, जहां से लोकप्रिय जन प्रतिनिधि चुनाव लड़ रहे थे। एक तरह से कहा जाये तो 2019 का आम चुनाव शीर्ष नेतृत्व के कंधों पर था। इसलिए आम जनता के मन-मस्तिष्क में कमान संभाल रहे राजनेताओं की छवि का निर्माण हुआ जिसने चुनाव की दिशा और दशा ही बदल की रख दी। यहां हम कुछ प्राथमिकताओं पर बात करते हैं। जैसे- संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवार, उनकी प्रोफाईल, चुनावी रैलियां, अलग-अलग क्षेत्र के उम्मीदवारों की चर्चा, पार्टियों की खबरें, पार्टियों की गतिविधियां, प्रमुख चुनावी मुद्दे, शीर्ष नेतृत्व पर चर्चा, पार्टियों की नीतियों पर चर्चा, अलग-अलग क्षेत्र के अलग-अलग चुनावी मुद्दे आदि शीर्ष प्राथमिकतायें थी, जिन्हें हिंदी समाचार पत्रों ने केंद्र में रखते हुए खबरों का प्रकाशन किया था। उक्त प्रश्न पर (अमर उजाला संपादक) अपनी सहमति जताते हुए कहते हैं कि प्रमुख चुनावी मुद्दों और उम्मीदवारों से संबंधित हर तरह की जानकारी प्रकाशित करना हमारा प्रथम कर्तव्य है और मैंने इसी को केंद्र में रखकर समाचार पत्र में खबरों का संपादन करवाया था। दूसरे मीडियों घरानों के बारे में, मैं कुछ नहीं कह सकता हूँ। (दैनिक जागरण संपादक) प्रमुख चुनावी मुद्दे और क्षेत्र विशेष के लोकप्रिय उम्मीदवारों तथा उनके द्वारा किए जाने वाले मुद्दों को प्राथमिकता से छापना हमारा काम है। अन्य समाचार पत्रों के बारे में, मैं कुछ नहीं कह सकता हूँ। (हिन्दुस्तान संपादक) अपनी असहमति जताते हुए कहते हैं कि इसके लिए कोई अलग से प्राथमिकतायें नहीं होती हैं बल्कि प्रमुख घटना या लोक प्रिय उम्मीदवार अपने क्षेत्र विशेष में जाता है और किसी विशेष मुद्दे का जिक्र करता है, उसी को छपना हमारी प्राथमिकता बन जाती है। (नव भारत टाइम्स संपादक) प्राथमिकताओं के बारे में अपना मत व्यक्त करते हुए कहते हैं कि व्यक्ति विशेष या प्रमुख मुद्दों को प्राथमिकतायें देते हैं क्योंकि आज के दौर में पलक झपकते ही खबरें प्रकाश की गति से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंच जाती हैं ऐसे में आम जनता का ध्यान प्रमुख-प्रमुख संसदीय उम्मीदवारों पर रहता है, वह कब अपने क्षेत्र में गए और उन्होंने क्या वादे किए यह सब जानने के लिए वह दूसरी सुबह समाचार पत्रों का इंतजार करते हैं।

प्रश्न3- क्या खबरों के प्रकाशन में चुनावी खबरों को मुद्दों के साथ मिश्रित किया जाता था ?

उत्तर- मीडिया में चुनावी खबरों के प्रकाशन में मुद्दों को खबरों के साथ मिश्रित करके प्रकाशित किया जाता है। चुनावी खबरें आमतौर पर राजनीतिक घटनाओं, राजनीतिक दलों और नेताओं के बारे में होती हैं और इनमें उम्मीदवारों की प्रगति, चुनावी रणनीति, चुनावी प्रचार और वोटों को रझाने का विश्लेषण शामिल होता है। खबरों में चुनावी मुद्दों को मिश्रित करने का उद्देश्य पाठकों को विश्वसनीय और सटीक जानकारी प्रदान करना है। यहां मुद्दों का मतलब तथ्यों और आकड़ों का उपयोग करके खबरों को सटीकता प्रदान करना है। इससे पाठकों को एक व्यापक और समग्र छवि प्राप्त होती है और वे अपने निर्णयों को अधिक सुसंगत ढंग से लेने में सक्षम होते हैं। मुद्दों से साथ मिश्रित खबरें सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दों को समझने में मदद करती हैं और राजनीतिक महौल को दर्शाती है और लोगों को निर्णय लेने में मदद करती हैं। (अमर उजाला संपादक) बिना चुनावी मुद्दों के तो चुनाव की परिकल्पना ही नहीं की जा सकती है। चुनावी मुद्दे चुनाव का आधार होते हैं जो जनमत निर्माण में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन करते हैं और चुनाव का दिशा व दशा तय करते हैं। (दैनिक जागरण संपादक) चुनावी मुद्दे चुनाव का आधार होते हैं, जो जनमत के निर्माण में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन करते हैं और चुनाव की दिशा व दशा तय करते हैं। (हिन्दुस्तान संपादक) चुनावी मुद्दे चुनाव की ताकत या यूँ कहें कि आधार होते हैं, जो जनमत के निर्माण में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन करते हैं, प्रमुख-प्रमुख उम्मीदवारों द्वारा जो भी घोषणायें की जाती है या मुद्दों को उठाया जाता है उन्हें खबरों के रूप में प्रस्तुत करना हमारा काम है। (नव भारत टाइम्स संपादक) बिना चुनावी मुद्दों के तो चुनाव की परिकल्पना ही नहीं की जा सकती है। चुनावी मुद्दे चुनाव का आधार होते हैं जो जनमत निर्माण में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन करते हैं।

प्रश्न4- चुनाव के समय चुनावी खबरों को प्रकाशित करना हिंदी समाचार पत्रों के प्रमुख एजेंडों में से एक था, आप क्या कहना चाहेंगे?

उत्तर- चुनाव के समय चुनावी खबरों को प्रकाशित करना हिंदी समाचार पत्रों के प्रमुख एजेंडों में से एक माना जाता है। चुनावी खबरें आमतौर पर चुनाव प्रचार, उम्मीदवारों की प्रगति, वोटों के रझान का विश्लेषण, नेताओं के वक्तव्य, चुनावी रणनीति और राजनीतिक घटनाओं के बारे में होती है। हिंदी समाचार पत्रों का उद्देश्य जनता को ताजा जानकारी उपलब्ध कराना है। चुनाव के समय चुनावी खबरों को प्राथमिकता दी जाती है, साथ ही साथ इसके लिए समाचार पत्र अलग से स्पेशल पृष्ठों का प्रकाशन भी करते हैं, ताकि लोग उन्हें पढ़कर चुनाव प्रक्रिया को समझ सकें और जान सकें कि राजनीतिक पक्षों और उम्मीदवारों की प्रगति क्या है। यह उन्हें राजनीतिक समझ और नीति निर्माण के मामलों से अवगत कराता है ताकि वे जरूरी निर्णय ले सकें। (अमर

उजाला संपादक) चुनाव के दौरान विविध मुद्दों को उठाया जाता है और यही मुद्दे प्रमुख एजेंडों में परिवर्तित हो जाते हैं। जो चुनाव की दिशा और दशा दोनों को बदल कर रख देते हैं। ठीक वैसे ही जैसे चुनाव 2014 में पूरा देश मोदी मय हो गया था। मोदी लहर में भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर अन्य सभी पार्टियां बौनी साबित हो गयीं थीं। इस प्रकार हम कर सकते हैं कि चुनावी खबरें आमजन को सूचना देने और चुनावी खबरों को पढ़ने के लिए आपनी ओर आकर्षित करती हैं। (दैनिक जागरण संपादक) चुनावी मुद्दे मीडिया की मुख्यधारा में आकर एजेंडों का रूप धारण कर लेते हैं और इन मुद्दों को सूचना के प्रवाह में तीव्रगति के साथ प्रवाहित किया जाता है, ताकि लोगों को सोचने और समझने का समय ही न मिले कि समाचार पत्रों में जो मुद्दे या एजेंडे उठाये गए हैं वह जनहित के हैं या पार्टी विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से उठाये गए हैं। (हिन्दुस्तान संपादक) मीडिया में एजेंडों का बहुत महत्व है और यह देश काल के अनुसार बदलते रहते हैं। कभी यह एजेंडे जनमत का निर्माण करने के लिए तो कभी या मुद्दे राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से और कभी यह जन समुदाय को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से उठाये जाते हैं। खबरों के प्रकाशन में पूरी की पूरी टीम काम करती हैं और एजेंडों का निर्धारण किसी एक व्यक्ति के द्वारा नहीं किया जाता है। (नव भारत टाइम्स संपादक) चुनाव के दौरान समाचार पत्र आम जनता और विभिन्न राजनीतिक दलों के मध्य, माध्यम का काम करते हैं और दोनों को साझा मंच प्रदान करते हैं जहां वह अपनी-अपनी बातें एक दूसरे तक पहुंचाते हैं। आम जनता के मुद्दे राजनीतिक दलों तक और राजनीतिक दलों द्वारा उठाये गए मुद्दों को आम जन तक। ऐसे में कहा जा सकता है कि समाचार पत्रों की यहां पर दोहरी भूमिका है।

प्रश्न5- हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें मतदाता को भ्रमित नहीं करती हैं बल्कि अपने मताधिकार का सदुपयोग करना सिखाती हैं? आपका क्या मत है?

उत्तर- हिंदी समाचार पत्रों का ध्येय मतदाताओं की सटीक, निष्पक्ष और सच्ची जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ पाठकों को विभिन्न मुद्दों, घटनाओं और राजनीतिक प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक करना होता है, ताकि मतदाता सही और समय पर निर्णय ले सकें। हिंदी समाचार पत्रों में खबरों को देश और विदेश के मुद्दों को गहराई से जांचा जाता है और पत्रकारों द्वारा खबरों की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए उच्च मानकों का पालन किया जाता है। इस तरह पत्रकारों की जिम्मेदारी होती है कि वे सत्यता, व्यापकता और निष्पक्षता के मानकों का पालन करें, ताकि पाठकों को सटीक जानकारी प्राप्त हो। हिंदी समाचार पत्रों का मतलब यह नहीं है कि वे मतदाता को किसी विशेष राजनीतिक दल, व्यक्ति या विचार के पक्ष का समर्थन करें, वे अपने पाठकों को विभिन्न विचारों, दलों और मतों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं, जिससे मतदाता स्वयं निर्णय लें। हिंदी समाचार पत्र अपने नवीनतम लेखों, संपादकीय और विशेष रिपोर्टिंग के माध्यम से अपने पाठकों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। (अमर उजाला संपादक) उक्त प्रश्न से सहमत हैं और कहते हैं कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबरें सूचना

देने का काम करती हैं न कि पाठक को भ्रमित करती हैं। इसके अतिरिक्त चुनाव के संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए विविध समाचार पत्र नियमित रूप से अपने अपने स्तर पर मतदान जागरूकता के संबंध में लेख, कहानी, संस्मरण, व्यंग्य, पहला वोट अहम वोट आदि शीर्षक से सूचनायें प्रकाशित करते हैं जो निश्चित ही लोगों को अपने मताधिकार का सदपयोग करना सीखाती हैं। (दैनिक जागरण संपादक) मेरे प्रश्न से सहमत हैं और कहते हैं कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबरें लोगों को सिर्फ सूचना देने का काम ही नहीं करती हैं बल्कि उनके ज्ञान में भी वृद्धि करती हैं क्योंकि समाचार पत्रों में प्रकाशित तथ्यात्मक खबरें और विश्वसनीय खबरें पाठकों का समाचार पत्रों के प्रति विश्वास पैदा करती हैं और लोगों को जागरूक भी करती हैं, इसके लिए प्रत्येक समाचार पत्र अपने-अपने स्तर पर प्रयास करते हैं, जो निश्चित ही लोगों को अपने मताधिकार का सदपयोग करना सीखाते हैं। (हिन्दुस्तान संपादक) उक्त प्रश्न से सहमत हैं और कहते हैं कि हिंदी समाचार पत्र लोगों को देश दुनिया की घटनाओं से अवगत कराने के अतिरिक्त उनके ज्ञान में भी वृद्धि करते हैं, साथ ही साथ लोगों को जागरूक करना हो या किसी प्रकार की सूचनाएं देनी हों, हिंदी समाचार पत्र अग्रणी भूमिका निभाते हैं। इसके लिए समाचार पत्र अलग-अलग तरह से लोगों को विचार-विमर्श का साझा मंच प्रदान करते हैं और राजनीतिक दलों की विचारधाराओं, उनके विकास के वादों और प्रारूपों को प्रमुखता से प्रकाशित करते हैं, जिससे आम जनता के मन में अपने मत को लेकर विचारधारा का विकास होता है जो उन्हें अपने मत को उपयोगी राजनीतिक दलों को देने के लिए प्रेरित करती है। (नव भारत टाइम्स संपादक) उक्त प्रश्न से सहमत हैं और कहते हैं कि हिंदी समाचार पत्र निश्चित ही लोगों को अपने मताधिकार का सदपयोग करना सीखाते हैं, क्योंकि प्रत्येक समाचार पत्र की अपनी आडियोलॉजी होती है, इसलिए समाचार पत्र उसी को ध्यान में रखकर खबरों का प्रकाशन करते हैं। इसके अतिरिक्त आम जनता को मतदान हेतु प्रेरित करने लिए अलग-अलग तरह के कॉर्नर का प्रकाशन करते हैं ताकि लोगों की हिंदी समाचारों के प्रति रुचि बढ़े और वह उनके आधार पर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें।

प्रश्न6- हिंदी समाचार पत्रों ने लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान निष्पक्ष होकर पत्रकारिता की थी, न कि सत्ता पक्ष को ध्यान में रखकर पार्टी विशेष का महिमा मंडन किया था?

उत्तर- हां, लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान हिंदी समाचार पत्रों ने निष्पक्ष होकर पत्रकारिता की थी। चुनाव के दौरान समाचार पत्रों ने विभिन्न राजनीतिक पार्टियों की गतिविधियों, वक्तव्यों, नीतियों और प्रचार अभियानों की प्रगति को निष्पक्षता के साथ कवर किया गया था। हिंदी समाचार पत्रों ने संसदीय क्षेत्रों में होने वाले चुनावों की निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्ष रिपोर्टिंग की और चुनावी मुद्दों, पार्टियों के कार्यक्रम, नेताओं के बयानों, आरोपों और प्रत्यारोपों और राजनीतिक विवादों की विस्तार से चर्चा की और सुनिश्चित किया कि जनता को वास्तविक और सटीक जानकारी मिले। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक भाषणों और नई प्रेस विज्ञप्तियों और घोषणाओं की

कवरेज के साथ सवाल उठाये और नेताओं को उनके कर्मचारियों और नीतियों पर जबाब देने के लिए प्रेरित किया। (अमर उजाला संपादक) मेरे प्रश्न से असहमत नजर आते हैं और कहते हैं कि समाचार पत्र पार्टी विशेष का महिमा मंडन करने लगेंगे तो लोगों का समाचार पत्रों से भरोसा ही उठ जायेगा और आमजन समाचार पत्रों से दूर होता चला जायेगा। चुनाव के दौरान मेरे समाचार पत्र ने निष्पक्ष होकर पत्रकारिता की थी। जो प्रमुख खबरें थी उसे प्रमुखता से छापा और वैसे भी लोगों का ध्यान प्रमुख उम्मीदवारों पर ज्यादा रहता है इसलिए भी उनकी खबरें ज्यादा छापी जाती हैं इसका ये मतलब तो नहीं है कि समाचार पत्र सत्ता पक्ष की ओर झुकाव रखता है। (दैनिक जागरण संपादक) उक्त प्रश्न से असहमत हैं और कहते हैं कि समाचार पत्र की एक ही पॉलिसी है खबरों का प्रकाशन करना न कि किसी पार्टी विशेष या किसी विशेष उम्मीदवार का महिमामंडन करना। जो प्रमुख खबरें थीं उन्हें प्रमुखता से छापा और समाचार पत्र में उचित जगह दी। (हिन्दुस्तान संपादक) मेरे प्रश्न से असहमत हैं और कहते हैं कि बिना निष्पक्ष हुए लोक सभा चुनाव 2019 में चुनावी खबरों का प्रकाशन संभव नहीं था। आज का पाठक वर्ग समझदार है। यदि हम निष्पक्ष पत्रकारिता नहीं करेंगे तो पाठकवर्ग को खो देंगे। इसलिए हम सिर्फ चुनावी खबरों को प्रकाशित करते हैं न कि पार्टी विशेष का महिमा मंडन करते हैं। (नव भारत टाइम्स संपादक) मेरे प्रश्न से असहमत हैं और कहते हैं समाचार पत्रों का प्रमुख काम है चुनावी खबरों को एकत्रित करना और फिर उसे फिल्टर करना कि कौन सी खबर पब्लिश होने के लायक है या कौन नहीं, इसके लिए पूरा संपादकीय मंडल है और जो प्रमुख खबर है उसे प्रमुखता से छापा जाता है और जो संक्षिप्त खबर होती है उसे संक्षेप में छापा जाता है और हां हम किसी सत्तापक्ष को ध्यान में रखकर खबरों का प्रकाशन नहीं करते हैं।

प्रश्न7- जिस प्रकार से हिंदी समाचार पत्रों में पार्टी विशेष की ओर झुकाव देखने को मिलता है, क्या समाचार पत्र अपने ध्येय से भटक रहे हैं?

उत्तर- हां, कई बार हिंदी समाचार पत्रों में पार्टी विशेष के प्रति एक ओर झुकाव देखने को मिलता है। यह आमतौर पर इसलिए होता है क्योंकि समाचार पत्र भी व्यापारिक संगठन होते हैं और वे अपने उपभोक्ताओं को प्राप्त करने के लिए राजनीतिक पार्टियों या अन्य सामाजिक या व्यावसायिक समूहों से विज्ञापन राशि लेते हैं। व्यापारिक संगठनों के लिए समाचार पत्रों का विस्तार महत्वपूर्ण होता है और वे अपने विज्ञापन और प्रचार को बढ़ावा देने के लिए समाचार पत्रों से मिलते हैं। इस कारण से कुछ समाचार पत्र अपने ध्येय से भटक सकते हैं और पार्टी विशेष की ओर झुकाव देखने को मिल सकता है। इसके अतिरिक्त कुछ समाचार पत्रों में पार्टी विशेष के आलोक में वार्तालाप, विशेष लेख और टिप्पणियों का विस्तारित प्रकटन देखने को मिलता है। इससे पार्टी की राजनीतिक नीतियों की व्याख्या और विचारधारा पर ज्यादा प्रकाश डाला जाता है। (अमर उजाला संपादक) मेरे प्रश्न से असहमत हैं और कहते हैं कि यह अक्सर कहा जाता है कि समाचार पत्र किसी न किसी पार्टी विशेष की ओर झुकाव रखते हैं लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि जैसे देश के प्रधानमंत्री या मुख्य मंत्री किसी चुनावी सभा

का संबोधित करते हैं तो ऐसे में प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के संबंध में खबरें प्रकाशित करना हमारा दायित्व बन जाता है कि देश के प्रधानमंत्री ने अपने जनसंबोधन में क्या कहा है? क्योंकि प्रधानमंत्री देश का होता है, किसी एक राजनीतिक पार्टी से संबंध रखता है यह अलग बात है। (दैनिक जागरण संपादक) उक्त प्रश्न से सहमत हैं और कहते हैं कि समाचार पत्रों का पार्टी की ओर झुकाव देखने को मिलता है लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि जैसे देश के प्रधानमंत्री या मुख्य मंत्री किसी चुनावी सभा का संबोधित करते हैं तो ऐसे में प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के संबंध में खबरें प्रकाशित करना हमारा दायित्व बन जाता है कि देश के प्रधानमंत्री ने अपने जनसंबोधन में क्या कहा है? क्योंकि प्रधानमंत्री देश का होता है, किसी एक राजनीतिक पार्टी से संबंध रखता है यह अलग बात है। (हिन्दुस्तान संपादक) उक्त प्रश्न से असहमत हैं और कहते हैं कि यह सिर्फ कहने की बात है कि समाचार पत्र किसी न किसी पार्टी विशेष की ओर झुकाव रखते हैं। मैं कहना चाहूंगा कि जैसे देश के प्रधानमंत्री या मुख्य मंत्री किसी चुनावी सभा का संबोधित करते हैं तो ऐसे में प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के संबंध में खबरें प्रकाशित करना हमारा दायित्व बन जाता है कि देश के प्रधानमंत्री ने अपने जनसंबोधन में क्या कहा है? क्योंकि प्रधानमंत्री देश का होता है, किसी एक राजनीतिक पार्टी से संबंध रखता है यह अलग बात है। (नव भारत टाइम्स संपादक) उक्त प्रश्न से असहमत हैं और कहते हैं कि प्रधानमंत्री या मुख्य मंत्री जब किसी सभा का संबोधित करते हैं तो ऐसे उससे संबंधित खबरों का प्रकाशन करना हमारा दायित्व बन जाता है कि देश के प्रधानमंत्री ने अपने जनसंबोधन में क्या कहा है? क्योंकि प्रधानमंत्री देश का होता है, किसी एक राजनीतिक पार्टी से संबंध रखता है यह अलग बात है।

प्रश्न8- आपकी नजर से हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें आमजन या मतदाता को किस तरह से प्रभावित करती हैं?

उत्तर- हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें मतदाता पर कई तरह से प्रभाव डालती हैं, जिसके लिए कुछ प्रमुख कारक जिम्मेदार होते हैं। उदाहरण के लिए- सत्यता और विश्वसनीयता, अच्छे समाचार पत्र वास्तविकता और सत्यता को बनाए रखने का भरकस प्रयास करते हैं। जब लोग समाचार पढ़ते हैं, तो उन्हें खबरों पर विश्वास होना चाहिए और उन्हें सत्यता की जांच के लिए उपयोगी तथ्य और संदर्भ भी प्रदान करना चाहिए। जागरूकता और ज्ञान- समाचारों पत्रों का मुख्य उद्देश्य लोगों को जागरूक और ज्ञानी बनाना है। ये अपने सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक मामलों के बारे में लोगों को सूचित करते हैं और उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली खबरों के माध्यम से शिक्षित करते हैं। विचार-विमर्श- समाचार पत्रों के माध्यम से विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श होता है जो लोगों के मन में राय और विचारों का विकास करता है। जागरूकता- हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें लोगों को विभिन्न मुद्दों, घटनाओं और विषयों की जानकारी प्रदान करते हैं। इन खबरों के माध्यम से लोग राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरण और कई अन्य मुद्दों के बारे में जान सकते हैं और जागरूकता को

बढ़ा सकते हैं। राजनीतिक प्रभाव- समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें राजनीतिक दलों, नेताओं और राजनीतिक मुद्दों पर प्रभाव डाल सकती हैं। ये खबरें वोटर्स को निर्णय लेने में मदद करती हैं और उन्हें नवीनतम राजनीतिक घटनाओं की जानकारी प्रदान करती हैं। (अमर उजाला संपादक) उक्त प्रश्न से सहमत हैं कि प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा सोशल मीडिया की भांति सूचनाओं को आम जन तक पहुंचाती है और इन खबरों को आमजन तक पहुंचाने के लिए बहुत तेजी से सूचनाओं का प्रसार किया जाता है ताकि आमजन को सोचने समझने का मौका ही न मिले कि वह किस पार्टी या उम्मीदवार को वोट करें। कई बार देखा जाता है कि कोई एक मुद्दा ही चुनाव की रूप रेखा बदलकर रख देता है। (दैनिक जागरण संपादक) मेरे प्रश्न से सहमति जताते हुए कहते हैं कि हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें स्थायी होती है, खबरें प्रकाशित होने के बाद किसी प्रकार का बदलाव संभव नहीं है इसलिए समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों का अपना प्रभाव है और यह प्रभाव शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण सभी जगह देखने को मिलता है। समाचार पत्रों का पाठक वर्ग आज भी इन पर विश्वास करते हैं। (हिन्दुस्तान संपादक) उक्त प्रश्न से असहमत हैं और कहते हैं कि यह कहना जरा मुश्किल है कि किस तरह से प्रभावित करती हैं क्योंकि आज का समाज सिर्फ समाचार पत्र के भरोसे नहीं बैठा है। वह प्रिंट के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया से भी जुड़ा हुआ है जहां पलक झपके ही सूचनाओं को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचा दिया जाता है। हिंदी समाचार पत्रों की अपनी सीमाएं हैं इसलिए समाचार पत्रों का अपना प्रभाव है। जो खबर एक बार पब्लिश हो गयी उसे बदल नहीं सकते हैं, इसलिए समाचार पत्रों का प्रभाव अन्य माध्यमों की तुलना में अधिक है। (नव भारत टाइम्स संपादक) उक्त प्रश्न के उत्तर में सहमति जताते हैं और कहते हैं कि हिंदी समाचार पत्रों का अपना पाठक वर्ग है जो समाचार पत्रों को इलेक्ट्रॉनिक की तुलना में आज भी विश्वसनीय मानता है। इसलिए समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता है और पाठक खबरों से कितना प्रभावित और किस तरह से प्रभावित हुआ यह कहना जरा मुश्किल है।

प्रश्न9- लोक सभा चुनाव 2019 के समय जो राजनीतिक पार्टी समाचार पत्र को ज्यादा विज्ञापन देती थी, क्या उस पार्टी की खबरों को ज्यादा महत्व दिया जाता था?

उत्तर- कई बार ऐसा देखा गया है कि जो राजनीतिक पार्टियां समाचार पत्रों को अपने प्रचार-प्रसार के लिए ज्यादा विज्ञापन देती हैं, तो इसके कारण पार्टी की खबरों को बड़ा महत्व दिया जा सकता है, जबकि अन्य पार्टियों की खबरों को कम वरीयता दी जा सकती है। यह प्रभाव सोशल मीडिय, टेलीविजन और अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी दिखायी दे सकता है। देखा जाए तो इस प्रकार की असमानता मीडिया की आजादी और न्यायिक तत्वों को खतरा पहुंचा सकती हैं और जनता के मन में एक पक्षपाती दृष्टिकोण विकसित कर सकती है। जब तक मीडिया स्वतंत्र और विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के बीच सामंजस्य बनाए रखती है और सभी पक्षों को समान महत्व देती है, जनता को सही और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त करनी में मदद मिलती है। (अमर

उजाला संपादक) उक्त प्रश्न के विषय में अपनी अप्रत्यक्ष सहमित जताते हुए कहते हैं कि वर्तमान परिदृश्य में मीडिया संस्थान पूर्ण रूप से व्यावसायिक हो चुके हैं। ऐसे में किसी भी समाचार पत्र के प्रबंधन और वहां काम करने वाले हजारों कर्मचारियों की तनख्वाह के लिए पैसों की जरूरत होती है ऐसे में पार्टियों द्वारा दिये जाने वाले विज्ञापन समाचार पत्र को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाते हैं। इसलिए समाचार पत्र पैसे के बदले विज्ञापन छापती है न कि पार्टी विशेष को ज्यादा महत्व देती है और न ही आवश्यकता से अधिक खबरें छापती हैं। (दैनिक जागरण संपादक) उक्त प्रश्न से कुछ-कुछ सहमत नजर आते हैं कि दैनिक जागरण समाचार पत्र समूह काफी बड़ा है और यहां पर हजारों की संख्या में कर्मचारीगण काम करते हैं इसलिए समाचार पत्र के मैनेजमेंट के लिए पैसों की आवश्यकता होती है तो ऐसे में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों द्वारा दिये जाने वाले विज्ञापन समाचार पत्र को आर्थिक रूप से मदद तो करते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि मीडिया पूर्णतः बिना किसी आधार के किसी एक दल का समर्थन करे, लेकिन इससे यह संभव है कि उन खबरों को अधिक लोगों का पहुंचाने में मदद करे। (हिन्दुस्तान संपादक) आंशिक रूप से सहमित जताते हुए कहते हैं कि इतने बड़े समाचार पत्र को नियमित रूप से संचालित करने के लिए धन का जरूरत पड़ती है ऐसे में विभिन्न समूहों, कंपनियों और राजनीतिक पार्टियों द्वारा दिये जाने वाले विज्ञापन अखबार को आर्थिक लाभ तो पहुंचाते ही हैं साथ ही यह आवश्यक भी है कि समाचार पत्रों में नियमित रूप से विज्ञापनों का प्रकाशन होता रहे। (नव भारत टाइम्स संपादक) गौण रूप से सहमत होते हुए कहते हैं कि समाचार पत्र उन विषयों पर ध्यान केंद्रित करता है जिनमें लोगों का रुझान और आर्थिक हित शामिल होता है। इसलिए इतने बड़े पब्लिशिंग हाउस को चलाने की लिए आर्थिक सहयोग की आवश्यकता होती है और विज्ञापन समाचार पत्रों की कमाई का एक मात्र जरिया है। हजारों की संख्या में कर्मचारी काम करते हैं उनकी सैलरी कहां से आयेगी। इसलिए समाचार पत्र को चलाने की लिए विज्ञापन छापना हमारी मजबूरी है। जो पार्टी विज्ञापन देती है हम उनकी खबरों को ज्यादा महत्व देते हैं यह गलत है। विज्ञापनदाता जो भी विज्ञापन देगा हम उसे छापेंगे और विज्ञापन प्रबंधन के लिए प्रत्येक समाचार पत्र में अलग से विज्ञापन विभाग होता है।

4.4. आवृत्ति तालिका: इसके अंतर्गत शोधार्थी ने डेटा का संग्रहण और विश्लेषण किया है। यह विशेष रूप से संगणकीय प्रबंधन प्रणाली का हिस्सा है। जिसमें आंकड़ों को वर्गों में व्यवस्थित किया गया है। आवृत्ति तालिका डेटा के बिंदुओं या इंटरवल के साथ उपयोग किया जाता है और यह बताता है कि एक निश्चित संख्या या मात्रा की घटनाओं की आवृत्ति क्या है।

4.4.1. उत्तरदाताओं की आयु की आवृत्ति तालिका के डेटा का विश्लेषण

		Frequency	Percent
Valid	20-25	61	14.4
	26-30	148	35.0
	31-35	131	31.0
	36-40	42	9.9
	40+	41	9.7
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में दर्शाये गए कुल 423 उत्तरदाताओं में से 20 से 25 आयु वर्ग के 14.4 प्रतिशत लोग और 26 से 30 आयु वर्ग के 35 प्रतिशत लोग और 31 से 35 आयु वर्ग के 31 प्रतिशत लोग और 36 से 40 आयु वर्ग के 9.9 प्रतिशत लोग और 40+ आयु वर्ग के 9.7 प्रतिशत लोगों से प्रश्नावली के माध्यम से सूचनायें एकत्रित की गयी हैं।

4.4.2. उत्तरदाताओं की शिक्षा की आवृत्ति तालिका के डेटा का विश्लेषण

		Frequency	Percent
Valid	High School	6	1.4
	Intermediate	9	2.1
	Graduate	41	9.7
	Post Graduation	128	30.3
	M.Phil	82	19.4
	Ph.D.	151	35.7
	Others	6	1.4
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 1.4 प्रतिशत हाई स्कूल तथा 2.1 प्रतिशत इंटरमीडिएट और 9.7 प्रतिशत स्नातक व 30.3 प्रतिशत परास्नातक और 19.4 प्रतिशत एम.फिल. तथा 35.7 प्रतिशत पीएच.डी. धारक व 1.4 प्रतिशत अन्य लोगों ने प्रश्नावली के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया है।

4.4.3. उत्तरदाताओं के व्यवसाय की आवृत्ति तालिका के डेटा का विश्लेषण

		Frequency	Percent
Valid	Labour	5	1.2
	Private Employee	92	21.7
	Government Employee	49	11.6
	Businessman	9	2.1
	Student	75	17.7
	Research Scholar	131	31.0
	Others	62	14.7
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में दर्शाये गए कुल 423 लोगों में से 1.2 प्रतिशत मजदूर वर्ग व 21.7 प्रतिशत प्राइवेट कर्मचारी व 11.6 प्रतिशत सरकारी कर्मचारी व 2.1 प्रतिशत व्यवसाय करने वाले लोग व 17.7 प्रतिशत विद्यार्थी जीवन व्यतीत करने वाले लोग व 31 प्रतिशत शोधार्थी व 14.7 साथ प्रतिशत अन्य व्यवसाय करने वाले लोगों ने सहभागिता की है।

4.4.4. हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि के डेटा का विश्लेषण।

Q1 Are you interested in reading Hindi newspapers?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	347	82.0
	Very little	43	10.2
	Very much	33	7.8
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में 423 उत्तरदाताओं में से 82 प्रतिशत ने हाँ और 10.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

अतः आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि अधिकतर पाठक ऐसे हैं जो हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में रुचि रखते हैं, वहीं हिंदी समाचार पत्र न पढ़ने वालों की संख्या सबसे कम है।

4.4.5. समाचार पत्रों की संख्या से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q2 How many Hindi newspapers do you read?			
		Frequency	Percent
Valid	One	171	40.4
	Two	157	37.1
	More than three	95	22.5
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में 423 उत्तरदाताओं में से 40.4 प्रतिशत लोग एक हिंदी समाचार पत्र और 37.1 प्रतिशत लोग दो हिंदी समाचार पत्र और 22.5 प्रतिशत लोग तीन या इससे अधिक हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि एक से दो समाचार पत्र पढ़ने वालों की संख्या सर्वाधिक है और तीन या इससे अधिक समाचार पत्र पढ़ने वालों का आकड़ा एक तिहाई से भी कम है।

4.4.6. समाचार पत्र पढ़ने में खर्च किए जाने वाले समय के डेटा का विश्लेषण।

Q3 How much time do you spend reading Hindi news?			
		Frequency	Percent
Valid	0 to 30 minutes	216	51.1
	31 to 60 minutes	127	30.0
	more than an hour	80	18.9
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में 423 उत्तरदाताओं में से 51.1 प्रतिशत लोग 0 से 30 मिनट और 30 प्रतिशत लोग 31 से 60 मिनट और 18.9 प्रतिशत लोग 1 घंटे से अधिक समय हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च करते हैं।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि कुल उत्तरदाताओं में से आधे से अधिक लोग हिंदी समाचार पत्र पढ़ने में आधे घंटे का समय खर्च करते हैं।

4.4.7. हिंदी समाचार पत्र के प्लेटफॉर्म के डेटा का विश्लेषण।

Q4 Do you read Hindi newspapers?			
		Frequency	Percent
Valid	Online	65	15.4
	Offline	76	18.0
	Both online and offline	282	66.7
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में 423 उत्तरदाताओं में से 15.4 प्रतिशत लोग ऑनलाइन और 18 प्रतिशत लोग ऑफलाइन और 66.7 प्रतिशत लोग ऑन-ऑफलाइन दोनों तरह से हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं।

अतः आकड़ों से स्पष्ट होता है कि दो तिहाई लोग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से समाचार पत्रों को पढ़ते हैं और एक तिहाई लोग केवल भौतिक रूप से उपलब्ध समाचार पत्रों को पढ़ते हैं।

4.4.8. हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने के डेटा का विश्लेषण।

Q5 Do you like to read election news in Hindi newspapers?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	245	57.9
	Sometimes	53	12.5
	Very little	125	29.6
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 57.9 प्रतिशत ने हाँ और 12.5 प्रतिशत ने कभी-कभी और 29.6 प्रतिशत लोग बहुत कम चुनावी खबरों को पढ़ना पसंद करते हैं, मैं अपना मत व्यक्त किया है।

अतः आकड़ों से स्पष्ट होता है कि आधे से अधिक लोग समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ना पसंद करते हैं और आधे से कुछ कम लोग कभी-कभी और बहुत कम, चुनावी खबरों को पढ़ता पसंद करते हैं।

4.4.9. चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के डेटा का विश्लेषण।

Q6 Did you vote in Loksabha Elections 2019 keeping in mind the election news published in Hindi newspapers?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	166	39.2
	No	179	42.3
	Can't say	28	6.6
	To some extent	50	11.8
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 39.2 प्रतिशत ने हाँ और 42.3 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आकड़ों से स्पष्ट होता है कि अधिकतर लोगों का मानना है कि उन्होंने लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों ध्यान में रखकर मतदान नहीं किया था, सिर्फ एक तिहाई लोगों ने ही खबरों को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था।

4.4.10. चुनावी मुद्दों से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q7 Did you vote keeping in mind the election issues published in Hindi newspapers?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	132	31.2
	No	172	40.7
	Can't say	43	10.2
	To some extent	76	18.0
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 31.2 प्रतिशत ने हाँ और 40.7 प्रतिशत ने नहीं और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 18 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि एक तिहाई लोगों का मानना है कि उन्होंने चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था और एक तिहाई से कुछ अधिक लोगों ने चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान नहीं किया था और एक तिहाई लोग ऐसे हैं जिनका मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.11. रोजगार के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q8 Did you vote keeping employment issues in mind while voting in Loksabha Elections 2019?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	295	69.7
	No	62	14.7
	Can't say	26	6.1
	To some extent	40	9.5
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 69.7 प्रतिशत ने हाँ और 14.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि दो तिहाई लोगों ने रोजगार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था जबकि एक तिहाई लोगों ने चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान नहीं या कह नहीं सकते के आधार पर किया था।

4.4.12. राम मंदिर के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q9 Did you vote in Loksabha elections 2019 keeping in mind the issue of Ram Mandir?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	121	28.6
	No	250	59.1
	Can't say	19	4.5

	To some extent	33	7.8
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 28.6 प्रतिशत ने हाँ और 59.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि आधे से अधिक लोगों ने राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान नहीं किया था। सिर्फ एक तिहाई लोगों ही ऐसे थे जिन्होंने इस मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था।

4.4.13. धारा 370 से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q10 Did you vote in Loksabha elections 2019 keeping in mind the issue of abrogation of Article 370 in Kashmir?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	151	35.7
	No	214	50.6
	Can't say	30	7.1
	To some extent	28	6.6
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 35.7 प्रतिशत ने हाँ और 50.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः कहा जा सकता है कि धारा 370 को ध्यान में रखकर कर एक तिहाई के लगभग लोगों ने मतदान किया था जबकि जनसंख्या अनुपात में आधे लोगों का इस मुद्दे से कोई सरोकार नहीं है।

4.4.14. भ्रष्टाचार के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q11 Did you vote keeping in mind the issues of corruption published in Hindi newspapers?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	260	61.5
	No	86	20.3

	Can't say	23	5.4
	To some extent	54	12.8
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 61.5 प्रतिशत ने हाँ और 20.3 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि भ्रष्टाचार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों की संख्या सर्वाधिक है जबकि इस मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान न करने वालों का आंकड़ा एक तिहाई से भी कम है।

4.4.15. आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q12 Did you vote keeping in mind the justice you get in criminal incidents published in Hindi newspapers?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	223	52.7
	No	93	22.0
	Can't say	38	9.0
	To some extent	69	16.3
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 52.7 प्रतिशत ने हाँ और 22 प्रतिशत ने नहीं और 9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों का आंकड़ा 50 प्रतिशत के लगभग है जबकि इसे नज़र अंदाज करने वाले लोगों की संख्या एक तिहाई से भी कम है।

4.4.16. अर्थव्यवस्था के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q13 Did you vote keeping in mind the issue of economy of the country published in Hindi newspapers?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	273	64.5

	No	78	18.4
	Can't say	21	5.0
	To some extent	51	12.1
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 64.5 प्रतिशत ने हाँ और 18.4 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि आधे से अधिक लोगों ने इस मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था।

4.4.17. पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q14 Did you vote keeping in mind the clarity of the foreign policy of a particular party?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	196	46.3
	No	151	35.7
	Can't say	35	8.3
	To some extent	41	9.7
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 46.3 प्रतिशत ने हाँ और 35.7 प्रतिशत ने नहीं और 8.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि विदेश नीति की स्पष्टता को लेकर मतदान करने वालों की संख्या लगभग आधी है जबकि इस मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान न करने वालों की संख्या एक तिहाई के आसपास है।

4.4.18. विकास के वादों से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q15 Did you vote keeping in mind the development promises made by the parties?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	229	54.1
	No	118	27.9

	Can't say	23	5.4
	To some extent	53	12.5
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 54.1 प्रतिशत ने हाँ और 27.9 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि विकास के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों की संख्या करीब आधी-आधी है जबकि एक तिहाई लोगों ने इस मुद्दे को अनदेखा करते हुए मतदान किया और अन्य को मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.19. कृषि के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q16 Did you vote keeping in mind the issues based on agriculture?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	259	61.2
	No	84	19.9
	Can't say	28	6.6
	To some extent	52	12.3
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 61.2 प्रतिशत ने हाँ और 19.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि आधे से अधिक लोगों ने मतदान करते समय चुनावी मुद्दे कृषि को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था।

4.4.20. पार्टियों की लोकतांत्रिक विचार धारा से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q17 Did you vote keeping in mind the party's democratic ideology?			

		Frequency	Percent
Valid	Yes	286	67.6
	No	61	14.4
	Can't say	24	5.7
	To some extent	52	12.3
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 67.6 प्रतिशत ने हाँ और 14.4 प्रतिशत ने नहीं और 5.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों की संख्या दो तिहाई के करीब है।

4.4.21. लैंगिक न्याय से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q18 Did you vote with gender justice in mind?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	239	56.5
	No	100	23.6
	Can't say	37	8.7
	To some extent	47	11.1
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 56.5 प्रतिशत ने हाँ और 23.6 प्रतिशत ने नहीं और 8.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि आधे से अधिक लोगों ने मतदान करते समय लैंगिक न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था।

4.4.22. राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q19 Did you vote after being influenced by the security measurement of political parties?			

		Frequency	Percent
Valid	Yes	168	39.7
	No	165	39.0
	Can't say	47	11.1
	To some extent	43	10.2
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 39.7 प्रतिशत ने हाँ और 39 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि एक तिहाई के करीब लोगों ने इस मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था जबकि एक तिहाई लोगों ने इसे अनदेखा करते हुए मतदान किया था और अन्य लोगों को मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.23. स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q20 Did you vote keeping the health system in mind?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	295	69.7
	No	69	16.3
	Can't say	21	5.0
	To some extent	38	9.0
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 69.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.3 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि दो तिहाई के आसपास लोगों ने स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था, तथा नहीं और, अन्य का मत स्पष्ट नहीं है उनकी संख्या करीब एक तिहाई है।

4.4.24. शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q21 Did you vote keeping in mind the education system?

		Frequency	Percent
Valid	Yes	339	80.1
	No	42	9.9
	Can't say	12	2.8
	To some extent	30	7.1
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 80.1 प्रतिशत ने हाँ और 9.9 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि दो तिहाई के करीब लोगों ने शिक्षा के चुनावी मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था जबकि एक तिहाई लोगों ने नहीं और अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.25. आरक्षण के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q22 Did you vote keeping in mind the reservation system?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	195	46.1
	No	157	37.1
	Can't say	42	9.9
	To some extent	29	6.9
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 46.1 प्रतिशत ने हाँ और 37.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि लगभग आधे लोगों ने आरक्षण के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था और एक तिहाई लोगों ने इस मुद्दे को अनदेखा करते हुए मतदान किया था तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.26. आतंकवाद के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q23 Did you vote keeping in mind the serious issue like terrorism which is creating panic in the country?	

		Frequency	Percent
Valid	Yes	232	54.8
	No	120	28.4
	Can't say	31	7.3
	To some extent	40	9.5
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 54.8 प्रतिशत ने हाँ और 28.4 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि आतंकवाद जैसे गंभीर चुनावी मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या लगभग आधी है और एक तिहाई लोगों ने इस नकारते हुए मतदान किया था तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.27. संप्रदायवाद के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q24 Did you vote keeping in mind the communalism that is following the country?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	236	55.8
	No	132	31.2
	Can't say	28	6.6
	To some extent	27	6.4
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 55.8 प्रतिशत ने हाँ और 31.2 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि चुनावी मुद्दे संप्रदायवाद को ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या लगभग आधी है और एक तिहाई लोगों ने इसे अनदेखा करते हुए मतदान किया था तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.28. पर्यावरण के मुद्दे से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q25 Did you vote keeping in mind the issue of environment in the country?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	299	70.7
	No	72	17.0
	Can't say	21	5.0
	To some extent	31	7.3
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 17 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पर्यावरण के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या दो तिहाई के करीब है और एक तिहाई के करीब लोगों की संख्या ऐसी है जिन्होंने इसे नकारते हुए मतदान किया था।

4.4.29. संसदीय उम्मीदवार से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q26 Did you vote with parliamentary candidates in mind?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	249	58.9
	No	112	26.5
	Can't say	24	5.7
	To some extent	38	9.0
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 58.9 प्रतिशत ने हाँ और 26.5 प्रतिशत ने नहीं और 5.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या आधे से अधिक है जबकि इसे अनदेखा करते हुए मतदान करने वालों की संख्या एक तिहाई के करीब है तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.30. पार्टी विशेष के दबाव से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q27 Did you vote for the candidate of a particular party under any kind of pressure?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	53	12.5
	No	354	83.7
	Can't say	12	2.8
	To some extent	4	.9
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 12.5 प्रतिशत ने हाँ और 83.7 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और .9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पार्टी विशेष के दबाव में आकर मतदान नहीं करने वालों की संख्या करीब दो तिहाई से भी अधिक है तथा एक तिहाई लोगों ने पार्टी के दबाव में आकर मतदान किया या मत स्पष्ट नहीं था।

4.4.31. उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q28 Did you vote keeping in mind the clean image of the candidate?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	312	73.8
	No	56	13.2
	Can't say	20	4.7
	To some extent	35	8.3
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 73.8 प्रतिशत ने हाँ और 13.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि संसदीय उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों की संख्या लगभग दो तिहाई के आसपास है तथा एक तिहाई लोगों ने इसे अनदेखा करते हुए मतदान किया था।

4.4.32. उम्मीदवार के दंबंगीय स्वभाव से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q29 Did you vote for the candidate because of his domineering nature?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	45	10.6
	No	357	84.4
	Can't say	12	2.8
	To some extent	9	2.1
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 10.6 प्रतिशत ने हाँ और 84.4 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि उम्मीदवार के दंबंगीय स्वभाव को ध्यान में रखते हुए मतदान नहीं करने वालों की संख्या दो तिहाई से कहीं अधिक है तथा इसे ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या एक तिहाई से भी कम है।

4.4.33. पार्टी विशेष के उम्मीदवार से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q30 Did you vote keeping in mind the candidate of the particular party?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	179	42.3
	No	193	45.6

	Can't say	22	5.2
	To some extent	29	6.9
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 42.3 प्रतिशत ने हाँ और 45.6 प्रतिशत ने नहीं और 5.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या आधे से कुछ कम हैं तथा अनदेखा करते हुए मतदान करने वालों की संख्या भी आधे से कुछ कम है जबकि अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.34. प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q31 Did you vote keeping in mind the prime ministerial candidates in the Loksabha elections 2019?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	244	57.7
	No	129	30.5
	Can't say	18	4.3
	To some extent	32	7.6
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 57.7 प्रतिशत ने हाँ और 30.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों की संख्या करीब-करीब आधी है तथा एक तिहाई लोगों ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को अनदेखा करते हुए मतदान किया था तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.35. प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q32 Did you vote keeping in mind the clean image of the prime ministerial candidate?		
	Frequency	Percent

Valid	Yes	266	62.9
	No	101	23.9
	Can't say	28	6.6
	To some extent	28	6.6
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 62.9 प्रतिशत ने हाँ और 23.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ-सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों की संख्या आधे से अधिक है जबकि इसे अनदेखा करने वालों की संख्या एक तिहाई से कम तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.36. प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूर दृष्टिता से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q33 Did you vote with a clear vision of the prime ministerial candidate?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	259	61.2
	No	98	23.2
	Can't say	36	8.5
	To some extent	30	7.1
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 61.2 प्रतिशत ने हाँ और 23.2 प्रतिशत ने नहीं और 8.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूर दृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों की संख्या आधे से अधिक है जबकि अनदेखा करते हुए मतदान करने वालों की संख्या एक तिहाई से भी कम है तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.37. प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q34 Did you vote keeping in mind the decision-making ability of the prime ministerial candidate?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	261	61.7
	No	97	22.9
	Can't say	31	7.3
	To some extent	34	8.0
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 61.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.9 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या आधे से अधिक है जबकि एक तिहाई से भी कम लोगों ने इसे अनदेखा करते हुए मतदान किया था तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.38. प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q35 Did you vote keeping in mind the popularity of the prime ministerial candidate?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	206	48.7
	No	166	39.2
	Can't say	30	7.1
	To some extent	21	5.0
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 48.7 प्रतिशत ने हाँ और 39.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों की संख्या करीब आधी है जबकि लोकप्रियता को अनदेखा करते हुए मतदान करने वालों की संख्या एक तिहाई से कुछ ज्यादा है तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.39. राजनीतिक पार्टियों की समानता से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q36 Do you consider all political parties equal?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	115	27.3
	No	237	56.0
	Can't say	23	5.4
	To some extent	48	11.3
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 27.3 प्रतिशत ने हाँ और 56 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सभी राजनीतिक पार्टियाँ समान होती है इसे ध्यान में रखते हुए मतदान नहीं करने वालों की संख्या आधी है तथा सिर्फ एक तिहाई लोगों का ही मानना है कि सभी पार्टियाँ समान होती हैं जबकि अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.40. पार्टी विशेष की विचारधारा से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q37 Do you follow the ideology of a particular party?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	182	43.0
	No	160	37.8
	Can't say	21	5.0
	To some extent	60	14.2
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 43 प्रतिशत ने हाँ और 37.8 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पार्टी विशेष की विचारधारा को ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या आधे के करीब है जबकि इसे अनदेखा करते हुए मतदान करने वालों की संख्या आधे से कम है तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.41. पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q38 Are you hierarchy party-specific?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	118	27.9
	No	230	54.4
	Can't say	28	6.6
	To some extent	47	11.1
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 27.9 प्रतिशत ने हाँ और 54.4 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव रखते हुए मतदान नहीं करने वालों की संख्या करीब-करीब आधी है जबकि ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या एक तिहाई के आसपास है तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.42. पार्टी के मूल्यों और सिद्धांतों से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 39 क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	213	50.4
	No	139	32.9
	Can't say	20	4.7

	To some extent	51	12.1
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 50.4 प्रतिशत ने हाँ और 32.9 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या करीब-करीब आधी है जबकि इसे अनदेखा करते हुए मतदान करने वालों की संख्या लगभग एक तिहाई है तथा अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.4.43. पार्टी में विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति से संबंधित डेटा का विश्लेषण।

Q40 Do you follow the presence of some opinion leaders in a particular party keeping in mind it?			
		Frequency	Percent
Valid	Yes	174	41.1
	No	173	40.9
	Can't say	36	8.5
	To some extent	40	9.5
	Total	423	100.0

उक्त तालिका में कुल 423 लोगों में से 41.1 प्रतिशत ने हाँ और 40.9 प्रतिशत ने नहीं और 8.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

अतः आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि पार्टी में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं को ध्यान में रखते हुए मतदान करने वालों की संख्या आधे से कुछ कम है और ऐसा न करने वालों की संख्या भी आधे से कुछ कम है जबकि अन्य का मत स्पष्ट नहीं है।

4.5. उम्र के अनुसार क्रॉस टैब और कार्ई-वर्ग परीक्षण (chi-square test):

यह एक सांख्यिकी टेस्ट है जो एक द्वितात्मक तालिका या एक वर्गीकरण को मापन के लिए उपयोग किया जाता है। कार्ई स्क्वेर परीक्षण का उपयोग विभिन्न प्रश्नों के उत्तरों की आंकड़ों के संबंध में सांख्यिकी संबंधों का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग आंकड़ों के वर्गीकरण और एकीकरण, रणनीतियों की

प्रभाव और चरणों के माध्यम से अवलोकन, समय के साथ परिवर्तित गुणवत्ता आदि के अध्ययन के लिए उपयुक्त है।

4.5.1. उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 1 आप हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में रुचि रखते हैं?							
			Q1 Are you interested in reading Hindi newspapers?			Total	काई-स्क्वेर
			Yes	Very little	Very much		
Age	20-25	Count	48	7	6	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 3.993, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51, सिग्नीफिसेंट वैल्यू .858, पी वैल्यू 0.05 से ज्यादा है।
		% within Age	78.7%	11.5%	9.8%	100.0%	
		% within Q1	13.8%	16.3%	18.2%	14.4%	
	26-30	Count	118	16	14	148	
		% within Age	79.7%	10.8%	9.5%	100.0%	
		% within Q1	34.0%	37.2%	42.4%	35.0%	
	31-35	Count	112	11	8	131	
		% within Age	85.5%	8.4%	6.1%	100.0%	
		% within Q1	32.3%	25.6%	24.2%	31.0%	
	36-40	Count	33	6	3	42	
		% within Age	78.6%	14.3%	7.1%	100.0%	
		% within Q1	9.5%	14.0%	9.1%	9.9%	
	40+	Count	36	3	2	41	
		% within Age	87.8%	7.3%	4.9%	100.0%	
		% within Q1	10.4%	7.0%	6.1%	9.7%	
Total		Count	347	43	33	423	
		% within Age	82.0%	10.2%	7.8%	100.0%	
		% within Q1	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका में पूछे गए प्रश्न क्या आप हिंदी समाचार पत्रों पढ़ने में रुचि रखते हैं? इस प्रश्न में कुल 423 लोगों ने अपना मत व्यक्त किया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोग हैं जोकि 423 का 14.4 प्रतिशत है। 61 लोगों में से 78.7 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें समाचार पत्र पढ़ने में रुचि है और 11.5 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें समाचार पत्र पढ़ने में कम रुचि है तथा 9.8 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें समाचार पत्र पढ़ने में बहुत अधिक रुचि है। ठीक इसी प्रकार 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 79.7 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें समाचार पत्र पढ़ने में रुचि है और 10.8 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें कम रुचि है और 9.5 का कहना है कि उन्हें बहुत अधिक रुचि है। 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 85.5 प्रतिशत लोगों का कहना है कि उन्हें

हिंदी समाचार पत्र पढ़ने में रुचि है और 8.4 प्रतिशत को समाचार पत्र पढ़ने में कम रुचि है एवं 6.1 प्रतिशत को बहुत अधिक रुचि है। 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 33 लोग, जोकि 78.6 प्रतिशत है का कहना है कि उन्हें समाचार पत्र पढ़ने में रुचि है और 14.3 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें कम रुचि है तथा 7.1 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें बहुत अधिक रुचि है। 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 36 लोग, जोकि 87.8 प्रतिशत होता है का कहना है कि उन्हें समाचार पत्र पढ़ने में रुचि है और 10.2 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें हिंदी समाचार पत्र पढ़ने में कम रुचि है और 7.8 प्रतिशत को बहुत अधिक रुचि है।

उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट होता है कि चालीस से अधिक उम्र के लोग हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में अधिक रुचि रखते हैं, वहीं इनसे कम आयु के लोग हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में उतनी रुचि नहीं रखते हैं, इसके कई कारण हो सकते हैं, प्रथम दृष्टया जो नजर आता है वह तकनीकी जानकारी में रुचि का होना है।

4.5.2. उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि का काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	3.993 ^a	8	.858
Likelihood Ratio	4.018	8	.855
Linear-by-Linear Association	1.772	1	.183
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (33.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 3.20.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 3.993, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51, सिग्नीफिकेंट वैल्यू .858, पी वैल्यू 0.05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की आयु और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 3.993, क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .858, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज

किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, समाचार पत्र पढ़ने की आदत को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.3. उम्र और समाचार पत्रों की संख्या से संबंधित क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 2 आप कितने हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं?							
			Q2 How many Hindi newspapers do you read?			Total	काई-स्क्वेर
			One	Two	More than three		
Age	20-25	Count	31	20	10	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 13.211, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .105, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	50.8%	32.8%	16.4%	100.0%	
		% within Q2	18.1%	12.7%	10.5%	14.4%	
	26-30	Count	64	48	36	148	
		% within Age	43.2%	32.4%	24.3%	100.0%	
		% within Q2	37.4%	30.6%	37.9%	35.0%	
	31-35	Count	42	55	34	131	
		% within Age	32.1%	42.0%	26.0%	100.0%	
		% within Q2	24.6%	35.0%	35.8%	31.0%	
	36-40	Count	13	21	8	42	
		% within Age	31.0%	50.0%	19.0%	100.0%	
		% within Q2	7.6%	13.4%	8.4%	9.9%	
	40+	Count	21	13	7	41	
		% within Age	51.2%	31.7%	17.1%	100.0%	
		% within Q2	12.3%	8.3%	7.4%	9.7%	
Total		Count	171	157	95	423	
		% within Age	40.4%	37.1%	22.5%	100.0%	
		% within Q2	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप कितने हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं? इस प्रश्न में 423 लोगों ने अपनी राय दी है जिसमें से 61 लोगों ने जोकि 423 का 14.4 प्रतिशत है, में से 20 से 25 आयु वर्ग के 50.8 प्रतिशत लोग एक हिंदी समाचार पत्र को पढ़ते हैं और 32.8 प्रतिशत लोग दो हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं और 16.4 प्रतिशत लोग तीन या तीन से अधिक हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं ठीक इसी प्रकार से 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोग जोकि 423 का 35 प्रतिशत हैं, में से 43.2 प्रतिशत लोग एक हिंदी समाचार पत्र व 32.4 प्रतिशत लोग दो हिंदी समाचार पत्रों को व 24.3 प्रतिशत लोग तीन या इससे अधिक हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं। 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 32.1 प्रतिशत लोग एक हिंदी समाचार पत्र को और 42 प्रतिशत लोग दो हिंदी समाचार पत्रों को तथा 26 प्रतिशत लोग तीन या इससे अधिक समाचार पत्रों को पढ़ते हैं। 36 से 40 आयु

वर्ग के 42 लोगों में 31 प्रतिशत लोग एक हिंदी समाचार पत्र और 50 प्रतिशत लोग दो हिंदी समाचार पत्र और 19 प्रतिशत लोग तीन या इससे अधिक हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं। 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 51.2 प्रतिशत लोग एक हिंदी समाचार पत्र व 31.7 प्रतिशत लोग दो हिंदी समाचार पत्र तथा 17.1 प्रतिशत लोग तीन या इससे अधिक हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं।

4.5.4. उम्र और समाचार पत्रों की संख्या से संबंधित काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	13.211 ^a	8	.105
Likelihood Ratio	13.218	8	.105
Linear-by-Linear Association	.354	1	.552
N of Valid Cases	423		
a. 0 cells (0.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 9.21.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 13.211, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .105, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका में उत्तरदाताओं की उम्र और समाचार पत्रों की संख्या के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 13.211, क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .105, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उम्र और हिंदी समाचार पत्रों की संख्या के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, समाचार पत्रों की संख्या को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.5. उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 3 आप हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में कितना समय खर्च करते हैं?			
	Q3 How much time do you spend reading Hindi news?	Total	काई-स्क्वेर

			0 to 30 minutes	31 to 60 minutes	more than an hour		
Age e	20-25	Count	36	15	10	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 14.126, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .079, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	59.0%	24.6%	16.4%	100.0%	
		% within Q3	16.7%	11.8%	12.5%	14.4%	
	26-30	Count	80	35	33	148	
		% within Age	54.1%	23.6%	22.3%	100.0%	
		% within Q3	37.0%	27.6%	41.3%	35.0%	
	31-35	Count	68	44	19	131	
		% within Age	51.9%	33.6%	14.5%	100.0%	
		% within Q3	31.5%	34.6%	23.8%	31.0%	
	36-40	Count	16	19	7	42	
		% within Age	38.1%	45.2%	16.7%	100.0%	
		% within Q3	7.4%	15.0%	8.8%	9.9%	
	40+	Count	16	14	11	41	
		% within Age	39.0%	34.1%	26.8%	100.0%	
		% within Q3	7.4%	11.0%	13.8%	9.7%	
Total		Count	216	127	80	423	
		% within Age	51.1%	30.0%	18.9%	100.0%	
		% within Q3	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में कितना समय खर्च करते हैं? इसमें 423 लोगों ने अपनी राय व्यक्त की है। 423 लोगों में से 61 लोग जोकि 423 का 14.4 प्रतिशत होते हैं में से 20 से 25 आयु वर्ग के 59 प्रतिशत लोगों का कहना है कि वे 0 से 30 मिनट वहीं 24.6 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि वे 31 से 60 मिनट तथा 16.4 प्रतिशत लोग एक घंटे से अधिक हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं। 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 54.1 प्रतिशत लोग 0 से 30 मिनट और 23.6 प्रतिशत लोग 31 से 60 मिनट और 22.3 प्रतिशत लोग एक घंटे से अधिक समय खर्च करते हैं। 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 51.9 प्रतिशत लोग 0 से 30 मिनट एवं 33.6 प्रतिशत लोग 31 से 60 मिनट तथा 14.5 प्रतिशत लोग एक घंटे से अधिक समय खर्च करते हैं। 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 38.1 प्रतिशत लोग 0 से 30 मिनट एवं 45.2 प्रतिशत लोग 31 से 60 मिनट और 16.7 प्रतिशत लोग एक घंटे से अधिक समय तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 39 प्रतिशत लोग 0 से 30 मिनट एवं 34.1 प्रतिशत लोग 30 से 31 मिनट और 26.8 प्रतिशत लोग 1 घंटे से अधिक समय खर्च करते हैं। इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 51.1 प्रतिशत लोग 0 से 30 मिनट व

30 प्रतिशत लोग 31 से 60 मिनट और 18.9 प्रतिशत लोग 1 घंटे से अधिक समय हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में व्यतीत करते हैं।

4.5.6 उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय का कार्द स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	14.126 ^a	8	.079
Likelihood Ratio	13.978	8	.082
Linear-by-Linear Association	3.339	1	.068
N of Valid Cases	423		
a. 0 cells (0.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 7.75.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 14.126, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .079, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 14.126, क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .079, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है। इसलिए शून्य परिकल्पना उम्र और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर की रूप में उम्र, समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए जाने वाले समय को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.7. उम्र और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने की जगह का क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 4 आप हिंदी समाचार पढ़ते हैं?					
	Q4 Do you read Hindi newspapers?			Total	काई-स्क्वेर
	Online	Offline	Both online and offline		

Age	20-25	Count	16	10	35	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 15.024, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू 0.59, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	26.2%	16.4%	57.4%	100.0%	
		% within Q4	24.6%	13.2%	12.4%	14.4%	
	26-30	Count	25	26	97	148	
		% within Age	16.9%	17.6%	65.5%	100.0%	
		% within Q4	38.5%	34.2%	34.4%	35.0%	
	31-35	Count	14	22	95	131	
		% within Age	10.7%	16.8%	72.5%	100.0%	
		% within Q4	21.5%	28.9%	33.7%	31.0%	
	36-40	Count	8	6	28	42	
		% within Age	19.0%	14.3%	66.7%	100.0%	
		% within Q4	12.3%	7.9%	9.9%	9.9%	
	40+	Count	2	12	27	41	
		% within Age	4.9%	29.3%	65.9%	100.0%	
		% within Q4	3.1%	15.8%	9.6%	9.7%	
Total	Count		65	76	282	423	
	% within Age		15.4%	18.0%	66.7%	100.0%	
	% within Q4		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका में पूछे गए प्रश्न आप हिंदी समाचार पढ़ते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में 423 लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। 423 लोगों में से 61 लोग जोकि 14.4 प्रतिशत होते हैं, में से 20 से 25 आयु वर्ग के 26.2 प्रतिशत युवाओं का कहना है कि उन्हें ऑनलाइन और 16.4 प्रतिशत को ऑफलाइन तथा 57.4 प्रतिशत युवाओं का ऑन और ऑफलाइन दोनों तरह से समाचार पत्र पढ़ते हैं। इसी प्रकार 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 16.9 प्रतिशत को ऑनलाइन और 17.6 प्रतिशत को ऑफलाइन और 65.5 को ऑन और ऑफलाइन दोनों तरह से समाचार पत्र पढ़ते हैं। 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 10.7 प्रतिशत को ऑनलाइन और 16.8 प्रतिशत को ऑफलाइन और 72.5 प्रतिशत को ऑन और ऑफलाइन दोनों तथा 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 19 प्रतिशत को ऑनलाइन और 14.3 प्रतिशत को ऑफलाइन और 66.7 प्रतिशत को ऑन और ऑफलाइन तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 4.9 प्रतिशत को ऑनलाइन और 29.3 प्रतिशत को ऑफलाइन और 65.9 प्रतिशत को ऑन और ऑफलाइन दोनों तरह से समाचार पत्र पढ़ते हैं। इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 15.4 प्रतिशत को ऑनलाइन और 18 प्रतिशत को ऑफलाइन और 66.7 प्रतिशत को ऑन और ऑफलाइन दोनों तरह से समाचार पत्रों को पढ़ना पसंद करते हैं।

4.5.8. उम्र और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने की जगह का काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	15.005 ^a	8	.059
Likelihood Ratio	15.024	8	.059
Linear-by-Linear Association	3.982	1	.046
N of Valid Cases	423		
a. 0 cells (0.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 6.30.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 15.024, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू 0.59, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के माध्यम (ऑनलाइन/ ऑफलाइन) के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 15.024, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू 0.59, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उम्र और हिंदी समाचार पत्रों के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उम्र और हिंदी समाचार पत्रों के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है, को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर की रूप में उम्र समाचार पत्रों के माध्यम को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.9. उम्र और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 5 आप हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ना पसंद करते हैं?							
			Q5 Do you like to read election news in Hindi newspapers?			Total	काई-स्क्वेर
			Yes	Sometimes	Very little		
Age	20-25	Count	34	10	17	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 14.391,
		% within Age	55.7%	16.4%	27.9%	100.0%	
		% within Q5	13.9%	18.9%	13.6%	14.4%	

	26-30	Count	88	19	41	148	डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .072, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	59.5%	12.8%	27.7%	100.0%	
		% within Q5	35.9%	35.8%	32.8%	35.0%	
	31-35	Count	79	8	44	131	
		% within Age	60.3%	6.1%	33.6%	100.0%	
		% within Q5	32.2%	15.1%	35.2%	31.0%	
	36-40	Count	27	6	9	42	
		% within Age	64.3%	14.3%	21.4%	100.0%	
		% within Q5	11.0%	11.3%	7.2%	9.9%	
	40+	Count	17	10	14	41	
		% within Age	41.5%	24.4%	34.1%	100.0%	
		% within Q5	6.9%	18.9%	11.2%	9.7%	
Total		Count	245	53	125	423	
		% within Age	57.9%	12.5%	29.6%	100.0%	
		% within Q5	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ना पसंद करते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में 423 लोगों ने अपनी मत व्यक्त किया। 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 55.7 प्रतिशत लोगों ने हाँ, जबकि 16.4 प्रतिशत ने कभी-कभी और 27.9 प्रतिशत ने बहुत कम में अपनी राय दी है। इसी प्रकार 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 59.5 प्रतिशत ने हाँ और 12.8 प्रतिशत ने कभी-कभी और 27.7 प्रतिशत ने बहुत कम तथा 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 60.3 प्रतिशत ने हाँ और 6.1 प्रतिशत ने कभी-कभी और 33.6 प्रतिशत ने बहुत कम चुनावी खबरें पढ़ना पसंद है। 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 64.3 प्रतिशत ने हाँ और 14.3 प्रतिशत ने कभी-कभी और 21.4 प्रतिशत ने बहुत कम, जबकि 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 41.5 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने कभी-कभी और 34.1 प्रतिशत ने बहुत कम। इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 57.9 प्रतिशत ने हाँ और 12.5 प्रतिशत ने कभी-कभी और 29.6 प्रतिशत ने बहुत कम में अपनी राय व्यक्त की है।

4.5.10. उम्र और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	14.391 ^a	8	.072
Likelihood Ratio	14.590	8	.068
Linear-by-Linear Association	.557	1	.456
N of Valid Cases	423		
a. 0 cells (0.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 5.14.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 14.391, डिग्री ऑफ फ्रीडम 8 की क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .072, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच अंतर के महत्व से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 14.391, क्रिटिकल वैल्यू 15.51 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .072, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर है को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद को प्रभावित नहीं सकती है।

4.5.11. उम्र और चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 6 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर लोकसभा चुनाव 2019 में मतदान किया था?								
			Q6 Did you vote in Loksabha Elections 2019 keeping in mind the election news published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	27	23	7	4	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 14.673, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल
		% within Age	44.3%	37.7%	11.5%	6.6%	100.0%	
		% within Q6	16.3%	12.8%	25.0%	8.0%	14.4%	
	26-30	Count	57	69	7	15	148	
		% within Age	38.5%	46.6%	4.7%	10.1%	100.0%	
		% within Q6	34.3%	38.5%	25.0%	30.0%	35.0%	
	31-35	Count	58	46	9	18	131	
		% within Age	44.3%	35.1%	6.9%	13.7%	100.0%	
		% within Q6	34.9%	25.7%	32.1%	36.0%	31.0%	

	36-40	Count	12	22	3	5	42	वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .260, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	28.6%	52.4%	7.1%	11.9%	100.0%	
		% within Q6	7.2%	12.3%	10.7%	10.0%	9.9%	
	40+	Count	12	19	2	8	41	
		% within Age	29.3%	46.3%	4.9%	19.5%	100.0%	
		% within Q6	7.2%	10.6%	7.1%	16.0%	9.7%	
Total		Count	166	179	28	50	423	
		% within Age	39.2%	42.3%	6.6%	11.8%	100.0%	
		% within Q6	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका में पूछे गए प्रश्न आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर लोकसभा चुनाव 2019 में मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में 423 लोगों ने अपना राय दी है। 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 44.3 प्रतिशत ने हाँ और 37.7 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय दी। 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 38.5 प्रतिशत ने हाँ और 46.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 44.3 प्रतिशत ने हाँ और 35.1 प्रतिशत ने नहीं और 6.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक में राय दी। 36 से 40 आयु वर्ग के 28.6 प्रतिशत ने हाँ और 52.4 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत कह नहीं सकते और 11.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 29.3 प्रतिशत ने हाँ और 46.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 19.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी प्रतिक्रिया दी। इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 39.2 प्रतिशत ने हाँ और 42.3 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की थी।

4.5.12. उम्र और चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	14.673 ^a	12	.260
Likelihood Ratio	14.516	12	.269
Linear-by-Linear Association	3.800	1	.051
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.71.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 14.673, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .260, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका में उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच अंतर के महत्व से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 14.673, तालिका के मान 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .260, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों के बीच महत्वपूर्ण अंतर है को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के व्यवहार को प्रभावित नहीं करती हैं।

4.5.13. उम्र और चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 7 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q7 Did you vote keeping in mind the election issues published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	21	19	11	10	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 25.532, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से
		% within Age	34.4%	31.1%	18.0%	16.4%	100.0%	
		% within Q8	15.9%	11.0%	25.6%	13.2%	14.4%	
	26-30	Count	49	60	14	25	148	
		% within Age	33.1%	40.5%	9.5%	16.9%	100.0%	
		% within Q8	37.1%	34.9%	32.6%	32.9%	35.0%	
	31-35	Count	44	53	7	27	131	
		% within Age	33.6%	40.5%	5.3%	20.6%	100.0%	
		% within Q8	33.3%	30.8%	16.3%	35.5%	31.0%	
	36-40	Count	10	24	1	7	42	
		% within Age	23.8%	57.1%	2.4%	16.7%	100.0%	

		% within Q8	7.6%	14.0%	2.3%	9.2%	9.9%	ज्यादा है और महत्वपूर्ण मान .012, पी वैल्यू .05 से कम है।
	40+	Count	8	16	10	7	41	
		% within Age	19.5%	39.0%	24.4%	17.1%	100.0%	
		% within Q8	6.1%	9.3%	23.3%	9.2%	9.7%	
Total		Count	132	172	43	76	423	
		% within Age	31.2%	40.7%	10.2%	18.0%	100.0%	
		% within Q8	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में 423 लोगों ने अपना मत व्यक्त किया है, जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 34.4 प्रतिशत ने हाँ और 31.1 प्रतिशत ने नहीं और 18 प्रतिशत से कह नहीं सकते और 16.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 33.1 प्रतिशत ने हाँ और 40.5 प्रतिशत ने नहीं और 9.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 33.6 प्रतिशत ने हाँ और 40.5 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 23.8 प्रतिशत ने हाँ और 57.1 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 19.5 प्रतिशत ने हाँ और 39 प्रतिशत ने नहीं और 24.4 प्रतिशत कह नहीं सकते और 17.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया। इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 31.2 प्रतिशत ने हाँमें और 40.7 प्रतिशत ने नहीं में और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते में और 18 प्रतिशत लोगों कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की थी।

4.5.14. उम्र और चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	25.532^a	12	.012
Likelihood Ratio	24.392	12	.018
Linear-by-Linear Association	.925	1	.336
N of Valid Cases	423		
a. 2 cells (10.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 4.17.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 25.532, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .012, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच अंतर के महत्व से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 25.532, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .012, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच कोई महत्वपूर्ण नहीं अंतर है, ख़ाजिर किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है को स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की प्रक्रिया या व्यवहार को प्रभावित कर सकती है।

4.5.15. उम्र और रोजगार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 8 क्या आपने लोकसभा चुनाव 2019 में मतदान करते समय रोजगार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q8 Did you vote keeping employment issues in mind while voting in Lok Sabha Elections 2019?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20	Count	38	10	8	5	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 31.263, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू
	-	% within Age	62.3%	16.4%	13.1%	8.2%	100.0%	
	25	% within Q9	12.9%	16.1%	30.8%	12.5%	14.4%	
	26	Count	103	20	10	15	148	
	-	% within Age	69.6%	13.5%	6.8%	10.1%	100.0%	
	30	% within Q9	34.9%	32.3%	38.5%	37.5%	35.0%	
	31	Count	106	12	5	8	131	
	-	% within Age	80.9%	9.2%	3.8%	6.1%	100.0%	
	35	% within Q9	35.9%	19.4%	19.2%	20.0%	31.0%	
		Count	29	6	2	5	42	
		% within Age	69.0%	14.3%	4.8%	11.9%	100.0%	

	36 - 40	% within Q9	9.8%	9.7%	7.7%	12.5%	9.9%	21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .002, पी वैल्यू .05 से कम है।
	40 +	Count	19	14	1	7	41	
		% within Age	46.3%	34.1%	2.4%	17.1%	100.0%	
		% within Q9	6.4%	22.6%	3.8%	17.5%	9.7%	
Total	Count		295	62	26	40	423	
	% within Age		69.7%	14.7%	6.1%	9.5%	100.0%	
	% within Q9		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोकसभा चुनाव 2019 में मतदान करते समय रोजगार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 62.3 प्रतिशत ने हाँ और 16.4 प्रतिशत ने नहीं और 13.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 69.6 प्रतिशत ने हाँ और 13.5 प्रतिशत ने नहीं और 6.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक और 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 80.9 प्रतिशत ने हाँ और 9.2 प्रतिशत ने नहीं और 3.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 69 प्रतिशत ने हाँ और 14.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 46.3 प्रतिशत ने हाँ और 34.1 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.1 प्रतिशत कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है। इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 69.7 प्रतिशत ने हाँ और 14.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना उत्तर दिया है।

4.5.16. उम्र और रोजगार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	31.263^a	12	.002
Likelihood Ratio	28.084	12	.005
Linear-by-Linear Association	.317	1	.574
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.52.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 31.263, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .002, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच अंतर के महत्व से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 31.263, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .002, पी वैल्यू से कम है, इसलिए वैकल्पिक परिकल्पना लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच महत्वपूर्ण अंतर है स्वीकार किया जाता है तथा शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, समाचार पत्रों में प्रकाशित रोजगार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित कर सकता है।

4.5.17. उम्र और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 9 क्या आपने लोकसभा चुनाव 2019 में राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q9 Did you vote in Loksabha elections 2019 keeping in mind the issue of Ram Mandir?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	21	33	2	5	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 9.058, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से
		% within Age	34.4%	54.1%	3.3%	8.2%	100.0%	
		% within Q10	17.4%	13.2%	10.5%	15.2%	14.4%	
	26-30	Count	34	93	9	12	148	
		% within Age	23.0%	62.8%	6.1%	8.1%	100.0%	
		% within Q10	28.1%	37.2%	47.4%	36.4%	35.0%	
	31-35	Count	38	78	5	10	131	
		% within Age	29.0%	59.5%	3.8%	7.6%	100.0%	
		% within Q10	31.4%	31.2%	26.3%	30.3%	31.0%	
	36-40	Count	16	24	0	2	42	
		% within Age	38.1%	57.1%	0.0%	4.8%	100.0%	

		% within Q10	13.2%	9.6%	0.0%	6.1%	9.9%	कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .698, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	40+	Count	12	22	3	4	41	
		% within Age	29.3%	53.7%	7.3%	9.8%	100.0%	
		% within Q10	9.9%	8.8%	15.8%	12.1%	9.7%	
Total		Count	121	250	19	33	423	
		% within Age	28.6%	59.1%	4.5%	7.8%	100.0%	
		% within Q10	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोकसभा चुनाव 2019 में राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में 34.4 प्रतिशत ने हाँ और 54.1 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 25 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 23 प्रतिशत ने हाँ और 62.8 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 29 प्रतिशत ने हाँ और 59.5 प्रतिशत ने नहीं और 3.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 38.1 प्रतिशत ने हाँ और 57.1 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 29.3 प्रतिशत ने हाँ और 53.7 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत लोगों ने कुछ कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत दिया है। इस प्रकार से कुल 423 लोगों में 28.6 प्रतिशत ने हाँ और 59.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.5.18. उम्र और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	9.058 ^a	12	.698
Likelihood Ratio	10.794	12	.547
Linear-by-Linear Association	.158	1	.691
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (30.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 1.84.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 9.058, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .698, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 9.058, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .698, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है। इसलिए शून्य परिकल्पना उम्र और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र पर, राम मंदिर के मुद्दे का मतदान व्यवहार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

4.5.19. उम्र और धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 10 क्या आपने लोकसभा चुनाव 2019 में कश्मीर में धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q10 Did you vote in Loksabha elections 2019 keeping in mind the issue of abrogation of Article 370 in Kashmir?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	25	29	3	4	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 11.851, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफि
		% within Age	41.0%	47.5%	4.9%	6.6%	100.0%	
		% within Q11	16.6%	13.6%	10.0%	14.3%	14.4%	
	26-30	Count	47	79	13	9	148	
		% within Age	31.8%	53.4%	8.8%	6.1%	100.0%	
		% within Q11	31.1%	36.9%	43.3%	32.1%	35.0%	
	31-35	Count	42	68	9	12	131	
		% within Age	32.1%	51.9%	6.9%	9.2%	100.0%	
		% within Q11	27.8%	31.8%	30.0%	42.9%	31.0%	
	36-40	Count	21	20	1	0	42	
		% within Age	50.0%	47.6%	2.4%	0.0%	100.0%	
		% within Q11	13.9%	9.3%	3.3%	0.0%	9.9%	
	40+	Count	16	18	4	3	41	
		% within Age	39.0%	43.9%	9.8%	7.3%	100.0%	
		% within Q11	10.6%	8.4%	13.3%	10.7%	9.7%	

Total	Count	151	214	30	28	423	सेंट वैल्यू .458, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	% within Age	35.7%	50.6%	7.1%	6.6%	100.0%	
	% within Q11	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका में पूछे गए प्रश्न क्या आपने लोकसभा चुनाव 2019 में कश्मीर में धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 41 प्रतिशत ने हाँ और 47.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 31.8 प्रतिशत ने हाँ और 53.4 प्रतिशत ने नहीं और 8.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 32.1 प्रतिशत ने हाँ और 51.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 36 से 40 आयु वर्ग 42 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 47.6 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 39 प्रतिशत ने हाँ और 43.9 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में उत्तर दिया है। इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 35.7 प्रतिशत ने हाँ और 50.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना राय व्यक्त की है।

4.5.20. उम्र और धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	11.851 ^a	12	.458
Likelihood Ratio	14.682	12	.259
Linear-by-Linear Association	.296	1	.586
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (30.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.71.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 11.851, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .458, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 11.851, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .458, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकर किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र पर कश्मीर से धारा 370 हटाने वाला मुद्दा मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.5.21. उम्र और भ्रष्टाचार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 11 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q11 Did you vote keeping in mind the issues of corruption published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	41	8	6	6	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 11.005, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है
		% within Age	67.2%	13.1%	9.8%	9.8%	100.0%	
		% within Q12	15.8%	9.3%	26.1%	11.1%	14.4%	
	26-30	Count	87	34	7	20	148	
		% within Age	58.8%	23.0%	4.7%	13.5%	100.0%	
		% within Q12	33.5%	39.5%	30.4%	37.0%	35.0%	
	31-35	Count	80	27	5	19	131	
		% within Age	61.1%	20.6%	3.8%	14.5%	100.0%	
		% within Q12	30.8%	31.4%	21.7%	35.2%	31.0%	
	36-40	Count	27	11	1	3	42	
		% within Age	64.3%	26.2%	2.4%	7.1%	100.0%	
		% within Q12	10.4%	12.8%	4.3%	5.6%	9.9%	
	40+	Count	25	6	4	6	41	
		% within Age	61.0%	14.6%	9.8%	14.6%	100.0%	

	% within Q12	9.6%	7.0%	17.4%	11.1%	9.7%	और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .529, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
Total	Count	260	86	23	54	423	
	% within Age	61.5%	20.3%	5.4%	12.8%	100.0%	
	% within Q12	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 67.2 प्रतिशत ने हाँ और 13.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 58.8 प्रतिशत ने हाँ और 23 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 61.1 प्रतिशत ने हाँ और 20.6 प्रतिशत ने नहीं और 3.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 64.3 प्रतिशत ने हाँ और 26.2 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 61 प्रतिशत ने हाँ और 14.6 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में उत्तर दिया। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 61.5 प्रतिशत ने हाँ और 20.3 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.5.22. उम्र और भ्रष्टाचार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	11.005 ^a	12	.529
Likelihood Ratio	11.010	12	.528
Linear-by-Linear Association	.020	1	.887
N of Valid Cases	423		
a. 3 cells (15.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.23.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 11.005, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .529, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 11.005, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .529, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.5.23. उम्र और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 12 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q12 Did you vote keeping in mind the justice you get in criminal incidents published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	37	10	6	8	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 8.622, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .735, पी
		% within Age	60.7%	16.4%	9.8%	13.1%	100.0%	
		% within Q13	16.6%	10.8%	15.8%	11.6%	14.4%	
	26-30	Count	80	29	10	29	148	
		% within Age	54.1%	19.6%	6.8%	19.6%	100.0%	
		% within Q13	35.9%	31.2%	26.3%	42.0%	35.0%	
	31-35	Count	67	31	15	18	131	
		% within Age	51.1%	23.7%	11.5%	13.7%	100.0%	
		% within Q13	30.0%	33.3%	39.5%	26.1%	31.0%	
	36-40	Count	20	13	3	6	42	
		% within Age	47.6%	31.0%	7.1%	14.3%	100.0%	
		% within Q13	9.0%	14.0%	7.9%	8.7%	9.9%	
	40+	Count	19	10	4	8	41	
		% within Age	46.3%	24.4%	9.8%	19.5%	100.0%	
		% within Q13	8.5%	10.8%	10.5%	11.6%	9.7%	

Total	Count	223	93	38	69	423	वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	% within Age	52.7%	22.0%	9.0%	16.3%	100.0%	
	% within Q13	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका में पूछे गए प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से, 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 60.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.4 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 54.1 प्रतिशत ने हाँ और 19.6 प्रतिशत ने नहीं और 6.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 19.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 51.1 प्रतिशत ने हाँ और 23.7 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 कह नहीं सकते और 13.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में 47.6 प्रतिशत ने हाँ और 31 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 46.3 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 19.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में उत्तर दिया है। इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 52.7 प्रतिशत ने हाँ और 22 प्रतिशत ने नहीं और 9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी प्रतिक्रिया दी है।

4.5.24. उम्र और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय के मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	8.622 ^a	12	.735
Likelihood Ratio	8.529	12	.743
Linear-by-Linear Association	.752	1	.386
N of Valid Cases	423		
a. 2 cells (10.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 3.68.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 8.622, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .735, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच अंतर के महत्व से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 8.622, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .735, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.5.25. उम्र और देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 13 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q13 Did you vote keeping in mind the issue of economy of the country published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	39	11	5	6	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 4.845, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .963,
		% within Age	63.9%	18.0%	8.2%	9.8%	100.0%	
		% within Q14	14.3%	14.1%	23.8%	11.8%	14.4%	
	26-30	Count	94	30	6	18	148	
		% within Age	63.5%	20.3%	4.1%	12.2%	100.0%	
		% within Q14	34.4%	38.5%	28.6%	35.3%	35.0%	
	31-35	Count	88	20	6	17	131	
		% within Age	67.2%	15.3%	4.6%	13.0%	100.0%	
		% within Q14	32.2%	25.6%	28.6%	33.3%	31.0%	
	36-40	Count	26	10	1	5	42	
		% within Age	61.9%	23.8%	2.4%	11.9%	100.0%	
		% within Q14	9.5%	12.8%	4.8%	9.8%	9.9%	
	40+	Count	26	7	3	5	41	
		% within Age	63.4%	17.1%	7.3%	12.2%	100.0%	

	% within Q14	9.5%	9.0%	14.3%	9.8%	9.7%	पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
Total	Count	273	78	21	51	423	
	% within Age	64.5%	18.4%	5.0%	12.1%	100.0%	
	% within Q14	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 63.9 प्रतिशत ने हाँ और 18 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 ने कुछ हद तक तथा 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 63.5 प्रतिशत ने हाँ और 20.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 67.2 प्रतिशत ने हाँ और 13.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 91.9 प्रतिशत ने हाँ और 23.8 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 63.4 प्रतिशत ने हाँ और 17.1 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 64.5 प्रतिशत ने हाँ और 18.4 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत दिया है।

4.5.26. उम्र और देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	4.845 ^a	12	.963
Likelihood Ratio	4.723	12	.967
Linear-by-Linear Association	.018	1	.893
N of Valid Cases	423		
a. 4 cells (20.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.04.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 4.845, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .963, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 4.845, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .963, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.5.27. उम्र और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 14 क्या आपने पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q14 Did you vote keeping in mind the clarity of the foreign policy of a particular party?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	27	23	7	4	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 11.575, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .480, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	44.3%	37.7%	11.5%	6.6%	100.0%	
		% within Q15	13.8%	15.2%	20.0%	9.8%	14.4%	
	26-30	Count	69	50	17	12	148	
		% within Age	46.6%	33.8%	11.5%	8.1%	100.0%	
		% within Q15	35.2%	33.1%	48.6%	29.3%	35.0%	
	31-35	Count	59	49	5	18	131	
		% within Age	45.0%	37.4%	3.8%	13.7%	100.0%	
		% within Q15	30.1%	32.5%	14.3%	43.9%	31.0%	
	36-40	Count	21	14	2	5	42	
		% within Age	50.0%	33.3%	4.8%	11.9%	100.0%	
		% within Q15	10.7%	9.3%	5.7%	12.2%	9.9%	
	40+	Count	20	15	4	2	41	
		% within Age	48.8%	36.6%	9.8%	4.9%	100.0%	
		% within Q15	10.2%	9.9%	11.4%	4.9%	9.7%	
Total		Count	196	151	35	41	423	
		% within Age	46.3%	35.7%	8.3%	9.7%	100.0%	

	% within Q15	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका में पूछे गए प्रश्न क्या आपने पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 44.3 प्रतिशत ने हाँ और 37.7 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 46.6 प्रतिशत ने हाँ और 33.8 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 45 प्रतिशत ने हाँ और 37.4 प्रतिशत ने नहीं और 3.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 36.6 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 48.8 प्रतिशत ने हाँ और 36.6 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस तरह से कुल 423 लोगों में से 46.3 प्रतिशत ने हाँ और 35.7 प्रतिशत ने नहीं और 8.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी प्रतिक्रिया दी है।

4.5.28. उम्र और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	11.575 ^a	12	.480
Likelihood Ratio	12.247	12	.426
Linear-by-Linear Association	.139	1	.710
N of Valid Cases	423		
a. 4 cells (20.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 3.39.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 11.575, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .480, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 11.575, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .480, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.5.29. उम्र और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न15 क्या आपने पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q15 Did you vote keeping in mind the development promises made by the parties?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	32	15	7	7	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 10.131, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .604, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	52.5%	24.6%	11.5%	11.5%	100.0%	
		% within Q16	14.0%	12.7%	30.4%	13.2%	14.4%	
	26-30	Count	81	41	7	19	148	
		% within Age	54.7%	27.7%	4.7%	12.8%	100.0%	
		% within Q16	35.4%	34.7%	30.4%	35.8%	35.0%	
	31-35	Count	75	32	5	19	131	
		% within Age	57.3%	24.4%	3.8%	14.5%	100.0%	
		% within Q16	32.8%	27.1%	21.7%	35.8%	31.0%	
	36-40	Count	19	16	2	5	42	
		% within Age	45.2%	38.1%	4.8%	11.9%	100.0%	
		% within Q16	8.3%	13.6%	8.7%	9.4%	9.9%	
	40+	Count	22	14	2	3	41	
		% within Age	53.7%	34.1%	4.9%	7.3%	100.0%	
		% within Q16	9.6%	11.9%	8.7%	5.7%	9.7%	
Total		Count	229	118	23	53	423	
		% within Age	54.1%	27.9%	5.4%	12.5%	100.0%	
		% within Q16	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर 423 लोगों दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 52.5 प्रतिशत ने हाँ और 24.6 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 54.7 प्रतिशत ने हाँ और 27.7 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 57.3 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने नहीं और 3.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 45.2 प्रतिशत ने हाँ और 38.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 53.7 प्रतिशत ने हाँ और 34.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस तरह से कुल 423 लोगों में से 54.1 प्रतिशत ने हाँ और 27.9 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.30. उम्र और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	10.131 ^a	12	.604
Likelihood Ratio	9.221	12	.684
Linear-by-Linear Association	.232	1	.630
N of Valid Cases	423		
a. 3 cells (15.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.23.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 10.131, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .604, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 10.131,

क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .604, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.5.31. उम्र और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 16 क्या आपने कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q16 Did you vote keeping in mind the issues based on agriculture?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	42	8	5	6	61	कल्कुलेटि व वैल्यू 22.729, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .030, पी वैल्यू .05 से कम है।
		% within Age	68.9%	13.1%	8.2%	9.8%	100.0%	
		% within Q17	16.2%	9.5%	17.9%	11.5%	14.4%	
	26-30	Count	95	29	10	14	148	
		% within Age	64.2%	19.6%	6.8%	9.5%	100.0%	
		% within Q17	36.7%	34.5%	35.7%	26.9%	35.0%	
	31-35	Count	83	23	6	19	131	
		% within Age	63.4%	17.6%	4.6%	14.5%	100.0%	
		% within Q17	32.0%	27.4%	21.4%	36.5%	31.0%	
	36-40	Count	26	10	1	5	42	
		% within Age	61.9%	23.8%	2.4%	11.9%	100.0%	
		% within Q17	10.0%	11.9%	3.6%	9.6%	9.9%	
	40+	Count	13	14	6	8	41	
		% within Age	31.7%	34.1%	14.6%	19.5%	100.0%	
		% within Q17	5.0%	16.7%	21.4%	15.4%	9.7%	
Total		Count	259	84	28	52	423	
		% within Age	61.2%	19.9%	6.6%	12.3%	100.0%	
		% within Q17	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 68.9 प्रतिशत ने हाँ और 13.1 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 64.2 प्रतिशत ने हाँ और 19.6 प्रतिशत ने नहीं और 6.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 63.4 प्रतिशत ने हाँ और 17.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 61.9 प्रतिशत ने हाँ और 23.8 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 31.7 प्रतिशत ने हाँ और 34.1 प्रतिशत ने नहीं और 14.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 19.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 61.2 प्रतिशत ने हाँ और 19.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.32. उम्र और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	22.729^a	12	.030
Likelihood Ratio	22.637	12	.031
Linear-by-Linear Association	7.384	1	.007
N of Valid Cases	423		
a. 3 cells (15.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.71.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 22.729, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .030, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 22.729, क्रिटिकल वैल्यू

21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .030, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित किया जा सकता है।

4.5.33. उम्र और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 17 क्या आपने पार्टी की लोकतांत्रिक विचार धारा को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q17 Did you vote keeping in mind the party's democratic ideology?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20	Count	34	9	7	11	61	कल्कुलेटि व वैल्यू 10.118, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट ट वैल्यू .606, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	-	% within Age	55.7%	14.8%	11.5%	18.0%	100.0%	
	25	% within Q18	11.9%	14.8%	29.2%	21.2%	14.4%	
	26	Count	101	23	8	16	148	
	-	% within Age	68.2%	15.5%	5.4%	10.8%	100.0%	
	30	% within Q18	35.3%	37.7%	33.3%	30.8%	35.0%	
	31	Count	93	19	4	15	131	
	-	% within Age	71.0%	14.5%	3.1%	11.5%	100.0%	
	35	% within Q18	32.5%	31.1%	16.7%	28.8%	31.0%	
	36	Count	31	5	2	4	42	
	-	% within Age	73.8%	11.9%	4.8%	9.5%	100.0%	
	40	% within Q18	10.8%	8.2%	8.3%	7.7%	9.9%	
Total	40	Count	27	5	3	6	41	
	+	% within Age	65.9%	12.2%	7.3%	14.6%	100.0%	
		% within Q18	9.4%	8.2%	12.5%	11.5%	9.7%	
		Count	286	61	24	52	423	
		% within Age	67.6%	14.4%	5.7%	12.3%	100.0%	
		% within Q18	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टी की लोकतांत्रिक विचार धारा को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 55.7 प्रतिशत ने हाँ और 14.8 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 18 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 68.2 प्रतिशत ने हाँ और 15.5 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं

सकते और 10.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 71 प्रतिशत ने हाँ और 14.5 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 73.8 प्रतिशत ने हाँ और 11.9 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 65.9 प्रतिशत ने हाँ और 12.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 67.6 प्रतिशत ने हाँ और 14.4 प्रतिशत ने नहीं और 5.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.34. उम्र और पार्टी की लोकतांत्रिक विचार धारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	10.118 ^a	12	.606
Likelihood Ratio	9.498	12	.660
Linear-by-Linear Association	1.367	1	.242
N of Valid Cases	423		
a. 3 cells (15.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 10.118, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .606, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 10.118, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .606, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि

एक चर के रूप में उम्र, पार्टी की लोकातांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.35. उम्र और लैंगिक न्याय के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 18 क्या आपने लैंगिक न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q18 Did you vote with gender justice in mind?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age e	20-25	Count	36	12	7	6	61	कल्कुलेटि व वैल्यू 18.759, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट ट वैल्यू .095, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	59.0%	19.7%	11.5%	9.8%	100.0%	
		% within Q19	15.1%	12.0%	18.9%	12.8%	14.4%	
	26-30	Count	89	25	16	18	148	
		% within Age	60.1%	16.9%	10.8%	12.2%	100.0%	
		% within Q19	37.2%	25.0%	43.2%	38.3%	35.0%	
	31-35	Count	70	35	9	17	131	
		% within Age	53.4%	26.7%	6.9%	13.0%	100.0%	
		% within Q19	29.3%	35.0%	24.3%	36.2%	31.0%	
	36-40	Count	27	13	2	0	42	
		% within Age	64.3%	31.0%	4.8%	0.0%	100.0%	
		% within Q19	11.3%	13.0%	5.4%	0.0%	9.9%	
	40+	Count	17	15	3	6	41	
		% within Age	41.5%	36.6%	7.3%	14.6%	100.0%	
		% within Q19	7.1%	15.0%	8.1%	12.8%	9.7%	
Total		Count	239	100	37	47	423	
		% within Age	56.5%	23.6%	8.7%	11.1%	100.0%	
		% within Q19	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लैंगिक न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया, जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 59 प्रतिशत ने हाँ और 19.7 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 60.1 प्रतिशत ने हाँ और 16.9 प्रतिशत ने नहीं और 10.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत

ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 53.4 प्रतिशत ने हाँ और 26.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 64.3 प्रतिशत ने हाँ और 31 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 41.5 प्रतिशत ने हाँ और 36.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 56.5 प्रतिशत ने हाँ और 23.6 प्रतिशत ने नहीं और 8.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.36. उम्र और लैंगिंग न्याय के मुद्दे के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	18.759 ^a	12	.095
Likelihood Ratio	23.426	12	.024
Linear-by-Linear Association	.039	1	.843
N of Valid Cases	423		
a. 4 cells (20.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 3.59.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 18.759, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .095, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 18.759, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .095, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.37. उम्र और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 19 क्या आपने राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान किया था?			Q19 Did you vote after being influenced by the security measurement of political parties?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20	Count	27	18	8	8	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 7.846, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .797, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	-	% within Age	44.3%	29.5%	13.1%	13.1%	100.0%	
	25	% within Q20	16.1%	10.9%	17.0%	18.6%	14.4%	
	26	Count	55	61	15	17	148	
	-	% within Age	37.2%	41.2%	10.1%	11.5%	100.0%	
	30	% within Q20	32.7%	37.0%	31.9%	39.5%	35.0%	
	31	Count	54	53	14	10	131	
	-	% within Age	41.2%	40.5%	10.7%	7.6%	100.0%	
	35	% within Q20	32.1%	32.1%	29.8%	23.3%	31.0%	
	36	Count	19	17	4	2	42	
	-	% within Age	45.2%	40.5%	9.5%	4.8%	100.0%	
	40	% within Q20	11.3%	10.3%	8.5%	4.7%	9.9%	
Total	40	Count	13	16	6	6	41	
	+	% within Age	31.7%	39.0%	14.6%	14.6%	100.0%	
		% within Q20	7.7%	9.7%	12.8%	14.0%	9.7%	
		Count	168	165	47	43	423	
		% within Age	39.7%	39.0%	11.1%	10.2%	100.0%	
		% within Q20	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 44.3 प्रतिशत ने हाँ और 29.5 प्रतिशत ने नहीं और 13.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 37.2 प्रतिशत ने हाँ और 41.2 प्रतिशत ने नहीं और 10.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 41.2 प्रतिशत ने हाँ और 40.5 प्रतिशत ने नहीं और 10.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 45.2 प्रतिशत ने हाँ और 40.5 प्रतिशत ने नहीं और 9.5 प्रतिशत ने कह

नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 31.7 प्रतिशत ने हाँ और 39 प्रतिशत ने नहीं और 14.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 39.7 प्रतिशत ने हाँ और 39 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.38. उम्र और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	7.846 ^a	12	.797
Likelihood Ratio	8.181	12	.771
Linear-by-Linear Association	.002	1	.961
N of Valid Cases	423		
a. 4 cells (20.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 4.17.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 7.846, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .797, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 7.846, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .797, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.5.39. उम्र और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 20 क्या आपने स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?			Q20 Did you vote keeping the health system in mind?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age e	20-25	Count	42	6	4	9	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 12.851, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .380, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	68.9%	9.8%	6.6%	14.8%	100.0%	
		% within Q21	14.2%	8.7%	19.0%	23.7%	14.4%	
	26-30	Count	104	24	6	14	148	
		% within Age	70.3%	16.2%	4.1%	9.5%	100.0%	
		% within Q21	35.3%	34.8%	28.6%	36.8%	35.0%	
	31-35	Count	93	21	9	8	131	
		% within Age	71.0%	16.0%	6.9%	6.1%	100.0%	
		% within Q21	31.5%	30.4%	42.9%	21.1%	31.0%	
	36-40	Count	32	8	0	2	42	
		% within Age	76.2%	19.0%	0.0%	4.8%	100.0%	
		% within Q21	10.8%	11.6%	0.0%	5.3%	9.9%	
40+	Count	24	10	2	5	41		
	% within Age	58.5%	24.4%	4.9%	12.2%	100.0%		
	% within Q21	8.1%	14.5%	9.5%	13.2%	9.7%		
Total		Count	295	69	21	38	423	
		% within Age	69.7%	16.3%	5.0%	9.0%	100.0%	
		% within Q21	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 68.9 प्रतिशत ने हाँ और 9.8 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 70.3 प्रतिशत ने हाँ और 16.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 71 प्रतिशत ने हाँ और 16 प्रतिशत ने नहीं और 6.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 76.2 प्रतिशत ने हाँ और 19 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 58.5 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 69.7 प्रतिशत

ने हों और 16.3 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.40. उम्र और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	12.851 ^a	12	.380
Likelihood Ratio	14.799	12	.253
Linear-by-Linear Association	.220	1	.639
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.04.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 12.851, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .380, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 12.851, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .380, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.5.41. उम्र और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 21 क्या आपने शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?					Total	कार्ई-स्क्वेर
Q21 Did you vote keeping in mind the education system?						
Yes	No	Can't say	To some extent			

Age	20-25	Count	48	7	2	4	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 9.272, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .680, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	78.7%	11.5%	3.3%	6.6%	100.0%	
		% within Q22	14.2%	16.7%	16.7%	13.3%	14.4%	
	26-30	Count	119	14	2	13	148	
		% within Age	80.4%	9.5%	1.4%	8.8%	100.0%	
		% within Q22	35.1%	33.3%	16.7%	43.3%	35.0%	
	31-35	Count	103	16	4	8	131	
		% within Age	78.6%	12.2%	3.1%	6.1%	100.0%	
		% within Q22	30.4%	38.1%	33.3%	26.7%	31.0%	
	36-40	Count	38	1	1	2	42	
		% within Age	90.5%	2.4%	2.4%	4.8%	100.0%	
		% within Q22	11.2%	2.4%	8.3%	6.7%	9.9%	
	40+	Count	31	4	3	3	41	
		% within Age	75.6%	9.8%	7.3%	7.3%	100.0%	
		% within Q22	9.1%	9.5%	25.0%	10.0%	9.7%	
Total		Count	339	42	12	30	423	
		% within Age	80.1%	9.9%	2.8%	7.1%	100.0%	
		% within Q22	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 78.7 प्रतिशत ने हाँ और 11.5 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 80.4 प्रतिशत ने हाँ और 9.5 प्रतिशत ने नहीं और 1.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 78.6 प्रतिशत ने हाँ और 12.2 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 90.5 प्रतिशत ने हाँ और 2.4 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 75.6 प्रतिशत ने हाँ और 9.8 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 80.1 प्रतिशत ने हाँ और 9.9 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.42. उम्र और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)

Pearson Chi-Square	9.272 ^a	12	.680
Likelihood Ratio	9.670	12	.645
Linear-by-Linear Association	.012	1	.913
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 1.16.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 9.272, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .680, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 9.272, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .680, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.43. उम्र और आरक्षण व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

			Q22 Did you vote keeping in mind the reservation system?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	31	18	8	4	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 13.348, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल
		% within Age	50.8%	29.5%	13.1%	6.6%	100.0%	
		% within Q23	15.9%	11.5%	19.0%	13.8%	14.4%	
	26-30	Count	69	52	15	12	148	
		% within Age	46.6%	35.1%	10.1%	8.1%	100.0%	
		% within Q23	35.4%	33.1%	35.7%	41.4%	35.0%	
		Count	62	48	12	9	131	

	31-35	% within Age	47.3%	36.6%	9.2%	6.9%	100.0%	वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .344, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q23	31.8%	30.6%	28.6%	31.0%	31.0%	
	36-40	Count	20	20	0	2	42	
		% within Age	47.6%	47.6%	0.0%	4.8%	100.0%	
		% within Q23	10.3%	12.7%	0.0%	6.9%	9.9%	
	40+	Count	13	19	7	2	41	
		% within Age	31.7%	46.3%	17.1%	4.9%	100.0%	
		% within Q23	6.7%	12.1%	16.7%	6.9%	9.7%	
	Total	Count	195	157	42	29	423	
		% within Age	46.1%	37.1%	9.9%	6.9%	100.0%	
		% within Q23	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 50.8 प्रतिशत ने हाँ और 29.5 प्रतिशत ने नहीं और 13.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 46.6 प्रतिशत ने हाँ और 35.1 प्रतिशत ने नहीं और 10.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 47.3 प्रतिशत ने हाँ और 36.6 प्रतिशत ने नहीं और 9.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 47.6 प्रतिशत ने हाँ और 47.6 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 31.7 प्रतिशत ने हाँ और 46.3 प्रतिशत ने नहीं और 17.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 46.1 प्रतिशत ने हाँ और 37.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.44. उम्र और आरक्षण व्यवस्था के मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	13.348 ^a	12	.344
Likelihood Ratio	17.247	12	.141
Linear-by-Linear Association	.121	1	.728
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.81.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 13.348, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .344, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 13.348, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .344, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.45. उम्र और आतंकवाद के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 23 क्या आपने देश में डर का माहौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?								
			Q23 Did you vote keeping in mind the serious issue like terrorism which is creating panic in the country?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	37	12	5	7	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 7.081, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू
		% within Age	60.7%	19.7%	8.2%	11.5%	100.0%	
		% within Q24	15.9%	10.0%	16.1%	17.5%	14.4%	
	26-30	Count	77	46	11	14	148	
		% within Age	52.0%	31.1%	7.4%	9.5%	100.0%	
		% within Q24	33.2%	38.3%	35.5%	35.0%	35.0%	
	31-35	Count	71	41	6	13	131	
		% within Age	54.2%	31.3%	4.6%	9.9%	100.0%	
		% within Q24	30.6%	34.2%	19.4%	32.5%	31.0%	
		Count	23	11	5	3	42	

	36-40	% within Age	54.8%	26.2%	11.9%	7.1%	100.0%	21.03 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .852, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q24	9.9%	9.2%	16.1%	7.5%	9.9%	
	40+	Count	24	10	4	3	41	
		% within Age	58.5%	24.4%	9.8%	7.3%	100.0%	
		% within Q24	10.3%	8.3%	12.9%	7.5%	9.7%	
Total		Count	232	120	31	40	423	
		% within Age	54.8%	28.4%	7.3%	9.5%	100.0%	
		% within Q24	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने देश में डर का माहौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 60.7 प्रतिशत ने हाँ और 19.7 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 52 प्रतिशत ने हाँ और 31.1 प्रतिशत ने नहीं और 7.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 54.2 प्रतिशत ने हाँ और 31.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 54.8 प्रतिशत ने हाँ और 26.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 58.5 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 54.8 प्रतिशत ने हाँ और 28.4 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.46. उम्र और आतंकवाद के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	7.081 ^a	12	.852
Likelihood Ratio	7.262	12	.840
Linear-by-Linear Association	.120	1	.729
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 3.00.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 7.081, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .852, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 7.081, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .852, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.5.47. उम्र और संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 24 क्या आपने देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q24 Did you vote keeping in mind the communalism that is following the country?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20	Count	34	20	5	2	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 12.458, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट
	-	% within Age	55.7%	32.8%	8.2%	3.3%	100.0%	
	25	% within Q25	14.4%	15.2%	17.9%	7.4%	14.4%	
	26	Count	74	53	11	10	148	
	-	% within Age	50.0%	35.8%	7.4%	6.8%	100.0%	
	30	% within Q25	31.4%	40.2%	39.3%	37.0%	35.0%	
	31	Count	73	43	6	9	131	
	-	% within Age	55.7%	32.8%	4.6%	6.9%	100.0%	
	35	% within Q25	30.9%	32.6%	21.4%	33.3%	31.0%	
	36	Count	31	7	2	2	42	
	-	% within Age	73.8%	16.7%	4.8%	4.8%	100.0%	
	40	% within Q25	13.1%	5.3%	7.1%	7.4%	9.9%	
		Count	24	9	4	4	41	

	40	% within Age	58.5%	22.0%	9.8%	9.8%	100.0%	वैल्यू .410, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	+	% within Q25	10.2%	6.8%	14.3%	14.8%	9.7%	
Total		Count	236	132	28	27	423	
		% within Age	55.8%	31.2%	6.6%	6.4%	100.0%	
		% within Q25	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 55.7 प्रतिशत ने हाँ और 32.8 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 35.8 प्रतिशत ने नहीं और 7.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 55.7 प्रतिशत ने हाँ और 32.8 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 73.8 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 58.5 प्रतिशत ने हाँ और 22 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 55.8 प्रतिशत ने हाँ और 31.2 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.48. उम्र और संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	12.458 ^a	12	.410
Likelihood Ratio	13.070	12	.364
Linear-by-Linear Association	.204	1	.651
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (30.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.62.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 12.458, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .410, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 12.458 क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .410, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.5.49. उम्र और पर्यावरण के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 25 क्या आपने देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q25 Did you vote keeping in mind the issue of environment in the country?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	44	8	6	3	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 11.764, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .465, पी
		% within Age	72.1%	13.1%	9.8%	4.9%	100.0%	
		% within Q26	14.7%	11.1%	28.6%	9.7%	14.4%	
	26-30	Count	108	22	5	13	148	
		% within Age	73.0%	14.9%	3.4%	8.8%	100.0%	
		% within Q26	36.1%	30.6%	23.8%	41.9%	35.0%	
	31-35	Count	91	25	8	7	131	
		% within Age	69.5%	19.1%	6.1%	5.3%	100.0%	
		% within Q26	30.4%	34.7%	38.1%	22.6%	31.0%	
	36-40	Count	31	8	0	3	42	
		% within Age	73.8%	19.0%	0.0%	7.1%	100.0%	
		% within Q26	10.4%	11.1%	0.0%	9.7%	9.9%	
	40+	Count	25	9	2	5	41	
		% within Age	61.0%	22.0%	4.9%	12.2%	100.0%	
		% within Q26	8.4%	12.5%	9.5%	16.1%	9.7%	
Total		Count	299	72	21	31	423	
		% within Age	70.7%	17.0%	5.0%	7.3%	100.0%	

	% within Q26	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	वैल्यू .05 से ज्यादा है।

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 72.1 प्रतिशत ने हाँ और 13.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 73 प्रतिशत ने हाँ और 14.9 प्रतिशत ने नहीं और 3.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 69.5 प्रतिशत ने हाँ और 19.1 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 73.8 प्रतिशत ने हाँ और 19 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 61 प्रतिशत ने हाँ और 22 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 17 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.50. उम्र और पर्यावरण के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	11.764 ^a	12	.465
Likelihood Ratio	13.181	12	.356
Linear-by-Linear Association	.551	1	.458
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (30.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.04.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 11.764, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .465, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और देश में पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। कल्कुलेटिव वैल्यू 11.764, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .465, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और देश में पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, देश में पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.51. उम्र और संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

			Q26 Did you vote with parliamentary candidates in mind?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	36	16	6	3	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 12.539, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .414, पी वैल्यू .05
		% within Age	59.0%	26.2%	9.8%	4.9%	100.0%	
		% within Q27	14.5%	14.3%	25.0%	7.9%	14.4%	
	26-30	Count	85	39	9	15	148	
		% within Age	57.4%	26.4%	6.1%	10.1%	100.0%	
		% within Q27	34.1%	34.8%	37.5%	39.5%	35.0%	
	31-35	Count	75	40	4	12	131	
		% within Age	57.3%	30.5%	3.1%	9.2%	100.0%	
		% within Q27	30.1%	35.7%	16.7%	31.6%	31.0%	
	36-40	Count	30	9	1	2	42	
		% within Age	71.4%	21.4%	2.4%	4.8%	100.0%	
		% within Q27	12.0%	8.0%	4.2%	5.3%	9.9%	
	40+	Count	23	8	4	6	41	
		% within Age	56.1%	19.5%	9.8%	14.6%	100.0%	
		% within Q27	9.2%	7.1%	16.7%	15.8%	9.7%	
Total		Count	249	112	24	38	423	

	% within Age	58.9%	26.5%	5.7%	9.0%	100.0%	से ज्यादा है।
	% within Q27	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 59 प्रतिशत ने हाँ और 29.2 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 57.4 प्रतिशत ने हाँ और 26.4 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 57.3 प्रतिशत ने हाँ और 30.5 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 71.4 प्रतिशत ने हाँ और 21.4 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 56.1 प्रतिशत ने हाँ और 19.5 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 58.9 प्रतिशत ने हाँ और 26.5 प्रतिशत ने नहीं और 5.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.52. उम्र और संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	12.395 ^a	12	.414
Likelihood Ratio	12.539	12	.403
Linear-by-Linear Association	.026	1	.871
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 12.539, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .414, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 12.539, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .414, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.53. उम्र और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार को मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 27 क्या आपने किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान दिया था?								
			Q27 Did you vote for the candidate of a particular party under any kind of pressure?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20	Count	11	46	3	1	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 16.664, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .163, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	-	% within Age	18.0%	75.4%	4.9%	1.6%	100.0%	
	25	% within Q28	20.8%	13.0%	25.0%	25.0%	14.4%	
	26	Count	16	128	2	2	148	
	-	% within Age	10.8%	86.5%	1.4%	1.4%	100.0%	
	30	% within Q28	30.2%	36.2%	16.7%	50.0%	35.0%	
	31	Count	19	108	3	1	131	
	-	% within Age	14.5%	82.4%	2.3%	0.8%	100.0%	
	35	% within Q28	35.8%	30.5%	25.0%	25.0%	31.0%	
	36	Count	5	37	0	0	42	
	-	% within Age	11.9%	88.1%	0.0%	0.0%	100.0%	
	40	% within Q28	9.4%	10.5%	0.0%	0.0%	9.9%	
Total	40	Count	2	35	4	0	41	
	+	% within Age	4.9%	85.4%	9.8%	0.0%	100.0%	
		% within Q28	3.8%	9.9%	33.3%	0.0%	9.7%	
		Count	53	354	12	4	423	
			% within Age	12.5%	83.7%	2.8%	0.9%	100.0%
			% within Q28	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान दिया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 18 प्रतिशत ने हाँ और 75.4 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 1.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 10.8 प्रतिशत ने हाँ और 86.5 प्रतिशत ने नहीं और 1.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 1.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 14.5 प्रतिशत ने हाँ और 82.4 प्रतिशत ने नहीं और 2.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 11.9 प्रतिशत ने हाँ और 88.1 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 4.9 प्रतिशत ने हाँ और 85.4 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 12.5 प्रतिशत ने हाँ और 83.7 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.54. उम्र और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार को मतदान करने के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	16.664 ^a	12	.163
Likelihood Ratio	16.384	12	.174
Linear-by-Linear Association	.907	1	.341
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .39.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 16.664, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .163, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 16.664, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .163, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.55. उम्र और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 28 क्या आपने उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q28 Did you vote keeping in mind the clean image of the candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	44	10	3	4	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 12.193, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .430, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	72.1%	16.4%	4.9%	6.6%	100.0%	
		% within Q29	14.1%	17.9%	15.0%	11.4%	14.4%	
	26-30	Count	111	15	7	15	148	
		% within Age	75.0%	10.1%	4.7%	10.1%	100.0%	
		% within Q29	35.6%	26.8%	35.0%	42.9%	35.0%	
	31-35	Count	102	16	4	9	131	
		% within Age	77.9%	12.2%	3.1%	6.9%	100.0%	
		% within Q29	32.7%	28.6%	20.0%	25.7%	31.0%	
	36-40	Count	28	9	1	4	42	
		% within Age	66.7%	21.4%	2.4%	9.5%	100.0%	
		% within Q29	9.0%	16.1%	5.0%	11.4%	9.9%	
	40+	Count	27	6	5	3	41	
		% within Age	65.9%	14.6%	12.2%	7.3%	100.0%	
		% within Q29	8.7%	10.7%	25.0%	8.6%	9.7%	
Total		Count	312	56	20	35	423	
		% within Age	73.8%	13.2%	4.7%	8.3%	100.0%	
		% within Q29	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 72.1 प्रतिशत ने हाँ और 16.4 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 75 प्रतिशत ने हाँ और 10.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 77.9 प्रतिशत ने हाँ और 12.2 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 21.4 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 65.9 प्रतिशत ने हाँ और 14.6 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 73.8 प्रतिशत ने हाँ और 13.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.56. उम्र और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि के कार्ई स्क्वेर का डेटा विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	12.193 ^a	12	.430
Likelihood Ratio	10.667	12	.558
Linear-by-Linear Association	.332	1	.564
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 1.94.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 12.193, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .430, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 12.193, क्रिटिकल

वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .430, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.57. उम्र और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 29 क्या आपने उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर मतदान किया था?								
			Q29 Did you vote for the candidate because of his domineering nature?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age e	20-25	Count	12	43	4	2	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 21.055, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .050, पी वैल्यू .05 के बराबर है।
		% within Age	19.7%	70.5%	6.6%	3.3%	100.0%	
		% within Q30	26.7%	12.0%	33.3%	22.2%	14.4%	
	26-30	Count	14	127	4	3	148	
		% within Age	9.5%	85.8%	2.7%	2.0%	100.0%	
		% within Q30	31.1%	35.6%	33.3%	33.3%	35.0%	
	31-35	Count	13	113	1	4	131	
		% within Age	9.9%	86.3%	0.8%	3.1%	100.0%	
		% within Q30	28.9%	31.7%	8.3%	44.4%	31.0%	
	36-40	Count	5	37	0	0	42	
		% within Age	11.9%	88.1%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q30	11.1%	10.4%	0.0%	0.0%	9.9%	
	40+	Count	1	37	3	0	41	
		% within Age	2.4%	90.2%	7.3%	0.0%	100.0%	
		% within Q30	2.2%	10.4%	25.0%	0.0%	9.7%	
Total		Count	45	357	12	9	423	
		% within Age	10.6%	84.4%	2.8%	2.1%	100.0%	
		% within Q30	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 19.7 प्रतिशत ने हाँ और 70.5 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 9.5 प्रतिशत ने हाँ और 85.8 प्रतिशत ने नहीं और 2.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2

प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 9.9 प्रतिशत ने हाँ और 86.3 प्रतिशत ने नहीं और 0.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 11.9 प्रतिशत ने हाँ और 88.1 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 2.4 प्रतिशत ने हाँ और 90.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 10.6 प्रतिशत ने हाँ और 84.4 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.58. उम्र और उम्मीदवार की दबंगीय स्वभाव के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	21.055^a	12	.050
Likelihood Ratio	23.339	12	.025
Linear-by-Linear Association	.283	1	.595
N of Valid Cases	423		
a. 12 cells (60.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .87.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 21.055, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .050, पी वैल्यू .05 के बराबर है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 21.055, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .050, पी वैल्यू .05 के बराबर है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित कर सकती है।

4.5.59. उम्र और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 30 क्या आपने पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q30 Did you vote keeping in mind the candidate of the particular party?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20	Count	30	22	5	4	61	कल्कुलेटि व वैल्यू 22.533, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .032, पी वैल्यू .05 से कम है।
	-	% within Age	49.2%	36.1%	8.2%	6.6%	100.0%	
	25	% within Q31	16.8%	11.4%	22.7%	13.8%	14.4%	
	26	Count	62	70	4	12	148	
	-	% within Age	41.9%	47.3%	2.7%	8.1%	100.0%	
	30	% within Q31	34.6%	36.3%	18.2%	41.4%	35.0%	
	31	Count	53	63	6	9	131	
	-	% within Age	40.5%	48.1%	4.6%	6.9%	100.0%	
	35	% within Q31	29.6%	32.6%	27.3%	31.0%	31.0%	
	36	Count	17	24	0	1	42	
	-	% within Age	40.5%	57.1%	0.0%	2.4%	100.0%	
	40	% within Q31	9.5%	12.4%	0.0%	3.4%	9.9%	
Total	40	Count	17	14	7	3	41	
	+	% within Age	41.5%	34.1%	17.1%	7.3%	100.0%	
		% within Q31	9.5%	7.3%	31.8%	10.3%	9.7%	
		Count	179	193	22	29	423	
			% within Age	42.3%	45.6%	5.2%	6.9%	100.0%
			% within Q31	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 49.2 प्रतिशत ने हाँ और 36.1 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 41.9 प्रतिशत ने हाँ और 47.3 प्रतिशत ने नहीं और 2.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 40.5 प्रतिशत ने हाँ और 48.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 40.5 प्रतिशत ने हाँ और 57.1 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 41.5 प्रतिशत ने हाँ और 34.1 प्रतिशत

ने नहीं और 17.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 42.3 प्रतिशत ने हाँ और 45.6 प्रतिशत ने नहीं और 5.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.60. उम्र और पार्टी विशेष के उम्मीदवार के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	22.533^a	12	.032
Likelihood Ratio	21.220	12	.047
Linear-by-Linear Association	.308	1	.579
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (30.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.13.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 22.533, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .032, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 22.533, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .032, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित किया जा सकता है।

4.5.61. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 31 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q31 Did you vote keeping in mind the prime ministerial candidates in the Loksabha elections 2019?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	36	12	7	6	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 19.502, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .077, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	59.0%	19.7%	11.5%	9.8%	100.0%	
		% within Q32	14.8%	9.3%	38.9%	18.8%	14.4%	
	26-30	Count	80	56	4	8	148	
		% within Age	54.1%	37.8%	2.7%	5.4%	100.0%	
		% within Q32	32.8%	43.4%	22.2%	25.0%	35.0%	
	31-35	Count	79	34	4	14	131	
		% within Age	60.3%	26.0%	3.1%	10.7%	100.0%	
		% within Q32	32.4%	26.4%	22.2%	43.8%	31.0%	
	36-40	Count	25	14	1	2	42	
		% within Age	59.5%	33.3%	2.4%	4.8%	100.0%	
		% within Q32	10.2%	10.9%	5.6%	6.3%	9.9%	
	40+	Count	24	13	2	2	41	
		% within Age	58.5%	31.7%	4.9%	4.9%	100.0%	
		% within Q32	9.8%	10.1%	11.1%	6.3%	9.7%	
Total		Count	244	129	18	32	423	
		% within Age	57.7%	30.5%	4.3%	7.6%	100.0%	
		% within Q32	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 59 प्रतिशत ने हाँ और 19.7 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 54.1 प्रतिशत ने हाँ और 37.8 प्रतिशत ने नहीं और 2.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 60.3

प्रतिशत ने हाँ और 26 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 59.5 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 58.5 प्रतिशत ने हाँ और 31.7 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 57.7 प्रतिशत ने हाँ और 30.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.62. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	19.502 ^a	12	.077
Likelihood Ratio	17.546	12	.130
Linear-by-Linear Association	.754	1	.385
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (30.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 1.74.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 19.502, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .077, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 19.502, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .077, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.63. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की क्रास टैब का डेटा विश्लेषण।

प्रश्न 32 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q32 Did you vote keeping in mind the clean image of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	38	12	7	4	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 5.629, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .934, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	62.3%	19.7%	11.5%	6.6%	100.0%	
		% within Q33	14.3%	11.9%	25.0%	14.3%	14.4%	
	26-30	Count	91	38	9	10	148	
		% within Age	61.5%	25.7%	6.1%	6.8%	100.0%	
		% within Q33	34.2%	37.6%	32.1%	35.7%	35.0%	
	31-35	Count	85	29	8	9	131	
		% within Age	64.9%	22.1%	6.1%	6.9%	100.0%	
		% within Q33	32.0%	28.7%	28.6%	32.1%	31.0%	
	36-40	Count	26	13	1	2	42	
		% within Age	61.9%	31.0%	2.4%	4.8%	100.0%	
		% within Q33	9.8%	12.9%	3.6%	7.1%	9.9%	
	40+	Count	26	9	3	3	41	
		% within Age	63.4%	22.0%	7.3%	7.3%	100.0%	
		% within Q33	9.8%	8.9%	10.7%	10.7%	9.7%	
Total		Count	266	101	28	28	423	
		% within Age	62.9%	23.9%	6.6%	6.6%	100.0%	
		% within Q33	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 62.3 प्रतिशत ने हाँ और 19.7 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 61.5 प्रतिशत ने हाँ और 25.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 64.9 प्रतिशत ने हाँ और 22.1 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 61.9 प्रतिशत ने हाँ और 31 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 63.4 प्रतिशत ने हाँ

और 22 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 62.9 प्रतिशत ने हाँ और 23.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.64. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	5.629 ^a	12	.934
Likelihood Ratio	5.589	12	.935
Linear-by-Linear Association	.227	1	.634
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (30.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.71.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 5.629, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .934, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 5.629, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .934, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.65. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 33 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q33 Did you vote with a clear vision of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	37	13	7	4	61	कल्कुलेटि व वैल्यू 4.137, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .981, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	60.7%	21.3%	11.5%	6.6%	100.0%	
		% within Q34	14.3%	13.3%	19.4%	13.3%	14.4%	
	26-30	Count	89	37	12	10	148	
		% within Age	60.1%	25.0%	8.1%	6.8%	100.0%	
		% within Q34	34.4%	37.8%	33.3%	33.3%	35.0%	
	31-35	Count	82	28	11	10	131	
		% within Age	62.6%	21.4%	8.4%	7.6%	100.0%	
		% within Q34	31.7%	28.6%	30.6%	33.3%	31.0%	
	36-40	Count	27	11	1	3	42	
		% within Age	64.3%	26.2%	2.4%	7.1%	100.0%	
		% within Q34	10.4%	11.2%	2.8%	10.0%	9.9%	
	40+	Count	24	9	5	3	41	
		% within Age	58.5%	22.0%	12.2%	7.3%	100.0%	
		% within Q34	9.3%	9.2%	13.9%	10.0%	9.7%	
Total		Count	259	98	36	30	423	
		% within Age	61.2%	23.2%	8.5%	7.1%	100.0%	
		% within Q34	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 60.7 प्रतिशत ने हाँ और 21.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 60.1 प्रतिशत ने हाँ और 25 प्रतिशत ने नहीं और 8.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 62.6 प्रतिशत ने हाँ और 21.4 प्रतिशत ने नहीं और 8.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 64.3 प्रतिशत ने हाँ और 26.2 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 58.5 प्रतिशत ने हाँ और 22 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से

कुल 423 लोगों में से 61.2 प्रतिशत ने हाँ और 23.2 प्रतिशत ने नहीं और 8.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.66. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	4.137 ^a	12	.981
Likelihood Ratio	4.739	12	.966
Linear-by-Linear Association	.003	1	.953
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.91.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 4.137, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .981, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 4.137, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .981, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.67. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 34 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			
	Q34 Did you vote keeping in mind the decision-making ability of the prime ministerial candidate?	Total	कार्ई-स्क्वेर

			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	37	12	11	1	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 19.071, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .087, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	60.7%	19.7%	18.0%	1.6%	100.0%	
		% within Q35	14.2%	12.4%	35.5%	2.9%	14.4%	
	26-30	Count	92	32	8	16	148	
		% within Age	62.2%	21.6%	5.4%	10.8%	100.0%	
		% within Q35	35.2%	33.0%	25.8%	47.1%	35.0%	
	31-35	Count	81	34	7	9	131	
		% within Age	61.8%	26.0%	5.3%	6.9%	100.0%	
		% within Q35	31.0%	35.1%	22.6%	26.5%	31.0%	
	36-40	Count	26	11	1	4	42	
		% within Age	61.9%	26.2%	2.4%	9.5%	100.0%	
		% within Q35	10.0%	11.3%	3.2%	11.8%	9.9%	
	40+	Count	25	8	4	4	41	
		% within Age	61.0%	19.5%	9.8%	9.8%	100.0%	
		% within Q35	9.6%	8.2%	12.9%	11.8%	9.7%	
Total		Count	261	97	31	34	423	
		% within Age	61.7%	22.9%	7.3%	8.0%	100.0%	
		% within Q35	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 60.7 प्रतिशत ने हाँ और 19.7 प्रतिशत ने नहीं और 18 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 1.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 62.2 प्रतिशत ने हाँ और 21.6 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 61.8 प्रतिशत ने हाँ और 26 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 61.9 प्रतिशत ने हाँ और 26.2 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 61 प्रतिशत ने हाँ और 19.5 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 61.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.9 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.68. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	19.071 ^a	12	.087
Likelihood Ratio	18.279	12	.107
Linear-by-Linear Association	.002	1	.960
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (30.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 3.00.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 19.071, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .087, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 19.071, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .087, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है।

4.5.69. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 35 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q35 Did you vote keeping in mind the popularity of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-	Count	27	24	7	3	61	
	25	% within Age	44.3%	39.3%	11.5%	4.9%	100.0%	

		% within Q36	13.1%	14.5%	23.3%	14.3%	14.4%	कल्कुलेटिव वैल्यू 8.377, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .755, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
26-30	Count	65	66	9	8	148		
	% within Age	43.9%	44.6%	6.1%	5.4%	100.0%		
	% within Q36	31.6%	39.8%	30.0%	38.1%	35.0%		
31-35	Count	69	47	9	6	131		
	% within Age	52.7%	35.9%	6.9%	4.6%	100.0%		
	% within Q36	33.5%	28.3%	30.0%	28.6%	31.0%		
36-40	Count	23	15	1	3	42		
	% within Age	54.8%	35.7%	2.4%	7.1%	100.0%		
	% within Q36	11.2%	9.0%	3.3%	14.3%	9.9%		
40+	Count	22	14	4	1	41		
	% within Age	53.7%	34.1%	9.8%	2.4%	100.0%		
	% within Q36	10.7%	8.4%	13.3%	4.8%	9.7%		
Total		Count	206	166	30	21	423	
		% within Age	48.7%	39.2%	7.1%	5.0%	100.0%	
		% within Q36	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 44.3 प्रतिशत ने हाँ और 39.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 43.9 प्रतिशत ने हाँ और 44.6 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 52.7 प्रतिशत ने हाँ और 35.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 54.8 प्रतिशत ने हाँ और 35.7 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 53.7 प्रतिशत ने हाँ और 34.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 48.7 प्रतिशत ने हाँ और 39.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.70. उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	8.377 ^a	12	.755

Likelihood Ratio	8.599	12	.737
Linear-by-Linear Association	1.913	1	.167
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (30.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.04.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 8.377, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .755, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 8.377, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .755, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.71. उम्र और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 36 क्या आप सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानते हैं?								
			Q36 Do you consider all political parties equal?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	25	23	4	9	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 30.605, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल
		% within Age	41.0%	37.7%	6.6%	14.8%	100.0%	
		% within Q37	21.7%	9.7%	17.4%	18.8%	14.4%	
	26-30	Count	46	74	7	21	148	
		% within Age	31.1%	50.0%	4.7%	14.2%	100.0%	
		% within Q37	40.0%	31.2%	30.4%	43.8%	35.0%	
	31-35	Count	34	77	6	14	131	
		% within Age	26.0%	58.8%	4.6%	10.7%	100.0%	

		% within Q37	29.6%	32.5%	26.1%	29.2%	31.0%	वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .002, पी वैल्यू .05 से कम है।
	36-40	Count	6	33	3	0	42	
		% within Age	14.3%	78.6%	7.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q37	5.2%	13.9%	13.0%	0.0%	9.9%	
	40+	Count	4	30	3	4	41	
		% within Age	9.8%	73.2%	7.3%	9.8%	100.0%	
		% within Q37	3.5%	12.7%	13.0%	8.3%	9.7%	
Total		Count	115	237	23	48	423	
		% within Age	27.2%	56.0%	5.4%	11.3%	100.0%	
		% within Q37	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के क्या आप सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानते हैं? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 41 प्रतिशत ने हाँ और 37.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 31.1 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 26 प्रतिशत ने हाँ और 58.8 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 14.3 प्रतिशत ने हाँ और 78.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 9.8 प्रतिशत ने हाँ और 73.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 27.2 प्रतिशत ने हाँ और 56 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.72. उम्र और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	30.605^a	12	.002
Likelihood Ratio	36.540	12	.000
Linear-by-Linear Association	.552	1	.457
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.23.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 30.605, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .002, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 30.605, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .002, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच के अंतर को प्रभावित किया जा सकता है।

4.5.73. उम्र और पार्टी विशेष की विचारधारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 37 क्या आप पार्टी विशेष की विचारधारा को मानते हैं?								
			Q37 Do you follow the ideology of a particular party?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	26	19	6	10	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 13.652, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .324, पी
		% within Age	42.6%	31.1%	9.8%	16.4%	100.0%	
		% within Q38	14.3%	11.9%	28.6%	16.7%	14.4%	
	26-30	Count	55	67	4	22	148	
		% within Age	37.2%	45.3%	2.7%	14.9%	100.0%	
		% within Q38	30.2%	41.9%	19.0%	36.7%	35.0%	
	31-35	Count	60	47	7	17	131	
		% within Age	45.8%	35.9%	5.3%	13.0%	100.0%	
		% within Q38	33.0%	29.4%	33.3%	28.3%	31.0%	
	36-40	Count	19	17	1	5	42	
		% within Age	45.2%	40.5%	2.4%	11.9%	100.0%	
		% within Q38	10.4%	10.6%	4.8%	8.3%	9.9%	
	40+	Count	22	10	3	6	41	
		% within Age	53.7%	24.4%	7.3%	14.6%	100.0%	
		% within Q38	12.1%	6.3%	14.3%	10.0%	9.7%	

Total	Count	182	160	21	60	423	वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	% within Age	43.0%	37.8%	5.0%	14.2%	100.0%	
	% within Q38	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पार्टी विशेष की विचारधारा को मानते हैं? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 42.6 प्रतिशत ने हाँ और 31.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 37.2 प्रतिशत ने हाँ और 45.3 प्रतिशत ने नहीं और 2.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 45.8 प्रतिशत ने हाँ और 35.9 प्रतिशत ने नहीं और 5.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 45.2 प्रतिशत ने हाँ और 40.5 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 53.7 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 43 प्रतिशत ने हाँ और 37.8 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.74. उम्र और पार्टी विशेष की विचार धारा के काई स्क्वेर का डेटा विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	13.652 ^a	12	.324
Likelihood Ratio	13.555	12	.330
Linear-by-Linear Association	1.492	1	.222
N of Valid Cases	423		
a. 3 cells (15.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.04.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 13.652, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .324, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 13.652, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .324, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच के अंतर को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.75. उम्र और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 38 क्या आप पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव रखते हैं?								काई-स्क्वेर
			Q38 Are you hierarchy party-specific?				Total	
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	15	34	7	5	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 12.252, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .426, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	24.6%	55.7%	11.5%	8.2%	100.0%	
		% within Q39	12.7%	14.8%	25.0%	10.6%	14.4%	
	26-30	Count	42	85	8	13	148	
		% within Age	28.4%	57.4%	5.4%	8.8%	100.0%	
		% within Q39	35.6%	37.0%	28.6%	27.7%	35.0%	
	31-35	Count	39	70	6	16	131	
		% within Age	29.8%	53.4%	4.6%	12.2%	100.0%	
		% within Q39	33.1%	30.4%	21.4%	34.0%	31.0%	
	36-40	Count	15	18	4	5	42	
		% within Age	35.7%	42.9%	9.5%	11.9%	100.0%	
		% within Q39	12.7%	7.8%	14.3%	10.6%	9.9%	
	40+	Count	7	23	3	8	41	
		% within Age	17.1%	56.1%	7.3%	19.5%	100.0%	
		% within Q39	5.9%	10.0%	10.7%	17.0%	9.7%	
Total		Count	118	230	28	47	423	
		% within Age	27.9%	54.4%	6.6%	11.1%	100.0%	
		% within Q39	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की झुकाव रखते हैं? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 24.6 प्रतिशत ने हाँ और 55.7 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 28.4 प्रतिशत ने हाँ और 57.4 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 29.8 प्रतिशत ने हाँ और 53.4 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 35.7 प्रतिशत ने हाँ और 42.9 प्रतिशत ने नहीं और 9.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 17.1 प्रतिशत ने हाँ और 56.1 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 19.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 27.9 प्रतिशत ने हाँ और 54.4 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.76. उम्र और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	12.252 ^a	12	.426
Likelihood Ratio	11.816	12	.461
Linear-by-Linear Association	1.859	1	.173
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (25.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 2.71.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 12.252, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .426, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 12.252, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और

सिग्नीफिकेंट वैल्यू .426, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच के अंतर को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.77. उम्र और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 39 क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं?			प्रश्न 39 क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	32	14	6	9	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 10.887, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .539, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	52.5%	23.0%	9.8%	14.8%	100.0%	
		% within Q40	15.0%	10.1%	30.0%	17.6%	14.4%	
	26-30	Count	67	56	6	19	148	
		% within Age	45.3%	37.8%	4.1%	12.8%	100.0%	
		% within Q40	31.5%	40.3%	30.0%	37.3%	35.0%	
	31-35	Count	69	44	4	14	131	
		% within Age	52.7%	33.6%	3.1%	10.7%	100.0%	
		% within Q40	32.4%	31.7%	20.0%	27.5%	31.0%	
	36-40	Count	25	12	2	3	42	
		% within Age	59.5%	28.6%	4.8%	7.1%	100.0%	
		% within Q40	11.7%	8.6%	10.0%	5.9%	9.9%	
	40+	Count	20	13	2	6	41	
		% within Age	48.8%	31.7%	4.9%	14.6%	100.0%	
		% within Q40	9.4%	9.4%	10.0%	11.8%	9.7%	
Total		Count	213	139	20	51	423	
		% within Age	50.4%	32.9%	4.7%	12.1%	100.0%	
		% within Q40	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 52.5 प्रतिशत ने हाँ और 23 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 45.3 प्रतिशत ने हाँ और 37.8 प्रतिशत ने नहीं और 4.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 52.7 प्रतिशत ने हाँ और

33.6 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 59.5 प्रतिशत ने हाँ और 28.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 48.8 प्रतिशत ने हाँ और 31.7 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 50.4 प्रतिशत ने हाँ और 32.9 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.78. उम्र और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	10.887 ^a	12	.539
Likelihood Ratio	10.474	12	.574
Linear-by-Linear Association	.846	1	.358
N of Valid Cases	423		
a. 4 cells (20.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 1.94.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 10.887, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .539, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 10.887, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .539, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच अंतर के महत्व को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.5.79. उम्र और पार्टी विशेष के कदवार नेताओं की उपस्थिति की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 40 क्या आप पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करते हैं?			Q40 Do you follow the presence of some opinion leaders in a particular party keeping in mind it?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Age	20-25	Count	30	17	6	8	61	कल्कुलेटिव वैल्यू 15.132, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .234, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Age	49.2%	27.9%	9.8%	13.1%	100.0%	
		% within Q41	17.2%	9.8%	16.7%	20.0%	14.4%	
	26-30	Count	57	61	12	18	148	
		% within Age	38.5%	41.2%	8.1%	12.2%	100.0%	
		% within Q41	32.8%	35.3%	33.3%	45.0%	35.0%	
	31-35	Count	55	58	10	8	131	
		% within Age	42.0%	44.3%	7.6%	6.1%	100.0%	
		% within Q41	31.6%	33.5%	27.8%	20.0%	31.0%	
	36-40	Count	20	19	2	1	42	
		% within Age	47.6%	45.2%	4.8%	2.4%	100.0%	
		% within Q41	11.5%	11.0%	5.6%	2.5%	9.9%	
	40+	Count	12	18	6	5	41	
		% within Age	29.3%	43.9%	14.6%	12.2%	100.0%	
		% within Q41	6.9%	10.4%	16.7%	12.5%	9.7%	
Total		Count	174	173	36	40	423	
		% within Age	41.1%	40.9%	8.5%	9.5%	100.0%	
		% within Q41	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करते हैं? इस प्रश्न का उत्तर 423 लोगों ने दिया है जिसमें से 20 से 25 आयु वर्ग के 61 लोगों में से 49.2 प्रतिशत ने हाँ और 27.9 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 26 से 30 आयु वर्ग के 148 लोगों में से 38.5 प्रतिशत ने हाँ और 41.2 प्रतिशत ने नहीं और 8.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 31 से 35 आयु वर्ग के 131 लोगों में से 42 प्रतिशत ने हाँ और 44.3 प्रतिशत ने नहीं और 7.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 36 से 40 आयु वर्ग के 42 लोगों में से 47.6 प्रतिशत ने हाँ और 45.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक एवं 40+ आयु वर्ग के 41 लोगों में से 29.3

प्रतिशत ने हाँ और 43.9 प्रतिशत ने नहीं और 14.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक। इस तरह से कुल 423 लोगों में से 41.1 प्रतिशत ने हाँ और 40.9 प्रतिशत ने नहीं और 8.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपना मत व्यक्त किया है।

4.5.80. उम्र और पार्टी विशेष के कदवार नेताओं की उपस्थिति के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	15.132 ^a	12	.234
Likelihood Ratio	16.300	12	.178
Linear-by-Linear Association	.019	1	.889
N of Valid Cases	423		
a. 4 cells (20.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 3.49.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 15.132, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .234, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 15.132, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .234, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में उम्र, पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच अंतर को प्रभावित नहीं करती है।

4.6. शैक्षिक योग्यता के अनुसार क्रॉस टैब और कार्ई स्क्वेर परीक्षण

शैक्षिक योग्यता के अनुसार क्रॉस टैब और कार्ई स्क्वेर यह एक सांख्यिकी टेस्ट है जो एक द्वितात्मक तालिका या एक वर्गीकरण को मापन के लिए उपयोग किया जाता है। नीचे दी गयी निम्न तालिकाओं

का क्रॉस टैब और काई स्क्वेर परीक्षण का विश्लेषण किया गया है। जिसके अंतर्गत उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने की बीच संबंध और चुनावी मुद्दों के बीच संबंध को दर्शाया गया है।

4.6.1. शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

			Q1 Are you interested in reading Hindi newspapers?			Total	काई-स्क्वेर
			Yes	Very little	Very much		
Education	High School	Count	2	2	2	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 21.72 2, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .041, पी वैल्यू .05 से कम है।
		% within Education	33.3%	33.3%	33.3%	100.0%	
		% within Q1	0.6%	4.7%	6.1%	1.4%	
	intermediate	Count	6	3	0	9	
		% within Education	66.7%	33.3%	0.0%	100.0%	
		% within Q1	1.7%	7.0%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	38	1	2	41	
		% within Education	92.7%	2.4%	4.9%	100.0%	
		% within Q1	11.0%	2.3%	6.1%	9.7%	
	Post Graduation	Count	105	12	11	128	
		% within Education	82.0%	9.4%	8.6%	100.0%	
		% within Q1	30.3%	27.9%	33.3%	30.3%	
	M.Phil	Count	67	7	8	82	
		% within Education	81.7%	8.5%	9.8%	100.0%	
		% within Q1	19.3%	16.3%	24.2%	19.4%	
	Ph.D.	Count	125	17	9	151	
		% within Education	82.8%	11.3%	6.0%	100.0%	
		% within Q1	36.0%	39.5%	27.3%	35.7%	
Others	Count	4	1	1	6		
	% within Education	66.7%	16.7%	16.7%	100.0%		
	% within Q1	1.2%	2.3%	3.0%	1.4%		
Total		Count	347	43	33	423	
		% within Education	82.0%	10.2%	7.8%	100.0%	
		% within Q1	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में रुचि रखते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने बहुत कम और 33.3 प्रतिशत ने बहुत अधिक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने बहुत कम और 0 प्रतिशत ने बहुत अधिक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 92.7 प्रतिशत ने हाँ और 2.4 प्रतिशत ने बहुत कम और 4.9 प्रतिशत ने बहुत अधिक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 82 प्रतिशत ने हाँ और 9.4 प्रतिशत ने बहुत कम और 8.6 प्रतिशत ने बहुत अधिक तथा एम.फिल. डिग्री धारक 82 लोगों में से 81.7 प्रतिशत ने हाँ और 8.5 प्रतिशत ने बहुत कम और 9.8 प्रतिशत ने बहुत अधिक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 82.8 प्रतिशत ने हाँ और 11.3 प्रतिशत ने बहुत कम और 6 प्रतिशत ने बहुत अधिक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता वाले 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने बहुत कम और 16.7 ने बहुत अधिक में अपना उत्तर दिया है। इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 82 प्रतिशत ने हाँ और 10.2 प्रतिशत ने बहुत कम और 7.8 ने बहुत अधिक में अपना राय व्यक्त की है।

4.6.2. शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	21.722^a	12	.041
Likelihood Ratio	18.661	12	.097
Linear-by-Linear Association	.534	1	.465
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (47.6%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .47.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 21.722, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .041, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 21.722, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .041, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा

वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता अखबार पढ़ने की आदत को प्रभावित कर सकती है।

4.6.3. शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 2 आप कितने हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं?							
			Q2 How many Hindi newspapers do you read?			Total	काई-स्क्वेर
			One	Two	More than three		
Education	High School	Count	3	3	0	6	कल्कुलेटि व वैल्यू 6.919, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .863, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	50.0%	50.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q2	1.8%	1.9%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	2	6	1	9	
		% within Education	22.2%	66.7%	11.1%	100.0%	
		% within Q2	1.2%	3.8%	1.1%	2.1%	
	Graduate	Count	17	15	9	41	
		% within Education	41.5%	36.6%	22.0%	100.0%	
		% within Q2	9.9%	9.6%	9.5%	9.7%	
	Post Graduation	Count	53	49	26	128	
		% within Education	41.4%	38.3%	20.3%	100.0%	
		% within Q2	31.0%	31.2%	27.4%	30.3%	
	M.Phil	Count	33	28	21	82	
		% within Education	40.2%	34.1%	25.6%	100.0%	
		% within Q2	19.3%	17.8%	22.1%	19.4%	
	Ph.D.	Count	61	53	37	151	
		% within Education	40.4%	35.1%	24.5%	100.0%	
		% within Q2	35.7%	33.8%	38.9%	35.7%	
	Others	Count	2	3	1	6	
		% within Education	33.3%	50.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q2	1.2%	1.9%	1.1%	1.4%	
Total		Count	171	157	95	423	
		% within Education	40.4%	37.1%	22.5%	100.0%	
		% within Q2	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप कितने हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत एक हिंदी समाचार पत्र और 50 प्रतिशत दो हिंदी समाचार पत्र और 0 प्रतिशत तीन या इससे अधिक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 22.2 प्रतिशत एक हिंदी समाचार पत्र और 66.7 प्रतिशत दो हिंदी समाचार पत्र और 11.1 प्रतिशत तीन या इससे अधिक समाचार पत्र तथा स्नातक योग्यता धारक 41 लोगों में से 41.5 प्रतिशत एक हिंदी समाचार पत्र और 36.6 प्रतिशत दो हिंदी समाचार पत्र और 22 प्रतिशत तीन या इससे अधिक समाचार पत्र तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 41.4 प्रतिशत एक हिंदी समाचार पत्र और 38.3 प्रतिशत दो हिंदी समाचार पत्र और 20.3 प्रतिशत तीन या इससे अधिक हिंदी समाचार पत्र और एम.फिल. डिग्री धारक 82 लोगों में से 40.2 प्रतिशत एक हिंदी समाचार पत्र और 34.1 प्रतिशत दो हिंदी समाचार पत्र और 25.6 प्रतिशत तीन या इससे अधिक तथा पी.एचडी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 40.4 प्रतिशत एक हिंदी समाचार पत्र और 35.1 प्रतिशत दो हिंदी समाचार पत्र और 24.5 प्रतिशत तीन या इससे अधिक समाचार पत्र तथा अन्य शैक्षिक योग्यता वाले 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत एक हिंदी समाचार पत्र और 50 प्रतिशत दो हिंदी समाचार पत्र और 16.7 प्रतिशत तीन या इससे अधिक हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं। इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 40.4 प्रतिशत एक हिंदी समाचार पत्र और 37.1 प्रतिशत दो हिंदी समाचार पत्र और 22.5 प्रतिशत तीन या इससे अधिक हिंदी समाचार पत्रों का पठन-पाठन करते हैं।

4.6.4. शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	6.919 ^a	12	.863
Likelihood Ratio	8.066	12	.780
Linear-by-Linear Association	.558	1	.455
N of Valid Cases	423		
a. 9 cells (42.9%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 1.35.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 6.919, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .863, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका में उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 6.919, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंस वैल्यू .863, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या को प्रभावित नहीं करती है।

4.6.5. शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 3 आप हिंदी समाचारों को पढ़ने में कितना समय खर्च करते हैं?							
			Q3 How much time do you spend reading Hindi news?			Total	काई-स्क्वेर
			0 to 30 minutes	31 to 60 minutes	more than an hour		
Education	High School	Count	5	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 8.931, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंस वैल्यू
		% within Education	83.3%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q3	2.3%	0.8%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	4	3	2	9	
		% within Education	44.4%	33.3%	22.2%	100.0%	
		% within Q3	1.9%	2.4%	2.5%	2.1%	
	Graduate	Count	20	14	7	41	
		% within Education	48.8%	34.1%	17.1%	100.0%	
		% within Q3	9.3%	11.0%	8.8%	9.7%	
	Post Graduation	Count	72	36	20	128	
		% within Education	56.3%	28.1%	15.6%	100.0%	
		% within Q3	33.3%	28.3%	25.0%	30.3%	
	M.Phil	Count	39	22	21	82	
		% within Education	47.6%	26.8%	25.6%	100.0%	
		% within Q3	18.1%	17.3%	26.3%	19.4%	
	Ph.D.	Count	73	50	28	151	
		% within Education	48.3%	33.1%	18.5%	100.0%	
		% within Q3	33.8%	39.4%	35.0%	35.7%	
	Others	Count	3	1	2	6	

		% within Education	50.0%	16.7%	33.3%	100.0%	.709, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q3	1.4%	0.8%	2.5%	1.4%	
Total		Count	216	127	80	423	
		% within Education	51.1%	30.0%	18.9%	100.0%	
		% within Q3	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप हिंदी समाचारों को पढ़ने में कितना समय खर्च करते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 83.3 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 16.7 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 0 प्रतिशत एक घंटे से अधिक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 33.3 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 22.2 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 48.8 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 34.1 प्रतिशत 31 से 60 मिनट 17.1 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 56.3 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 28.1 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 15.6 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक तथा एम.फिल. डिग्री धारक 82 लोगों में से 47.6 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 26.8 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 25.6 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक तथा पीएच.डी. धारक 151 लोगों में 48.3 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 33.1 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 18.5 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता वाले 6 लोगों में से 50 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 16.7 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 33.3 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में 51.1 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 30 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 18.9 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक समय हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में व्यतीत करते हैं।

4.6.6. शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	8.931 ^a	12	.709
Likelihood Ratio	9.711	12	.641
Linear-by-Linear Association	1.750	1	.186
N of Valid Cases	423		
a. 9 cells (42.9%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 1.13.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 8.931, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .709, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 8.931, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .709, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.7. शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के स्थान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 4 आप हिंदी समाचार पत्र पढ़ते हैं?							
			Q4 Do you read Hindi newspapers?			Total	काई-स्क्वेर
			Online	Offline	Both online and offline		
Education	High School	Count	2	0	4	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 9.802, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .633, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	33.3%	0.0%	66.7%	100.0%	
		% within Q4	3.1%	0.0%	1.4%	1.4%	
	Intermediate	Count	3	1	5	9	
		% within Education	33.3%	11.1%	55.6%	100.0%	
		% within Q4	4.6%	1.3%	1.8%	2.1%	
	Graduate	Count	5	9	27	41	
		% within Education	12.2%	22.0%	65.9%	100.0%	
		% within Q4	7.7%	11.8%	9.6%	9.7%	
	Post Graduate	Count	22	25	81	128	
		% within Education	17.2%	19.5%	63.3%	100.0%	
		% within Q4	33.8%	32.9%	28.7%	30.3%	
	M.Phil	Count	11	19	52	82	
		% within Education	13.4%	23.2%	63.4%	100.0%	
		% within Q4	16.9%	25.0%	18.4%	19.4%	
	Ph.D.	Count	21	21	109	151	
		% within Education	13.9%	13.9%	72.2%	100.0%	
		% within Q4	32.3%	27.6%	38.7%	35.7%	

	Others	Count	1	1	4	6
		% within Education	16.7%	16.7%	66.7%	100.0%
		% within Q4	1.5%	1.3%	1.4%	1.4%
Total		Count	65	76	282	423
		% within Education	15.4%	18.0%	66.7%	100.0%
		% within Q4	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

उक्त तालिका के प्रश्न आप हिंदी समाचार पत्र पढ़ते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ऑनलाइन और 0 प्रतिशत ऑफलाइन और 66.7 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ऑनलाइन और 11.1 प्रतिशत ऑफलाइन और 55.6 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 12.2 प्रतिशत ऑनलाइन और 22 प्रतिशत ऑफलाइन और 65.9 प्रतिशत लोग ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 17.2 प्रतिशत ऑनलाइन और 19.5 प्रतिशत ऑफलाइन और 63.3 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा एम.फिल. डिग्री धारक 82 लोगों में से 13.4 प्रतिशत ऑनलाइन और 23.2 प्रतिशत ऑफलाइन और 63.4 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा पी.एचडी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 13.9 प्रतिशत ऑनलाइन और 13.9 प्रतिशत ऑफलाइन और 72.2 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा अन्य शैक्षिक योग्यता वाले 6 लोगों में 16.7 प्रतिशत ऑनलाइन और 16.7 प्रतिशत ऑफलाइन और 66.7 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा कुल 423 लोगों में से 15.4 प्रतिशत ऑनलाइन और 18 प्रतिशत ऑफलाइन और 66.7 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तरह से हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं।

4.6.8. शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के स्थान के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	9.802 ^a	12	.633
Likelihood Ratio	10.129	12	.605
Linear-by-Linear Association	2.144	1	.143
N of Valid Cases	423		
a. 8 cells (38.1%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .92.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 9.802, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .633, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदातों की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंद समाचार पत्रों को पढ़ने के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 9.802, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .633, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के माध्यम के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता समाचार पत्रों के माध्यम (ऑन-ऑफलाइन) को प्रभावित नहीं करती है।

4.6.9. शैक्षिक योग्यता और चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 5 आप हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ना पसंद करते हैं?							
			Q5 Do you like to read election news in Hindi newspapers?			Total	काई-स्क्वेर
			Yes	Sometimes	Very little		
Education	High School	Count	2	0	4	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 9.188, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .687, पी वैल्यू .05
		% within Education	33.3%	0.0%	66.7%	100.0%	
		% within Q5	0.8%	0.0%	3.2%	1.4%	
	intermediate	Count	4	1	4	9	
		% within Education	44.4%	11.1%	44.4%	100.0%	
		% within Q5	1.6%	1.9%	3.2%	2.1%	
	Graduate	Count	23	7	11	41	
		% within Education	56.1%	17.1%	26.8%	100.0%	
		% within Q5	9.4%	13.2%	8.8%	9.7%	
	Post Graduation	Count	76	15	37	128	
		% within Education	59.4%	11.7%	28.9%	100.0%	
		% within Q5	31.0%	28.3%	29.6%	30.3%	
	M.Phil	Count	47	10	25	82	
		% within Education	57.3%	12.2%	30.5%	100.0%	
		% within Q5	19.2%	18.9%	20.0%	19.4%	
	Ph.D.	Count	91	18	42	151	
		% within Education	60.3%	11.9%	27.8%	100.0%	
		% within Q5	37.1%	34.0%	33.6%	35.7%	
	Others	Count	2	2	2	6	

		% within Education	33.3%	33.3%	33.3%	100.0%	से ज्यादा है।
		% within Q5	0.8%	3.8%	1.6%	1.4%	
Total		Count	245	53	125	423	
		% within Education	57.9%	12.5%	29.6%	100.0%	
		% within Q5	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ना पसंद करते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने कभी-कभी और 66.7 प्रतिशत ने बहुत कम तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने कभी-कभी और 44.4 प्रतिशत ने बहुत कम तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 56.1 प्रतिशत ने हाँ और 17.1 प्रतिशत ने कभी-कभी और 26.8 प्रतिशत ने बहुत कम तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 59.4 प्रतिशत ने हाँ और 11.7 प्रतिशत ने कभी-कभी और 28.9 प्रतिशत ने बहुत कम तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 57.3 प्रतिशत ने हाँ और 12.2 प्रतिशत ने कभी-कभी और 30.5 प्रतिशत ने बहुत कम तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 60.3 प्रतिशत ने हाँ और 11.9 प्रतिशत ने कभी-कभी और 27.8 प्रतिशत ने बहुत कम तथा अन्य शैक्षिक योग्यता वाले 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने कभी-कभी और 33.3 प्रतिशत ने बहुत कम तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 57.9 प्रतिशत ने हाँ और 12.5 प्रतिशत ने कभी-कभी और 29.6 प्रतिशत ने बहुत कम में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.10. शैक्षिक योग्यता और चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	9.188 ^a	12	.687
Likelihood Ratio	8.640	12	.733
Linear-by-Linear Association	.961	1	.327
N of Valid Cases	423		
a. 8 cells (38.1%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .75.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 9.188, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .687, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 9.188, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .687, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.11. शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 6 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान किया था?								
			Q6 Did you vote in Loksabha Elections 2019 keeping in mind the election news published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	1	3	2	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 24.767, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और
		% within Education	16.7%	50.0%	33.3%	0.0%	100.0%	
		% within Q6	0.6%	1.7%	7.1%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	4	3	1	1	9	
		% within Education	44.4%	33.3%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q6	2.4%	1.7%	3.6%	2.0%	2.1%	
	Graduate	Count	20	15	4	2	41	
		% within Education	48.8%	36.6%	9.8%	4.9%	100.0%	
		% within Q6	12.0%	8.4%	14.3%	4.0%	9.7%	
	Post Graduate	Count	54	48	12	14	128	
		% within Education	42.2%	37.5%	9.4%	10.9%	100.0%	
		% within Q6	32.5%	26.8%	42.9%	28.0%	30.3%	
	M.Phil	Count	27	43	3	9	82	
		% within Education	32.9%	52.4%	3.7%	11.0%	100.0%	
		% within Q6	16.3%	24.0%	10.7%	18.0%	19.4%	

	Ph.D.	Count	59	64	6	22	151	सिग्नी फिसेंट वैल्यू .131, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	39.1%	42.4%	4.0%	14.6%	100.0%	
		% within Q6	35.5%	35.8%	21.4%	44.0%	35.7%	
	Others	Count	1	3	0	2	6	
		% within Education	16.7%	50.0%	0.0%	33.3%	100.0%	
		% within Q6	0.6%	1.7%	0.0%	4.0%	1.4%	
Total		Count	166	179	28	50	423	
		% within Education	39.2%	42.3%	6.6%	11.8%	100.0%	
		% within Q6	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 16.7 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 33.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 48.8 प्रतिशत ने हाँ और 36.6 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 42.2 प्रतिशत ने हाँ और 37.5 प्रतिशत ने नहीं और 9.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 32.9 प्रतिशत ने हाँ और 52.4 प्रतिशत ने नहीं और 3.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 39.1 प्रतिशत ने हाँ और 42.4 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 16.7 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 33.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 39.2 प्रतिशत ने हाँ और 42.3 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.8 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.12. शैक्षिक योग्यता और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	24.767 ^a	18	.131
Likelihood Ratio	22.796	18	.199

Linear-by-Linear Association	1.104	1	.293
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .40.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 24.767, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .131, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका में उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 24.767, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .131, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती हैं।

4.6.13. शैक्षिक योग्यता और चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 7 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q7 Did you vote keeping in mind the election issues published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	1	2	3	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 31.02 3, डिग्री ऑफ
		% within Education	16.7%	33.3%	50.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q8	0.8%	1.2%	7.0%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	3	3	3	0	9	
		% within Education	33.3%	33.3%	33.3%	0.0%	100.0%	

		% within Q8	2.3%	1.7%	7.0%	0.0%	2.1%	फ्रीडम 18 की क्रिटिक ल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नी फिसेंट वैल्यू .029, पी वैल्यू .05 से कम है।
Graduate	Count		19	13	5	4	41	
		% within Education	46.3%	31.7%	12.2%	9.8%	100.0%	
		% within Q8	14.4%	7.6%	11.6%	5.3%	9.7%	
Post Graduate	Count		40	49	11	28	128	
		% within Education	31.3%	38.3%	8.6%	21.9%	100.0%	
		% within Q8	30.3%	28.5%	25.6%	36.8%	30.3%	
M.Phil	Count		20	37	6	19	82	
		% within Education	24.4%	45.1%	7.3%	23.2%	100.0%	
		% within Q8	15.2%	21.5%	14.0%	25.0%	19.4%	
Ph.D.	Count		47	64	15	25	151	
		% within Education	31.1%	42.4%	9.9%	16.6%	100.0%	
		% within Q8	35.6%	37.2%	34.9%	32.9%	35.7%	
Others	Count		2	4	0	0	6	
		% within Education	33.3%	66.7%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q8	1.5%	2.3%	0.0%	0.0%	1.4%	
Total	Count		132	172	43	76	423	
		% within Education	31.2%	40.7%	10.2%	18.0%	100.0%	
		% within Q8	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 16.7 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 50 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 33.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 46.3 प्रतिशत ने हाँ और 31.7 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 31.3 प्रतिशत ने हाँ और 38.3 प्रतिशत ने नहीं और 8.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 21.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 24.4 प्रतिशत ने हाँ और 45.1 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 23.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 31.1 प्रतिशत ने

हाँ और 42.4 प्रतिशत ने नहीं और 9.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 31.2 प्रतिशत ने हाँ और 40.7 प्रतिशत ने नहीं और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 18 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.14. शैक्षिक योग्यता और चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	31.023^a	18	.029
Likelihood Ratio	28.932	18	.049
Linear-by-Linear Association	.045	1	.831
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .61.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 31.023, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .029, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका में उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 31.023, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .029, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की प्रक्रिया या व्यवहार को प्रभावित किया जा सकता है।

4.6.15. शैक्षिक योग्यता और रोजगार के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 8 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान करते समय रोजगार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q8 Did you vote keeping employment issues in mind while voting in Loksabha Elections 2019?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	1	2	1	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 28.194, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .059, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	33.3%	16.7%	33.3%	16.7%	100.0%	
		% within Q9	0.7%	1.6%	7.7%	2.5%	1.4%	
	intermediate	Count	6	2	1	0	9	
		% within Education	66.7%	22.2%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q9	2.0%	3.2%	3.8%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	31	6	1	3	41	
		% within Education	75.6%	14.6%	2.4%	7.3%	100.0%	
		% within Q9	10.5%	9.7%	3.8%	7.5%	9.7%	
	Post Graduation	Count	92	14	7	15	128	
		% within Education	71.9%	10.9%	5.5%	11.7%	100.0%	
		% within Q9	31.2%	22.6%	26.9%	37.5%	30.3%	
	M.Phil	Count	58	11	4	9	82	
		% within Education	70.7%	13.4%	4.9%	11.0%	100.0%	
		% within Q9	19.7%	17.7%	15.4%	22.5%	19.4%	
	Ph.D.	Count	104	24	11	12	151	
		% within Education	68.9%	15.9%	7.3%	7.9%	100.0%	
		% within Q9	35.3%	38.7%	42.3%	30.0%	35.7%	
	Others	Count	2	4	0	0	6	
		% within Education	33.3%	66.7%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q9	0.7%	6.5%	0.0%	0.0%	1.4%	
Total		Count	295	62	26	40	423	

	% within Education	69.7%	14.7%	6.1%	9.5%	100.0%	
	% within Q9	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान करते समय रोजगार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 33.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 75.6 प्रतिशत ने हाँ और 14.6 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 71.9 प्रतिशत ने हाँ और 10.9 प्रतिशत ने नहीं और 5.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 13.4 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 68.9 प्रतिशत ने हाँ और 15.9 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 69.7 प्रतिशत ने हाँ और 14.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.16. शैक्षिक योग्यता और रोजगार के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	28.194 ^a	18	.059
Likelihood Ratio	21.806	18	.241
Linear-by-Linear Association	.079	1	.779
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .37.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 28.194, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .059, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 28.194, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .059, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता ने लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार का मुद्दा मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करता है।

4.6.17. शैक्षिक योग्यता और राम मंदिर के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 9 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q9 Did you vote in Loksabha elections 2019 keeping in mind the issue of Ram Mandir?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	2	1	1	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 13.925, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिक
		% within Education	33.3%	33.3%	16.7%	16.7%	100.0%	
		% within Q10	1.7%	0.8%	5.3%	3.0%	1.4%	
	intermediate	Count	4	4	0	1	9	
		% within Education	44.4%	44.4%	0.0%	11.1%	100.0%	
		% within Q10	3.3%	1.6%	0.0%	3.0%	2.1%	
	Graduate	Count	15	20	1	5	41	
		% within Education	36.6%	48.8%	2.4%	12.2%	100.0%	
		% within Q10	12.4%	8.0%	5.3%	15.2%	9.7%	
	Post Graduate	Count	38	71	9	10	128	
		% within Education	29.7%	55.5%	7.0%	7.8%	100.0%	
		% within Q10	31.4%	28.4%	47.4%	30.3%	30.3%	
	M.Phil	Count	20	54	2	6	82	

		% within Education	24.4%	65.9%	2.4%	7.3%	100.0%	सेंट वैल्यू .734, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।	
		% within Q10	16.5%	21.6%	10.5%	18.2%	19.4%		
	Ph.D.	Count	40	95	6	10	151		
		% within Education	26.5%	62.9%	4.0%	6.6%	100.0%		
		% within Q10	33.1%	38.0%	31.6%	30.3%	35.7%		
	Others	Count	2	4	0	0	6		
		% within Education	33.3%	66.7%	0.0%	0.0%	100.0%		
		% within Q10	1.7%	1.6%	0.0%	0.0%	1.4%		
		Total		Count	121	250	19		33
			% within Education	28.6%	59.1%	4.5%	7.8%		100.0%
		% within Q10	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%		

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 36.6 प्रतिशत ने हाँ और 48.8 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 29.7 प्रतिशत ने हाँ और 55.5 प्रतिशत ने नहीं और 7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 24.4 प्रतिशत ने हाँ और 65.9 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 26.5 प्रतिशत ने हाँ और 62.9 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 28.6 प्रतिशत ने हाँ और 59.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.8 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.18. शैक्षिक योग्यता और राम मंदिर के मुद्दे के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	13.925 ^a	18	.734
Likelihood Ratio	13.927	18	.734
Linear-by-Linear Association	.136	1	.712
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .27.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 13.925, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .734, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 13.925, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .734, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता पर राम मंदिर के मुद्दे का मतदान व्यवहार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

4.6.19. शैक्षिक योग्यता और धारा 370 हटाने वाले मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 10 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर में धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q10 Did you vote in Loksabha elections 2019 keeping in mind the issue of abrogation of Article 370 in Kashmir?				Total	कार्ड-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
		Count	4	1	1	0	6	

Education	High School	% within Education	66.7%	16.7%	16.7%	0.0%	100.0%	कल्कुलेटिव वैल्यू 21.569, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .252, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q11	2.6%	0.5%	3.3%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	4	4	0	1	9	
		% within Education	44.4%	44.4%	0.0%	11.1%	100.0%	
		% within Q11	2.6%	1.9%	0.0%	3.6%	2.1%	
	Graduate	Count	16	17	2	6	41	
		% within Education	39.0%	41.5%	4.9%	14.6%	100.0%	
		% within Q11	10.6%	7.9%	6.7%	21.4%	9.7%	
	Post Graduate	Count	53	55	12	8	128	
		% within Education	41.4%	43.0%	9.4%	6.3%	100.0%	
		% within Q11	35.1%	25.7%	40.0%	28.6%	30.3%	
	M.Phil	Count	23	47	5	7	82	
		% within Education	28.0%	57.3%	6.1%	8.5%	100.0%	
		% within Q11	15.2%	22.0%	16.7%	25.0%	19.4%	
	Ph.D.	Count	48	87	10	6	151	
		% within Education	31.8%	57.6%	6.6%	4.0%	100.0%	
		% within Q11	31.8%	40.7%	33.3%	21.4%	35.7%	
	Others	Count	3	3	0	0	6	
		% within Education	50.0%	50.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q11	2.0%	1.4%	0.0%	0.0%	1.4%	
Total		Count	151	214	30	28	423	
		% within Education	35.7%	50.6%	7.1%	6.6%	100.0%	
		% within Q11	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर में धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 39 प्रतिशत ने हाँ और 41.5 प्रतिशत ने नहीं

और 4.9 कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 41.4 प्रतिशत ने हाँ और 43 प्रतिशत ने नहीं और 9.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 28 प्रतिशत ने हाँ और 57.3 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 31.8 प्रतिशत ने हाँ और 57.6 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 35.7 प्रतिशत ने हाँ और 50.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.20. शैक्षिक योग्यता और धारा 370 हटाने वाले मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	21.569 ^a	18	.252
Likelihood Ratio	22.526	18	.209
Linear-by-Linear Association	.000	1	.998
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .40.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 21.569, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .252, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 21.569, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .252, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक

परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता कश्मीर से धारा 370 हटाने वाला मुद्दा मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.6.21. शैक्षिक योग्यता और भ्रष्टाचार के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 11 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q11 Did you vote keeping in mind the issues of corruption published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	4	1	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 30.186, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .036, पी वैल्यू .05 से कम है।
		% within Education	66.7%	16.7%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q12	1.5%	1.2%	4.3%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	5	1	0	3	9	
		% within Education	55.6%	11.1%	0.0%	33.3%	100.0%	
		% within Q12	1.9%	1.2%	0.0%	5.6%	2.1%	
	Graduate	Count	32	5	1	3	41	
		% within Education	78.0%	12.2%	2.4%	7.3%	100.0%	
		% within Q12	12.3%	5.8%	4.3%	5.6%	9.7%	
	Post Graduation	Count	89	14	8	17	128	
		% within Education	69.5%	10.9%	6.3%	13.3%	100.0%	
		% within Q12	34.2%	16.3%	34.8%	31.5%	30.3%	
	M.Phil	Count	43	25	2	12	82	
		% within Education	52.4%	30.5%	2.4%	14.6%	100.0%	
		% within Q12	16.5%	29.1%	8.7%	22.2%	19.4%	
	Ph.D.	Count	83	38	11	19	151	
		% within Education	55.0%	25.2%	7.3%	12.6%	100.0%	
		% within Q12	31.9%	44.2%	47.8%	35.2%	35.7%	
	Others	Count	4	2	0	0	6	
		% within Education	66.7%	33.3%	0.0%	0.0%	100.0%	

		% within Q12	1.5%	2.3%	0.0%	0.0%	1.4%
Total	Count		260	86	23	54	423
	% within Education		61.5%	20.3%	5.4%	12.8%	100.0%
	% within Q12		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 33.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 78 प्रतिशत ने हाँ और 12.2 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 69.5 प्रतिशत ने हाँ और 10.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 52.4 प्रतिशत ने हाँ और 30.5 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 55 प्रतिशत ने हाँ और 25.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 61.5 प्रतिशत ने हाँ और 20.3 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.8 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.22. शैक्षिक योग्यता और भ्रष्टाचार के मुद्दे के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	30.186^a	18	.036
Likelihood Ratio	32.274	18	.020
Linear-by-Linear Association	1.720	1	.190
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 30.186, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .036, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 30.186, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .036, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों मतदान व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं।

4.6.23. शैक्षिक योग्यता और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 12 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q12 Did you vote keeping in mind the justice you get in criminal incidents published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	2	2	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 29.6, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की
		% within Education	33.3%	33.3%	33.3%	0.0%	100.0%	
		% within Q13	0.9%	2.2%	5.3%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	5	2	1	1	9	
		% within Education	55.6%	22.2%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q13	2.2%	2.2%	2.6%	1.4%	2.1%	
	Graduate	Count	32	6	2	1	41	
		% within Education	78.0%	14.6%	4.9%	2.4%	100.0%	

		% within Q13	14.3%	6.5%	5.3%	1.4%	9.7%	क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .041, पी वैल्यू .05 से कम है।
	Post Graduation	Count	75	23	8	22	128	
		% within Education	58.6%	18.0%	6.3%	17.2%	100.0%	
		% within Q13	33.6%	24.7%	21.1%	31.9%	30.3%	
	M.Phil	Count	36	19	10	17	82	
		% within Education	43.9%	23.2%	12.2%	20.7%	100.0%	
		% within Q13	16.1%	20.4%	26.3%	24.6%	19.4%	
	Ph.D.	Count	71	38	14	28	151	
		% within Education	47.0%	25.2%	9.3%	18.5%	100.0%	
		% within Q13	31.8%	40.9%	36.8%	40.6%	35.7%	
	Others	Count	2	3	1	0	6	
		% within Education	33.3%	50.0%	16.7%	0.0%	100.0%	
% within Q13		0.9%	3.2%	2.6%	0.0%	1.4%		
Total		Count	223	93	38	69	423	
		% within Education	52.7%	22.0%	9.0%	16.3%	100.0%	
		% within Q13	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 33.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 78 प्रतिशत ने हाँ और 14.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 58.6 प्रतिशत ने हाँ और 18 प्रतिशत ने नहीं और 6.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 43.9 प्रतिशत ने हाँ और 23.2 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 47 प्रतिशत ने हाँ और 25.2 प्रतिशत ने नहीं और 9.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 18.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल

423 लोगों में से 52.7 प्रतिशत ने हाँ और 22 प्रतिशत ने नहीं और 9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.3 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.24. शैक्षिक योग्यता और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	29.660^a	18	.041
Likelihood Ratio	31.846	18	.023
Linear-by-Linear Association	6.459	1	.011
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .54.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 29.660, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .041, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 29.660, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .041, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाला न्याय मतदान व्यवहार को प्रभावित कर सकता है।

4.6.25. शैक्षिक योग्यता और देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 13 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q13 Did you vote keeping in mind the issue of economy of the country published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	3	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 38.648, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .003, पी वैल्यू .05 से कम है।
		% within Education	33.3%	50.0%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q14	0.7%	3.8%	4.8%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	4	4	1	0	9	
		% within Education	44.4%	44.4%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q14	1.5%	5.1%	4.8%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	31	8	2	0	41	
		% within Education	75.6%	19.5%	4.9%	0.0%	100.0%	
		% within Q14	11.4%	10.3%	9.5%	0.0%	9.7%	
	Post Graduation	Count	96	13	3	16	128	
		% within Education	75.0%	10.2%	2.3%	12.5%	100.0%	
		% within Q14	35.2%	16.7%	14.3%	31.4%	30.3%	
	M.Phil	Count	51	12	4	15	82	
		% within Education	62.2%	14.6%	4.9%	18.3%	100.0%	
		% within Q14	18.7%	15.4%	19.0%	29.4%	19.4%	
	Ph.D.	Count	86	35	10	20	151	
		% within Education	57.0%	23.2%	6.6%	13.2%	100.0%	
		% within Q14	31.5%	44.9%	47.6%	39.2%	35.7%	
	Others	Count	3	3	0	0	6	
		% within Education	50.0%	50.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q14	1.1%	3.8%	0.0%	0.0%	1.4%	

Total	Count	273	78	21	51	423	
	% within Education	64.5%	18.4%	5.0%	12.1%	100.0%	
	% within Q14	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 75.6 प्रतिशत ने हाँ और 19.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 75 प्रतिशत ने हाँ और 10.2 प्रतिशत ने नहीं और 2.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 62.2 प्रतिशत ने हाँ और 14.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 18.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 57 प्रतिशत ने हाँ और 23.2 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 64.5 प्रतिशत ने हाँ और 18.4 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.1 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.26. शैक्षिक योग्यता और देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	38.648^a	18	.003
Likelihood Ratio	43.593	18	.001
Linear-by-Linear Association	4.661	1	.031
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .30.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 38.648, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .003, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 38.648, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .003, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित किया जा सकता है।

4.6.27. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 14 क्या आपने पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q14 Did you vote keeping in mind the clarity of the foreign policy of a particular party?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	3	0	1	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 19.154, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटि
		% within Education	33.3%	50.0%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q15	1.0%	2.0%	0.0%	2.4%	1.4%	
	Intermediate	Count	5	2	2	0	9	
		% within Education	55.6%	22.2%	22.2%	0.0%	100.0%	
		% within Q15	2.6%	1.3%	5.7%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	23	8	4	6	41	
		% within Education	56.1%	19.5%	9.8%	14.6%	100.0%	
		% within Q15	11.7%	5.3%	11.4%	14.6%	9.7%	
		Count	66	41	9	12	128	

	Post Graduation	% within Education	51.6%	32.0%	7.0%	9.4%	100.0%	कल वैल्यू 28.8 7 से कम है और सिम्नी फिसेंट वैल्यू .382, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q15	33.7%	27.2%	25.7%	29.3%	30.3%	
	M.Phil	Count	28	36	10	8	82	
		% within Education	34.1%	43.9%	12.2%	9.8%	100.0%	
		% within Q15	14.3%	23.8%	28.6%	19.5%	19.4%	
	Ph.D.	Count	69	59	10	13	151	
		% within Education	45.7%	39.1%	6.6%	8.6%	100.0%	
		% within Q15	35.2%	39.1%	28.6%	31.7%	35.7%	
	Others	Count	3	2	0	1	6	
		% within Education	50.0%	33.3%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q15	1.5%	1.3%	0.0%	2.4%	1.4%	
	Total	Count	196	151	35	41	423	
		% within Education	46.3%	35.7%	8.3%	9.7%	100.0%	
		% within Q15	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 56.1 प्रतिशत ने हाँ और 19.5 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 51.6 प्रतिशत ने हाँ और 32 प्रतिशत ने नहीं और 7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 34.1 प्रतिशत ने हाँ और 43 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 45.7 प्रतिशत ने हाँ और 39.1 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 46.3 प्रतिशत ने हाँ और 35.7

प्रतिशत ने नहीं और 8.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.7 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.28. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	19.154 ^a	18	.382
Likelihood Ratio	20.679	18	.296
Linear-by-Linear Association	.013	1	.909
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .50.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 19.154, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .382, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 19.154, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .382, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.6.29. शैक्षिक योग्यता और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 15 क्या आपने पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q15 Did you vote keeping in mind the development promises made by the parties?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	1	4	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 25.987, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .100, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	16.7%	66.7%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q16	0.4%	3.4%	4.3%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	6	2	1	0	9	
		% within Education	66.7%	22.2%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q16	2.6%	1.7%	4.3%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	27	9	4	1	41	
		% within Education	65.9%	22.0%	9.8%	2.4%	100.0%	
		% within Q16	11.8%	7.6%	17.4%	1.9%	9.7%	
	Post Graduation	Count	68	31	8	21	128	
		% within Education	53.1%	24.2%	6.3%	16.4%	100.0%	
		% within Q16	29.7%	26.3%	34.8%	39.6%	30.3%	
	M.Phil	Count	44	24	1	13	82	
		% within Education	53.7%	29.3%	1.2%	15.9%	100.0%	
		% within Q16	19.2%	20.3%	4.3%	24.5%	19.4%	
	Ph.D.	Count	81	44	8	18	151	
		% within Education	53.6%	29.1%	5.3%	11.9%	100.0%	
		% within Q16	35.4%	37.3%	34.8%	34.0%	35.7%	
	Others	Count	2	4	0	0	6	
		% within Education	33.3%	66.7%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q16	0.9%	3.4%	0.0%	0.0%	1.4%	
Total		Count	229	118	23	53	423	
		% within Education	54.1%	27.9%	5.4%	12.5%	100.0%	
		% within Q16	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 16.7 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 65.9 प्रतिशत ने हाँ और 22 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 53.1 प्रतिशत ने हाँ और 24.2 प्रतिशत ने नहीं और 6.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 53.7 प्रतिशत ने हाँ और 29.3 प्रतिशत ने नहीं और 1.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 15.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 53.6 प्रतिशत ने हाँ और 29.1 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 54.1 प्रतिशत ने हाँ और 27.9 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.5 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.30. शैक्षिक योग्यता और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	25.987 ^a	18	.100
Likelihood Ratio	29.583	18	.042
Linear-by-Linear Association	.181	1	.671
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 25.987, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .100, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 25.987, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .100, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.6.31. शैक्षिक योग्यता और कृषि आधारित मुद्दों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 16 क्या आपने कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q16 Did you vote keeping in mind the issues based on agriculture?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	3	1	1	1	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 17.598, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम
		% within Education	50.0%	16.7%	16.7%	16.7%	100.0%	
		% within Q17	1.2%	1.2%	3.6%	1.9%	1.4%	
	intermediate	Count	5	2	1	1	9	
		% within Education	55.6%	22.2%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q17	1.9%	2.4%	3.6%	1.9%	2.1%	
	Graduate	Count	30	6	3	2	41	
		% within Education	73.2%	14.6%	7.3%	4.9%	100.0%	
		% within Q17	11.6%	7.1%	10.7%	3.8%	9.7%	
	Post Graduation	Count	82	22	7	17	128	
		% within Education	64.1%	17.2%	5.5%	13.3%	100.0%	
		% within Q17	31.7%	26.2%	25.0%	32.7%	30.3%	
	M.Phil	Count	49	14	5	14	82	

		% within Education	59.8%	17.1%	6.1%	17.1%	100.0%	है और सिग्नी फिसेंट वैल्यू .482, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q17	18.9%	16.7%	17.9%	26.9%	19.4%	
	Ph.D.	Count	88	35	11	17	151	
		% within Education	58.3%	23.2%	7.3%	11.3%	100.0%	
		% within Q17	34.0%	41.7%	39.3%	32.7%	35.7%	
	Others	Count	2	4	0	0	6	
		% within Education	33.3%	66.7%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q17	0.8%	4.8%	0.0%	0.0%	1.4%	
		Total		Count	259	84	28	
% within Education	61.2%			19.9%	6.6%	12.3%	100.0%	
% within Q17	100.0%			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 73.2 प्रतिशत ने हाँ और 14.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 64.1 प्रतिशत ने हाँ और 17.2 प्रतिशत ने नहीं और 5.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 59.8 प्रतिशत ने हाँ और 17.1 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 58.3 प्रतिशत ने हाँ और 23.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 61.2 प्रतिशत ने हाँ और 19.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.3 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.32. शैक्षिक योग्यता और कृषि आधारित मुद्दों के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	17.598 ^a	18	.482

Likelihood Ratio	16.412	18	.564
Linear-by-Linear Association	.409	1	.523
N of Valid Cases	423		
a. 12 cells (42.9%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .40.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 17.598, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .482, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 17.598, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .482, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है।

4.6.33. शैक्षिक योग्यता और पार्टियों की लोकतांत्रिक विचार धारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 17 क्या आपने पार्टी की लोकतांत्रिक विचार धारा को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q17 Did you vote keeping in mind the party's democratic ideology?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	3	2	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 23.64, डिग्री ऑफ
		% within Education	50.0%	33.3%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q18	1.0%	3.3%	4.2%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	6	2	1	0	9	
		% within Education	66.7%	22.2%	11.1%	0.0%	100.0%	

		% within Q18	2.1%	3.3%	4.2%	0.0%	2.1%	फ्रीडम 12 की क्रिटिक ल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नी फिकेंट वैल्यू .167, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	Graduate	Count	25	6	5	5	41	
		% within Education	61.0%	14.6%	12.2%	12.2%	100.0%	
		% within Q18	8.7%	9.8%	20.8%	9.6%	9.7%	
	Post Graduation	Count	88	14	5	21	128	
		% within Education	68.8%	10.9%	3.9%	16.4%	100.0%	
		% within Q18	30.8%	23.0%	20.8%	40.4%	30.3%	
	M.Phil	Count	59	8	3	12	82	
		% within Education	72.0%	9.8%	3.7%	14.6%	100.0%	
		% within Q18	20.6%	13.1%	12.5%	23.1%	19.4%	
	Ph.D.	Count	102	26	9	14	151	
		% within Education	67.5%	17.2%	6.0%	9.3%	100.0%	
		% within Q18	35.7%	42.6%	37.5%	26.9%	35.7%	
	Others	Count	3	3	0	0	6	
		% within Education	50.0%	50.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
% within Q18		1.0%	4.9%	0.0%	0.0%	1.4%		
Total		Count	286	61	24	52	423	
		% within Education	67.6%	14.4%	5.7%	12.3%	100.0%	
		% within Q18	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टी की लोकतांत्रिक विचार धारा को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 61 प्रतिशत ने हाँ और 14.6 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 68.8 प्रतिशत ने हाँ और 10.9 प्रतिशत ने नहीं और 3.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 72 प्रतिशत ने हाँ और 9.8 प्रतिशत ने नहीं और 3.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 67.5 प्रतिशत ने हाँ और

17.2 प्रतिशत ने नहीं और 6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 67.6 प्रतिशत ने हाँ और 14.4 प्रतिशत ने नहीं और 5.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.3 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.34. शैक्षिक योग्यता और पार्टियों की लोकतांत्रिक विचार धारा के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	23.646 ^a	18	.167
Likelihood Ratio	23.075	18	.188
Linear-by-Linear Association	.825	1	.364
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .34.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 23.646, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .167, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 23.646, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .167, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है। इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.6.35. शैक्षिक योग्यता और लैंगिंग न्याय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 18 क्या आपने लैंगिक न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			
	Q18 Did you vote with gender justice in mind?	Total	

			Yes	No	Can't say	To some extent		काई-स्क्वेर
Education	High School	Count	2	4	0	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 29.29 9, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .045, पी वैल्यू .05 से कम है।
		% within Education	33.3%	66.7%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q19	0.8%	4.0%	0.0%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	5	3	1	0	9	
		% within Education	55.6%	33.3%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q19	2.1%	3.0%	2.7%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	26	12	2	1	41	
		% within Education	63.4%	29.3%	4.9%	2.4%	100.0%	
		% within Q19	10.9%	12.0%	5.4%	2.1%	9.7%	
	Post Graduation	Count	73	24	14	17	128	
		% within Education	57.0%	18.8%	10.9%	13.3%	100.0%	
		% within Q19	30.5%	24.0%	37.8%	36.2%	30.3%	
	M.Phil	Count	49	19	6	8	82	
		% within Education	59.8%	23.2%	7.3%	9.8%	100.0%	
		% within Q19	20.5%	19.0%	16.2%	17.0%	19.4%	
	Ph.D.	Count	84	33	14	20	151	
		% within Education	55.6%	21.9%	9.3%	13.2%	100.0%	
		% within Q19	35.1%	33.0%	37.8%	42.6%	35.7%	
	Others	Count	0	5	0	1	6	
		% within Education	0.0%	83.3%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q19	0.0%	5.0%	0.0%	2.1%	1.4%	
Total		Count	239	100	37	47	423	
		% within Education	56.5%	23.6%	8.7%	11.1%	100.0%	
		% within Q19	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लैंगिक न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते

और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 63.4 प्रतिशत ने हाँ और 29.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 57 प्रतिशत ने हाँ और 18.8 प्रतिशत ने नहीं और 10.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 59.8 प्रतिशत ने हाँ और 23.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 21.9 प्रतिशत ने नहीं और 9.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 0 प्रतिशत ने हाँ और 83.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 56.5 प्रतिशत ने हाँ और 23.6 प्रतिशत ने नहीं और 8.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.36. शैक्षिक योग्यता और लैंगिंग न्याय के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	29.299^a	18	.045
Likelihood Ratio	31.646	18	.024
Linear-by-Linear Association	2.245	1	.134
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .52.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 29.299, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .045, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 29.299, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .045, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना खारिज

किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लैगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता लैगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित किया जा सकता है।

4.6.37. शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

			Q19 Did you vote after being influenced by the security measurement of political parties?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	1	3	1	1	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 28.790, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .051, पी
		% within Education	16.7%	50.0%	16.7%	16.7%	100.0%	
		% within Q20	0.6%	1.8%	2.1%	2.3%	1.4%	
	intermediate	Count	5	1	3	0	9	
		% within Education	55.6%	11.1%	33.3%	0.0%	100.0%	
		% within Q20	3.0%	0.6%	6.4%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	23	11	5	2	41	
		% within Education	56.1%	26.8%	12.2%	4.9%	100.0%	
		% within Q20	13.7%	6.7%	10.6%	4.7%	9.7%	
	Post Graduate	Count	46	50	12	20	128	
		% within Education	35.9%	39.1%	9.4%	15.6%	100.0%	
		% within Q20	27.4%	30.3%	25.5%	46.5%	30.3%	
	M.Phil	Count	28	38	8	8	82	
		% within Education	34.1%	46.3%	9.8%	9.8%	100.0%	
		% within Q20	16.7%	23.0%	17.0%	18.6%	19.4%	
	Ph.D.	Count	65	57	18	11	151	
		% within Education	43.0%	37.7%	11.9%	7.3%	100.0%	
		% within Q20	38.7%	34.5%	38.3%	25.6%	35.7%	

	Others	Count	0	5	0	1	6	वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	0.0%	83.3%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q20	0.0%	3.0%	0.0%	2.3%	1.4%	
Total		Count	168	165	47	43	423	
		% within Education	39.7%	39.0%	11.1%	10.2%	100.0%	
		% within Q20	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 16.7 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 33.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 56.1 प्रतिशत ने हाँ और 26.8 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 35.9 प्रतिशत ने हाँ और 39.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 15.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 34.1 प्रतिशत ने हाँ और 46.3 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 43 प्रतिशत ने हाँ और 37.7 प्रतिशत ने नहीं और 11.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 0 प्रतिशत ने हाँ और 83.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 39.7 प्रतिशत ने हाँ और 39 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.2 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.38. शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	28.790 ^a	18	.051
Likelihood Ratio	31.098	18	.028
Linear-by-Linear Association	.147	1	.702
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .61.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 28.790, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .051, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 28.790, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .051, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.39. शैक्षिक योग्यता और स्वास्थ्य व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 20 क्या आपने स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?								
			Q20 Did you vote keeping the health system in mind?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	3	2	0	1	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 29.401, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18
		% within Education	50.0%	33.3%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q21	1.0%	2.9%	0.0%	2.6%	1.4%	
	intermediate	Count	5	1	2	1	9	
		% within Education	55.6%	11.1%	22.2%	11.1%	100.0%	
		% within Q21	1.7%	1.4%	9.5%	2.6%	2.1%	
	Graduate	Count	34	3	3	1	41	
		% within Education	82.9%	7.3%	7.3%	2.4%	100.0%	

		% within Q21	11.5%	4.3%	14.3%	2.6%	9.7%	की क्रेडिट कल वैल्यू 28.8 7 से ज्यादा है और सिग्नी फिसेंट वैल्यू .044, पी वैल्यू .05 से कम है।
Post Graduation	Count	91	18	6	13	128		
	% within Education	71.1%	14.1%	4.7%	10.2%	100.0%		
	% within Q21	30.8%	26.1%	28.6%	34.2%	30.3%		
M.Phil	Count	58	10	4	10	82		
	% within Education	70.7%	12.2%	4.9%	12.2%	100.0%		
	% within Q21	19.7%	14.5%	19.0%	26.3%	19.4%		
Ph.D.	Count	102	31	6	12	151		
	% within Education	67.5%	20.5%	4.0%	7.9%	100.0%		
	% within Q21	34.6%	44.9%	28.6%	31.6%	35.7%		
Others	Count	2	4	0	0	6		
	% within Education	33.3%	66.7%	0.0%	0.0%	100.0%		
	% within Q21	0.7%	5.8%	0.0%	0.0%	1.4%		
Total	Count	295	69	21	38	423		
	% within Education	69.7%	16.3%	5.0%	9.0%	100.0%		
	% within Q21	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%		

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 82.9 प्रतिशत ने हाँ और 7.3 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 71.1 प्रतिशत ने हाँ और 14.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 12.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 67.5 प्रतिशत ने हाँ और 20.5 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत

ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 69.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.3 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.40. शैक्षिक योग्यता और स्वास्थ्य व्यवस्था के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	29.401^a	18	.044
Likelihood Ratio	25.058	18	.123
Linear-by-Linear Association	.008	1	.928
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .30.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 29.401, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .044, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 29.401, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .044, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित कर सकती है।

4.6.41. शैक्षिक योग्यता और शिक्षा व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 21 क्या आपने शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?			
	Q21 Did you vote keeping in mind the education system?	Total	कार्ई-स्क्वेर

			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	4	1	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 43.303, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकैंट सेंट वैल्यू .001, पी वैल्यू .05 से कम है।
		% within Education	66.7%	16.7%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q22	1.2%	2.4%	8.3%	0.0%	1.4%	
	Intermediate	Count	6	0	2	1	9	
		% within Education	66.7%	0.0%	22.2%	11.1%	100.0%	
		% within Q22	1.8%	0.0%	16.7%	3.3%	2.1%	
	Graduate	Count	35	2	2	2	41	
		% within Education	85.4%	4.9%	4.9%	4.9%	100.0%	
		% within Q22	10.3%	4.8%	16.7%	6.7%	9.7%	
	Post Graduate	Count	111	10	1	6	128	
		% within Education	86.7%	7.8%	0.8%	4.7%	100.0%	
		% within Q22	32.7%	23.8%	8.3%	20.0%	30.3%	
	M.Phil	Count	66	5	1	10	82	
		% within Education	80.5%	6.1%	1.2%	12.2%	100.0%	
		% within Q22	19.5%	11.9%	8.3%	33.3%	19.4%	
	Ph.D.	Count	114	21	5	11	151	
		% within Education	75.5%	13.9%	3.3%	7.3%	100.0%	
		% within Q22	33.6%	50.0%	41.7%	36.7%	35.7%	
Others	Count	3	3	0	0	6		
	% within Education	50.0%	50.0%	0.0%	0.0%	100.0%		
	% within Q22	0.9%	7.1%	0.0%	0.0%	1.4%		
Total		Count	339	42	12	30	423	
		% within Education	80.1%	9.9%	2.8%	7.1%	100.0%	
		% within Q22	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं

सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएड उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 85.4 प्रतिशत ने हाँ और 4.9 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 86.7 प्रतिशत ने हाँ और 7.8 प्रतिशत ने नहीं और 0.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 80.5 प्रतिशत ने हाँ और 6.1 प्रतिशत ने नहीं और 1.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 75.5 प्रतिशत ने हाँ और 13.9 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 80.1 प्रतिशत ने हाँ और 9.9 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.42. शैक्षिक योग्यता और शिक्षा व्यवस्था के कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	43.303^a	18	.001
Likelihood Ratio	31.829	18	.023
Linear-by-Linear Association	.823	1	.364
N of Valid Cases	423		
a. 17 cells (60.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .17.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 43.303, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .001, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 43.303, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .001, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित कर सकती है।

4.6.43. शैक्षिक योग्यता और आरक्षण व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 22 क्या आपने आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?								
			Q22 Did you vote keeping in mind the reservation system?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	1	4	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 14.662, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू
		within Education	16.7%	66.7%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q23	0.5%	2.5%	2.4%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	3	4	1	1	9	
		% within Education	33.3%	44.4%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q23	1.5%	2.5%	2.4%	3.4%	2.1%	
	Graduate	Count	24	12	4	1	41	
		% within Education	58.5%	29.3%	9.8%	2.4%	100.0%	
		% within Q23	12.3%	7.6%	9.5%	3.4%	9.7%	
	Post Graduate	Count	51	55	14	8	128	
		% within Education	39.8%	43.0%	10.9%	6.3%	100.0%	
		% within Q23	26.2%	35.0%	33.3%	27.6%	30.3%	
	M.Phil	Count	38	30	6	8	82	
		% within Education	46.3%	36.6%	7.3%	9.8%	100.0%	
		% within Q23	19.5%	19.1%	14.3%	27.6%	19.4%	
	Ph.D.	Count	76	49	16	10	151	

		% within Education	50.3%	32.5%	10.6%	6.6%	100.0%	.685, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q23	39.0%	31.2%	38.1%	34.5%	35.7%	
	Others	Count	2	3	0	1	6	
		% within Education	33.3%	50.0%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q23	1.0%	1.9%	0.0%	3.4%	1.4%	
Total		Count	195	157	42	29	423	
		% within Education	46.1%	37.1%	9.9%	6.9%	100.0%	
		% within Q23	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 16.7 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 58.5 प्रतिशत ने हाँ और 29.3 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 39.8 प्रतिशत ने हाँ और 43 प्रतिशत ने नहीं और 10.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 46.3 प्रतिशत ने हाँ और 36.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 50.3 प्रतिशत ने हाँ और 32.5 प्रतिशत ने नहीं और 10.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 46.1 प्रतिशत ने हाँ और 37.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.44. शैक्षिक योग्यता और आरक्षण व्यवस्था के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	14.662 ^a	18	.685
Likelihood Ratio	15.747	18	.610
Linear-by-Linear Association	.051	1	.821
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .41.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 14.662, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .685, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 14.662, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .685, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.45. शैक्षिक योग्यता और आतंकवाद के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 23 क्या आपने देश में डर का माहौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?								
			Q23 Did you vote keeping in mind the serious issue like terrorism which is creating panic in the country?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	3	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 15.18, डिग्री ऑफ
		% within Education	33.3%	50.0%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q24	0.9%	2.5%	3.2%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	5	2	1	1	9	
		% within Education	55.6%	22.2%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q24	2.2%	1.7%	3.2%	2.5%	2.1%	
		Count	28	6	4	3	41	

	Graduate	% within Education	68.3%	14.6%	9.8%	7.3%	100.0%	फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .649, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q24	12.1%	5.0%	12.9%	7.5%	9.7%	
	Post Graduate	Count	74	34	10	10	128	
		% within Education	57.8%	26.6%	7.8%	7.8%	100.0%	
		% within Q24	31.9%	28.3%	32.3%	25.0%	30.3%	
	M.Phil	Count	36	31	5	10	82	
		% within Education	43.9%	37.8%	6.1%	12.2%	100.0%	
		% within Q24	15.5%	25.8%	16.1%	25.0%	19.4%	
	Ph.D.	Count	83	42	10	16	151	
		% within Education	55.0%	27.8%	6.6%	10.6%	100.0%	
		% within Q24	35.8%	35.0%	32.3%	40.0%	35.7%	
	Others	Count	4	2	0	0	6	
		% within Education	66.7%	33.3%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q24	1.7%	1.7%	0.0%	0.0%	1.4%	
	Total	Count	232	120	31	40	423	
		% within Education	54.8%	28.4%	7.3%	9.5%	100.0%	
		% within Q24	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने देश में डर का माहौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 68.3 प्रतिशत ने हाँ और 14.6 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 57.8 प्रतिशत ने हाँ और 26.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 43.9 प्रतिशत ने हाँ और 37.8 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 55 प्रतिशत ने हाँ और 27.8 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं

और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 54.8 प्रतिशत ने हाँ और 28.4 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.46. शैक्षिक योग्यता और आतंकवाद जैसे मुद्दे के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	15.188 ^a	18	.649
Likelihood Ratio	16.781	18	.538
Linear-by-Linear Association	.294	1	.588
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .44.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 15.188, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .649, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 15.188, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .649, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.47. शैक्षिक योग्यता और संप्रदायवाद के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 24 क्या आपने देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

			Q24 Did you vote keeping in mind the communalism that is following the country?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	3	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 26.702, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिमनी फिसेंट वैल्यू .085, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	33.3%	50.0%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q25	0.8%	2.3%	3.6%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	4	3	0	2	9	
		% within Education	44.4%	33.3%	0.0%	22.2%	100.0%	
		% within Q25	1.7%	2.3%	0.0%	7.4%	2.1%	
	Graduate	Count	26	14	0	1	41	
		% within Education	63.4%	34.1%	0.0%	2.4%	100.0%	
		% within Q25	11.0%	10.6%	0.0%	3.7%	9.7%	
	Post Graduation	Count	74	34	11	9	128	
		% within Education	57.8%	26.6%	8.6%	7.0%	100.0%	
		% within Q25	31.4%	25.8%	39.3%	33.3%	30.3%	
	M.Phil	Count	41	27	3	11	82	
		% within Education	50.0%	32.9%	3.7%	13.4%	100.0%	
		% within Q25	17.4%	20.5%	10.7%	40.7%	19.4%	
	Ph.D.	Count	86	48	13	4	151	
		% within Education	57.0%	31.8%	8.6%	2.6%	100.0%	
		% within Q25	36.4%	36.4%	46.4%	14.8%	35.7%	
	Others	Count	3	3	0	0	6	
		% within Education	50.0%	50.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q25	1.3%	2.3%	0.0%	0.0%	1.4%	
Total		Count	236	132	28	27	423	
		% within Education	55.8%	31.2%	6.6%	6.4%	100.0%	
		% within Q25	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 22.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 63.4 प्रतिशत ने हाँ और 34.1 प्रतिशत ने नहीं और 0 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 57.8 प्रतिशत ने हाँ और 26.6 प्रतिशत ने नहीं और 8.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 32.9 प्रतिशत ने नहीं और 3.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 57 प्रतिशत ने हाँ और 31.8 प्रतिशत ने नहीं और 8.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 55.8 प्रतिशत ने हाँ और 31.2 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.4 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.48. शैक्षिक योग्यता और संप्रदायवाद के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	26.702 ^a	18	.085
Likelihood Ratio	29.215	18	.046
Linear-by-Linear Association	.201	1	.654
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .38.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 26.702, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .085, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 26.702, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .085, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.49. शैक्षिक योग्यता और पर्यावरण के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 25 क्या आपने देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q25 Did you vote keeping in mind the issue of environment in the country?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	3	2	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 23.925, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू
		% within Education	50.0%	33.3%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q26	1.0%	2.8%	4.8%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	6	2	1	0	9	
		% within Education	66.7%	22.2%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q26	2.0%	2.8%	4.8%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	36	3	1	1	41	
		% within Education	87.8%	7.3%	2.4%	2.4%	100.0%	
		% within Q26	12.0%	4.2%	4.8%	3.2%	9.7%	
	Post Graduation	Count	95	18	7	8	128	
		% within Education	74.2%	14.1%	5.5%	6.3%	100.0%	
		% within Q26	31.8%	25.0%	33.3%	25.8%	30.3%	
	M.Phil	Count	56	11	3	12	82	
		% within Education	68.3%	13.4%	3.7%	14.6%	100.0%	
		% within Q26	18.7%	15.3%	14.3%	38.7%	19.4%	
	Ph.D.	Count	98	35	8	10	151	

		% within Education	64.9%	23.2%	5.3%	6.6%	100.0%	.158, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q26	32.8%	48.6%	38.1%	32.3%	35.7%	
	Others	Count	5	1	0	0	6	
		% within Education	83.3%	16.7%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q26	1.7%	1.4%	0.0%	0.0%	1.4%	
Total	Count		299	72	21	31	423	
	% within Education		70.7%	17.0%	5.0%	7.3%	100.0%	
	% within Q26		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 87.8 प्रतिशत ने हाँ और 7.3 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 74.2 प्रतिशत ने हाँ और 14.1 प्रतिशत ने नहीं और 5.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 68.3 प्रतिशत ने हाँ और 13.4 प्रतिशत ने नहीं और 3.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 64.9 प्रतिशत ने हाँ और 23.2 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 83.3 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 17 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.50. शैक्षिक योग्यता और पर्यावरण के मुद्दे के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	23.925 ^a	18	.158
Likelihood Ratio	24.304	18	.145
Linear-by-Linear Association	1.951	1	.163
N of Valid Cases	423		

a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .30.

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 23.925, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .158, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 23.925, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .158, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.51. शैक्षिक योग्यता और संसदीय उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 26 क्या आपने संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q26 Did you vote with parliamentary candidates in mind?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	3	2	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 19.189, डिग्री ऑफ
		% within Education	50.0%	33.3%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q27	1.2%	1.8%	4.2%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	7	0	0	2	9	
		% within Education	77.8%	0.0%	0.0%	22.2%	100.0%	
		% within Q27	2.8%	0.0%	0.0%	5.3%	2.1%	
		Count	26	9	4	2	41	

	Graduate	% within Education	63.4%	22.0%	9.8%	4.9%	100.0%	फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .380, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q27	10.4%	8.0%	16.7%	5.3%	9.7%	
	Post Graduate	Count	75	30	7	16	128	
		% within Education	58.6%	23.4%	5.5%	12.5%	100.0%	
		% within Q27	30.1%	26.8%	29.2%	42.1%	30.3%	
	M.Phil	Count	54	21	2	5	82	
		% within Education	65.9%	25.6%	2.4%	6.1%	100.0%	
		% within Q27	21.7%	18.8%	8.3%	13.2%	19.4%	
	Ph.D.	Count	80	49	10	12	151	
		% within Education	53.0%	32.5%	6.6%	7.9%	100.0%	
		% within Q27	32.1%	43.8%	41.7%	31.6%	35.7%	
	Others	Count	4	1	0	1	6	
		% within Education	66.7%	16.7%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q27	1.6%	0.9%	0.0%	2.6%	1.4%	
	Total	Count	249	112	24	38	423	
		% within Education	58.9%	26.5%	5.7%	9.0%	100.0%	
		% within Q27	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 77.8 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 22.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 63.4 प्रतिशत ने हाँ और 22 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 58.6 प्रतिशत ने हाँ और 23.4 प्रतिशत ने नहीं और 5.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 65.9 प्रतिशत ने हाँ और 25.6 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 53 प्रतिशत ने हाँ और 32.5 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों

में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 58.9 प्रतिशत ने हाँ और 26.5 प्रतिशत ने नहीं और 5.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.52. शैक्षिक योग्यता और संसदीय उम्मीदवार के कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	19.189 ^a	18	.380
Likelihood Ratio	22.057	18	.229
Linear-by-Linear Association	.037	1	.848
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .34.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 19.189, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .380, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 19.189, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .380, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.53. शैक्षिक योग्यता और दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 27 क्या आपने किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान दिया था?

			Q27 Did you vote for the candidate of a particular party under any kind of pressure?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	1	4	1	0	6	कलकुलेटिव वैल्यू 17.306, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .502, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	16.7%	66.7%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q28	1.9%	1.1%	8.3%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	2	7	0	0	9	
		% within Education	22.2%	77.8%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q28	3.8%	2.0%	0.0%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	8	31	2	0	41	
		% within Education	19.5%	75.6%	4.9%	0.0%	100.0%	
		% within Q28	15.1%	8.8%	16.7%	0.0%	9.7%	
	Post Graduation	Count	16	105	4	3	128	
		% within Education	12.5%	82.0%	3.1%	2.3%	100.0%	
		% within Q28	30.2%	29.7%	33.3%	75.0%	30.3%	
	M.Phil	Count	6	76	0	0	82	
		% within Education	7.3%	92.7%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q28	11.3%	21.5%	0.0%	0.0%	19.4%	
	Ph.D.	Count	19	126	5	1	151	
		% within Education	12.6%	83.4%	3.3%	0.7%	100.0%	
		% within Q28	35.8%	35.6%	41.7%	25.0%	35.7%	
	Others	Count	1	5	0	0	6	
		% within Education	16.7%	83.3%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q28	1.9%	1.4%	0.0%	0.0%	1.4%	
Total		Count	53	354	12	4	423	
		% within Education	12.5%	83.7%	2.8%	0.9%	100.0%	
		% within Q28	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान दिया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 16.7 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 22.2 प्रतिशत ने हाँ और 77.8 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 19.5 प्रतिशत ने हाँ और 75.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 12.5 प्रतिशत ने हाँ और 82 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 7.3 प्रतिशत ने हाँ और 92.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 12.6 प्रतिशत ने हाँ और 83.3 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 16.7 प्रतिशत ने हाँ और 83.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 12.5 प्रतिशत ने हाँ और 83.7 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0.9 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.54. शैक्षिक योग्यता और दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान से की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	17.306 ^a	18	.502
Likelihood Ratio	18.316	18	.435
Linear-by-Linear Association	.048	1	.827
N of Valid Cases	423		

a. 17 cells (60.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .06.

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 17.306, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .502, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 17.306, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .502, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.55. शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की क्रॉस टैब के डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 28 क्या आपने उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q28 Did you vote keeping in mind the clean image of the candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	3	1	2	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 24.093, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .152, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	50.0%	16.7%	33.3%	0.0%	100.0%	
		% within Q29	1.0%	1.8%	10.0%	0.0%	1.4%	
	Intermediate	Count	6	2	1	0	9	
		% within Education	66.7%	22.2%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q29	1.9%	3.6%	5.0%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	32	4	2	3	41	
		% within Education	78.0%	9.8%	4.9%	7.3%	100.0%	
		% within Q29	10.3%	7.1%	10.0%	8.6%	9.7%	
	Post Graduate	Count	98	16	6	8	128	
		% within Education	76.6%	12.5%	4.7%	6.3%	100.0%	
		% within Q29	31.4%	28.6%	30.0%	22.9%	30.3%	
	M.Phil	Count	68	7	2	5	82	
		% within Education	82.9%	8.5%	2.4%	6.1%	100.0%	
		% within Q29	21.8%	12.5%	10.0%	14.3%	19.4%	

	Ph.D.	Count	101	25	7	18	151
		% within Education	66.9%	16.6%	4.6%	11.9%	100.0%
		% within Q29	32.4%	44.6%	35.0%	51.4%	35.7%
	Others	Count	4	1	0	1	6
		% within Education	66.7%	16.7%	0.0%	16.7%	100.0%
		% within Q29	1.3%	1.8%	0.0%	2.9%	1.4%
Total		Count	312	56	20	35	423
		% within Education	73.8%	13.2%	4.7%	8.3%	100.0%
		% within Q29	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 33.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 78 प्रतिशत ने हाँ और 9.8 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 76.6 प्रतिशत ने हाँ और 12.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 82.9 प्रतिशत ने हाँ और 8.5 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 66.9 प्रतिशत ने हाँ और 16.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 73.8 प्रतिशत ने हाँ और 13.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.3 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.56. शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	24.093 ^a	18	.152
Likelihood Ratio	19.390	18	.368
Linear-by-Linear Association	1.670	1	.196

N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .28.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 24.093, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .152, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 24.093, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .152, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.57. शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 29 क्या आपने उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान दिया था?			Q29 Did you vote for the candidate because of his domineering nature?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	3	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 32.760, डिग्री ऑफ
		% within Education	33.3%	50.0%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q30	4.4%	0.8%	8.3%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	1	7	1	0	9	
		% within Education	11.1%	77.8%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q30	2.2%	2.0%	8.3%	0.0%	2.1%	
		Count	10	29	1	1	41	

	Graduate	% within Education	24.4%	70.7%	2.4%	2.4%	100.0%	फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .018, पी वैल्यू .05 से कम है।
		% within Q30	22.2%	8.1%	8.3%	11.1%	9.7%	
	Post Graduate	Count	13	106	3	6	128	
		% within Education	10.2%	82.8%	2.3%	4.7%	100.0%	
		% within Q30	28.9%	29.7%	25.0%	66.7%	30.3%	
	M.Phil	Count	4	78	0	0	82	
		% within Education	4.9%	95.1%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q30	8.9%	21.8%	0.0%	0.0%	19.4%	
	Ph.D.	Count	15	128	6	2	151	
		% within Education	9.9%	84.8%	4.0%	1.3%	100.0%	
		% within Q30	33.3%	35.9%	50.0%	22.2%	35.7%	
	Others	Count	0	6	0	0	6	
		% within Education	0.0%	100.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q30	0.0%	1.7%	0.0%	0.0%	1.4%	
	Total	Count	45	357	12	9	423	
		% within Education	10.6%	84.4%	2.8%	2.1%	100.0%	
		% within Q30	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान दिया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 11.1 प्रतिशत ने हाँ और 77.8 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 24.4 प्रतिशत ने हाँ और 70.7 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 10.2 प्रतिशत ने हाँ और 82.8 प्रतिशत ने नहीं और 2.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 4.9 प्रतिशत ने हाँ और 95.1 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 9.9 प्रतिशत ने हाँ और 84.8 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 1.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 0 प्रतिशत ने हाँ और 100 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद

तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 10.6 प्रतिशत ने हाँ और 84.4 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.1 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.58. शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव की कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	32.760^a	18	.018
Likelihood Ratio	31.746	18	.024
Linear-by-Linear Association	.416	1	.519
N of Valid Cases	423		
a. 18 cells (64.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .13.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 32.760, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .018, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 32.760, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .018, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित किया जा सकता है।

4.6.59. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 30 क्या आपने पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			
	Q30 Did you vote keeping in mind the candidate of the particular party?	Total	

			Yes	No	Can't say	To some extent		काई-स्क्वेर
Edu cati on	High School	Count	3	1	1	1	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 23.708 , डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .167, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	50.0%	16.7%	16.7%	16.7%	100.0%	
		% within Q31	1.7%	0.5%	4.5%	3.4%	1.4%	
	intermediate	Count	6	3	0	0	9	
		% within Education	66.7%	33.3%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q31	3.4%	1.6%	0.0%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	24	13	3	1	41	
		% within Education	58.5%	31.7%	7.3%	2.4%	100.0%	
		% within Q31	13.4%	6.7%	13.6%	3.4%	9.7%	
	Post Graduation	Count	52	63	4	9	128	
		% within Education	40.6%	49.2%	3.1%	7.0%	100.0%	
		% within Q31	29.1%	32.6%	18.2%	31.0%	30.3%	
	M.Phil	Count	28	44	2	8	82	
		% within Education	34.1%	53.7%	2.4%	9.8%	100.0%	
		% within Q31	15.6%	22.8%	9.1%	27.6%	19.4%	
	Ph.D.	Count	62	68	12	9	151	
		% within Education	41.1%	45.0%	7.9%	6.0%	100.0%	
		% within Q31	34.6%	35.2%	54.5%	31.0%	35.7%	
	Others	Count	4	1	0	1	6	
		% within Education	66.7%	16.7%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q31	2.2%	0.5%	0.0%	3.4%	1.4%	
Total		Count	179	193	22	29	423	
		% within Education	42.3%	45.6%	5.2%	6.9%	100.0%	
		% within Q31	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने

कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएड उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 58.5 प्रतिशत ने हाँ और 31.7 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 40.6 प्रतिशत ने हाँ और 49.2 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 34.1 प्रतिशत ने हाँ और 53.7 प्रतिशत ने नहीं और 2.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 41.1 प्रतिशत ने हाँ और 45 प्रतिशत ने नहीं और 7.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 42.3 प्रतिशत ने हाँ और 45.6 प्रतिशत ने नहीं और 5.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.60. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	23.708 ^a	18	.165
Likelihood Ratio	24.848	18	.129
Linear-by-Linear Association	1.693	1	.193
N of Valid Cases	423		
a. 15 cells (53.6%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .31.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 23.708, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .165, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 23.708, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .165, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य

परिकल्पना उत्तरदाताओं की उम्र और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.61. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 31 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q31 Did you vote keeping in mind the prime ministerial candidates in the Loksabha elections 2019?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	3	3	0	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 22.91 4, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .194, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	50.0%	50.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q32	1.2%	2.3%	0.0%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	6	2	1	0	9	
		% within Education	66.7%	22.2%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q32	2.5%	1.6%	5.6%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	29	6	3	3	41	
		% within Education	70.7%	14.6%	7.3%	7.3%	100.0%	
		% within Q32	11.9%	4.7%	16.7%	9.4%	9.7%	
	Post Graduation	Count	83	32	5	8	128	
		% within Education	64.8%	25.0%	3.9%	6.3%	100.0%	
		% within Q32	34.0%	24.8%	27.8%	25.0%	30.3%	
	M.Phil	Count	39	35	1	7	82	
		% within Education	47.6%	42.7%	1.2%	8.5%	100.0%	
		% within Q32	16.0%	27.1%	5.6%	21.9%	19.4%	
	Ph.D.	Count	79	50	8	14	151	

		% within Education	52.3%	33.1%	5.3%	9.3%	100.0%
		% within Q32	32.4%	38.8%	44.4%	43.8%	35.7%
	Others	Count	5	1	0	0	6
		% within Education	83.3%	16.7%	0.0%	0.0%	100.0%
		% within Q32	2.0%	0.8%	0.0%	0.0%	1.4%
Total	Count		244	129	18	32	423
	% within Education		57.7%	30.5%	4.3%	7.6%	100.0%
	% within Q32		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 14.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 64.8 प्रतिशत ने हाँ और 25 प्रतिशत ने नहीं और 3.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 47.6 प्रतिशत ने हाँ और 42.7 प्रतिशत ने नहीं और 1.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 52.3 प्रतिशत ने हाँ और 33.1 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 83.3 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 57.7 प्रतिशत ने हाँ और 30.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.62. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	22.914 ^a	18	.194
Likelihood Ratio	25.515	18	.111
Linear-by-Linear Association	3.065	1	.080

N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .26.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 22.914, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .194, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 22.914, क्रिटिकल वैल्यू 28.74 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .194, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.63. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 32 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q32 Did you vote keeping in mind the clean image of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	3	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 24.96
		% within Education	33.3%	50.0%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q33	0.8%	3.0%	3.6%	0.0%	1.4%	
		Count	5	4	0	0	9	

	intermediate	% within Education	55.6%	44.4%	0.0%	0.0%	100.0%	2, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .126, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q33	1.9%	4.0%	0.0%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	28	7	4	2	41	
		% within Education	68.3%	17.1%	9.8%	4.9%	100.0%	
		% within Q33	10.5%	6.9%	14.3%	7.1%	9.7%	
	Post Graduate	Count	94	22	7	5	128	
		% within Education	73.4%	17.2%	5.5%	3.9%	100.0%	
		% within Q33	35.3%	21.8%	25.0%	17.9%	30.3%	
	M. Phil	Count	45	25	8	4	82	
		% within Education	54.9%	30.5%	9.8%	4.9%	100.0%	
		% within Q33	16.9%	24.8%	28.6%	14.3%	19.4%	
	Ph. D.	Count	89	38	8	16	151	
		% within Education	58.9%	25.2%	5.3%	10.6%	100.0%	
		% within Q33	33.5%	37.6%	28.6%	57.1%	35.7%	
	Others	Count	3	2	0	1	6	
		% within Education	50.0%	33.3%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q33	1.1%	2.0%	0.0%	3.6%	1.4%	
Total		Count	266	101	28	28	423	
		% within Education	62.9%	23.9%	6.6%	6.6%	100.0%	
		% within Q33	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 68.3 प्रतिशत ने हाँ और 17.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 73.4 प्रतिशत

ने हाँ और 17.2 प्रतिशत ने नहीं और 5.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 54.9 प्रतिशत ने हाँ और 30.5 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 58.9 प्रतिशत ने हाँ और 25.2 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 62.9 प्रतिशत ने हाँ और 23.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.64. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	24.962 ^a	18	.126
Likelihood Ratio	25.528	18	.111
Linear-by-Linear Association	3.803	1	.051
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .40.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 24.962, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .126, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 24.962, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .126, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा

वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.65. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 33 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q33 Did you vote with a clear vision of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	3	3	0	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 11.159, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .887, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	50.0%	50.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q34	1.2%	3.1%	0.0%	0.0%	1.4%	
	Intermediate	Count	5	3	1	0	9	
		% within Education	55.6%	33.3%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q34	1.9%	3.1%	2.8%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	27	8	3	3	41	
		% within Education	65.9%	19.5%	7.3%	7.3%	100.0%	
		% within Q34	10.4%	8.2%	8.3%	10.0%	9.7%	
	Post Graduate	Count	85	25	11	7	128	
		% within Education	66.4%	19.5%	8.6%	5.5%	100.0%	
		% within Q34	32.8%	25.5%	30.6%	23.3%	30.3%	
	M.Phil	Count	47	20	10	5	82	
		% within Education	57.3%	24.4%	12.2%	6.1%	100.0%	
		% within Q34	18.1%	20.4%	27.8%	16.7%	19.4%	
	Ph.D.	Count	88	38	11	14	151	
		% within Education	58.3%	25.2%	7.3%	9.3%	100.0%	
		% within Q34	34.0%	38.8%	30.6%	46.7%	35.7%	

	Others	Count	4	1	0	1	6
		% within Education	66.7%	16.7%	0.0%	16.7%	100.0%
		% within Q34	1.5%	1.0%	0.0%	3.3%	1.4%
Total		Count	259	98	36	30	423
		% within Education	61.2%	23.2%	8.5%	7.1%	100.0%
		% within Q34	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 65.9 प्रतिशत ने हाँ और 19.5 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 66.4 प्रतिशत ने हाँ और 19.5 प्रतिशत ने नहीं और 8.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 57.3 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 58.3 प्रतिशत ने हाँ और 25.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 61.2 प्रतिशत ने हाँ और 23.2 प्रतिशत ने नहीं और 8.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.66. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	11.159 ^a	18	.887
Likelihood Ratio	12.380	18	.827
Linear-by-Linear Association	1.648	1	.199
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .43.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 11.159, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .887, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 11.159, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .887, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.67. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 34 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q34 Did you vote keeping in mind the decision-making ability of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	3	3	0	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 20.493, डिग्री ऑफ
		% within Education	50.0%	50.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q35	1.1%	3.1%	0.0%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	6	1	2	0	9	
		% within Education	66.7%	11.1%	22.2%	0.0%	100.0%	
		% within Q35	2.3%	1.0%	6.5%	0.0%	2.1%	
		Count	29	7	5	0	41	

	Graduate	% within Education	70.7%	17.1%	12.2%	0.0%	100.0%	फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.8 7 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .306, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q35	11.1%	7.2%	16.1%	0.0%	9.7%	
	Post Graduate	Count	86	24	9	9	128	
		% within Education	67.2%	18.8%	7.0%	7.0%	100.0%	
		% within Q35	33.0%	24.7%	29.0%	26.5%	30.3%	
	M.Phil	Count	46	23	4	9	82	
		% within Education	56.1%	28.0%	4.9%	11.0%	100.0%	
		% within Q35	17.6%	23.7%	12.9%	26.5%	19.4%	
	Ph.D.	Count	87	37	11	16	151	
		% within Education	57.6%	24.5%	7.3%	10.6%	100.0%	
		% within Q35	33.3%	38.1%	35.5%	47.1%	35.7%	
	Others	Count	4	2	0	0	6	
		% within Education	66.7%	33.3%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q35	1.5%	2.1%	0.0%	0.0%	1.4%	
	Total	Count	261	97	31	34	423	
		% within Education	61.7%	22.9%	7.3%	8.0%	100.0%	
		% within Q35	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 17.1 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 67.2 प्रतिशत ने हाँ और 18.8 प्रतिशत ने नहीं और 7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 56.1 प्रतिशत ने हाँ और 28 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 57.6 प्रतिशत ने हाँ और 24.5 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते

और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 61.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.9 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.68. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की कार्ई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	20.493 ^a	18	.306
Likelihood Ratio	24.713	18	.133
Linear-by-Linear Association	3.192	1	.074
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .44.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 20.493, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .306, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 20.493, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .306, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.6.69. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 35 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

			Q35 Did you vote keeping in mind the popularity of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	2	1	1	6	कलकुलेटिव वैल्यू 24.311, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .145, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	33.3%	33.3%	16.7%	16.7%	100.0%	
		% within Q36	1.0%	1.2%	3.3%	4.8%	1.4%	
	intermediate	Count	4	4	1	0	9	
		% within Education	44.4%	44.4%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q36	1.9%	2.4%	3.3%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	24	10	6	1	41	
		% within Education	58.5%	24.4%	14.6%	2.4%	100.0%	
		% within Q36	11.7%	6.0%	20.0%	4.8%	9.7%	
	Post Graduate	Count	71	39	12	6	128	
		% within Education	55.5%	30.5%	9.4%	4.7%	100.0%	
		% within Q36	34.5%	23.5%	40.0%	28.6%	30.3%	
	M.Phil	Count	34	40	4	4	82	
		% within Education	41.5%	48.8%	4.9%	4.9%	100.0%	
		% within Q36	16.5%	24.1%	13.3%	19.0%	19.4%	
	Ph.D.	Count	69	67	6	9	151	
		% within Education	45.7%	44.4%	4.0%	6.0%	100.0%	
		% within Q36	33.5%	40.4%	20.0%	42.9%	35.7%	
	Others	Count	2	4	0	0	6	
		% within Education	33.3%	66.7%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q36	1.0%	2.4%	0.0%	0.0%	1.4%	
Total		Count	206	166	30	21	423	
		% within Education	48.7%	39.2%	7.1%	5.0%	100.0%	
		% within Q36	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 58.5 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने नहीं और 14.6 कह नहीं सकते और 2.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 55.5 प्रतिशत ने हाँ और 30.5 प्रतिशत ने नहीं और 9.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 41.5 प्रतिशत ने हाँ और 48.8 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 45.7 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 66.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 48.7 प्रतिशत ने हाँ और 39.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.70. शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	24.311 ^a	18	.145
Likelihood Ratio	24.520	18	.139
Linear-by-Linear Association	.038	1	.845
N of Valid Cases	423		
a. 15 cells (53.6%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .30.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 24.311, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .145, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 24.311, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .145, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.71. शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 36 क्या आप सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानते हैं?								
			Q36 Do you consider all political parties equal?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	2	2	2	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 28.549, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफि
		% within Education	33.3%	33.3%	33.3%	0.0%	100.0%	
		% within Q37	1.7%	0.8%	8.7%	0.0%	1.4%	
	Intermediate	Count	2	4	1	2	9	
		% within Education	22.2%	44.4%	11.1%	22.2%	100.0%	
		% within Q37	1.7%	1.7%	4.3%	4.2%	2.1%	
	Graduate	Count	14	16	3	8	41	
		% within Education	34.1%	39.0%	7.3%	19.5%	100.0%	
		% within Q37	12.2%	6.8%	13.0%	16.7%	9.7%	
	Post Graduate	Count	38	70	8	12	128	
		% within Education	29.7%	54.7%	6.3%	9.4%	100.0%	
		% within Q37	33.0%	29.5%	34.8%	25.0%	30.3%	
	M.Phil	Count	18	47	3	14	82	

		% within Education	22.0%	57.3%	3.7%	17.1%	100.0%	सेंट वैल्यू .054, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q37	15.7%	19.8%	13.0%	29.2%	19.4%	
	Ph.D.	Count	38	96	6	11	151	
		% within Education	25.2%	63.6%	4.0%	7.3%	100.0%	
		% within Q37	33.0%	40.5%	26.1%	22.9%	35.7%	
	Others	Count	3	2	0	1	6	
		% within Education	50.0%	33.3%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q37	2.6%	0.8%	0.0%	2.1%	1.4%	
		Count	115	237	23	48	423	
		% within Education	27.2%	56.0%	5.4%	11.3%	100.0%	
		% within Q37	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 33.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 22.2 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 22.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 34.1 प्रतिशत ने हाँ और 39 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 कह नहीं सकते और 19.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 29.7 प्रतिशत ने हाँ और 54.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 22 प्रतिशत ने हाँ और 57.3 प्रतिशत ने नहीं और 3.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 25.2 प्रतिशत ने हाँ और 63.6 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 27.2 प्रतिशत ने हाँ और 56 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.3 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.72. शैक्षिक योग्यता और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests

	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	28.549 ^a	18	.054
Likelihood Ratio	24.379	18	.143
Linear-by-Linear Association	1.193	1	.275
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 28.549, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .054, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 28.549, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .054, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच के अंतर को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.6.73. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विचारधारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 37 क्या आप पार्टी विशेष की विचारधारा को मानते हैं?								
			Q37 Do you follow the ideology of a particular party?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	1	3	1	1	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 9.394, डिग्री
		% within Education	16.7%	50.0%	16.7%	16.7%	100.0%	
		% within Q38	0.5%	1.9%	4.8%	1.7%	1.4%	
		Count	4	4	0	1	9	

	intermediate	% within Education	44.4%	44.4%	0.0%	11.1%	100.0%	ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .950, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है
		% within Q38	2.2%	2.5%	0.0%	1.7%	2.1%	
	Graduate	Count	22	12	3	4	41	
		% within Education	53.7%	29.3%	7.3%	9.8%	100.0%	
		% within Q38	12.1%	7.5%	14.3%	6.7%	9.7%	
	Post Graduate	Count	52	52	7	17	128	
		% within Education	40.6%	40.6%	5.5%	13.3%	100.0%	
		% within Q38	28.6%	32.5%	33.3%	28.3%	30.3%	
	M.Phil	Count	35	31	3	13	82	
		% within Education	42.7%	37.8%	3.7%	15.9%	100.0%	
		% within Q38	19.2%	19.4%	14.3%	21.7%	19.4%	
	Ph.D.	Count	64	57	7	23	151	
		% within Education	42.4%	37.7%	4.6%	15.2%	100.0%	
		% within Q38	35.2%	35.6%	33.3%	38.3%	35.7%	
	Others	Count	4	1	0	1	6	
		% within Education	66.7%	16.7%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q38	2.2%	0.6%	0.0%	1.7%	1.4%	
Total		Count	182	160	21	60	423	
		% within Education	43.0%	37.8%	5.0%	14.2%	100.0%	
		% within Q38	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पार्टी विशेष की विचारधारा को मानते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 16.7 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 53.7 प्रतिशत ने हाँ और 29.3 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 40.6 प्रतिशत ने हाँ और 40.6 प्रतिशत ने नहीं और 5.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 42.7 प्रतिशत ने हाँ और 37.8 प्रतिशत ने नहीं और 3.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 15.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा

पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 42.4 प्रतिशत ने हाँ और 37.7 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 15.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 43 प्रतिशत ने हाँ और 37.8 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.2 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.74. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विचारधारा की कार्द स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	9.394 ^a	18	.950
Likelihood Ratio	9.867	18	.936
Linear-by-Linear Association	.065	1	.798
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .30.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 9.394, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .950, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 9.394, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .950, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच के अंतर को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.75. शैक्षिक योग्यता और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 38 क्या आप पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव रखते हैं?								
			Q38 Are you hierarchy party-specific?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Edu cati on	High School	Count	2	2	1	1	6	कल्कु लेटिव वैल्यू 12.16 2, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटि कल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नी फिसेंट वैल्यू .839, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Education	33.3%	33.3%	16.7%	16.7%	100.0%	
		% within Q39	1.7%	0.9%	3.6%	2.1%	1.4%	
	intermediate	Count	5	4	0	0	9	
		% within Education	55.6%	44.4%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q39	4.2%	1.7%	0.0%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	9	22	5	5	41	
		% within Education	22.0%	53.7%	12.2%	12.2%	100.0%	
		% within Q39	7.6%	9.6%	17.9%	10.6%	9.7%	
	Post Graduation	Count	33	75	9	11	128	
		% within Education	25.8%	58.6%	7.0%	8.6%	100.0%	
		% within Q39	28.0%	32.6%	32.1%	23.4%	30.3%	
	M.Phil	Count	22	47	4	9	82	
		% within Education	26.8%	57.3%	4.9%	11.0%	100.0%	
		% within Q39	18.6%	20.4%	14.3%	19.1%	19.4%	
	Ph.D.	Count	45	77	9	20	151	
		% within Education	29.8%	51.0%	6.0%	13.2%	100.0%	
		% within Q39	38.1%	33.5%	32.1%	42.6%	35.7%	
	Others	Count	2	3	0	1	6	
		% within Education	33.3%	50.0%	0.0%	16.7%	100.0%	
		% within Q39	1.7%	1.3%	0.0%	2.1%	1.4%	
Total		Count	118	230	28	47	423	

काई-स्क्वेर
कलकुलेटिव
वैल्यू
12.16
2,
डिग्री
ऑफ
फ्रीडम
18 की
क्रिटि
कल
वैल्यू
28.87
से कम
है और
सिग्नी
फिसेंट
वैल्यू
.839,
पी
वैल्यू
.05 से
ज्यादा
है।

	% within Education	27.9%	54.4%	6.6%	11.1%	100.0%	
	% within Q39	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की झुकाव रखते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 22 प्रतिशत ने हाँ और 53.7 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 25.8 प्रतिशत ने हाँ और 58.6 प्रतिशत ने नहीं और 7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 26.8 प्रतिशत ने हाँ और 57.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 29.8 प्रतिशत ने हाँ और 51 प्रतिशत ने नहीं और 6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 27.9 प्रतिशत ने हाँ और 54.4 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.76. शैक्षिक योग्यता और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	12.162 ^a	18	.839
Likelihood Ratio	13.077	18	.787
Linear-by-Linear Association	.071	1	.789
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .40.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 12.162, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .839, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 12.162, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .839, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच के अंतर को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.77. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 39 क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं?								
			प्रश्न 39 क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	5	0	1	0	6	कल्कुलेटिव वैल्यू 13.568, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से
		% within Education	83.3%	0.0%	16.7%	0.0%	100.0%	
		% within Q40	2.3%	0.0%	5.0%	0.0%	1.4%	
	intermediate	Count	6	3	0	0	9	
		% within Education	66.7%	33.3%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q40	2.8%	2.2%	0.0%	0.0%	2.1%	
	Graduate	Count	21	11	2	7	41	
		% within Education	51.2%	26.8%	4.9%	17.1%	100.0%	
		% within Q40	9.9%	7.9%	10.0%	13.7%	9.7%	
	Post Graduation	Count	65	42	6	15	128	
		% within Education	50.8%	32.8%	4.7%	11.7%	100.0%	
		% within Q40	30.5%	30.2%	30.0%	29.4%	30.3%	
	M.Phil	Count	38	30	3	11	82	

		% within Education	46.3%	36.6%	3.7%	13.4%	100.0%	कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .757, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q40	17.8%	21.6%	15.0%	21.6%	19.4%	
	Ph.D.	Count	75	52	8	16	151	
		% within Education	49.7%	34.4%	5.3%	10.6%	100.0%	
		% within Q40	35.2%	37.4%	40.0%	31.4%	35.7%	
	Others	Count	3	1	0	2	6	
		% within Education	50.0%	16.7%	0.0%	33.3%	100.0%	
		% within Q40	1.4%	0.7%	0.0%	3.9%	1.4%	
	Total	Count	213	139	20	51	423	
		% within Education	50.4%	32.9%	4.7%	12.1%	100.0%	
		% within Q40	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 83.3 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 51.2 प्रतिशत ने हाँ और 26.8 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 कह नहीं सकते और 17.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से 50.8 प्रतिशत ने हाँ और 32.8 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 46.3 प्रतिशत ने हाँ और 36.6 प्रतिशत ने नहीं और 3.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 49.7 प्रतिशत ने हाँ और 34.4 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 50 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 33.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 50.4 प्रतिशत ने हाँ और 32.9 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.1 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.78. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)

Pearson Chi-Square	13.568 ^a	18	.757
Likelihood Ratio	16.390	18	.565
Linear-by-Linear Association	.582	1	.445
N of Valid Cases	423		
a. 15 cells (53.6%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .28.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 13.568, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .757, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 13.568, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .757, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करने के बीच अंतर के महत्व को प्रभावित नहीं कर सकती है।

4.6.79. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 40 क्या आप पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करते हैं?								
			Q40 Do you follow the presence of some opinion leaders in a particular party keeping in mind it?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Education	High School	Count	4	1	1	0	6	कल्कुलेटिव
		% within Education	66.7%	16.7%	16.7%	0.0%	100.0%	

		% within Q41	2.3%	0.6%	2.8%	0.0%	1.4%	वैल्यू 29.2 34, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.8 7 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .046, पी वैल्यू .05 से कम है।
	intermediate	Count	4	3	1	1	9	
		% within Education	44.4%	33.3%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q41	2.3%	1.7%	2.8%	2.5%	2.1%	
	Graduate	Count	20	10	2	9	41	
		% within Education	48.8%	24.4%	4.9%	22.0%	100.0%	
		% within Q41	11.5%	5.8%	5.6%	22.5%	9.7%	
	Post Graduation	Count	55	58	6	9	128	
		% within Education	43.0%	45.3%	4.7%	7.0%	100.0%	
		% within Q41	31.6%	33.5%	16.7%	22.5%	30.3%	
	M.Phil	Count	30	38	8	6	82	
		% within Education	36.6%	46.3%	9.8%	7.3%	100.0%	
		% within Q41	17.2%	22.0%	22.2%	15.0%	19.4%	
	Ph.D.	Count	57	63	18	13	151	
		% within Education	37.7%	41.7%	11.9%	8.6%	100.0%	
		% within Q41	32.8%	36.4%	50.0%	32.5%	35.7%	
	Others	Count	4	0	0	2	6	
		% within Education	66.7%	0.0%	0.0%	33.3%	100.0%	
		% within Q41	2.3%	0.0%	0.0%	5.0%	1.4%	
Total		Count	174	173	36	40	423	
		% within Education	41.1%	40.9%	8.5%	9.5%	100.0%	
		% within Q41	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में हाई स्कूल उत्तीर्ण 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.7 प्रतिशत ने नहीं और 16.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इंटरमीडिएट उत्तीर्ण 9 लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा स्नातक डिग्री धारक 41 लोगों में से 48.8 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने नहीं और 4.9 कह नहीं सकते और 22 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा परास्नातक डिग्री धारक 128 लोगों में से

43 प्रतिशत ने हाँ और 45.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा एम.फिल डिग्री धारक 82 लोगों में से 36.6 प्रतिशत ने हाँ और 46.3 प्रतिशत ने नहीं और 9.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा पीएच.डी. डिग्री धारक 151 लोगों में से 37.7 प्रतिशत ने हाँ और 41.7 प्रतिशत ने नहीं और 11.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा अन्य शैक्षिक योग्यता धारक 6 लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 33.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 41.1 प्रतिशत ने हाँ और 40.9 प्रतिशत ने नहीं और 8.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत लोगों ने कुछ हद में अपना मत व्यक्त किया है।

4.6.80. शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष के कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	29.234^a	18	.046
Likelihood Ratio	30.151	18	.036
Linear-by-Linear Association	.718	1	.397
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .51.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 29.234, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .046, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 29.234, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .046, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं की शैक्षिक योग्यता और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच

महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में शैक्षिक योग्यता, पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर को प्रभावित कर सकती है।

4.7. व्यावसाय के अनुसार क्रॉस टैब और काई स्क्वेर (chi-square test)

उत्तरदाताओं के व्यवसाय के अनुसार क्रॉस टैब और काई स्क्वेर, यह एक सांख्यिकी टेस्ट है जो एक द्विआत्मक तालिका या एक वर्गीकरण को मापन के लिए उपयोग किया जाता है। नीचे दी गयी निम्न तालिकाओं का क्रॉस टैब और काई स्क्वेर परीक्षण का विश्लेषण किया गया है। जिसके अंतर्गत उत्तरदाताओं की व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने और चुनावी मुद्दों के बीच संबंध को दर्शाया गया है।

4.7.1. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 1 क्या आप हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में रुचि रखते हैं?							
			Q1 Are you interested in reading Hindi newspapers?			Total	काई-स्क्वेर
			Yes	Very little	Very much		
Occupation	Labour	Count	5	0	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 13.318, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू
		% within Occupation	100.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q1	1.4%	0.0%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	80	6	6	92	
		% within Occupation	87.0%	6.5%	6.5%	100.0%	
		% within Q1	23.1%	14.0%	18.2%	21.7%	
	Government Employee	Count	37	9	3	49	
		% within Occupation	75.5%	18.4%	6.1%	100.0%	
		% within Q1	10.7%	20.9%	9.1%	11.6%	
	Businessman	Count	8	1	0	9	
		% within Occupation	88.9%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q1	2.3%	2.3%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	59	5	11	75	

		% within Occupation	78.7%	6.7%	14.7%	100.0%	.346, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q1	17.0%	11.6%	33.3%	17.7%	
	Research Scholar	Count	107	15	9	131	
		% within Occupation	81.7%	11.5%	6.9%	100.0%	
		% within Q1	30.8%	34.9%	27.3%	31.0%	
	Others	Count	51	7	4	62	
		% within Occupation	82.3%	11.3%	6.5%	100.0%	
		% within Q1	14.7%	16.3%	12.1%	14.7%	
	Total	Count	347	43	33	423	
		% within Occupation	82.0%	10.2%	7.8%	100.0%	
		% within Q1	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में रुचि रखते हैं? इस प्रश्न के उत्तर इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 100 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने बहुत कम और 0 प्रतिशत ने बहुत अधिक एवं 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 87 प्रतिशत ने हाँ और 6.5 प्रतिशत ने बहुत कम और 6.5 प्रतिशत ने बहुत अधिक एवं 49 सरकारी कर्मचारियों में से 75.5 प्रतिशत ने हाँ और 18.4 प्रतिशत ने बहुत कम और 6.1 प्रतिशत ने बहुत अधिक एवं 9 व्यवसायियों में से 88.9 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने बहुत कम और 0 प्रतिशत ने बहुत अधिक एवं 75 विद्यार्थियों में से 78.7 प्रतिशत ने हाँ और 6.7 प्रतिशत ने बहुत कम और 14.7 प्रतिशत ने बहुत अधिक एवं 131 शोधार्थियों में से 81.7 प्रतिशत ने हाँ और 11.5 प्रतिशत ने बहुत कम और 6.9 प्रतिशत ने बहुत अधिक एवं 62 अन्य लोगों में से 82.3 प्रतिशत ने हाँ और 11.3 प्रतिशत ने बहुत कम और 6.5 प्रतिशत ने बहुत अधिक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 82 प्रतिशत ने हाँ और 10.2 प्रतिशत ने बहुत कम और 7.8 प्रतिशत ने बहुत अधिक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.2. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की रुचि की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	13.318 ^a	12	.346
Likelihood Ratio	13.667	12	.323
Linear-by-Linear Association	.519	1	.471
N of Valid Cases	423		
a. 8 cells (38.1%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .39.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 13.318, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .346, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं के व्यवसाय और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं के व्यवसाय और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका में उत्तरदाताओं के व्यवसाय और समाचार पत्र पढ़ने की रुचि के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 13.318, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .346, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना व्यवसाय और अखबार पढ़ने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय अखबार पढ़ने की आदत को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.3. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 2 आप कितने हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं?							
			Q2 How many Hindi newspapers do you read?			Total	काई-स्क्वेर
			One	Two	More than three		
Occupation	Labour	Count	2	2	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 5.450, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03
		% within Occupation	40.0%	40.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q2	1.2%	1.3%	1.1%	1.2%	
	Private Employee	Count	40	32	20	92	
		% within Occupation	43.5%	34.8%	21.7%	100.0%	
		% within Q2	23.4%	20.4%	21.1%	21.7%	
	Government Employee	Count	20	21	8	49	
		% within Occupation	40.8%	42.9%	16.3%	100.0%	
		% within Q2	11.7%	13.4%	8.4%	11.6%	
		Count	2	5	2	9	

	Business man	% within Occupation	22.2%	55.6%	22.2%	100.0%	से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .941, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q2	1.2%	3.2%	2.1%	2.1%	
	Student	Count	28	27	20	75	
		% within Occupation	37.3%	36.0%	26.7%	100.0%	
		% within Q2	16.4%	17.2%	21.1%	17.7%	
	Research Scholar	Count	55	44	32	131	
		% within Occupation	42.0%	33.6%	24.4%	100.0%	
		% within Q2	32.2%	28.0%	33.7%	31.0%	
	Others	Count	24	26	12	62	
		% within Occupation	38.7%	41.9%	19.4%	100.0%	
		% within Q2	14.0%	16.6%	12.6%	14.7%	
	Total	Count	171	157	95	423	
		% within Occupation	40.4%	37.1%	22.5%	100.0%	
		% within Q2	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप कितने हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं? इस प्रश्न के उत्तर इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 40 प्रतिशत ने एक और 40 प्रतिशत ने दो और 20 प्रतिशत ने तीन या इससे अधिक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 43.5 प्रतिशत एक और 34.8 प्रतिशत दो और 21.7 प्रतिशत तीन या इससे अधिक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 40.8 प्रतिशत एक और 42.9 प्रतिशत दो और 16.3 प्रतिशत तीन या इससे अधिक एवं 9 व्यवसाय करने वाले लोगों में से 22.2 प्रतिशत एक और 55.6 प्रतिशत दो और 22.2 प्रतिशत तीन या इससे अधिक एवं 75 विद्यार्थियों में से 37.3 प्रतिशत एक और 36 प्रतिशत दो और 26.7 प्रतिशत तीन या इससे अधिक एवं 131 शोधार्थियों में से 42 प्रतिशत एक और 33.6 प्रतिशत दो और 24.4 प्रतिशत तीन या इससे अधिक एवं अन्य 62 लोगों में से 38.7 प्रतिशत एक और 41.9 प्रतिशत दो और 19.4 प्रतिशत तीन या इससे अधिक तथा इस प्रकार कुल 423 लोगों में से 40.4 प्रतिशत एक और 37.1 प्रतिशत दो और 22.5 प्रतिशत तीन या इससे अधिक हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं।

4.7.4. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)

Pearson Chi-Square	5.450 ^a	12	.941
Likelihood Ratio	5.526	12	.938
Linear-by-Linear Association	.241	1	.623
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (28.6%) have expected count less than 5. The minimum expected count is 1.12.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 5.450, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .941, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने की संख्या के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका में उत्तरदाताओं के व्यवसाय और समाचार पत्रों की संख्या के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 5.450, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .941, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और समाचार पत्रों की संख्या के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, समाचार पत्रों की संख्या को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.5. व्यवसाय और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय की क्रॉस टैब के डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 3 आप हिंदी समाचारों को पढ़ने में कितना समय खर्च करते हैं?							
			Q3 How much time do you spend reading Hindi news?			Total	काई-स्क्वेर
			0 to 30 minutes	31 to 60 minutes	more than an hour		
Occupation	Labour	Count	2	3	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 5.810, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की
		% within Occupation	40.0%	60.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q3	0.9%	2.4%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	49	24	19	92	
		% within Occupation	53.3%	26.1%	20.7%	100.0%	

		% within Q3	22.7%	18.9%	23.8%	21.7%	क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिसेंट ट वैल्यू .925, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	Governme nt Employee	Count	25	15	9	49	
		% within Occupation	51.0%	30.6%	18.4%	100.0%	
		% within Q3	11.6%	11.8%	11.3%	11.6%	
	Businessm an	Count	5	3	1	9	
		% within Occupation	55.6%	33.3%	11.1%	100.0%	
		% within Q3	2.3%	2.4%	1.3%	2.1%	
	Student	Count	36	23	16	75	
		% within Occupation	48.0%	30.7%	21.3%	100.0%	
		% within Q3	16.7%	18.1%	20.0%	17.7%	
	Research Scholar	Count	63	43	25	131	
		% within Occupation	48.1%	32.8%	19.1%	100.0%	
		% within Q3	29.2%	33.9%	31.3%	31.0%	
	Others	Count	36	16	10	62	
		% within Occupation	58.1%	25.8%	16.1%	100.0%	
% within Q3		16.7%	12.6%	12.5%	14.7%		
Total		Count	216	127	80	423	
		% within Occupation	51.1%	30.0%	18.9%	100.0%	
		% within Q3	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप हिंदी समाचारों को पढ़ने में कितना समय खर्च करते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में 5 मजदूर वर्ग के लोगों में से 40 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 60 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 0 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक एवं 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 53.3 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 26.1 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 20.7 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक एवं 49 सरकारी में से 51 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 30.6 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 18.4 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक एवं 75 विद्यार्थियों में से 48 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 30.7 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 21.3 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक एवं 131 शोधार्थियों में से 48.1 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 32.8 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 19.1 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक एवं 62 अन्य लोगों में से 58.1 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 25.8 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 16.1 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक

तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 51.1 प्रतिशत 0 से 30 मिनट और 30 प्रतिशत 31 से 60 मिनट और 18.9 प्रतिशत 1 घंटे से अधिक समय हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च करते हैं।

4.7.6. व्यवसाय और समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च समय की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	5.810 ^a	12	.925
Likelihood Ratio	6.485	12	.890
Linear-by-Linear Association	.015	1	.903
N of Valid Cases	423		
a. 6 cells (28.6%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .95.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 5.810, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .925, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं की व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं के व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 5.810, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .925, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में खर्च किए गए समय को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.7. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के स्थान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 4 आप हिंदी समाचार पत्र पढ़ते हैं?			
	Q4 Do you read Hindi newspapers?	Total	

			Online	Offline	Both online and offline		काई- स्क्वेर
Occupat ion	Labour	Count	0	1	4	5	कल्कुले टिव वैल्यू 11.022, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .527, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	0.0%	20.0%	80.0%	100.0%	
		% within Q4	0.0%	1.3%	1.4%	1.2%	
	Private Employee	Count	18	11	63	92	
		% within Occupation	19.6%	12.0%	68.5%	100.0%	
		% within Q4	27.7%	14.5%	22.3%	21.7%	
	Governme nt Employee	Count	7	7	35	49	
		% within Occupation	14.3%	14.3%	71.4%	100.0%	
		% within Q4	10.8%	9.2%	12.4%	11.6%	
	Businessm an	Count	1	3	5	9	
		% within Occupation	11.1%	33.3%	55.6%	100.0%	
		% within Q4	1.5%	3.9%	1.8%	2.1%	
	Student	Count	13	16	46	75	
		% within Occupation	17.3%	21.3%	61.3%	100.0%	
		% within Q4	20.0%	21.1%	16.3%	17.7%	
	Research Scholar	Count	16	22	93	131	
		% within Occupation	12.2%	16.8%	71.0%	100.0%	
		% within Q4	24.6%	28.9%	33.0%	31.0%	
	Others	Count	10	16	36	62	
		% within Occupation	16.1%	25.8%	58.1%	100.0%	
		% within Q4	15.4%	21.1%	12.8%	14.7%	
Total		Count	65	76	282	423	
		% within Occupation	15.4%	18.0%	66.7%	100.0%	
		% within Q4	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप हिंदी समाचार पत्र पढ़ते हैं? इस प्रश्न के उत्तर इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 0 प्रतिशत ऑनलाइन और 20 प्रतिशत ऑफलाइन और 80 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा

92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 19.6 प्रतिशत ऑनलाइन और 12 प्रतिशत ऑफलाइन और 68.5 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 14.3 प्रतिशत ऑनलाइन और 14.3 प्रतिशत ऑफलाइन और 71.4 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 11.1 प्रतिशत ऑनलाइन और 33.3 प्रतिशत ऑफलाइन और 55.6 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा 75 विद्यार्थियों में से 17.3 प्रतिशत ऑनलाइन और 21.3 प्रतिशत ऑफलाइन और 61.3 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा 131 शोधार्थियों में से 12.2 प्रतिशत ऑनलाइन और 16.8 प्रतिशत ऑफलाइन और 71 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा 62 अन्य लोगों में से 16.1 प्रतिशत ऑनलाइन और 25.8 प्रतिशत ऑफलाइन और 58.1 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 15.4 प्रतिशत लोग ऑनलाइन और 18 प्रतिशत ऑफलाइन और 66.7 प्रतिशत ऑन-ऑफलाइन दोनों तरह से हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं।

4.7.8. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के स्थान की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	11.022 ^a	12	.527
Likelihood Ratio	11.563	12	.481
Linear-by-Linear Association	.046	1	.830
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (23.8%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .77.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 11.022, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .527, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदातों का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं के व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 11.022, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .527, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्र पढ़ने के माध्यम के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार

किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, समाचार पत्रों के माध्यम (ऑनलाइन/ऑफलाइन) को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.9. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 5 आप हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ना पसंद करते हैं?							
			Q5 Do you like to read election news in Hindi newspapers?			Total	काई-स्क्वेर
			Yes	Sometimes	Very little		
Occupation	Labour	Count	3	2	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 13.638, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .324, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	60.0%	40.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q5	1.2%	3.8%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	61	8	23	92	
		% within Occupation	66.3%	8.7%	25.0%	100.0%	
		% within Q5	24.9%	15.1%	18.4%	21.7%	
	Government Employee	Count	22	7	20	49	
		% within Occupation	44.9%	14.3%	40.8%	100.0%	
		% within Q5	9.0%	13.2%	16.0%	11.6%	
	Businessman	Count	4	2	3	9	
		% within Occupation	44.4%	22.2%	33.3%	100.0%	
		% within Q5	1.6%	3.8%	2.4%	2.1%	
	Student	Count	44	9	22	75	
		% within Occupation	58.7%	12.0%	29.3%	100.0%	
		% within Q5	18.0%	17.0%	17.6%	17.7%	
	Research Scholar	Count	78	18	35	131	
		% within Occupation	59.5%	13.7%	26.7%	100.0%	
		% within Q5	31.8%	34.0%	28.0%	31.0%	
	Others	Count	33	7	22	62	
		% within Occupation	53.2%	11.3%	35.5%	100.0%	

		% within Q5	13.5%	13.2%	17.6%	14.7%	
Total	Count		245	53	125	423	
	% within Occupation		57.9%	12.5%	29.6%	100.0%	
	% within Q5		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न आप हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ना पसंद करते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 40 प्रतिशत ने कभी-कभी और 0 प्रतिशत ने बहुत कम तथा 92 प्राईवेट कर्मचारियों में से 66.3 प्रतिशत ने हाँ और 8.7 प्रतिशत कर्मचारियों ने कभी-कभी और 25 प्रतिशत ने बहुत कम तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 44.9 प्रतिशत ने हाँ और 14.3 प्रतिशत ने कभी-कभी और 40.8 प्रतिशत ने बहुत कम तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने कभी-कभी और 33.3 प्रतिशत ने बहुत कम तथा 75 विद्यार्थियों में से 58.7 प्रतिशत ने हाँ और 12 प्रतिशत ने कभी-कभी और 29.3 प्रतिशत ने बहुत कम तथा 131 शोधार्थियों में से 59.5 प्रतिशत ने हाँ और 13.7 प्रतिशत ने कभी-कभी और 26.7 प्रतिशत ने बहुत कम तथा 62 अन्य लोगों में से 53.2 प्रतिशत ने हाँ और 11.3 प्रतिशत ने कभी-कभी और 35.5 प्रतिशत ने बहुत कम तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 57.9 प्रतिशत ने हाँ और 12.5 प्रतिशत ने कभी-कभी और 29.6 प्रतिशत बहुत कम, चुनावी खबरें पढ़ना पसंद करते हैं।

4.7.10. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	13.638 ^a	12	.324
Likelihood Ratio	13.874	12	.309
Linear-by-Linear Association	.503	1	.478
N of Valid Cases	423		
a. 5 cells (23.8%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .63.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 13.638, डिग्री ऑफ फ्रीडम 12 की क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .324, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 13.638, क्रिटिकल वैल्यू 21.03 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .324, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ने की पसंद के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, समाचार पत्रों में चुनावी खबरों की पसंद को प्रभावित नहीं करता है।

4.7.11. व्यवसाय और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 6 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान किया था?								
			Q6 Did you vote in Loksabha Elections 2019 keeping in mind the election news published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	2	2	0	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 22.820, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87
		% within Occupation	40.0%	40.0%	0.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q6	1.2%	1.1%	0.0%	2.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	41	37	10	4	92	
		% within Occupation	44.6%	40.2%	10.9%	4.3%	100.0%	
		% within Q6	24.7%	20.7%	35.7%	8.0%	21.7%	
	Government Employee	Count	19	19	3	8	49	
		% within Occupation	38.8%	38.8%	6.1%	16.3%	100.0%	
		% within Q6	11.4%	10.6%	10.7%	16.0%	11.6%	
	Business man	Count	1	4	1	3	9	
% within Occupation		11.1%	44.4%	11.1%	33.3%	100.0%		

		% within Q6	0.6%	2.2%	3.6%	6.0%	2.1%	से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .198, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	Student	Count	33	27	6	9	75	
		% within Occupation	44.0%	36.0%	8.0%	12.0%	100.0%	
		% within Q6	19.9%	15.1%	21.4%	18.0%	17.7%	
	Research Scholar	Count	51	59	3	18	131	
		% within Occupation	38.9%	45.0%	2.3%	13.7%	100.0%	
		% within Q6	30.7%	33.0%	10.7%	36.0%	31.0%	
	Others	Count	19	31	5	7	62	
		% within Occupation	30.6%	50.0%	8.1%	11.3%	100.0%	
		% within Q6	11.4%	17.3%	17.9%	14.0%	14.7%	
Total		Count	166	179	28	50	423	
		% within Occupation	39.2%	42.3%	6.6%	11.8%	100.0%	
		% within Q6	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 40 प्रतिशत ने हाँ और 40 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 44.6 प्रतिशत ने हाँ और 40.2 प्रतिशत ने नहीं और 10.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 38.8 प्रतिशत ने हाँ और 38.8 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 11.1 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 33.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 44 प्रतिशत ने हाँ और 36 प्रतिशत ने नहीं और 8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 38.9 प्रतिशत ने हाँ और 45 प्रतिशत ने नहीं और 2.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 30.6 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 8.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 39.2 प्रतिशत ने हाँ और 42.3 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.12. व्यवसाय और समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	22.820 ^a	18	.198
Likelihood Ratio	24.765	18	.132
Linear-by-Linear Association	1.066	1	.302
N of Valid Cases	423		
a. 11 cells (39.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 22.820, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .198, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका में उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच अंतर के महत्व से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 22.820, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .198, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करता है।

4.7.13. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 7 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q7 Did you vote keeping in mind the election issues published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	4	1	0	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू
		% within Occupation	80.0%	20.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q8	3.0%	0.6%	0.0%	0.0%	1.2%	

	Private Employee	Count	27	37	11	17	92	16.1 71, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटि कल वैल्यू 28.8 7 से कम है और सिम्नी फिसेंट वैल्यू .581, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	29.3%	40.2%	12.0%	18.5%	100.0%	
		% within Q8	20.5%	21.5%	25.6%	22.4%	21.7%	
	Governm ent Employee	Count	16	16	5	12	49	
		% within Occupation	32.7%	32.7%	10.2%	24.5%	100.0%	
		% within Q8	12.1%	9.3%	11.6%	15.8%	11.6%	
	Business man	Count	3	4	1	1	9	
		% within Occupation	33.3%	44.4%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q8	2.3%	2.3%	2.3%	1.3%	2.1%	
	Student	Count	29	24	9	13	75	
		% within Occupation	38.7%	32.0%	12.0%	17.3%	100.0%	
		% within Q8	22.0%	14.0%	20.9%	17.1%	17.7%	
	Research Scholar	Count	37	59	10	25	131	
		% within Occupation	28.2%	45.0%	7.6%	19.1%	100.0%	
		% within Q8	28.0%	34.3%	23.3%	32.9%	31.0%	
	Others	Count	16	31	7	8	62	
		% within Occupation	25.8%	50.0%	11.3%	12.9%	100.0%	
		% within Q8	12.1%	18.0%	16.3%	10.5%	14.7%	
Total		Count	132	172	43	76	423	
		% within Occupation	31.2%	40.7%	10.2%	18.0%	100.0%	
		% within Q8	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 80 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 29.3 प्रतिशत ने हाँ और 40.2 प्रतिशत ने नहीं और 12 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 18.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 32.7 प्रतिशत ने हाँ और 32.7 प्रतिशत ने नहीं और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 24.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 38.7

प्रतिशत ने हाँ और 32 प्रतिशत ने नहीं और 12 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 28.2 प्रतिशत ने हाँ और 45 प्रतिशत ने नहीं और 7.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 19.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 25.8 प्रतिशत ने हाँ और 50 प्रतिशत ने नहीं और 11.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 31.2 प्रतिशत ने हाँ और 40.7 प्रतिशत ने नहीं और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 18 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.14. व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	16.171 ^a	18	.581
Likelihood Ratio	16.604	18	.550
Linear-by-Linear Association	.015	1	.901
N of Valid Cases	423		
a. 9 cells (32.1%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .51.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 16.171, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .581, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका में उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 16.171, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .581, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की प्रक्रिया या व्यवहार को प्रभावित नहीं करता है।

4.7.15. व्यवसाय और रोजगार के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 8 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान करते समय रोजगार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q8 Did you vote keeping employment issues in mind while voting in Lok Sabha Elections 2019?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occu- pation	Labour	Count	5	0	0	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 10.361, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .919, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	100.0%	0.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q9	1.7%	0.0%	0.0%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	64	12	5	11	92	
		% within Occupation	69.6%	13.0%	5.4%	12.0%	100.0%	
		% within Q9	21.7%	19.4%	19.2%	27.5%	21.7%	
	Government Employee	Count	32	9	3	5	49	
		% within Occupation	65.3%	18.4%	6.1%	10.2%	100.0%	
		% within Q9	10.8%	14.5%	11.5%	12.5%	11.6%	
	Business man	Count	7	0	1	1	9	
		% within Occupation	77.8%	0.0%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q9	2.4%	0.0%	3.8%	2.5%	2.1%	
	Student	Count	54	9	5	7	75	
		% within Occupation	72.0%	12.0%	6.7%	9.3%	100.0%	
		% within Q9	18.3%	14.5%	19.2%	17.5%	17.7%	
	Research Scholar	Count	89	20	11	11	131	
		% within Occupation	67.9%	15.3%	8.4%	8.4%	100.0%	
		% within Q9	30.2%	32.3%	42.3%	27.5%	31.0%	
	Others	Count	44	12	1	5	62	
		% within Occupation	71.0%	19.4%	1.6%	8.1%	100.0%	
		% within Q9	14.9%	19.4%	3.8%	12.5%	14.7%	
Total		Count	295	62	26	40	423	

	% within Occupation	69.7%	14.7%	6.1%	9.5%	100.0%	
	% within Q9	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान करते समय रोजगार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 100 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 69.6 प्रतिशत ने हाँ और 13 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 65.3 प्रतिशत ने हाँ और 18.4 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 77.8 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 72 प्रतिशत ने हाँ और 12 प्रतिशत ने नहीं और 6.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 67.9 प्रतिशत ने हाँ और 15.3 प्रतिशत ने नहीं और 8.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 71 प्रतिशत ने हाँ और 19.4 प्रतिशत ने नहीं और 1.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 69.7 प्रतिशत ने हाँ और 14.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.16. व्यवसाय और रोजगार के मुद्दे की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	10.361 ^a	18	.919
Likelihood Ratio	13.679	18	.750
Linear-by-Linear Association	.169	1	.681
N of Valid Cases	423		
a. 11 cells (39.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .31.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 10.361, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .919, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 10.361, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .919, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार के मुद्दे के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, लोक सभा चुनाव 2019 के मतदान में रोजगार का मुद्दा मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करता है।

4.7.17. व्यवसाय और राम मंदिर के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 9 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?							
			Q9 Did you vote in Loksabha elections 2019 keeping in mind the issue of Ram Mandir?				Total
			Yes	No	Can't say	To some extent	
Occupation	Labour	Count	5	0	0	0	5
		% within Occupation	100.0%	0.0%	0.0%	0.0%	100.0%
		% within Q10	4.1%	0.0%	0.0%	0.0%	1.2%
	Private Employee	Count	27	56	4	5	92
		% within Occupation	29.3%	60.9%	4.3%	5.4%	100.0%
		% within Q10	22.3%	22.4%	21.1%	15.2%	21.7%
	Government Employee	Count	11	31	1	6	49
		% within Occupation	22.4%	63.3%	2.0%	12.2%	100.0%
		% within Q10	9.1%	12.4%	5.3%	18.2%	11.6%
	Businessman	Count	2	5	1	1	9
		% within Occupation	22.2%	55.6%	11.1%	11.1%	100.0%
		% within Q10	1.7%	2.0%	5.3%	3.0%	2.1%
	Student	Count	25	39	2	9	75
		% within Occupation	33.3%	52.0%	2.7%	12.0%	100.0%

		% within Q10	20.7%	15.6%	10.5%	27.3%	17.7%	.044, पी वैल्यू .05 से कम है।
	Research Scholar	Count	34	84	4	9	131	
		% within Occupation	26.0%	64.1%	3.1%	6.9%	100.0%	
		% within Q10	28.1%	33.6%	21.1%	27.3%	31.0%	
	Others	Count	17	35	7	3	62	
		% within Occupation	27.4%	56.5%	11.3%	4.8%	100.0%	
		% within Q10	14.0%	14.0%	36.8%	9.1%	14.7%	
Total		Count	121	250	19	33	423	
		% within Occupation	28.6%	59.1%	4.5%	7.8%	100.0%	
		% within Q10	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 100 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 29.3 प्रतिशत ने हाँ और 60.9 प्रतिशत ने नहीं और 4.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 22.4 प्रतिशत ने हाँ और 63.3 प्रतिशत ने नहीं और 2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 22.2 प्रतिशत ने हाँ और 55.6 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 52 प्रतिशत ने नहीं और 2.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 26 प्रतिशत ने हाँ और 64.1 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 27.4 प्रतिशत ने हाँ और 56.5 प्रतिशत ने नहीं और 11.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 28.6 प्रतिशत ने हाँ और 59.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.18. व्यवसाय और राम मंदिर के मुद्दे की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	29.339^a	18	.044
Likelihood Ratio	27.361	18	.072
Linear-by-Linear Association	.499	1	.480

N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .22.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 29.339, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .044, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और राम मंदिर को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और राम मंदिर को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 29.339, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .044, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, राम मंदिर के मुद्दे से मतदान व्यवहार को प्रभावित कर सकता है।

4.7.19. व्यवसाय और धारा 370 की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 10 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर में धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q10 Did you vote in Loksabha elections 2019 keeping in mind the issue of abrogation of Article 370 in Kashmir?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	5	0	0	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 25.779, डिग्री
		% within Occupation	100.0%	0.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q11	3.3%	0.0%	0.0%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	38	43	7	4	92	
		% within Occupation	41.3%	46.7%	7.6%	4.3%	100.0%	
		% within Q11	25.2%	20.1%	23.3%	14.3%	21.7%	

	Government Employee	Count	15	28	2	4	49	ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .105, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	30.6%	57.1%	4.1%	8.2%	100.0%	
		% within Q11	9.9%	13.1%	6.7%	14.3%	11.6%	
	Business man	Count	5	3	1	0	9	
		% within Occupation	55.6%	33.3%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q11	3.3%	1.4%	3.3%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	31	31	4	9	75	
		% within Occupation	41.3%	41.3%	5.3%	12.0%	100.0%	
		% within Q11	20.5%	14.5%	13.3%	32.1%	17.7%	
	Research Scholar	Count	38	76	9	8	131	
		% within Occupation	29.0%	58.0%	6.9%	6.1%	100.0%	
		% within Q11	25.2%	35.5%	30.0%	28.6%	31.0%	
	Others	Count	19	33	7	3	62	
		% within Occupation	30.6%	53.2%	11.3%	4.8%	100.0%	
		% within Q11	12.6%	15.4%	23.3%	10.7%	14.7%	
Total	Count		151	214	30	28	423	
	% within Occupation		35.7%	50.6%	7.1%	6.6%	100.0%	
	% within Q11		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर में धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 100 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 41.3 प्रतिशत ने हाँ और 46.7 प्रतिशत ने नहीं और 7.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 30.6 प्रतिशत ने हाँ और 57.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 41.3 प्रतिशत ने हाँ और 41.3 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 29 प्रतिशत ने हाँ और 58 प्रतिशत ने नहीं और 6.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 30.6 प्रतिशत ने हाँ और 53.2 प्रतिशत

ने नहीं और 11.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 35.7 प्रतिशत ने हाँ और 50.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.20. व्यवसाय और धारा 370 काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	25.779 ^a	18	.105
Likelihood Ratio	27.042	18	.078
Linear-by-Linear Association	3.161	1	.075
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 25.779, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .105, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 25.779, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .105, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय कश्मीर से धारा 370 हटाने वाला मुद्दा मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.21. व्यवसाय और भ्रष्टाचार के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 11 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

			Q11 Did you vote keeping in mind the issues of corruption published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	4	1	0	0	5	कल्कुलेटि व वैल्यू 18.473, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .425, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	80.0%	20.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q12	1.5%	1.2%	0.0%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	57	22	5	8	92	
		% within Occupation	62.0%	23.9%	5.4%	8.7%	100.0%	
		% within Q12	21.9%	25.6%	21.7%	14.8%	21.7%	
	Government Employee	Count	29	9	3	8	49	
		% within Occupation	59.2%	18.4%	6.1%	16.3%	100.0%	
		% within Q12	11.2%	10.5%	13.0%	14.8%	11.6%	
	Businessman	Count	6	1	1	1	9	
		% within Occupation	66.7%	11.1%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q12	2.3%	1.2%	4.3%	1.9%	2.1%	
	Student	Count	55	7	3	10	75	
		% within Occupation	73.3%	9.3%	4.0%	13.3%	100.0%	
		% within Q12	21.2%	8.1%	13.0%	18.5%	17.7%	
	Research Scholar	Count	69	32	7	23	131	
		% within Occupation	52.7%	24.4%	5.3%	17.6%	100.0%	
		% within Q12	26.5%	37.2%	30.4%	42.6%	31.0%	
	Others	Count	40	14	4	4	62	
		% within Occupation	64.5%	22.6%	6.5%	6.5%	100.0%	
		% within Q12	15.4%	16.3%	17.4%	7.4%	14.7%	
Total		Count	260	86	23	54	423	
		% within Occupation	61.5%	20.3%	5.4%	12.8%	100.0%	
		% within Q12	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 80 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 62 प्रतिशत ने हाँ और 23.9 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 59.2 प्रतिशत ने हाँ और 18.4 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 73.3 प्रतिशत ने हाँ और 9.3 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 52.7 प्रतिशत ने हाँ और 24.4 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 64.5 प्रतिशत ने हाँ और 22.6 प्रतिशत ने नहीं और 6.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 61.5 प्रतिशत ने हाँ और 20.3 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.22. व्यवसाय और भ्रष्टाचार के मुद्दे की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	18.473 ^a	18	.425
Likelihood Ratio	20.643	18	.298
Linear-by-Linear Association	.569	1	.451
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (35.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .27.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 18.473, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .425, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 18.473, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .425, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना शैक्षिक योग्यता और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.23. व्यवसाय और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 12 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q12 Did you vote keeping in mind the justice you get in criminal incidents published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	1	0	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 16.749, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम
		% within Occupation	60.0%	20.0%	0.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q13	1.3%	1.1%	0.0%	1.4%	1.2%	
	Private Employee	Count	49	21	7	15	92	
		% within Occupation	53.3%	22.8%	7.6%	16.3%	100.0%	
		% within Q13	22.0%	22.6%	18.4%	21.7%	21.7%	
	Government Employee	Count	22	14	6	7	49	
		% within Occupation	44.9%	28.6%	12.2%	14.3%	100.0%	
		% within Q13	9.9%	15.1%	15.8%	10.1%	11.6%	
	Business man	Count	5	2	1	1	9	
		% within Occupation	55.6%	22.2%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q13	2.2%	2.2%	2.6%	1.4%	2.1%	
	Student	Count	50	11	4	10	75	

		% within Occupation	66.7%	14.7%	5.3%	13.3%	100.0%	है और सिग्नी फिसेंट वैल्यू .540, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q13	22.4%	11.8%	10.5%	14.5%	17.7%	
	Research Scholar	Count	59	28	15	29	131	
		% within Occupation	45.0%	21.4%	11.5%	22.1%	100.0%	
		% within Q13	26.5%	30.1%	39.5%	42.0%	31.0%	
	Others	Count	35	16	5	6	62	
		% within Occupation	56.5%	25.8%	8.1%	9.7%	100.0%	
		% within Q13	15.7%	17.2%	13.2%	8.7%	14.7%	
	Total	Count	223	93	38	69	423	
		% within Occupation	52.7%	22.0%	9.0%	16.3%	100.0%	
% within Q13		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%		

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 53.3 प्रतिशत ने हाँ और 22.8 प्रतिशत ने नहीं और 7.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 44.9 प्रतिशत ने हाँ और 28.6 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 14.7 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 45 प्रतिशत ने हाँ और 21.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 22.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 56.5 प्रतिशत ने हाँ और 25.8 प्रतिशत ने नहीं और 8.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 52.7 प्रतिशत ने हाँ और 22 प्रतिशत ने नहीं और 9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.24. व्यवसाय और आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)

Pearson Chi-Square	16.749 ^a	18	.540
Likelihood Ratio	17.353	18	.499
Linear-by-Linear Association	.031	1	.859
N of Valid Cases	423		
a. 9 cells (32.1%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .45.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 16.749, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .540, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 16.749, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .540, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने वालों के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाला न्याय मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.25. व्यवसाय और अर्थव्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 13 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q13 Did you vote keeping in mind the issue of economy of the country published in Hindi newspapers?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	1	0	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू
		% within Occupation	60.0%	20.0%	0.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q14	1.1%	1.3%	0.0%	2.0%	1.2%	

	Private Employee	Count	64	18	3	7	92	25.116 , डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .122, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	69.6%	19.6%	3.3%	7.6%	100.0%	
		% within Q14	23.4%	23.1%	14.3%	13.7%	21.7%	
	Government Employee	Count	27	8	2	12	49	
		% within Occupation	55.1%	16.3%	4.1%	24.5%	100.0%	
		% within Q14	9.9%	10.3%	9.5%	23.5%	11.6%	
	Businessman	Count	7	0	1	1	9	
		% within Occupation	77.8%	0.0%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q14	2.6%	0.0%	4.8%	2.0%	2.1%	
	Student	Count	53	14	3	5	75	
		% within Occupation	70.7%	18.7%	4.0%	6.7%	100.0%	
		% within Q14	19.4%	17.9%	14.3%	9.8%	17.7%	
	Research Scholar	Count	76	23	9	23	131	
		% within Occupation	58.0%	17.6%	6.9%	17.6%	100.0%	
		% within Q14	27.8%	29.5%	42.9%	45.1%	31.0%	
Others	Count	43	14	3	2	62		
	% within Occupation	69.4%	22.6%	4.8%	3.2%	100.0%		
	% within Q14	15.8%	17.9%	14.3%	3.9%	14.7%		
Total		Count	273	78	21	51	423	
		% within Occupation	64.5%	18.4%	5.0%	12.1%	100.0%	
		% within Q14	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राईवेट कर्मचारियों में से 69.6 प्रतिशत ने हाँ और 19.6 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 55.1 प्रतिशत ने हाँ और 16.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 24.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 77.8 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों

में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 18.7 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 58 प्रतिशत ने हाँ और 17.6 प्रतिशत ने नहीं और 6.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 69.4 प्रतिशत ने हाँ और 22.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 64.5 प्रतिशत ने हाँ और 18.4 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.26. व्यवसाय और अर्थव्यवस्था के मुद्दे की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	25.116 ^a	18	.122
Likelihood Ratio	27.156	18	.076
Linear-by-Linear Association	.020	1	.887
N of Valid Cases	423		
a. 11 cells (39.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .25.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 25.116, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .122, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 25.116, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .122, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

4.7.27. व्यवसाय और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

			Q14 Did you vote keeping in mind the clarity of the foreign policy of a particular party?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	2	1	1	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 9.765, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .939, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	40.0%	20.0%	20.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q15	1.0%	0.7%	2.9%	2.4%	1.2%	
	Private Employee	Count	43	33	7	9	92	
		% within Occupation	46.7%	35.9%	7.6%	9.8%	100.0%	
		% within Q15	21.9%	21.9%	20.0%	22.0%	21.7%	
	Government Employee	Count	25	13	4	7	49	
		% within Occupation	51.0%	26.5%	8.2%	14.3%	100.0%	
		% within Q15	12.8%	8.6%	11.4%	17.1%	11.6%	
	Businessman	Count	3	4	1	1	9	
		% within Occupation	33.3%	44.4%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q15	1.5%	2.6%	2.9%	2.4%	2.1%	
	Student	Count	39	23	6	7	75	
		% within Occupation	52.0%	30.7%	8.0%	9.3%	100.0%	
		% within Q15	19.9%	15.2%	17.1%	17.1%	17.7%	
	Research Scholar	Count	57	52	9	13	131	
		% within Occupation	43.5%	39.7%	6.9%	9.9%	100.0%	
		% within Q15	29.1%	34.4%	25.7%	31.7%	31.0%	
	Others	Count	27	25	7	3	62	
		% within Occupation	43.5%	40.3%	11.3%	4.8%	100.0%	
		% within Q15	13.8%	16.6%	20.0%	7.3%	14.7%	
Total		Count	196	151	35	41	423	

कलकुले टिव वैल्यू 9.765, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .939, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

	% within Occupation	46.3%	35.7%	8.3%	9.7%	100.0%	
	% within Q15	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 40 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 46.7 प्रतिशत ने हाँ और 35.9 प्रतिशत ने नहीं और 7.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 51 प्रतिशत ने हाँ और 26.5 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 52 प्रतिशत ने हाँ और 30.7 प्रतिशत ने नहीं और 8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 43.5 प्रतिशत ने हाँ और 39.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 43.5 प्रतिशत ने हाँ और 40.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 46.3 प्रतिशत ने हाँ और 35.7 प्रतिशत ने नहीं और 8.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.28. व्यवसाय और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	9.765 ^a	18	.939
Likelihood Ratio	9.718	18	.941
Linear-by-Linear Association	.143	1	.705
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (35.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .41.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 9.765, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .939, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 9.765, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .939, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.29. व्यवसाय और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले वादों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 15 क्या आपने पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q15 Did you vote keeping in mind the development promises made by the parties?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	1	1	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 14.273, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिक
		% within Occupation	60.0%	20.0%	20.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q16	1.3%	0.8%	4.3%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	50	26	4	12	92	
		% within Occupation	54.3%	28.3%	4.3%	13.0%	100.0%	
		% within Q16	21.8%	22.0%	17.4%	22.6%	21.7%	
	Government Employee	Count	24	17	4	4	49	
		% within Occupation	49.0%	34.7%	8.2%	8.2%	100.0%	
		% within Q16	10.5%	14.4%	17.4%	7.5%	11.6%	
	Businessman	Count	7	0	1	1	9	
		% within Occupation	77.8%	0.0%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q16	3.1%	0.0%	4.3%	1.9%	2.1%	
		Count	46	17	5	7	75	

	Student	% within Occupation	61.3%	22.7%	6.7%	9.3%	100.0%	सेंट वैल्यू .711, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q16	20.1%	14.4%	21.7%	13.2%	17.7%	
	Research Scholar	Count	66	38	6	21	131	
		% within Occupation	50.4%	29.0%	4.6%	16.0%	100.0%	
		% within Q16	28.8%	32.2%	26.1%	39.6%	31.0%	
	Others	Count	33	19	2	8	62	
		% within Occupation	53.2%	30.6%	3.2%	12.9%	100.0%	
		% within Q16	14.4%	16.1%	8.7%	15.1%	14.7%	
	Total		Count	229	118	23	53	
% within Occupation			54.1%	27.9%	5.4%	12.5%	100.0%	
% within Q16			100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 54.3 प्रतिशत ने हाँ और 28.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 49 प्रतिशत ने हाँ और 34.7 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 77.8 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 61.3 प्रतिशत ने हाँ और 22.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 50.4 प्रतिशत ने हाँ और 29 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 53.2 प्रतिशत ने हाँ और 30.6 प्रतिशत ने नहीं और 3.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 54.1 प्रतिशत ने हाँ और 27.9 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.30. व्यवसाय और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले वादों की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)

Pearson Chi-Square	14.273 ^a	18	.711
Likelihood Ratio	16.433	18	.562
Linear-by-Linear Association	.241	1	.624
N of Valid Cases	423		
a. 11 cells (39.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .27.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 14.273, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .711, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 14.273, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .711, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, पार्टियों द्वारा किए जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.31. व्यवसाय और कृषि आधारित मुद्दों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 16 क्या आपने कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?							
			Q16 Did you vote keeping in mind the issues based on agriculture?				काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent	
Occupation	Labor	Count	3	1	1	0	कल्कुलेटिव वैल्यू 27.349, डिग्री
		% within Occupation	60.0%	20.0%	20.0%	0.0%	
		% within Q17	1.2%	1.2%	3.6%	0.0%	
		Count	51	21	10	10	
							92

	Private Employee	% within Occupation	55.4%	22.8%	10.9%	10.9%	100.0%	ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .073, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q17	19.7%	25.0%	35.7%	19.2%	21.7%	
	Government Employee	Count	26	12	5	6	49	
		% within Occupation	53.1%	24.5%	10.2%	12.2%	100.0%	
		% within Q17	10.0%	14.3%	17.9%	11.5%	11.6%	
	Businessman	Count	8	0	1	0	9	
		% within Occupation	88.9%	0.0%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q17	3.1%	0.0%	3.6%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	55	8	3	9	75	
		% within Occupation	73.3%	10.7%	4.0%	12.0%	100.0%	
		% within Q17	21.2%	9.5%	10.7%	17.3%	17.7%	
	Research Scholar	Count	75	27	5	24	131	
		% within Occupation	57.3%	20.6%	3.8%	18.3%	100.0%	
		% within Q17	29.0%	32.1%	17.9%	46.2%	31.0%	
	Others	Count	41	15	3	3	62	
% within Occupation		66.1%	24.2%	4.8%	4.8%	100.0%		
% within Q17		15.8%	17.9%	10.7%	5.8%	14.7%		
Total		Count	259	84	28	52	423	
		% within Occupation	61.2%	19.9%	6.6%	12.3%	100.0%	
		% within Q17	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 55.4 प्रतिशत ने हाँ और 22.8 प्रतिशत ने नहीं और 10.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 53.1 प्रतिशत ने हाँ और 24.5 प्रतिशत ने नहीं और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 88.9 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 73.3 प्रतिशत ने हाँ और 10.7

प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 57.3 प्रतिशत ने हाँ और 20.6 प्रतिशत ने नहीं और 3.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 18.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 66.1 प्रतिशत ने हाँ और 24.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 61.2 प्रतिशत ने हाँ और 19.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.32. व्यवसाय और कृषि आधारित मुद्दों की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	27.349 ^a	18	.073
Likelihood Ratio	30.922	18	.029
Linear-by-Linear Association	.760	1	.383
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (35.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 27.349, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .073, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 27.349, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .073, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.33. व्यवसाय और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 17 क्या आपने पार्टी की लोकतांत्रिक विचार धारा को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q17 Did you vote keeping in mind the party's democratic ideology?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	0	0	2	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 22.619, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .206, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	60.0%	0.0%	0.0%	40.0%	100.0%	
		% within Q18	1.0%	0.0%	0.0%	3.8%	1.2%	
	Private Employee	Count	56	21	6	9	92	
		% within Occupation	60.9%	22.8%	6.5%	9.8%	100.0%	
		% within Q18	19.6%	34.4%	25.0%	17.3%	21.7%	
	Government Employee	Count	34	4	4	7	49	
		% within Occupation	69.4%	8.2%	8.2%	14.3%	100.0%	
		% within Q18	11.9%	6.6%	16.7%	13.5%	11.6%	
	Businessman	Count	8	0	1	0	9	
		% within Occupation	88.9%	0.0%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q18	2.8%	0.0%	4.2%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	49	8	5	13	75	
		% within Occupation	65.3%	10.7%	6.7%	17.3%	100.0%	
		% within Q18	17.1%	13.1%	20.8%	25.0%	17.7%	
	Research Scholar	Count	89	18	6	18	131	
		% within Occupation	67.9%	13.7%	4.6%	13.7%	100.0%	
		% within Q18	31.1%	29.5%	25.0%	34.6%	31.0%	
	Others	Count	47	10	2	3	62	
		% within Occupation	75.8%	16.1%	3.2%	4.8%	100.0%	
		% within Q18	16.4%	16.4%	8.3%	5.8%	14.7%	
Total		Count	286	61	24	52	423	

काई-स्क्वेर
कलकुलेटिव वैल्यू 22.619, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .206, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

	% within Occupation	67.6%	14.4%	5.7%	12.3%	100.0%	
	% within Q18	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टी की लोकतांत्रिक विचार धारा को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 40 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 60.9 प्रतिशत ने हाँ और 22.8 प्रतिशत ने नहीं और 6.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 69.4 प्रतिशत ने हाँ और 8.2 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 88.9 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 65.3 प्रतिशत ने हाँ और 10.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 67.9 प्रतिशत ने हाँ और 13.7 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 75.8 प्रतिशत ने हाँ और 16.1 प्रतिशत ने नहीं और 3.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 67.6 प्रतिशत ने हाँ और 14.4 प्रतिशत ने नहीं और 5.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.34. व्यवसाय और पार्टी की लोकतांत्रिक विचार धारा की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	22.619 ^a	18	.206
Likelihood Ratio	25.085	18	.123
Linear-by-Linear Association	1.550	1	.213
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (35.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .28.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 22.619, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .206, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 22.619, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .206, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, पार्टी की लोकतांत्रिक विचारधारा को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.35. व्यवसाय और लैंगिंग न्याय की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 18 क्या आपने लैंगिक न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q18 Did you vote with gender justice in mind?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labor	Count	4	0	1	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 14.867, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू
		% within Occupation	80.0%	0.0%	20.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q19	1.7%	0.0%	2.7%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	54	18	10	10	92	
		% within Occupation	58.7%	19.6%	10.9%	10.9%	100.0%	
			22.6%	18.0%	27.0%	21.3%	21.7%	
	Government Employee	Count	26	13	3	7	49	
		% within Occupation	53.1%	26.5%	6.1%	14.3%	100.0%	
		% within Q19	10.9%	13.0%	8.1%	14.9%	11.6%	
	Businessman	Count	5	3	1	0	9	
		% within Occupation	55.6%	33.3%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q19	2.1%	3.0%	2.7%	0.0%	2.1%	
		Count	47	15	6	7	75	

	Student	% within Occupation	62.7%	20.0%	8.0%	9.3%	100.0%	.671, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q19	19.7%	15.0%	16.2%	14.9%	17.7%	
	Research Scholar	Count	69	30	13	19	131	
		% within Occupation	52.7%	22.9%	9.9%	14.5%	100.0%	
		% within Q19	28.9%	30.0%	35.1%	40.4%	31.0%	
	Others	Count	34	21	3	4	62	
		% within Occupation	54.8%	33.9%	4.8%	6.5%	100.0%	
		% within Q19	14.2%	21.0%	8.1%	8.5%	14.7%	
	Total	Count	239	100	37	47	423	
		% within Occupation	56.5%	23.6%	8.7%	11.1%	100.0%	
		% within Q19	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लैंगिक न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 80 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 58.7 प्रतिशत ने हाँ और 19.6 प्रतिशत ने नहीं और 10.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 53.1 प्रतिशत ने हाँ और 26.5 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 62.7 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 52.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.9 प्रतिशत ने नहीं और 9.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 54.8 प्रतिशत ने हाँ और 33.9 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 56.5 प्रतिशत ने हाँ और 23.6 प्रतिशत ने नहीं और 8.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.36. व्यवसाय और लैंगिक न्याय की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	14.867 ^a	18	.671

Likelihood Ratio	17.317	18	.501
Linear-by-Linear Association	.012	1	.913
N of Valid Cases	423		
a. 8 cells (28.6%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .44.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 14.867, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .671, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 14.867, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .671, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, लैंगिंग न्याय को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.37. व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 19 क्या आपने राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान किया था?								
			Q29 Did you vote after being influenced by the security measurement of political parties?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	1	1	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 10.542, डिग्री ऑफ फ्रीडम
		% within Occupation	60.0%	20.0%	20.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q20	1.8%	0.6%	2.1%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	38	37	8	9	92	
		% within Occupation	41.3%	40.2%	8.7%	9.8%	100.0%	
		% within Q20	22.6%	22.4%	17.0%	20.9%	21.7%	

	Government Employee	Count	18	20	6	5	49	18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .913, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	36.7%	40.8%	12.2%	10.2%	100.0%	
		% within Q20	10.7%	12.1%	12.8%	11.6%	11.6%	
	Businessman	Count	2	5	1	1	9	
		% within Occupation	22.2%	55.6%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q20	1.2%	3.0%	2.1%	2.3%	2.1%	
	Student	Count	31	26	6	12	75	
		% within Occupation	41.3%	34.7%	8.0%	16.0%	100.0%	
		% within Q20	18.5%	15.8%	12.8%	27.9%	17.7%	
	Research Scholar	Count	55	51	15	10	131	
		% within Occupation	42.0%	38.9%	11.5%	7.6%	100.0%	
		% within Q20	32.7%	30.9%	31.9%	23.3%	31.0%	
	Others	Count	21	25	10	6	62	
		% within Occupation	33.9%	40.3%	16.1%	9.7%	100.0%	
		% within Q20	12.5%	15.2%	21.3%	14.0%	14.7%	
	Total	Count	168	165	47	43	423	
		% within Occupation	39.7%	39.0%	11.1%	10.2%	100.0%	
		% within Q20	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 41.3 प्रतिशत ने हाँ और 40.2 प्रतिशत ने नहीं और 8.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 36.7 प्रतिशत ने हाँ और 40.8 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 22.2 प्रतिशत ने हाँ और 55.6 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 41.3 प्रतिशत ने हाँ और 34.7 प्रतिशत ने नहीं और 8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 42 प्रतिशत ने हाँ और 38.9 प्रतिशत ने नहीं और 11.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 33.9 प्रतिशत ने हाँ और 40.3 प्रतिशत ने नहीं

और 16.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 39.7 प्रतिशत ने हाँ और 39 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.38. व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	10.542 ^a	18	.913
Likelihood Ratio	10.746	18	.905
Linear-by-Linear Association	.214	1	.644
N of Valid Cases	423		
a. 9 cells (32.1%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .51.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 10.542, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .913, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 10.542, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .913, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.39. व्यवसाय और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 20 क्या आपने स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?

			Q20 Did you vote keeping the health system in mind?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	1	1	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 12.967, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .794, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	60.0%	20.0%	20.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q21	1.0%	1.4%	4.8%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	65	16	3	8	92	
		% within Occupation	70.7%	17.4%	3.3%	8.7%	100.0%	
		% within Q21	22.0%	23.2%	14.3%	21.1%	21.7%	
	Government Employee	Count	32	8	3	6	49	
		% within Occupation	65.3%	16.3%	6.1%	12.2%	100.0%	
		% within Q21	10.8%	11.6%	14.3%	15.8%	11.6%	
	Business man	Count	7	1	1	0	9	
		% within Occupation	77.8%	11.1%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q21	2.4%	1.4%	4.8%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	56	6	3	10	75	
		% within Occupation	74.7%	8.0%	4.0%	13.3%	100.0%	
		% within Q21	19.0%	8.7%	14.3%	26.3%	17.7%	
	Research Scholar	Count	90	25	7	9	131	
		% within Occupation	68.7%	19.1%	5.3%	6.9%	100.0%	
		% within Q21	30.5%	36.2%	33.3%	23.7%	31.0%	
	Others	Count	42	12	3	5	62	
		% within Occupation	67.7%	19.4%	4.8%	8.1%	100.0%	
		% within Q21	14.2%	17.4%	14.3%	13.2%	14.7%	
Total		Count	295	69	21	38	423	
		% within Occupation	69.7%	16.3%	5.0%	9.0%	100.0%	
		% within Q21	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 17.4 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 65.3 प्रतिशत ने हाँ और 16.3 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 77.8 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 74.7 प्रतिशत ने हाँ और 8 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 68.7 प्रतिशत ने हाँ और 19.1 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 67.7 प्रतिशत ने हाँ और 19.4 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 69.7 प्रतिशत ने हाँ और 16.3 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.40. व्यवसाय और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	12.967 ^a	18	.794
Likelihood Ratio	13.622	18	.753
Linear-by-Linear Association	.031	1	.861
N of Valid Cases	423		
a. 12 cells (42.9%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .25.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 12.967, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .794, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 12.967, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .794, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.41. व्यवसाय और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 21 क्या आपने शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?								
			Q21 Did you vote keeping in mind the education system?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	4	0	0	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 25.050, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .124, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	80.0%	0.0%	0.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q22	1.2%	0.0%	0.0%	3.3%	1.2%	
	Private Employee	Count	79	9	1	3	92	
		% within Occupation	85.9%	9.8%	1.1%	3.3%	100.0%	
		% within Q22	23.3%	21.4%	8.3%	10.0%	21.7%	
	Government Employee	Count	37	2	2	8	49	
		% within Occupation	75.5%	4.1%	4.1%	16.3%	100.0%	
		% within Q22	10.9%	4.8%	16.7%	26.7%	11.6%	
	Businessman	Count	7	1	1	0	9	
		% within Occupation	77.8%	11.1%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q22	2.1%	2.4%	8.3%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	66	4	1	4	75	
		% within Occupation	88.0%	5.3%	1.3%	5.3%	100.0%	
		% within Q22	19.5%	9.5%	8.3%	13.3%	17.7%	
		Count	98	17	4	12	131	

	Research Scholar	% within Occupation	74.8%	13.0%	3.1%	9.2%	100.0%
		% within Q22	28.9%	40.5%	33.3%	40.0%	31.0%
	Others	Count	48	9	3	2	62
		% within Occupation	77.4%	14.5%	4.8%	3.2%	100.0%
		% within Q22	14.2%	21.4%	25.0%	6.7%	14.7%
	Total	Count	339	42	12	30	423
% within Occupation		80.1%	9.9%	2.8%	7.1%	100.0%	
% within Q22		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 80 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 85.9 प्रतिशत ने हाँ और 9.8 प्रतिशत ने नहीं और 1.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 75.5 प्रतिशत ने हाँ और 4.1 प्रतिशत ने नहीं और 4.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 77.8 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 88 प्रतिशत ने हाँ और 5.3 प्रतिशत ने नहीं और 1.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 74.8 प्रतिशत ने हाँ और 13 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 77.4 प्रतिशत ने हाँ और 14.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 80.1 प्रतिशत ने हाँ और 9.9 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.42. व्यवसाय और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	25.050 ^a	18	.124
Likelihood Ratio	24.981	18	.125
Linear-by-Linear Association	.494	1	.482
N of Valid Cases	423		

a. 15 cells (53.6%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .14.

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 25.050, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .124, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 25.050, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .124, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.43. व्यवसाय और आरक्षण व्यवस्था की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 22 क्या आपने आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?								
			Q22 Did you vote keeping in mind the reservation system?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	4	0	1	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 12.62, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की
		% within Occupation	80.0%	0.0%	20.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q23	2.1%	0.0%	2.4%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	37	41	8	6	92	
		% within Occupation	40.2%	44.6%	8.7%	6.5%	100.0%	
		% within Q23	19.0%	26.1%	19.0%	20.7%	21.7%	
	Government	Count	22	17	5	5	49	
		% within Occupation	44.9%	34.7%	10.2%	10.2%	100.0%	

	Employee	% within Q23	11.3%	10.8%	11.9%	17.2%	11.6%	क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .813, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	Businessman	Count	6	2	1	0	9	
		% within Occupation	66.7%	22.2%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q23	3.1%	1.3%	2.4%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	38	27	6	4	75	
		% within Occupation	50.7%	36.0%	8.0%	5.3%	100.0%	
		% within Q23	19.5%	17.2%	14.3%	13.8%	17.7%	
	Research Scholar	Count	64	46	12	9	131	
		% within Occupation	48.9%	35.1%	9.2%	6.9%	100.0%	
		% within Q23	32.8%	29.3%	28.6%	31.0%	31.0%	
	Others	Count	24	24	9	5	62	
		% within Occupation	38.7%	38.7%	14.5%	8.1%	100.0%	
		% within Q23	12.3%	15.3%	21.4%	17.2%	14.7%	
Total		Count	195	157	42	29	423	
		% within Occupation	46.1%	37.1%	9.9%	6.9%	100.0%	
		% within Q23	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 80 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 40.2 प्रतिशत ने हाँ और 44.6 प्रतिशत ने नहीं और 8.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 44.9 प्रतिशत ने हाँ और 34.7 प्रतिशत ने नहीं और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 50.7 प्रतिशत ने हाँ और 36 प्रतिशत ने नहीं और 8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 48.9 प्रतिशत ने हाँ और 35.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 38.7 प्रतिशत ने हाँ और 38.7 प्रतिशत ने नहीं और 14.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 46.1 प्रतिशत ने हाँ

और 37.1 प्रतिशत ने नहीं और 9.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.44. व्यवसाय और आरक्षण व्यवस्था की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	12.626 ^a	18	.813
Likelihood Ratio	14.839	18	.673
Linear-by-Linear Association	.020	1	.887
N of Valid Cases	423		
a. 11 cells (39.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .34.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 12.626, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .813, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 12.626, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .813, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.45. व्यवसाय और आतंकवाद जैसे मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 23 क्या आपने देश में डर का माहौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?

			Q23 Did you vote keeping in mind the serious issue like terrorism which is creating panic in the country?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	2	1	0	2	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 16.670, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .546, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	40.0%	20.0%	0.0%	40.0%	100.0%	
		% within Q24	0.9%	0.8%	0.0%	5.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	51	29	5	7	92	
		% within Occupation	55.4%	31.5%	5.4%	7.6%	100.0%	
		% within Q24	22.0%	24.2%	16.1%	17.5%	21.7%	
	Government Employee	Count	27	11	3	8	49	
		% within Occupation	55.1%	22.4%	6.1%	16.3%	100.0%	
		% within Q24	11.6%	9.2%	9.7%	20.0%	11.6%	
	Businessman	Count	4	3	1	1	9	
		% within Occupation	44.4%	33.3%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q24	1.7%	2.5%	3.2%	2.5%	2.1%	
	Student	Count	46	14	7	8	75	
		% within Occupation	61.3%	18.7%	9.3%	10.7%	100.0%	
		% within Q24	19.8%	11.7%	22.6%	20.0%	17.7%	
	Research Scholar	Count	67	44	10	10	131	
		% within Occupation	51.1%	33.6%	7.6%	7.6%	100.0%	
		% within Q24	28.9%	36.7%	32.3%	25.0%	31.0%	
	Others	Count	35	18	5	4	62	
		% within Occupation	56.5%	29.0%	8.1%	6.5%	100.0%	
		% within Q24	15.1%	15.0%	16.1%	10.0%	14.7%	
Total		Count	232	120	31	40	423	
		% within Occupation	54.8%	28.4%	7.3%	9.5%	100.0%	
		% within Q24	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने देश में डर का माहौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 40 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 40 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 55.4 प्रतिशत ने हाँ और 31.5 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 55.1 प्रतिशत ने हाँ और 22.4 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 61.3 प्रतिशत ने हाँ और 18.7 प्रतिशत ने नहीं और 9.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 51.1 प्रतिशत ने हाँ और 33.6 प्रतिशत ने नहीं और 7.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 56.5 प्रतिशत ने हाँ और 29 प्रतिशत ने नहीं और 8.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 54.8 प्रतिशत ने हाँ और 28.4 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.46. व्यवसाय और आतंकवाद जैसे मुद्दे की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	16.670 ^a	18	.546
Likelihood Ratio	14.835	18	.673
Linear-by-Linear Association	.254	1	.615
N of Valid Cases	423		
a. 11 cells (39.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .37.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 16.670, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .546, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश में डर का माहौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश में डर का माहौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 16.670, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .546, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.47. व्यवसाय और संप्रदायवाद के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 24 क्या आपने देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q24 Did you vote keeping in mind the communalism that is following the country?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	1	0	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 19.902, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .338, पी वैल्यू .05
		% within Occupation	60.0%	20.0%	0.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q25	1.3%	0.8%	0.0%	3.7%	1.2%	
	Private Employee	Count	51	26	7	8	92	
		% within Occupation	55.4%	28.3%	7.6%	8.7%	100.0%	
		% within Q25	21.6%	19.7%	25.0%	29.6%	21.7%	
	Government Employee	Count	27	13	2	7	49	
		% within Occupation	55.1%	26.5%	4.1%	14.3%	100.0%	
		% within Q25	11.4%	9.8%	7.1%	25.9%	11.6%	
	Businessman	Count	4	4	1	0	9	
		% within Occupation	44.4%	44.4%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q25	1.7%	3.0%	3.6%	0.0%	2.1%	

	Student	Count	47	23	3	2	75	से ज्यादा है।
		% within Occupation	62.7%	30.7%	4.0%	2.7%	100.0%	
		% within Q25	19.9%	17.4%	10.7%	7.4%	17.7%	
	Research Scholar	Count	64	50	11	6	131	
		% within Occupation	48.9%	38.2%	8.4%	4.6%	100.0%	
		% within Q25	27.1%	37.9%	39.3%	22.2%	31.0%	
	Others	Count	40	15	4	3	62	
		% within Occupation	64.5%	24.2%	6.5%	4.8%	100.0%	
		% within Q25	16.9%	11.4%	14.3%	11.1%	14.7%	
	Total	Count	236	132	28	27	423	
		% within Occupation	55.8%	31.2%	6.6%	6.4%	100.0%	
		% within Q25	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 55.4 प्रतिशत ने हाँ और 28.3 प्रतिशत ने नहीं और 7.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 55.1 प्रतिशत ने हाँ और 26.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 44.4 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 62.7 प्रतिशत ने हाँ और 30.7 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 48.9 प्रतिशत ने हाँ और 38.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 64.5 प्रतिशत ने हाँ और 24.2 प्रतिशत ने नहीं और 6.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 55.8 प्रतिशत ने हाँ और 31.2 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.48. व्यवसाय और संप्रदायवाद के मुद्दे की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests

	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	19.902 ^a	18	.338
Likelihood Ratio	19.540	18	.359
Linear-by-Linear Association	1.627	1	.202
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .32.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 19.902, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .338, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 19.902, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .338, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.49. व्यवसाय और पर्यावरण के मुद्दे की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 25 क्या आपने देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q25 Did you vote keeping in mind the issue of environment in the country?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	4	1	0	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 19.633, डिग्री
		% within Occupation	80.0%	20.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q26	1.3%	1.4%	0.0%	0.0%	1.2%	
		Count	67	14	4	7	92	

	Private Employ ee	% within Occupation	72.8%	15.2%	4.3%	7.6%	100.0%	ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .354, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q26	22.4%	19.4%	19.0%	22.6%	21.7%	
	Govern ment Employ ee	Count	30	10	2	7	49	
		% within Occupation	61.2%	20.4%	4.1%	14.3%	100.0%	
		% within Q26	10.0%	13.9%	9.5%	22.6%	11.6%	
	Busines sman	Count	7	1	1	0	9	
		% within Occupation	77.8%	11.1%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q26	2.3%	1.4%	4.8%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	59	6	3	7	75	
		% within Occupation	78.7%	8.0%	4.0%	9.3%	100.0%	
		% within Q26	19.7%	8.3%	14.3%	22.6%	17.7%	
	Researc h Scholar	Count	91	25	10	5	131	
		% within Occupation	69.5%	19.1%	7.6%	3.8%	100.0%	
		% within Q26	30.4%	34.7%	47.6%	16.1%	31.0%	
	Others	Count	41	15	1	5	62	
		% within Occupation	66.1%	24.2%	1.6%	8.1%	100.0%	
		% within Q26	13.7%	20.8%	4.8%	16.1%	14.7%	
Total		Count	299	72	21	31	423	
		% within Occupation	70.7%	17.0%	5.0%	7.3%	100.0%	
		% within Q26	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 80 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 72.8 प्रतिशत ने हाँ और 15.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 61.2 प्रतिशत ने हाँ और 20.4 प्रतिशत ने नहीं और 4.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 77.8 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 78.7 प्रतिशत ने हाँ और 8 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 69.5

प्रतिशत ने हाँ और 19.1 प्रतिशत ने नहीं और 7.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 66.1 प्रतिशत ने हाँ और 24.2 प्रतिशत ने नहीं और 1.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 17 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.50. व्यवसाय और पर्यावरण के मुद्दे की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	19.633 ^a	18	.354
Likelihood Ratio	21.381	18	.261
Linear-by-Linear Association	.080	1	.777
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .25.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 19.633, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .354, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 19.633, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .354, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.51. व्यवसाय और संसदीय उम्मीदवारों से संबंधित क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 26 क्या आपने संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q26 Did you vote with parliamentary candidates in mind?				Total	कार्ड-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	4	0	0	1	5	कलकुलेटिव वैल्यू 18.401, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .430, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	80.0%	0.0%	0.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q27	1.6%	0.0%	0.0%	2.6%	1.2%	
	Private Employee	Count	55	25	2	10	92	
		% within Occupation	59.8%	27.2%	2.2%	10.9%	100.0%	
		% within Q27	22.1%	22.3%	8.3%	26.3%	21.7%	
	Government Employee	Count	26	15	2	6	49	
		% within Occupation	53.1%	30.6%	4.1%	12.2%	100.0%	
		% within Q27	10.4%	13.4%	8.3%	15.8%	11.6%	
	Businessman	Count	6	1	1	1	9	
		% within Occupation	66.7%	11.1%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q27	2.4%	0.9%	4.2%	2.6%	2.1%	
	Student	Count	53	14	4	4	75	
		% within Occupation	70.7%	18.7%	5.3%	5.3%	100.0%	
		% within Q27	21.3%	12.5%	16.7%	10.5%	17.7%	
	Research Scholar	Count	69	41	12	9	131	
		% within Occupation	52.7%	31.3%	9.2%	6.9%	100.0%	
		% within Q27	27.7%	36.6%	50.0%	23.7%	31.0%	
	Others	Count	36	16	3	7	62	
		% within Occupation	58.1%	25.8%	4.8%	11.3%	100.0%	
		% within Q27	14.5%	14.3%	12.5%	18.4%	14.7%	
Total		Count	249	112	24	38	423	

कलकुलेटिव वैल्यू 18.401, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकैंस सेंट वैल्यू .430, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

	% within Occupation	58.9%	26.5%	5.7%	9.0%	100.0%	
	% within Q27	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 80 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 59.8 प्रतिशत ने हाँ और 27.2 प्रतिशत ने नहीं और 2.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 53.1 प्रतिशत ने हाँ और 30.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 18.7 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 52.7 प्रतिशत ने हाँ और 31.3 प्रतिशत ने नहीं और 9.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 58.1 प्रतिशत ने हाँ और 25.8 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 58.9 प्रतिशत ने हाँ और 26.5 प्रतिशत ने नहीं और 5.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.52. व्यवसाय और संसदीय उम्मीदवारों की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	18.401 ^a	18	.430
Likelihood Ratio	20.303	18	.316
Linear-by-Linear Association	.019	1	.891
N of Valid Cases	423		
a. 11 cells (39.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .28.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 18.401, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .430, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 18.401, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .430, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, संसदीय उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.53. व्यवसाय और दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 27 क्या आपने किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान दिया था?								
			Q27 Did you vote for the candidate of a particular party under any kind of pressure?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occu pation	Labour	Count	1	4	0	0	5	कल्लु लेटिव वैल्यू 19.55 2, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिक ल वैल्यू 28.87 से कम
		% within Occupation	20.0%	80.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q28	1.9%	1.1%	0.0%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	13	76	2	1	92	
		% within Occupation	14.1%	82.6%	2.2%	1.1%	100.0%	
		% within Q28	24.5%	21.5%	16.7%	25.0%	21.7%	
	Governm ent Employee	Count	6	40	1	2	49	
		% within Occupation	12.2%	81.6%	2.0%	4.1%	100.0%	
		% within Q28	11.3%	11.3%	8.3%	50.0%	11.6%	
	Business man	Count	0	8	1	0	9	
		% within Occupation	0.0%	88.9%	11.1%	0.0%	100.0%	

		% within Q28	0.0%	2.3%	8.3%	0.0%	2.1%	है और सिम्नी फिसेंट वैल्यू .359, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
Student	Count		14	57	3	1	75	
	% within Occupation		18.7%	76.0%	4.0%	1.3%	100.0%	
	% within Q28		26.4%	16.1%	25.0%	25.0%	17.7%	
Research Scholar	Count		16	113	2	0	131	
	% within Occupation		12.2%	86.3%	1.5%	0.0%	100.0%	
	% within Q28		30.2%	31.9%	16.7%	0.0%	31.0%	
Others	Count		3	56	3	0	62	
	% within Occupation		4.8%	90.3%	4.8%	0.0%	100.0%	
	% within Q28		5.7%	15.8%	25.0%	0.0%	14.7%	
Total	Count		53	354	12	4	423	
	% within Occupation		12.5%	83.7%	2.8%	0.9%	100.0%	
	% within Q28		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान दिया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 20 प्रतिशत ने हाँ और 80 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 14.1 प्रतिशत ने हाँ और 82.6 प्रतिशत ने नहीं और 2.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 1.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 12.2 प्रतिशत ने हाँ और 81.6 प्रतिशत ने नहीं और 2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 0 प्रतिशत ने हाँ और 88.9 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 18.7 प्रतिशत ने हाँ और 76 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 1.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 12.2 प्रतिशत ने हाँ और 86.3 प्रतिशत ने नहीं और 1.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 4.8 प्रतिशत ने हाँ और 90.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 12.5 प्रतिशत ने हाँ और 83.7 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.54. व्यवसाय और दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	19.552 ^a	18	.359
Likelihood Ratio	20.073	18	.329
Linear-by-Linear Association	.156	1	.693
N of Valid Cases	423		
a. 17 cells (60.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .05.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 19.552, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .359, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 19.552, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .359, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.55. व्यवसाय और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 28 क्या आपने उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			
	Q28 Did you vote keeping in mind the clean image of the candidate?	Total	काई-स्क्वेर

			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	2	0	0	5	कलकुलेटिव वैल्यू 18.615, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .416, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	60.0%	40.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q29	1.0%	3.6%	0.0%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	75	9	2	6	92	
		% within Occupation	81.5%	9.8%	2.2%	6.5%	100.0%	
		% within Q29	24.0%	16.1%	10.0%	17.1%	21.7%	
	Government Employee	Count	33	7	5	4	49	
		% within Occupation	67.3%	14.3%	10.2%	8.2%	100.0%	
		% within Q29	10.6%	12.5%	25.0%	11.4%	11.6%	
	Businessman	Count	8	0	1	0	9	
		% within Occupation	88.9%	0.0%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q29	2.6%	0.0%	5.0%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	54	10	5	6	75	
		% within Occupation	72.0%	13.3%	6.7%	8.0%	100.0%	
		% within Q29	17.3%	17.9%	25.0%	17.1%	17.7%	
	Research Scholar	Count	90	23	5	13	131	
		% within Occupation	68.7%	17.6%	3.8%	9.9%	100.0%	
		% within Q29	28.8%	41.1%	25.0%	37.1%	31.0%	
	Others	Count	49	5	2	6	62	
		% within Occupation	79.0%	8.1%	3.2%	9.7%	100.0%	
		% within Q29	15.7%	8.9%	10.0%	17.1%	14.7%	
Total		Count	312	56	20	35	423	
		% within Occupation	73.8%	13.2%	4.7%	8.3%	100.0%	
		% within Q29	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 40 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह

नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 81.5 प्रतिशत ने हाँ और 9.8 प्रतिशत ने नहीं और 2.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 67.3 प्रतिशत ने हाँ और 14.3 प्रतिशत ने नहीं और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 88.9 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 72 प्रतिशत ने हाँ और 13.3 प्रतिशत ने नहीं और 6.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 68.7 प्रतिशत ने हाँ और 17.6 प्रतिशत ने नहीं और 3.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 79 प्रतिशत ने हाँ और 8.1 प्रतिशत ने नहीं और 3.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 73.8 प्रतिशत ने हाँ और 13.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.56. व्यवसाय और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	18.615 ^a	18	.416
Likelihood Ratio	19.643	18	.353
Linear-by-Linear Association	1.029	1	.310
N of Valid Cases	423		
a. 12 cells (42.9%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .24.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 18.615, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .416, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 18.615, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .416, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य

परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.57. व्यवसाय और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 29 क्या आपने उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान दिया था?								
			Q29 Did you vote for the candidate because of his domineering nature?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	1	3	1	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 24.898, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .128, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	20.0%	60.0%	20.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q30	2.2%	0.8%	8.3%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	9	81	0	2	92	
		% within Occupation	9.8%	88.0%	0.0%	2.2%	100.0%	
		% within Q30	20.0%	22.7%	0.0%	22.2%	21.7%	
	Government Employee	Count	6	40	1	2	49	
		% within Occupation	12.2%	81.6%	2.0%	4.1%	100.0%	
		% within Q30	13.3%	11.2%	8.3%	22.2%	11.6%	
	Business man	Count	0	8	1	0	9	
		% within Occupation	0.0%	88.9%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q30	0.0%	2.2%	8.3%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	14	55	3	3	75	
		% within Occupation	18.7%	73.3%	4.0%	4.0%	100.0%	
		% within Q30	31.1%	15.4%	25.0%	33.3%	17.7%	
Research Scholar	Count	12	113	4	2	131		
	% within Occupation	9.2%	86.3%	3.1%	1.5%	100.0%		

		% within Q30	26.7%	31.7%	33.3%	22.2%	31.0%	
	Others	Count	3	57	2	0	62	
		% within Occupation	4.8%	91.9%	3.2%	0.0%	100.0%	
		% within Q30	6.7%	16.0%	16.7%	0.0%	14.7%	
Total		Count	45	357	12	9	423	
		% within Occupation	10.6%	84.4%	2.8%	2.1%	100.0%	
		% within Q30	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान दिया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 20 प्रतिशत ने हाँ और 60 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 9.8 प्रतिशत ने हाँ और 88 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 12.2 प्रतिशत ने हाँ और 81.6 प्रतिशत ने नहीं और 2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 0 प्रतिशत ने हाँ और 88.9 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 18.7 प्रतिशत ने हाँ और 73.3 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 9.2 प्रतिशत ने हाँ और 86.3 प्रतिशत ने नहीं और 3.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 1.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 4.8 प्रतिशत ने हाँ और 91.9 प्रतिशत ने नहीं और 3.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 10.6 प्रतिशत ने हाँ और 84.4 प्रतिशत ने नहीं और 2.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 2.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.58. व्यवसाय और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	24.898 ^a	18	.128
Likelihood Ratio	25.361	18	.115
Linear-by-Linear Association	.072	1	.789
N of Valid Cases	423		
a. 17 cells (60.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .11.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 24.898, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .128, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 24.898, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .128, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर उसे मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.59. व्यवसाय और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 30 क्या आपने पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान किया था?								
			Q30 Did you vote keeping in mind the candidate of the particular party?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	2	2	1	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 11.714, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू
		% within Occupation	40.0%	40.0%	20.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q31	1.1%	1.0%	4.5%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	35	50	3	4	92	
		% within Occupation	38.0%	54.3%	3.3%	4.3%	100.0%	
		% within Q31	19.6%	25.9%	13.6%	13.8%	21.7%	
	Government	Count	23	20	3	3	49	
		% within Occupation	46.9%	40.8%	6.1%	6.1%	100.0%	

	Employee	% within Q31	12.8%	10.4%	13.6%	10.3%	11.6%	28.87 से कम है और सिग्नीफि सेंट वैल्यू .862, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
	Business man	Count	3	4	1	1	9	
		% within Occupation	33.3%	44.4%	11.1%	11.1%	100.0%	
		% within Q31	1.7%	2.1%	4.5%	3.4%	2.1%	
	Student	Count	38	29	3	5	75	
		% within Occupation	50.7%	38.7%	4.0%	6.7%	100.0%	
		% within Q31	21.2%	15.0%	13.6%	17.2%	17.7%	
	Research Scholar	Count	53	61	6	11	131	
		% within Occupation	40.5%	46.6%	4.6%	8.4%	100.0%	
		% within Q31	29.6%	31.6%	27.3%	37.9%	31.0%	
	Others	Count	25	27	5	5	62	
		% within Occupation	40.3%	43.5%	8.1%	8.1%	100.0%	
		% within Q31	14.0%	14.0%	22.7%	17.2%	14.7%	
	Total	Count	179	193	22	29	423	
		% within Occupation	42.3%	45.6%	5.2%	6.9%	100.0%	
		% within Q31	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 40 प्रतिशत ने हाँ और 40 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 38 प्रतिशत ने हाँ और 54.3 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 46.9 प्रतिशत ने हाँ और 40.8 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 50.7 प्रतिशत ने हाँ और 38.7 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 40.5 प्रतिशत ने हाँ और 46.6 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 40.3 प्रतिशत ने हाँ और 43.5 प्रतिशत ने नहीं और 8.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 42.3 प्रतिशत ने हाँ

और 45.6 प्रतिशत ने नहीं और 5.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.60. व्यवसाय और पार्टी विशेष के उम्मीदवार की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	11.714 ^a	18	.862
Likelihood Ratio	10.961	18	.896
Linear-by-Linear Association	.592	1	.442
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .26.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 11.714, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .862, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 11.714, क्रिटिकल वैल्यू 28.74 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .862, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.61. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 31 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

			Q31 Did you vote keeping in mind the prime ministerial candidates in the Loksabha elections 2019?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	0	1	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 26.569, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .087, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	60.0%	0.0%	20.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q32	1.2%	0.0%	5.6%	3.1%	1.2%	
	Private Employee	Count	53	32	0	7	92	
		% within Occupation	57.6%	34.8%	0.0%	7.6%	100.0%	
		% within Q32	21.7%	24.8%	0.0%	21.9%	21.7%	
	Government Employee	Count	25	17	4	3	49	
		% within Occupation	51.0%	34.7%	8.2%	6.1%	100.0%	
		% within Q32	10.2%	13.2%	22.2%	9.4%	11.6%	
	Businessman	Count	5	2	2	0	9	
		% within Occupation	55.6%	22.2%	22.2%	0.0%	100.0%	
		% within Q32	2.0%	1.6%	11.1%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	47	17	6	5	75	
		% within Occupation	62.7%	22.7%	8.0%	6.7%	100.0%	
		% within Q32	19.3%	13.2%	33.3%	15.6%	17.7%	
	Research Scholar	Count	75	41	3	12	131	
		% within Occupation	57.3%	31.3%	2.3%	9.2%	100.0%	
		% within Q32	30.7%	31.8%	16.7%	37.5%	31.0%	
	Others	Count	36	20	2	4	62	
		% within Occupation	58.1%	32.3%	3.2%	6.5%	100.0%	
		% within Q32	14.8%	15.5%	11.1%	12.5%	14.7%	
Total		Count	244	129	18	32	423	
		% within Occupation	57.7%	30.5%	4.3%	7.6%	100.0%	
		% within Q32	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 57.6 प्रतिशत ने हाँ और 34.8 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 51 प्रतिशत ने हाँ और 34.7 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 62.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.7 प्रतिशत ने नहीं और 8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 57.3 प्रतिशत ने हाँ और 31.3 प्रतिशत ने नहीं और 2.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 58.1 प्रतिशत ने हाँ और 32.3 प्रतिशत ने नहीं और 3.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 57.7 प्रतिशत ने हाँ और 30.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.62. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की कार्ड स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	26.569 ^a	18	.087
Likelihood Ratio	27.022	18	.079
Linear-by-Linear Association	.040	1	.842
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .21.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 26.569, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .087, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 26.569, क्रिटिकल वैल्यू 28.74 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .087, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.63. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 32 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q32 Did you vote keeping in mind the clean image of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	4	1	0	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 24.690, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम
		% within Occupation	80.0%	20.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q33	1.5%	1.0%	0.0%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	59	25	3	5	92	
		% within Occupation	64.1%	27.2%	3.3%	5.4%	100.0%	
		% within Q33	22.2%	24.8%	10.7%	17.9%	21.7%	
	Government Employee	Count	24	14	5	6	49	
		% within Occupation	49.0%	28.6%	10.2%	12.2%	100.0%	
		% within Q33	9.0%	13.9%	17.9%	21.4%	11.6%	
	Businessman	Count	6	1	2	0	9	
		% within Occupation	66.7%	11.1%	22.2%	0.0%	100.0%	
		% within Q33	2.3%	1.0%	7.1%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	49	13	8	5	75	

		% within Occupation	65.3%	17.3%	10.7%	6.7%	100.0%	है और सिग्नी फिसेंट वैल्यू .134, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q33	18.4%	12.9%	28.6%	17.9%	17.7%	
	Research Scholar	Count	85	27	7	12	131	
		% within Occupation	64.9%	20.6%	5.3%	9.2%	100.0%	
		% within Q33	32.0%	26.7%	25.0%	42.9%	31.0%	
	Others	Count	39	20	3	0	62	
		% within Occupation	62.9%	32.3%	4.8%	0.0%	100.0%	
		% within Q33	14.7%	19.8%	10.7%	0.0%	14.7%	
	Total	Count	266	101	28	28	423	
		% within Occupation	62.9%	23.9%	6.6%	6.6%	100.0%	
		% within Q33	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 80 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 64.1 प्रतिशत ने हाँ और 27.2 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 49 प्रतिशत ने हाँ और 28.6 प्रतिशत ने नहीं और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 65.3 प्रतिशत ने हाँ और 17.3 प्रतिशत ने नहीं और 10.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 64.9 प्रतिशत ने हाँ और 20.6 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 62.9 प्रतिशत ने हाँ और 32.3 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 62.9 प्रतिशत ने हाँ और 23.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.64. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	24.690 ^a	18	.134
Likelihood Ratio	28.371	18	.057
Linear-by-Linear Association	.279	1	.597
N of Valid Cases	423		
a. 13 cells (46.4%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 24.690, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .134, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 24.690, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .134, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.65. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 33 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?					
Q33 Did you vote with a clear vision of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
Yes	No	Can't say	To some extent		

Occupation	Labour	Count	4	1	0	0	5	कलकु लेटिव वैल्यू 20.8 41, डिग्री ऑफ फ्रीड म 18 की क्रिटि कल वैल्यू 28.8 7 से कम है और सिमनी फिसेंट वैल्यू .288, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	80.0%	20.0%	0.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q34	1.5%	1.0%	0.0%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	58	24	2	8	92	
		% within Occupation	63.0%	26.1%	2.2%	8.7%	100.0%	
		% within Q34	22.4%	24.5%	5.6%	26.7%	21.7%	
	Government Employee	Count	22	14	9	4	49	
		% within Occupation	44.9%	28.6%	18.4%	8.2%	100.0%	
		% within Q34	8.5%	14.3%	25.0%	13.3%	11.6%	
	Businessman	Count	6	1	2	0	9	
		% within Occupation	66.7%	11.1%	22.2%	0.0%	100.0%	
		% within Q34	2.3%	1.0%	5.6%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	47	15	7	6	75	
		% within Occupation	62.7%	20.0%	9.3%	8.0%	100.0%	
		% within Q34	18.1%	15.3%	19.4%	20.0%	17.7%	
	Research Scholar	Count	83	29	9	10	131	
		% within Occupation	63.4%	22.1%	6.9%	7.6%	100.0%	
		% within Q34	32.0%	29.6%	25.0%	33.3%	31.0%	
	Others	Count	39	14	7	2	62	
		% within Occupation	62.9%	22.6%	11.3%	3.2%	100.0%	
		% within Q34	15.1%	14.3%	19.4%	6.7%	14.7%	
Total		Count	259	98	36	30	423	
		% within Occupation	61.2%	23.2%	8.5%	7.1%	100.0%	
		% within Q34	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 80 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 63 प्रतिशत ने हाँ और 26.1 प्रतिशत ने नहीं और 2.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49

सरकारी कर्मचारियों में से 44.9 प्रतिशत ने हाँ और 28.6 प्रतिशत ने नहीं और 18.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 11.1 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 62.7 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 9.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 63.4 प्रतिशत ने हाँ और 22.1 प्रतिशत ने नहीं और 6.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 62.9 प्रतिशत ने हाँ और 22.6 प्रतिशत ने नहीं और 11.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 61.2 प्रतिशत ने हाँ और 23.2 प्रतिशत ने नहीं और 8.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.66. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	20.841 ^a	18	.288
Likelihood Ratio	22.664	18	.204
Linear-by-Linear Association	.241	1	.623
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (35.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .35.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 20.841, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .288, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 20.841, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .288, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में

रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूरदृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.67. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 34 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q34 Did you vote keeping in mind the decision-making ability of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	1	1	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 35.229, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .009, पी वैल्यू
		% within Occupation	60.0%	20.0%	20.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q35	1.1%	1.0%	3.2%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	58	22	0	12	92	
		% within Occupation	63.0%	23.9%	0.0%	13.0%	100.0%	
		% within Q35	22.2%	22.7%	0.0%	35.3%	21.7%	
	Government Employee	Count	25	15	5	4	49	
		% within Occupation	51.0%	30.6%	10.2%	8.2%	100.0%	
		% within Q35	9.6%	15.5%	16.1%	11.8%	11.6%	
	Businessman	Count	7	0	2	0	9	
		% within Occupation	77.8%	0.0%	22.2%	0.0%	100.0%	
		% within Q35	2.7%	0.0%	6.5%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	53	12	9	1	75	
		% within Occupation	70.7%	16.0%	12.0%	1.3%	100.0%	
		% within Q35	20.3%	12.4%	29.0%	2.9%	17.7%	
	Research	Count	80	28	8	15	131	
		% within Occupation	61.1%	21.4%	6.1%	11.5%	100.0%	

	Scholar	% within Q35	30.7%	28.9%	25.8%	44.1%	31.0%	.05 से कम है।
	Others	Count	35	19	6	2	62	
		% within Occupation	56.5%	30.6%	9.7%	3.2%	100.0%	
		% within Q35	13.4%	19.6%	19.4%	5.9%	14.7%	
Total		Count	261	97	31	34	423	
		% within Occupation	61.7%	22.9%	7.3%	8.0%	100.0%	
		% within Q35	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 63 प्रतिशत ने हाँ और 23.9 प्रतिशत ने नहीं और 0 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 51 प्रतिशत ने हाँ और 30.6 प्रतिशत ने नहीं और 10.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 77.8 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 70.7 प्रतिशत ने हाँ और 16 प्रतिशत ने नहीं और 12 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 1.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 61.1 प्रतिशत ने हाँ और 21.4 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 56.5 प्रतिशत ने हाँ और 30.6 प्रतिशत ने नहीं और 9.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 3.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 61.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.9 प्रतिशत ने नहीं और 7.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.68. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	35.229^a	18	.009
Likelihood Ratio	45.410	18	.000
Linear-by-Linear Association	.075	1	.784
N of Valid Cases	423		

a. 11 cells (39.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .37.

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 35.229, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .009, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 35.229, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .009, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, को स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित कर सकता है।

4.7.69. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 35 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?			Q35 Did you vote keeping in mind the popularity of the prime ministerial candidate?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	3	1	1	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 25.373, डिग्री ऑफ फ्रीडम
		% within Occupation	60.0%	20.0%	20.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q36	1.5%	0.6%	3.3%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	48	38	2	4	92	
		% within Occupation	52.2%	41.3%	2.2%	4.3%	100.0%	
		% within Q36	23.3%	22.9%	6.7%	19.0%	21.7%	
		Count	20	22	3	4	49	

	Government Employee	% within Occupation	40.8%	44.9%	6.1%	8.2%	100.0%	18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .115, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q36	9.7%	13.3%	10.0%	19.0%	11.6%	
	Businessman	Count	7	0	2	0	9	
		% within Occupation	77.8%	0.0%	22.2%	0.0%	100.0%	
		% within Q36	3.4%	0.0%	6.7%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	37	27	10	1	75	
		% within Occupation	49.3%	36.0%	13.3%	1.3%	100.0%	
		% within Q36	18.0%	16.3%	33.3%	4.8%	17.7%	
	Research Scholar	Count	63	53	6	9	131	
		% within Occupation	48.1%	40.5%	4.6%	6.9%	100.0%	
		% within Q36	30.6%	31.9%	20.0%	42.9%	31.0%	
	Others	Count	28	25	6	3	62	
		% within Occupation	45.2%	40.3%	9.7%	4.8%	100.0%	
		% within Q36	13.6%	15.1%	20.0%	14.3%	14.7%	
	Total	Count	206	166	30	21	423	
		% within Occupation	48.7%	39.2%	7.1%	5.0%	100.0%	
		% within Q36	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान किया था? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 60 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 52.2 प्रतिशत ने हाँ और 41.3 प्रतिशत ने नहीं और 2.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 40.8 प्रतिशत ने हाँ और 44.9 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 77.8 प्रतिशत ने हाँ और 0 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 49.3 प्रतिशत ने हाँ और 36 प्रतिशत ने नहीं और 13.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 1.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 48.1 प्रतिशत ने हाँ और 40.5 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 45.2 प्रतिशत ने हाँ और 40.3 प्रतिशत ने नहीं और

9.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 48.7 प्रतिशत ने हाँ और 39.2 प्रतिशत ने नहीं और 7.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.70. व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	25.373 ^a	18	.115
Likelihood Ratio	29.020	18	.048
Linear-by-Linear Association	.776	1	.378
N of Valid Cases	423		
a. 14 cells (50.0%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .25.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 25.373, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .115, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 25.373, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .115, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.71. व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

			Q36 Do you consider all political parties equal?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	0	2	3	0	5	कलकुलेटिव वैल्यू 55.573, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिसेंट वैल्यू .000, पी वैल्यू .05 से कम है।
		% within Occupation	0.0%	40.0%	60.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q37	0.0%	0.8%	13.0%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	30	54	3	5	92	
		% within Occupation	32.6%	58.7%	3.3%	5.4%	100.0%	
		% within Q37	26.1%	22.8%	13.0%	10.4%	21.7%	
	Government Employee	Count	9	30	3	7	49	
		% within Occupation	18.4%	61.2%	6.1%	14.3%	100.0%	
		% within Q37	7.8%	12.7%	13.0%	14.6%	11.6%	
	Businessman	Count	2	4	2	1	9	
		% within Occupation	22.2%	44.4%	22.2%	11.1%	100.0%	
		% within Q37	1.7%	1.7%	8.7%	2.1%	2.1%	
	Student	Count	27	32	3	13	75	
		% within Occupation	36.0%	42.7%	4.0%	17.3%	100.0%	
		% within Q37	23.5%	13.5%	13.0%	27.1%	17.7%	
	Research Scholar	Count	36	78	3	14	131	
		% within Occupation	27.5%	59.5%	2.3%	10.7%	100.0%	
		% within Q37	31.3%	32.9%	13.0%	29.2%	31.0%	
	Others	Count	11	37	6	8	62	
		% within Occupation	17.7%	59.7%	9.7%	12.9%	100.0%	
		% within Q37	9.6%	15.6%	26.1%	16.7%	14.7%	
Total		Count	115	237	23	48	423	
		% within Occupation	27.2%	56.0%	5.4%	11.3%	100.0%	

	% within Q37	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 0 प्रतिशत ने हाँ और 40 प्रतिशत ने नहीं और 60 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 32.6 प्रतिशत ने हाँ और 58.7 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 5.4 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 18.4 प्रतिशत ने हाँ और 61.2 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 22.2 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 36 प्रतिशत ने हाँ और 42.7 प्रतिशत ने नहीं और 4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 27.5 प्रतिशत ने हाँ और 59.5 प्रतिशत ने नहीं और 2.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 17.7 प्रतिशत ने हाँ और 59.7 प्रतिशत ने नहीं और 9.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 27.2 प्रतिशत ने हाँ और 56 प्रतिशत ने नहीं और 5.4 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.72. व्यवसाय और राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	55.573^a	18	.000
Likelihood Ratio	38.238	18	.004
Linear-by-Linear Association	1.378	1	.240
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (35.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .27.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 55.573, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .000, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 55.573, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .000, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानने के बीच के अंतर को प्रभावित कर सकता है।

4.7.73. व्यवसाय और पार्टी विशेष की विचारधारा की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 37 क्या आप पार्टी विशेष की विचारधारा को मानते हैं?								
			Q38 Do you follow the ideology of a particular party?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	2	1	2	0	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 33.410, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .015, पी वैल्यू
		% within Occupation	40.0%	20.0%	40.0%	0.0%	100.0%	
		% within Q38	1.1%	0.6%	9.5%	0.0%	1.2%	
	Private Employee	Count	37	44	3	8	92	
		% within Occupation	40.2%	47.8%	3.3%	8.7%	100.0%	
		% within Q38	20.3%	27.5%	14.3%	13.3%	21.7%	
	Government Employee	Count	20	19	3	7	49	
		% within Occupation	40.8%	38.8%	6.1%	14.3%	100.0%	
		% within Q38	11.0%	11.9%	14.3%	11.7%	11.6%	
	Businessman	Count	3	4	2	0	9	
		% within Occupation	33.3%	44.4%	22.2%	0.0%	100.0%	
		% within Q38	1.6%	2.5%	9.5%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	36	23	5	11	75	
		% within Occupation	48.0%	30.7%	6.7%	14.7%	100.0%	
		% within Q38	19.8%	14.4%	23.8%	18.3%	17.7%	
		Count	54	48	3	26	131	

	Research	% within Occupation	41.2%	36.6%	2.3%	19.8%	100.0%	.05 से कम है।
	Scholar	% within Q38	29.7%	30.0%	14.3%	43.3%	31.0%	
	Others	Count	30	21	3	8	62	
		% within Occupation	48.4%	33.9%	4.8%	12.9%	100.0%	
		% within Q38	16.5%	13.1%	14.3%	13.3%	14.7%	
Total		Count	182	160	21	60	423	
		% within Occupation	43.0%	37.8%	5.0%	14.2%	100.0%	
		% within Q38	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पार्टी विशेष की विचारधारा को मानते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 40 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 40 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 40.2 प्रतिशत ने हाँ और 47.8 प्रतिशत ने नहीं और 3.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 8.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 40.8 प्रतिशत ने हाँ और 38.8 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 33.3 प्रतिशत ने हाँ और 44.4 प्रतिशत ने नहीं और 22.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 48 प्रतिशत ने हाँ और 30.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 41.2 प्रतिशत ने हाँ और 36.6 प्रतिशत ने नहीं और 2.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 19.8 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 48.4 प्रतिशत ने हाँ और 33.9 प्रतिशत ने नहीं और 4.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 43 प्रतिशत ने हाँ और 37.8 प्रतिशत ने नहीं और 5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 14.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.74. व्यवसाय और पार्टी विशेष की विचारधारा से संबंधित काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	33.410^a	18	.015
Likelihood Ratio	25.819	18	.104
Linear-by-Linear Association	.439	1	.507
N of Valid Cases	423		
a. 12 cells (42.9%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .25.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 33.410, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .015, पी वैल्यू .05 से कम है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 33.410, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से ज्यादा है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .015, पी वैल्यू .05 से कम है, इसलिए शून्य परिकल्पना को खारिज किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, स्वीकार किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, पार्टी विशेष की विचारधारा को मानने के बीच के अंतर को प्रभावित कर सकता है।

4.7.75. व्यवसाय और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 38 क्या आप पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव रखते हैं?								
			Q38 Are you hierarchy party-specific?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	1	2	1	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 19.141, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की
		% within Occupation	20.0%	40.0%	20.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q39	0.8%	0.9%	3.6%	2.1%	1.2%	
	Private Employee	Count	22	60	4	6	92	
		% within Occupation	23.9%	65.2%	4.3%	6.5%	100.0%	
		% within Q39	18.6%	26.1%	14.3%	12.8%	21.7%	
	Government Employee	Count	16	24	4	5	49	
		% within Occupation	32.7%	49.0%	8.2%	10.2%	100.0%	
		% within Q39	13.6%	10.4%	14.3%	10.6%	11.6%	

	Business man	Count	5	3	1	0	9	क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकैंट वैल्यू .383, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	55.6%	33.3%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q39	4.2%	1.3%	3.6%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	20	40	7	8	75	
		% within Occupation	26.7%	53.3%	9.3%	10.7%	100.0%	
		% within Q39	16.9%	17.4%	25.0%	17.0%	17.7%	
	Research Scholar	Count	39	71	5	16	131	
		% within Occupation	29.8%	54.2%	3.8%	12.2%	100.0%	
		% within Q39	33.1%	30.9%	17.9%	34.0%	31.0%	
	Others	Count	15	30	6	11	62	
		% within Occupation	24.2%	48.4%	9.7%	17.7%	100.0%	
		% within Q39	12.7%	13.0%	21.4%	23.4%	14.7%	
Total		Count	118	230	28	47	423	
		% within Occupation	27.9%	54.4%	6.6%	11.1%	100.0%	
		% within Q39	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की झुकाव रखते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 20 प्रतिशत ने हाँ और 40 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 23.9 प्रतिशत ने हाँ और 65.2 प्रतिशत ने नहीं और 4.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 6.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 32.7 प्रतिशत ने हाँ और 49 प्रतिशत ने नहीं और 8.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 26.7 प्रतिशत ने हाँ और 53.3 प्रतिशत ने नहीं और 9.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 29.8 प्रतिशत ने हाँ और 54.2 प्रतिशत ने नहीं और 3.8 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 24.2 प्रतिशत ने हाँ और 48.4 प्रतिशत ने नहीं और 9.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 17.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 27.9 प्रतिशत ने हाँ और 54.4 प्रतिशत ने नहीं और 6.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 11.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.76. व्यवसाय और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	19.141 ^a	18	.383
Likelihood Ratio	19.149	18	.383
Linear-by-Linear Association	1.653	1	.199
N of Valid Cases	423		
a. 11 cells (39.3%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .33.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 19.141, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .383, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 19.141, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .383, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव के बीच के अंतर को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.77. व्यवसाय और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 39 क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं?							
			प्रश्न 39 क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं?				काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent	
	Labour	Count	2	1	1	1	5

Occu pation		% within Occupation	40.0%	20.0%	20.0%	20.0%	100.0%	कलकु लेटिव वैल्यू 18.57 1, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटि कल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नी फिसेंट वैल्यू .419, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Q40	0.9%	0.7%	5.0%	2.0%	1.2%	
	Private Employ ee	Count	36	42	4	10	92	
		% within Occupation	39.1%	45.7%	4.3%	10.9%	100.0%	
		% within Q40	16.9%	30.2%	20.0%	19.6%	21.7%	
	Govern ment Employ ee	Count	22	17	3	7	49	
		% within Occupation	44.9%	34.7%	6.1%	14.3%	100.0%	
		% within Q40	10.3%	12.2%	15.0%	13.7%	11.6%	
	Busines sman	Count	6	2	1	0	9	
		% within Occupation	66.7%	22.2%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q40	2.8%	1.4%	5.0%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	42	20	4	9	75	
		% within Occupation	56.0%	26.7%	5.3%	12.0%	100.0%	
		% within Q40	19.7%	14.4%	20.0%	17.6%	17.7%	
	Researc h Scholar	Count	68	39	6	18	131	
		% within Occupation	51.9%	29.8%	4.6%	13.7%	100.0%	
		% within Q40	31.9%	28.1%	30.0%	35.3%	31.0%	
	Others	Count	37	18	1	6	62	
		% within Occupation	59.7%	29.0%	1.6%	9.7%	100.0%	
		% within Q40	17.4%	12.9%	5.0%	11.8%	14.7%	
Total		Count	213	139	20	51	423	
		% within Occupation	50.4%	32.9%	4.7%	12.1%	100.0%	
		% within Q40	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 40 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 20 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 39.1 प्रतिशत ने हाँ और 45.7 प्रतिशत ने नहीं और 4.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 10.9 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 44.9 प्रतिशत ने हाँ और 34.7 प्रतिशत ने नहीं और 6.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और

14.3 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 66.7 प्रतिशत ने हाँ और 22.2 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थीयों में से 56 प्रतिशत ने हाँ और 26.7 प्रतिशत ने नहीं और 5.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थीयों में से 51.9 प्रतिशत ने हाँ और 29.8 प्रतिशत ने नहीं और 4.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 13.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 59.7 प्रतिशत ने हाँ और 29 प्रतिशत ने नहीं और 1.6 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 50.4 प्रतिशत ने हाँ और 32.9 प्रतिशत ने नहीं और 4.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 12.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.78. व्यवसाय और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	18.571 ^a	18	.419
Likelihood Ratio	18.463	18	.426
Linear-by-Linear Association	2.430	1	.119
N of Valid Cases	423		
a. 12 cells (42.9%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .24.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 18.571, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .419, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण फॉलो करने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 18.571, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .419, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के

रूप में व्यवसाय, पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण फॉलो करने के बीच अंतर के महत्व को प्रभावित नहीं कर सकता है।

4.7.79. व्यवसाय और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति की क्रॉस टैब डेटा का विश्लेषण।

प्रश्न 40 क्या आप पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करते हैं?			Q40 Do you follow the presence of some opinion leaders in a particular party keeping in mind it?				Total	काई-स्क्वेर
			Yes	No	Can't say	To some extent		
Occupation	Labour	Count	1	1	2	1	5	कल्कुलेटिव वैल्यू 23.279, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .180, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।
		% within Occupation	20.0%	20.0%	40.0%	20.0%	100.0%	
		% within Q41	0.6%	0.6%	5.6%	2.5%	1.2%	
	Private Employee	Count	42	39	4	7	92	
		% within Occupation	45.7%	42.4%	4.3%	7.6%	100.0%	
		% within Q41	24.1%	22.5%	11.1%	17.5%	21.7%	
	Government Employee	Count	20	21	6	2	49	
		% within Occupation	40.8%	42.9%	12.2%	4.1%	100.0%	
		% within Q41	11.5%	12.1%	16.7%	5.0%	11.6%	
	Businessman	Count	5	3	1	0	9	
		% within Occupation	55.6%	33.3%	11.1%	0.0%	100.0%	
		% within Q41	2.9%	1.7%	2.8%	0.0%	2.1%	
	Student	Count	34	24	5	12	75	
		% within Occupation	45.3%	32.0%	6.7%	16.0%	100.0%	
		% within Q41	19.5%	13.9%	13.9%	30.0%	17.7%	
	Research Scholar	Count	53	53	13	12	131	
		% within Occupation	40.5%	40.5%	9.9%	9.2%	100.0%	
		% within Q41	30.5%	30.6%	36.1%	30.0%	31.0%	
		Count	19	32	5	6	62	

	Other s	% within Occupation	30.6%	51.6%	8.1%	9.7%	100.0%
		% within Q41	10.9%	18.5%	13.9%	15.0%	14.7%
Total	Count		174	173	36	40	423
	% within Occupation		41.1%	40.9%	8.5%	9.5%	100.0%
	% within Q41		100.0%	100.0%	100.0%	100.0%	100.0%

उक्त तालिका के प्रश्न क्या आप पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करते हैं? इस प्रश्न के उत्तर में मजदूर वर्ग के 5 लोगों में से 20 प्रतिशत ने हाँ और 20 प्रतिशत ने नहीं और 40 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 20 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 92 प्राइवेट कर्मचारियों में से 45.7 प्रतिशत ने हाँ और 42.4 प्रतिशत ने नहीं और 4.3 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 7.6 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 49 सरकारी कर्मचारियों में से 40.8 प्रतिशत ने हाँ और 42.9 प्रतिशत ने नहीं और 12.2 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 4.1 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 9 व्यवसायी लोगों में से 55.6 प्रतिशत ने हाँ और 33.3 प्रतिशत ने नहीं और 11.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 0 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 75 विद्यार्थियों में से 45.3 प्रतिशत ने हाँ और 32 प्रतिशत ने नहीं और 6.7 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 16 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 131 शोधार्थियों में से 40.5 प्रतिशत ने हाँ और 40.5 प्रतिशत ने नहीं और 9.9 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.2 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा 62 अन्य लोगों में से 30.6 प्रतिशत ने हाँ और 51.6 प्रतिशत ने नहीं और 8.1 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.7 प्रतिशत ने कुछ हद तक तथा इस प्रकार से कुल 423 लोगों में से 41.1 प्रतिशत ने हाँ और 40.9 प्रतिशत ने नहीं और 8.5 प्रतिशत ने कह नहीं सकते और 9.5 प्रतिशत ने कुछ हद तक में अपनी राय व्यक्त की है।

4.7.80. व्यवसाय और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति की काई स्क्वेर डेटा का विश्लेषण।

Chi-Square Tests			
	Value	df	Asymp. Sig. (2-sided)
Pearson Chi-Square	23.279 ^a	18	.180
Likelihood Ratio	21.699	18	.246
Linear-by-Linear Association	1.546	1	.214
N of Valid Cases	423		
a. 10 cells (35.7%) have expected count less than 5. The minimum expected count is .43.			

व्याख्या: कल्कुलेटिव वैल्यू 23.279, डिग्री ऑफ फ्रीडम 18 की क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .180, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है।

शून्य परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए फॉलो करने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

वैकल्पिक परिकल्पना- उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए फॉलो करने के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

उक्त तालिका उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए फॉलो करने के बीच अंतर के महत्व का पता लगाने से संबंधित है। चूंकि कल्कुलेटिव वैल्यू 23.279, क्रिटिकल वैल्यू 28.87 से कम है और सिग्नीफिकेंट वैल्यू .180, पी वैल्यू .05 से ज्यादा है, इसलिए शून्य परिकल्पना उत्तरदाताओं का व्यवसाय और पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए फॉलो करने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, स्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को खारिज किया जाता है। यह बताता है कि एक चर के रूप में व्यवसाय, पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए फॉलो करने के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर को प्रभावित नहीं कर सकता है।

संदर्भ सूची

- तिवारी, अर्जुन (2010). *आधुनिक पत्रकारिता*, वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन.
- ACE (2014). First Reporting on media coverage of contestants during the election campaign period. retrieved from <http://aceproject.org/ace-en/topics/me/one>.
- Adler, R. B., Rodman, G. R., & Cropley, C. (2006). Understanding human communication (Vol. 10). New York NY: Oxford University Press.
- Aldridge, M., & Evetts, J. (2003). Rethinking the concept of professionalism: the case of journalism. *The British journal of sociology*, 54(4), 547-564.
- Altheide, D. L., & Robert, P. (1979). *Snow, Media Logic*. Beverly Hills, CA: Sage, 9, 59-72.
- Altheide, D. L., & Snow, R. P. (1985). *Media logic*. Sage Publications.
- Altheide, D.L. (2004). Media logic and political communication. *Political Communication*, 21(3), 293-296.
- Althusser, L. (2006). Ideology and ideological state apparatuses (notes towards an investigation). *The anthropology of the state: A reader*, 9(1), 86-98.
- Anas, M. (2016). Media Impact and Elections : A Study of Political Campaign in Contemporary India. *Journal for studies in management and planning*, 02(04).
- Anderson, C., & Schudson, M. (2009). Objectivity, professionalism, and truth-seeking in journalism. *The handbook of journalism studies* (pp. 108-121). Routledge.
- Arendt, H., Benhabib, S., Bohman, J., Dewey, J., Elster, J., Fraser, N., ... & Lippmann, W. (2010). *The idea of the public sphere: A reader*. Lexington Books.

- Bagdikian, B. (1987). The media brokers: Concentration and ownership of the press. *Multinational Monitor*, 8, 7-12.
- Baker, C. E. (2004). *Media Market and Democracy*. UK: Cambridge University Press.
- Baran, J. S., & Davis, K. D. (2006). *Mass communication theory: Foundation and future*.
- Barclay, F. P., Venkat, A., & Pichandy, C. (2015). Media effect: correlation between press trends and election results. *Media Asia*, 42(3-4), 192-208.
- Bardoel, J. (1996). Beyond journalism: A profession between information society and civil society. *European journal of communication*, 11(3), 283-302.
- Barnes, S., & Strate, L. (1996). The educational implications of the computer: A media ecology critique. *Atlantic Journal of Communication*, 4(2), 180-208.
- Basu, A. (2016). *Role of Media in Electoral Politics in India: A Study of General Elections 2014*.
- Bennett, W. L. (1990). Toward a theory of press-state relations in the United States. *Journal of communication*, 40(2), 103-127.
- Bennett, W. L., & Entman, R. M. (2000). *Mediated politics*. Cambridge: Cambridge University Press.
- Besley, T., & Burgess, R. (2001). Political agency, government responsiveness and the role of the media. *European Economic Review*, 45(4-6), 629-640.
- Blumler, J. G., & Gurevitch, M. (1995). *The crisis of public communication*. Psychology Press.
- Blumler, J. G., & Gurevitch, M. (2000). Rethinking the study of political communication. *Mass media and society*, 3.

- Blumler, J. G., & Gurevitch, M. (2001). The new media and our political communication discontents: Democratizing cyberspace. *Information, Communication & Society*, 4(1), 1-13.
- Brants, K., & Van Praag, P. (2006). Signs of media logic half a century of political communication in the Netherlands. *Javnost-the public*, 13(1), 25-40.
- Bucy, E. P., & Grabe, M. E. (2007). Taking television seriously: A sound and image bite analysis of presidential campaign coverage, 1992–2004. *Journal of Communication*, 57(4), 652-675.
- Burnett, G., & Jaeger, P. T. (2008). Small Worlds, Lifeworlds, and Information: The Ramifications of the Information Behaviour of Social Groups in Public Policy and the Public Sphere. *Information Research: An International Electronic Journal*, 13(2).
- Buşu, O. V., Teodorescu, M., & Gifu, D. (2014). Communicational positive propaganda in democracy. *International Letters of Social and Humanistic Sciences (ILSHS)*, 27, 82-93.
- Calhoun, C. J. (Ed.). (1992). *Habermas and the public sphere*. MIT press.
- Cappella, J. N., & Jamieson, K. H. (1997). *Spiral of cynicism: The press and the public good*. Oxford University Press on Demand.
- Carey, J. (1995). The press, public opinion, and public discourse. *Public opinion and the communication of consent*, 373-402.
- Carpini, M. X. D. (2004). *Mediating democratic engagement: The impact of communications on citizens' involvement in political and civic life*.

- Castells, M. (2008). The new public sphere: Global civil society, communication networks, and global governance. *The Annals of the American academy of Political and Social Science*, 616(1), 78-93.
- Chalaby, J. K. (2005). French political communication in a comparative perspective: The media and the issue of freedom. *Modern & Contemporary France*, 13(3), 273-290.
- Childs, H. L. (1965). *Public Opinion Nature Formation and Role*. Princeton: D. Van Nostrand Company.
- Chomsky, N. (1991). Some notes on economy of derivation and representation. *Anuario del Seminario de Filología Vasca "Julio de Urquijo"*, 53-82.
- Chomsky, N. (1995). *Necessary Illusions: Thought control in democratic societies*. House of Anansi.
- Chomsky, N. (2002). *Media control: The spectacular achievements of propaganda (Vol. 7)*. Seven Stories Press.
- CLARK, L. S. (2008). *Roger Silverstone, Media and Morality: On the Rise of the Mediapolis*. Cambridge: Polity Press, 2007. Vii+ 215 pp. ISBN 0-7456-3504-0, \$25.95 (pbk). *New Media & Society*, 10, 3.
- Clow, K. E. (2004). *Integrated advertising, promotion, and marketing communications*. Pearson Education India.
- Cohen, J., & Rogers, J. (1994). Solidarity, democracy, association. In *Staat und Verbände* (pp. 136-159). VS Verlag für Sozialwissenschaften, Wiesbaden.
- Cook, T. E. (2006). The news media as a political institution: Looking backward and looking forward. *Political Communication*, 23(2), 159-171.

- Coronel, S. (2003). The role of the media in deepening democracy. NGO Media Outreach: Using the.
- Couldry, N. (2008). Media and the problem of voice. Participation and media production: Critical reflections on content creation, 15-26.
- Couldry, N. (2011). Media and Democracy. In Media and social justice (pp. 45-54). Palgrave Macmillan, New York.
- Couldry, N., & Hepp, A. (2013). Conceptualizing medialization: Contexts, traditions, arguments. *Communication Theory*, 23(3), 191-202.
- Croteau, D., & Hoynes, W. (2001). The business of media. Corporate Media and the Public Interest. A Pine Forge Press Publication.
- Curran, J. (2011). Media and democracy. Taylor & Francis.
- Dahlgren, P. (2001). The public sphere and the net: Structure, space, and communication. Mediated politics: Communication in the future of democracy, 33-55.
- Dahlgren, P. (2001). The public sphere and the net: Structure, space, and communication. Mediated politics: Communication in the future of democracy, 33-55.
- Dalton, R. J. (2006). Citizenship norms and political participation in America: The good news is... the bad news is wrong. *The Center for Democracy phone*, 202, 687-0593.
- Dalton, R. J. (2013). Citizen politics: Public opinion and political parties in advanced industrial democracies. Cq Press.
- Dawns, A. (1957). A Democratic Theory of Democracy.
- Durham, M. G., & Kellner, D. M. (2006). Media and Cultural Studies. Revised Edition. UK: Blackwell Publishing.

- Edward S.. Herman, & Chomsky, N. (1988). *Manufacturing consent: The political economy of the mass media*. London: Vintage.
- Entman, R. M. (2007). Framing bias: Media in the distribution of power. *Journal of communication*, 57(1), 163-173.
- Entman, R. M., & Bennett, W. L. (2001). Communication in the future of democracy: A conclusion. *Mediated politics: Communication in the future of democracy*, 468-480.
- Ernst, F. E., & Herman, G. C. (2000). Tomography of dispersive media. *The Journal of the Acoustical Society of America*, 108(1), 105-116.
- Esser, F. (2008). Dimensions of political news cultures: Soundbite and image bite
- Esser, F. (2013). Mediatization as a challenge: Media logic versus political logic. In *Democracy in the Age of Globalization and Mediatization* (pp. 155-176). Palgrave Macmillan, London
- Ferguson, A. (1995). *Ferguson: An Essay on the History of Civil Society*. Cambridge University Press.
- Fox, E. (1998). *Media and politics in Latin America; the struggle for democracy*. sage.
- Fraser, N. (1990). Rethinking the public sphere: A contribution to the critique of actually existing democracy. *Social Text*, (25/26), 56-80.
- Friedman, B. (2003). Mediated popular constitutionalism. *Michigan Law Review*, 101(8), 2596-2636.
- Garnham, N. (1992). *The media and the public sphere* (pp. 359-376). The MIT Press, London.
- Gaventa, J. (2004). Towards participatory governance: assessing the transformative possibilities. *Participation: From tyranny to transformation*, 25-41.

- Geuss, R. (1981). *The idea of a critical theory: Habermas and the Frankfurt School*. Cambridge University Press.
- Golding, P., & Murdock, G. (1978). Theories of communication and theories of society. *Communication Research*, 5(3), 339-356.
- Golding, P., & Murdock, G. (1991). Culture, communications and political economy. *Mass media and society*, 2, 15-32. Golding, P., & Murdock, G. (1991). Culture, communications and political economy. *Mass media and society*, 2, 15-32.
- Goode, L. (2005). *Jürgen Habermas: Democracy and the public sphere*. Pluto Pr.
- Grosswiler, P. (2001). Jürgen Habermas: Media ecologist. In *Proceedings of the Media Ecology Association* (Vol. 2, pp. 22-31).
- Gurevitch, M., & Blumler, J. G. (1990). Political communication systems and democratic values. *Democracy and the mass media*, 269-289.
- Gurevitch, M., Bennett, T., Curran, J., & Woollacott, J. (Eds.). (1982). *Culture, society and the media* (Vol. 759). London: Methuen.
- Habermas, J. (1974). On social identity. *Telos*, 1974(19), 91-103.
- Habermas, J. (1989). The structural transformation of the public sphere (T. Burger & F. Lawrence, Trans.). Cambridge: Polity. (Original work published 1962).
- Habermas, J. (1990). Citizenship and national identity (pp. 491-515).
- Habermas, J. (1994). Three normative models of democracy. *Constellations*, 1(1), 1-10.
- Habermas, J. (1996). Civil society and the political public sphere. *Between facts and norms*, 329-387.

- Habermas, J. (2006). Political communication in media society: Does democracy still enjoy an epistemic dimension? The impact of normative theory on empirical research. *Communication theory*, 16(4), 411-426.
- Habermas, J. (2006). Political communication in media society: Does democracy still enjoy an epistemic dimension? The impact of normative theory on empirical research. *Communication theory*, 16(4), 411-426.
- Habermas, J., Lennox, S., & Lennox, F. (1974). The public sphere: An encyclopaedia article (1964). *New German Critique*, (3), 49-55.
- Hallin, D. (1994). We keep America on top of the world. *Television journalism and the public*.
- Harrop, M., & Miller, W. L. (1987). The Responsive Voter: Short-term Influences on Voting Behaviour. In *Elections and Voters* (pp. 217-243). Palgrave, London.
- Hartley, J. (2012). *Communication, cultural and media studies: The key concepts*. Routledge.
- Helms, L. (2008). Governing in the media age: The impact of the mass media on executive leadership in contemporary democracies. *Government and Opposition*, 43(1), 26-54.
- Hepp, A., Hjarvard, S., & Lundby, K. (2015). Mediatization: theorizing the interplay between media, culture and society. *Media, culture & society*, 37(2), 314-324.
- Herman, E. S. (1996). The propaganda model revisited. *Monthly Review*, 48(3), 115.
- Herman, E. S. (2000). The propaganda model: A retrospective. *Journalism Studies*, 1(1), 101-112.
- Herman, E. S., & Chomsky, N. (2010). *Manufacturing consent: The political economy of the mass media*. Random House.

- Hjarvard, S. (2008). The mediatization of society. *Nordicom Review*, 29(2), 102-131.
- Hjarvard, S. (2014). From mediation to mediatization: The institutionalization of new media. In *Mediatized Worlds* (pp. 123-139). Palgrave Macmillan, London.
- Hjarvard, S. P. (2013). *The mediatization of culture and society*. Routledge.
- Horkheimer, M., & Adorno, T. W. (2006). The culture industry: Enlightenment as mass deception. *Media and cultural studies: Keywords*, 41-72.
- <http://links.jstor.org/sici?sici=0304-2421%28200206%2931%3A3%3C289%3AFMOTPS%3E2.0.CO%3B2-N>
- https://www.scirp.org/pdf/OJPS20120100003_72526218.pdf
- Huntington, S. P. (2006). *Political order in changing societies*. Yale University Press.
- Iyengar, S., & Simon, A. (1993). News coverage of the Gulf crisis and public opinion: A study of agenda-setting, priming, and framing. *Communication Research*, 20(3), 365-383.
- Jensen, K. B. (2013). Definitive and sensitizing conceptualizations of mediatization. *Communication Theory*, 23(3), 203-222.
- Joslyn, R. (1984). *Mass media and elections*. Addison Wesley Publishing Company.
- Karl, T. L., & Schmitter, P. C. (1991). Modes of transition in Latin America, southern and eastern Europe. *International Social Science Journal*, 128(2), 267-282.
- Keane, J. (1998). *The media and democracy*. Polity Press.
- Kellner, D. (1997). CULTURE AND MEDIA. *Sociology After Postmodernism*, 138.
- Kellner, D. (2003). *Media culture: Cultural studies, identity and politics between the modern and the post-modern*. Routledge.

- Kellner, D. (2014). Habermas, the public sphere, and democracy. In *Re-imagining public space* (pp. 19-43). Palgrave Macmillan, New York.
- Kiousis, S. (2001). Public trust or mistrust? Perceptions of media credibility in the information age. *Mass Communication & Society*, 4(4), 381-403.
- Kipphan, H. (Ed.). (2001). *Handbook of print media: technologies and production methods*. Springer Science & Business Media.
- Klaehn, J. (2005). *Filtering the news: Essays on Herman and Chomsky's propaganda model*. Montréal: Black Rose.
- Klaehn, J. (2009). The Propaganda Model: Theoretical and Methodological Considerations. *Westminster Papers in Communication & Culture*, 6(2).
- Kluge, A., & Negt, O. (2016). *Public sphere and experience: Analysis of the bourgeois and proletarian public sphere*. Verso Books.
- Krotz, F. (2007). The meta-process of mediatization as a conceptual frame. *Global media and communication*, 3(3), 256-260.
- Krotz, F. (2009). Mediatization: A concept with which to grasp media and societal change. *Mediatization: Concept, changes, consequences*, 21-40.
- Kumar, K. (1997). *Public and private in thought and practice: Perspectives on a grand dichotomy*. University of Chicago Press.
- Kumar, N. (2015). *Role of Indian Media Covering General Elections*.
- Lasswell, H. D. (2018). *Politics: Who gets what, when, how*. Pickle Partners Publishing.
- Laughey, D. (2007). *Key themes in media theory*. McGraw-Hill Education (UK).

- Lazarsfeld, P. F. (1941). Remarks on administrative and critical communications research. *Zeitschrift für Sozialforschung*, 9(1), 2-16.
- Lijphart, A. (2012). *Patterns of democracy: Government forms and performance in thirty-six countries*. Yale University Press.
- Lijphart, A., & Aitkin, D. (1994). *Electoral systems and party systems: A study of twenty-seven democracies, 1945-1990*. Oxford University Press.
- Lippmann, W. (1922). *Public opinion*. New York: Free Press.
- Lippmann, W. (1922). *Stereotypes. Public Opinion and the Press*. Nueva York: Mcmillan Publishing Co.
- Lippmann, W. (1922). The world outside and the pictures in our heads. *Public opinion*, 4, 1-22.
- Lippmann, W. (1965). *Public opinion*. 1922.
- URL:https://monoskop.org/images/b/bf/Lippman_Walter_Public_Opinion.pdf
- Lippmann, W. (1991). *The method of freedom*. Transaction Publishers.
- Lippmann, W. (2017). *Public opinion*. Routledge.
- Lundby, K. (Ed.). (2009). *Mediatization: concept, changes, consequences*. Peter Lang.
- Martin, S. E., & Copeland, D. A. (Eds.). (2003). *The function of newspapers in society: A global perspective*. Greenwood Publishing Group.
- Mazzoleni, G. (1987). Media logic and party logic in campaign coverage: The Italian general election of 1983. *European journal of communication*, 2(1), 81-103.
- Mazzoleni, G. (2008). Media logic. *The international encyclopedia of communication*.

- McChesney, R. W., & McChesney, R. W. (1997). Corporate media and the threat to democracy (Vol. 1). Seven Stories Press.
- McCombs, M. E., & Shaw, D. L. (1972). The agenda-setting function of mass media. *Public opinion quarterly*, 36(2), 176-187.
- McCombs, M., Shaw, D. L., & Weaver, D. (1997). *Communication and democracy. Exploring the Intellectual Frontiers in Agenda Setting Theory*. New Jersey: Lawrence.
- McManus, J. H. (1994). *Market-driven journalism: Let the citizen beware?*. Sage Publications.
- McMillan, A. (2012). The election commission of India and the regulation and administration of electoral politics. *Election Law Journal*, 11(2), 187-201.
- McQuail, D. (1994). *Mass Communication*. John Wiley & Sons, Inc.
- McQuail, D. (1997). *Audience analysis*. Sage.
- McQuail, D. (2010). *McQuail's mass communication theory*. Sage publications.
- Meyen, M., Thieroff, M., & Strenger, S. (2014). Mass media logic and the mediatization of politics: A theoretical framework. *Journalism Studies*, 15(3), 271-288.
- Moore, M. G. (1989). *Three types of interaction*. Taylor & Francis.
- Mosco, V. (1996). *The political economy of communication: Rethinking and renewal* (Vol. 13). Sage.
- Mullen, A., & Klaehn, J. (2010). The Herman–Chomsky Propaganda Model: A Critical Approach to Analysing Mass Media Behaviour. *Sociology Compass*, 4(4), 215-229.
- Negrine, R. M. (1996). *The communication of politics*. Sage.
- Nesbitt-Larking, P. W. (2007). *Politics, society, and the media*. University of Toronto Press.

- Nimmo, D., & Combs, J. (1983). *Political Communication*. Nova Iorque: Longman.
- Nimmo, D., & Combs, J. (1984). *A Man for All Seasons—The Mediated World of Election Campaigns*. Graber, D.(ur.).
- Ninan, S. (2007). *Headlines from the heartland: Reinventing the Hindi public sphere*. Sage.
- Niyazi, T. A. (2011). *Politics after Vernacularisation: Hindi Media and Indian Democracy*. Economic and Political Weekly.
- Noelle-Neumann, E. (1993). *The spiral of silence: Public opinion, our social skin*. University of Chicago Press.
- Page, B. I. (1996). The mass media as political actors. *PS: political science & politics*, 29(1), 20-24.
- Patterson, T. (1993). *Out of order*. New York: Alfred A Knopf.
- Patterson, T. E. (1993). *Out of order: How the decline of the political parties and the growing power of the news media undermine the American way of electing presidents*. New York: Alfred Knopf.
- Patterson, T. E. (1996). Bad news, period. *PS: Political Science & Politics*, 29(1), 17- 20.
- Sabato, L., Lichter, R. S., Stencel, M., & Lichter, S. R. (2000). *Peepshow: Media and politics in an age of scandal*. Rowman & Littlefield.
- Sarkar, S. (2001). Indian democracy: the historical inheritance. *The Success of India's Democracy*, 23-46.
- Schiller, D. (1996). *Theorizing communication: A history*. Oxford University Press.
- Schlesinger, P. (1989). From production to propaganda?. *Media, Culture & Society*, 11(3), 283-306.

- Schulz, W. (2004). Reconstructing mediatization as an analytical concept. *European journal of communication*, 19(1), 87-101.
- Shah, D. V., Domke, D., & Wackman, D. B. (1996). "To Thine Own Self Be True" Values, Framing, and Voter Decision-Making Strategies. *Communication Research*, 23(5), 509-560.
- Sharda, P. V. (1989). Impact of Television on Rural Areas. *Communicator*, 25, 2-4.
- Shaw, D. L., & McCombs, M. E. (1977) *The Emergence of American Political Issues: The Agenda-Setting Function of the Press*. St. Paul: West Publishing Company.
- Signitzer, B., & Prexl, A. (2007). Corporate sustainability communications: Aspects of theory and professionalization. *Journal of Public Relations Research*, 20(1), 1-19.
- Siune, K., & Kline, F. G. (1975). *Communication, mass political behavior, and mass society*. Political communication: Issues and strategies for research, 65.
- Sjöblom, G. (1968). Party strategies in a multiparty system. *Lund political studies*, 7.
- Splichal, S. (1999). Ownership regulation and socialisation: Rethinking the principles of democratic media. *Javnost-The Public*, 6(2), 5-24.
- Steel, R. (1980). *Walter Lippmann and the American Century*. [Mit Porter.](2. Print.). Transaction Publishers.
- Stevenson, N. (2004). Media, cultural citizenship and the global public sphere. *The Idea of Global Civil Society: Ethics and Politics in a Globalizing Era*, 67.
- Street, J. (2010). *Mass media, politics and democracy*. Palgrave Macmillan.
- Strömbäck, J. (2008). Four phases of mediatization: An analysis of the mediatization of politics. *The international journal of press/politics*, 13(3), 228-246.

- Strömbäck, J., & Esser, F. (2009). Shaping politics: Mediatization and media interventionism.
- Strömbäck, J., & Van Aelst, P. (2013). Why political parties adapt to the media: Exploring the fourth dimension of mediatization. *International Communication Gazette*, 75(4), 341-358.
- Susen, S. (2011). Critical notes on Habermas's theory of the public sphere.
- Turner, G. (2010). Ordinary people and the media: The demotic turn. Sage Publications.
- Van Aelst, P., Thesen, G., Walgrave, S., & Vliegenthart, R. (2013, June). Mediatization and the media's political agenda-setting influence. In Comparative Agendas Project conference, Antwerp, June (pp. 27-29).
- Walgrave, S., & Van Aelst, P. (2006). The contingency of the mass media's political agenda setting power: Toward a preliminary theory. *Journal of communication*, 56(1), 88-109.
- Walgrave, S., Soroka, S., & Nuytemans, M. (2008). The mass media's political agenda-setting power: A longitudinal analysis of media, parliament, and government in Belgium (1993 to 2000). *Comparative Political Studies*, 41(6), 814-836.

शोध प्रश्नावली

उत्तरदाता क नाम.....उम्र.....

शैक्षिक योग्यता.....व्यवसाय.....

मो. न.....ईमेल.....

नोट- आपके द्वारा दी गयी जानकारी का उपयोग सिर्फ शोधकार्य के लिए किया जायेगा।

शोधार्थी- लाल सिंह, विभाग- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

शोध विषय- लोक सभा चुनाव 2019: हिंदी सामाचार पत्रों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

विश्वविद्यालय- लवली प्रोफेशनल युनिवर्सिटी फगवाड़ा (पंजाब) 144411

मो. 8208874611, ईमेल- lalsingh006@gmail.com

समाचार पत्र पठन-पाठन आधारित प्रश्नावली

प्रश्न 1 क्या आप हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ने में रुचि रखते हैं?

- 1) हाँ
- 2) बहुत कम
- 3) बहुत अधिक

प्रश्न 2 आप कितने हिंदी समाचार पत्रों को पढ़ते हैं?

- 1) एक
- 2) दो
- 3) तीन से अधिक

प्रश्न 3 आप हिंदी समाचारों को पढ़ने में कितना समय खर्च करते हैं?

- 1) 0 से 30 मिनट
- 2) 31 से 60 मिनट
- 3) एक घंटे से अधिक

प्रश्न 4 आप हिंदी समाचार पत्र पढ़ते हैं?

- 1) ऑनलाइन
- 2) ऑफलाइन
- 3) ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों

प्रश्न 5 क्या आप हिंदी समाचार पत्रों में चुनावी खबरों को पढ़ना पसंद करते हैं?

- 1) हाँ
- 2) कभी कभी

3) बहुत कम

मतदाता एवं चुनावी मुद्दे आधारित प्रश्नावली

प्रश्न 6 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी खबरों को ध्यान में रखकर लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 7 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित चुनावी मुद्दों को ध्यान में रख कर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 8 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में मतदान करते समय रोजगार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 9 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में राम मंदिर के मुद्दे को ध्यान में रखकर किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 10 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में कश्मीर में धारा 370 हटाने वाले मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 11 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित भ्रष्टाचार के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 12 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित आपराधिक घटनाओं में मिलने वाले न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 13 क्या आपने हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 14 क्या आपने पार्टी विशेष की विदेश नीति की स्पष्टता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 15 क्या आपने पार्टियों द्वारा किये जाने वाले विकास के वादों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 16 क्या आपने कृषि आधारित मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 17 क्या आपने पार्टी की लोकतांत्रिक विचार धारा को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 18 क्या आपने लैंगिक न्याय को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 19 क्या आपने राजनीतिक पार्टियों की सुरक्षा व्यवस्था से प्रभावित होकर मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 20 क्या आपने स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 21 क्या आपने शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 22 क्या आपने आरक्षण व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 23 क्या आपने देश में डर का महौल बनाने वाले आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान किया था?

5) हाँ

6) नहीं

7) कह नहीं सकते

8) कुछ हद तक

प्रश्न 24 क्या आपने देश को खोखला करने वाले संप्रदायवाद को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 25 क्या आपने ने देश में पर्यावरण जैसे मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

क्षेत्रीय उम्मीदवार आधारित प्रश्नावली

प्रश्न 26 क्या आपने संसदीय उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 27 क्या आपने किसी प्रकार के दबाव में आकर पार्टी विशेष के उम्मीदवार के लिए मतदान दिया था?

5) हाँ

6) नहीं

7) कह नहीं सकते

8) कुछ हद तक

प्रश्न 28 क्या आपने उम्मीदवार की साफ सुथरी छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

1) हाँ

- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 29 क्या आपने उम्मीदवार के दबंगीय स्वभाव को देख कर उसे मतदान दिया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 30 क्या आपने पार्टी विशेष के उम्मीदवार को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रधानमंत्री उम्मीदवार आधारित प्रश्नावली

प्रश्न 31 क्या आपने लोक सभा चुनाव 2019 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर वोट किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 32 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की साफ व स्वच्छ छवि को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 33 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की स्पष्ट दूर दृष्टिता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

- 1) हाँ
- 2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 34 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की निर्णय क्षमता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 35 क्या आपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की लोकप्रियता को ध्यान में रखकर मतदान किया था?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

पार्टी आधारित प्रश्नावली

प्रश्न 36 क्या आप सभी राजनीतिक पार्टियों को एक समान मानते हैं?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 37 क्या आप पार्टी विशेष की विचारधारा को मानते हैं?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 38 क्या आप पारंपरिक रूप से पार्टी विशेष की ओर झुकाव रखते हैं?

1) हाँ

2) नहीं

3) कह नहीं सकते

4) कुछ हद तक

प्रश्न 39 क्या आप पार्टी विशेष के मूल्यों और सिद्धांतों के कारण उसे फॉलो करते हैं?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकते
- 4) कुछ हद तक

प्रश्न 40 क्या आप पार्टी विशेष में कुछ विशिष्ट कदवार नेताओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे फॉलो करते हैं?

- 1) हाँ
- 2) नहीं
- 3) कह नहीं सकता
- 4) कुछ हद तक

शोधार्थी के हस्ताक्षर
हस्ताक्षर

उत्तरदाता के

साक्षात्कार प्रश्नावली

शोधार्थी- लाल सिंह, विभाग- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

शोध विषय- लोक सभा चुनाव 2019: हिंदी समाचार पत्रों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

विश्वविद्यालय- लवली प्रोफेशनल युनिवर्सिटी फगवाड़ा (पंजाब) 144411

मो. 8208874611, ईमेल- lalsingh006@gmail.com

उत्तर दाता क नाम.....उम्र.....व्यवसाय.....

मो. न. ईमेल.....

नोट- आपके द्वारा दी गयी जानकारी का उपयोग सिर्फ शोधकार्य के लिए किया जायेगा।

- प्रश्न-1** आपकी नजर से लोक सभा चुनाव 2019 के चुनाव में हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों ने समाचार पत्रों के पाठकों को मतदान के लिए प्रेरित किया था यदि हाँ तो किस प्रकार?
- प्रश्न-2** लोक सभा चुनाव 2019 से संबंधित खबरों को प्रकाशित करने के लिये किस प्रकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाता था?
- प्रश्न-3** क्या चुनावी खबरों के प्रकाशन में चुनावी खबरों चुनावी मद्दों को मिश्रित किया जाता था?
- प्रश्न-4** चुनाव के समय चुनावी खबरों को प्रकाशित करना हिंदी समाचार पत्रों के प्रमुख एजेंडों में से एक था? आप क्या कहना चाहेंगे?
- प्रश्न-5** हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें मतदाता को दिगभ्रमित नहीं करती हैं बल्कि अपने मताधिकार का सदुपयोग करना सिखाती हैं? आपका क्या मत है?
- प्रश्न-6** हिंदी समाचार पत्रों ने लोक सभा चुनाव 2019 के दौरान निष्पक्ष होकर पत्रकारिता की थी, न कि सत्ता पक्ष को ध्यान में रखकर पार्टी विशेष का महिमा मंडन किया था?
- प्रश्न-7** जिस प्रकार से हिंदी समाचार पत्रों में पार्टी विशेष की ओर झुकाव देखने को मिलता है, क्या समाचार पत्र अपने ध्येय से भटक रहे हैं?
- प्रश्न-8** आपकी नजर से हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें आमजन या मतदाता को किस तरह से प्रभावित करती हैं?
- प्रश्न-9** लोक सभा चुनाव 2019 के समय जो राजनीतिक पार्टी समाचार पत्र को ज्यादा विज्ञापन देती थी, क्या उस पार्टी की खबरों को ज्यादा महत्व दिया जाता था?

शोध पत्र प्रकाशन सूची

1. लखनऊ से प्रकाशित हिंदी के प्रमुख समाचार पत्रों के चुनावी एजेंडे का अध्ययन (संदर्भ विशेष- लोक सभा चुनाव 2019), शोध दिशा (यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त शोध पत्रिका) आई.एस.एस.एन: 0975-735X, शोध अंक 62/2, अप्रैल-जून 2023, पेज नंबर 35-40
2. नव संस्कृति निर्माण में तकनीकी की भूमिका, (पियर रिव्यूड रिसर्च जर्नल) आई.एस.एस.एन: 2582-4775, जून-सितंबर 2023, पेज नंबर 33-36
3. हिंदी प्रिंट मीडिया में प्रकाशित चुनावी खबरों का आम जनता पर प्रभाव (संदर्भ विशेष: लोक सभा चुनाव 2019), अक्षरवार्ता (मासिक अंतरराष्ट्रीय पियर रिव्यूड एवं रेफर्ड जर्नल), आई.एस.एस.एन: 2349-7521, वर्ष-19 अंक-10, अगस्त-2023, पेज नंबर 31-36
4. शिक्षण के विकास में तकनीकी और संचार का योगदान, अक्षरा मल्टीडिस्प्लिनरी रिसर्च जर्नल (सिंगल ब्लाइंड पियर रिव्यूड & रिफर्ड इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल), आई.एस.एस.एन: 2582-5429, नवंबर 2023, स्पेशल इश्यू 10/वैल्यूम 1, पेज नंबर 128-130
5. डॉ. भीमराव अंबेडकर, दलित अस्मिता और मीडिया, अक्षरा मल्टीडिस्प्लिनरी रिसर्च जर्नल (सिंगल ब्लाइंड पियर रिव्यूड & रिफर्ड इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल), आई.एस.एस.एन: 2582-5429, अक्टूबर 2023, स्पेशल इश्यू 09, वैल्यूम 6, पेज नंबर 110-113
6. भारतीय संस्कृति के आदान-प्रदान में सोशल मीडिया का योगदान, भारतीय संस्कृति में संस्कृत एवं हिंदी भाषा का योगदान (संपादिक पुस्तक) आई.एस.बी.एन: 978-93-89809-30-5, प्रकाशक: साहित्य संचय, प्रथम संस्करण, वर्ष 2020, पेज नंबर 152-165
7. प्रधानमंत्री पद और हिंदी समाचार पत्र: एक विश्लेषण, संवाद पथ (यूजीसी लिस्टेड), ISSN: 2581-7353, खंड-6 अंक-4, जनवरी-मार्च 2024, पेज नंबर 30-36
8. हिंदी समाचार पत्रों का मतदान व्यवहार पर प्रभाव (संदर्भ विशेष: लोक सभा चुनाव 2024), RABINDRA BHARTI PATRIKA: Rabindra Bharati University (UGC Listed), ISSN: 0937-0037, जुलाई 9, 2024, वैल्यू: 19, पेज नंबर 20-30

सेमिनार में प्रस्तुत शोध पत्र

1. डॉ. बी.आर. अंबेडकर, दलित अस्मिता और मीडिया (22-23 फरवरी 2018, हाशिए का समाज और साहित्य में अस्मिता के उभरते नए आयाम) मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी हैदराबाद।
2. भारतीय संस्कृति के आदान-प्रदान में सोशल मीडिया का योगदान (14 मार्च 2020 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय संस्कृति में संस्कृत एवं हिंदी भाषा का योगदान) राजकीय महाविद्यालय गुरुदासपुर, पंजाब।
3. दलितों की मीडिया की आवश्यकता (16-17 फरवरी 2020, 2nd दलित साहित्य महोत्सव 2020) करोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी दिल्ली।
4. हिंदी प्रिंट मीडिया में प्रकाशित चुनावी खबरों का आम जनता पर प्रभाव (संदर्भ विशेष: लोक सभा चुनाव 2019), 30 सितंबर 2022 आनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी, डिजिटल युग में हिन्दी मीडिया और भारतीय समाज, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय दिल्ली।
5. लखनऊ से प्रकाशित हिंदी के प्रमुख समाचार पत्रों के चुनावी एजेंडे का अध्ययन (संदर्भ विशेष: लोक सभा चुनाव 2019), (25-26 नवंबर 2022 Changing Paradigms of Mass Communication, Films and Creative Arts-I) Lovely Professional University, Phagwara, Punjab 144411

वर्कशॉप

1. State Level Online Workshop on Plagiarism and Style Manual Organized by Sipna Shikshan Prasarak Mandal, Amravati's Arts, Science & Commerce College, Chikhaldara and Late Babasaheb Varhade Education Society, Amravati's Gadge Magaraj Arts, Science and Commerce College, Walgaon on 22/03/2022
2. One week E-workshop on Novel Approaches in Research Methodology from 11th – 17th may 2020 by Baba Mastnath University, Rohtak (Haryana)
3. 3-Week Intensive Training Programme on 'Research Methodology in Translation Studies' by the National Translation Mission in CIIL, Mysuru From 19 December 2018 to 08 January 2019

एफ.डी.पी.

1. Three-Day National Online Faculty Development Program (FDP) on "Research, Method, Techniques and Emerging Trends" by School of Liberal Arts and Humanities at Woxsen University from the 10th -12th of July 2023
2. One week Faculty Development Program on Research Methodology, by Pyramid College of Business and Technology, Phagwara (Punjab) held from 17th December 2021 to 23rd December 2021
3. One Week Inter Disciplinary Faculty Development Programme on "SAHITYA, MEDIA, MANOVIGYAN AUR VANIJYA KE VIVIDH AAYAM" From May 29-June 03, 2020
4. One Week Inter Disciplinary Faculty Development Programme on "BADALTA BHARTIYA PARIDRISHYA: SAHITYA, SANSKRITI, SANCHAR AUR MANOVIGYAN" from May 22 - May 28, 2020